3 राजधानी
पीजीआई में होगी सिर गर्दन की भी सर्जरी

6 अभिमत
गैस मूल्यों पर पुनर्विचार आवश्यक

9 राष्ट्रीय
पार्थ चटर्जी पांच अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में

12 स्पोर्ट्स
रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे सूर्यकुमार यादव

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 329
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 22 सितंबर, 2022
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत-अमेरिका के समान लक्ष्य व हित

विदेश-10

गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बनने को तैयार

- कहा- समय बताएगा कि मैं मुख्यमंत्री रहूंगा या नहीं, मैं वहां रहना चाहता हूं जहां मुझसे पार्टी को फायदा हो
- राहुल गांधी को मनाने का आखिरी प्रयास करेंगे, आज भारत जोड़ो यात्रा में करेंगे सहभागिता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सोनिया गांधी से मिलने 10 जनपथ पहुंचे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगला कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बुधवार को वो दिल्ली पहुंचे और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि उन्होंने सांगठनिक चुनाव पर चर्चा की तथा संकेत दिया कि यदि राहुल गांधी जिम्मेदारी संभालने के लिए सहमत नहीं होते है तो वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

गहलोत बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के नेतृत्व में निकल रही भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होंगे और इसके बाद वे अगले दिन जयपुर और राष्ट्रीप राजधानी पहुंचने से पहले साईं बाबा मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। दूसरी तरफ, पहले से ही चुनाव लड़ने का संकेत दे रहे लोकसभा सदस्य थरूर ने कांग्रेस के मुख्यालय में पहुंचकर पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री से मुलाकात की और नामांकन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। वैसे, कुछ अन्य नेताओं के भी चुनावी मैदान में उतरने की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। गहलोत ने दिल्ली में यह संकेत भी दिया कि वह अध्यक्ष और मुख्यमंत्री दोनों की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि अध्यक्ष बनने की स्थिति में अगर उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ता है तो उनकी जगह किसे यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। माना जा रहा है कि ऐसी स्थिति में गहलोत चाहेंगे कि उनका कोई करीबी मुख्यमंत्री बने, हालांकि सचिन पायलट के करीबी नेताओं का कहना है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह जिम्मेदारी पायलट को सौंपी जानी चाहिए।

गहलोत बुधवार शाम चार बजे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिले। करीब दो घंटे की मुलाकात के बाद गहलोत ने कुछ नहीं कहा। हालांकि सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की और कहा कि वह राहुल गांधी को मनाने का एक बार फिर प्रयास करेंगे। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे पार्टी ने सब कुछ दिया है, आलाकमान ने सब कुछ दिया है। पिछले 40-50 साल से मैं पदों पर ही हूं, मेरे लिए अब कोई पद महत्वपूर्ण नहीं है। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि जो जिम्मेदारी मिलेगी मुझे या जो जिम्मेदारी मुझे लेनी चाहिए, वो मैं निभाऊंगा। उनका यह भी कहना था, मुझ पर गांधी परिवार का विश्वास तो है ही है, जितने भी कांग्रेसजन हैं, उन सबके परिवारों का विश्वास मेरे ऊपर है...अगर वे मुझे कहेंगे कि नामांकन करना है, तो मैं भरूंगा। हमारे जो मित्र लोग हैं, उनसे बात करेंगे। एक सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा, अगर मेरा बस चले तो मैं किसी भी पद पर नहीं रहूं। मैं राहुल गांधी के साथ सड़क पर उतरूं और फासीवादी लोगों के खिलाफ मोर्चा खोलूं। गहलोत का यह भी कहना था कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में भारत जोड़ो यात्रा करेंगे तो पार्टी के लिए एक अलग माहौल बनेगा। यह पूछे जाने पर कि अध्यक्ष बन जाने की स्थिति में क्या वह मुख्यमंत्री भी बने रहेंगे तो उन्होंने कहा, यह प्रस्ताव हमने पारित किया है, जहां नामित होते हैं वहां दो पद होते हैं..यह चुनाव तो सबके लिए है।

इसमें कोई भी खड़ा हो सकता है...चाहे वो सांसद है, विधायक है, मंत्री है, मुख्यमंत्री है। कल किसी राज्य का मंत्री कहेगा कि मैं खड़ा होना चाहता हूं, तो वह हो सकता है। वह मंत्री भी रह सकता है और कांग्रेस अध्यक्ष भी बन सकता है। उन्होंने कहा, यह समय बताएगा कि मैं (मुख्यमंत्री) रहूंगा या नहीं। मैं वहां रहना चाहूंगा कि जहां मुझसे पार्टी को फायदा हो। मैं इसमें पीछे नहीं हटूंगा। एक व्यक्ति, एक पद से जुड़ी गहलोत की टिप्पणी पर मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि कांग्रेस में कोई भी चुनाव लड़ सकता है तथा पार्टी के संविधान के हिसाब से कोई भी डेलीगेट नामांकन दाखिल कर सकता है।

आजम खां पर मुकदमों के मामले पर सदन में हंगामा

- आजम ने शत्रु सम्पत्तियों सहित दलितों की जमीन पर कब्जा किया है: खन्ना
- आजम के खिलाफ फर्जी मुकदमें लिखने बंद कराए जाएं: माता प्रसाद पांडेय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बुधवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक मोहम्मद आजम खां को फर्जी मामलों में फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। नतीजतन, प्रश्नकाल की कार्यवाही नहीं हो सकी। उधर विधानसभा में भी आजम खां के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर चर्चा कराए जाने की मांग की और सरकार पर खान तथा उनके परिवार के उत्पीड़न का आरोप लगाया। हालांकि संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इसे खारिज करते हुए दावा किया कि सरकार दूध का दूध और पानी का पानी कर रही है।

सदन में सपा के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय ने सपा पार्टी के वरिष्ठ नेता सांसद मो आजम खां के खिलाफ हो रही कानूनी कार्रवाई को बदले की भावना और राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि वे इस सदन के वरिष्ठ सदस्य रहे हैं। उन्हे न सिर्फ दो साल जेल में रखा गया बल्कि उनके खिलाफ पेशेवर अपराधियों जैसा बर्ताव किया गया। जमानत पर होने के बावजूद उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे लिखे जा रहे हैं। यही नहीं सरकार उनकी जमानत तक खारिज कराने के लिए प्रयासरत है। जौहर विवि की खोदाई कराकर उसमें नगरपालिका की मशीनें बरामद कर उनके खिलाफ चोरी के नए-नए मुकदमें लिखे जा रहे है। माता प्रसाद ने कहा कि दो साल उन्हें सीतापुर में कालकोठरी में रखा गया।

उन्होंने विधानसभाध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि आजम खां के खिलाफ फर्जी मुकदमें लिखने बंद कराए जाएं। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब सदन के किसी सदस्य को न्याय नहीं मिलेगा तो कहां मिलेगा। सपा सदस्यों द्वारा आजम खां के मुद्दे पर उठाए गए आरोपों के जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि आजम खां पर फर्जी मुकदमें नहीं लगाए गए हैं। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई बदले की भावना से नहीं की जा रही है। मुकदमें के वादी ने ही उनपर धमकाने का आरोप लगाया हैं। उन्होंने शत्रु सम्पत्तियों सहित दलितों की जमीन पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। सपा के वरिष्ठ सदस्य लाल जी वर्मा ने सदन की समितियों के गठन का मामला उठाते हुए कहा कि सदन में विपक्ष के संख्याबल के आधार पर समितियों में उसके सदस्यों को मौका मिलना चाहिए।

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आश्वासन दिया कि सत्रावसान के बाद समितियों के गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। सपा के वरिष्ठ सदस्य मनोज कुमार पांडेय और राकेश कुमार सिंह ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि सदन में मंत्रियों द्वारा सदस्यों के पूछे गए सवालों का बिन्दुवार जवाब नहीं दिया जाता। इसके लिए जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिएं। इसी के साथ सपा के ही वरिष्ठ सदस्य लालजी वर्मा ने सदन में आने वाली याचिकाओं का जवाब न मिलने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि आज भी कई याचिकाएं और आश्वासन समितियों में ऐसे प्रकरण लंबित है जिसमें न तो याचिकाएं लगाने वाले लोग बचे है न ही जवाब देने वाले सदन में

(शेष पेज 4)

चैनलों पर हेट स्पीच मामले में सरकार चुप क्यों: कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी, कहा-विधि आयोग की सिफारिशों को क्यों नहीं लागू किया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विभिन्न टेलीविजन चैनल पर नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर नाराजगी जताते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को जानना चाहा कि क्या सरकार मूक दर्शक है और क्या केंद्र का इरादा विधि आयोग की सिफारिशों के अनुसार कानून बनाने का है या नहीं? शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि विजुअल मीडिया का विनाशकारी प्रभाव हुआ है और किसी को भी इस बात की परवाह नहीं है कि अखबारों में क्या लिखा है, क्योंकि लोगों के पास (अखबार) पढ़ने का समय नहीं है।

टीवी बहस के दौरान प्रस्तोता की भूमिका का उल्लेख करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह प्रस्तोता की जिम्मेदारी है कि वह किसी मुद्दे पर चर्चा के दौरान नफरती भाषण पर रोक लगाए। न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने के लिए संस्थागत प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है।

न्यायालय ने इस मामले में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर असंतोष जताया और मौखिक टिप्पणी की, सरकार मूक दर्शक क्यों बनी बैठी है? शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने को भी कहा कि क्या वह नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिबंध के लिए विधि आयोग की सिफारिशों के अनुरूप कानून बनाने का इरादा रखती है? इस बीच, पीठ ने भारतीय प्रेस परिषद और नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रॉडकास्टर्स (एनबीए) को

(शेष पेज 4)

मुख्तार अंसारी को सात साल की सजा

- 2003 में लखनऊ के जेलर को जानमाल की धमकी देने का मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2003 में जेलर एसके अवस्थी को जानमाल की धमकी देने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मुख्तार अंसारी को सात साल की सजा सुनाई है। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने मुल्जिम मुख्तार अंसारी पर कुल 37 हजार का जुर्माना भी ठोंका है। उन्होंने यह फैसला राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए दिया है। 23 दिसंबर 2020 को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने इस मामले में मुख्तार अंसारी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था।

विशेष अदालत ने अपने फैसले में गवाहों के मुकरने के आधार पर मुख्तार के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं होने की बात कही थी। विशेष अदालत के इस फैसले को राज्य सरकार ने जरिए अपील हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के पश्चात मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया। साथ ही मुख्तार को आईपीसी की धारा 353 लोकसेवक को अपने कर्तव्य के निर्वहन से भयोपरत करने के लिए हमला में दो साल की सजा व 10 हजार का जुर्माना, धारा 504 किसी व्यक्ति को उकसाने के इरादे से जानबूझकर उसका अपमान करना में दो साल की सजा व दो हजार का जुर्माना जबकि धारा 506 जानमाल की धमकी देना में सात साल की सजा व 25 हजार के जुर्माने से दंडित किया है। यह सभी सजा एक साथ चलेगी। बुधवार को सुनाए गए अपने इस फैसले में एकल पीठ ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का जिक्र किया है। जिसमें कहा गया है कि गवाहों का मुकरना एक परेशान करने वाला तथ्य है। गवाह धमकी, लालच, मुल्जिम के बाहुबल या पैसों की ताकत, लम्बी चलाने वाली अदालती प्रक्रिया व विवेचना तथा विचारण के दौरान आने वाली परेशानी आदि की वजहों से होस्टाइल हो जाते हैं।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि गवाहों के मुकरने का आशय यह नहीं है कि उनके पूरे बयान को ही खारिज कर दिया जाए। बल्कि होस्टाइल होने से पूर्व यदि उसने अभियोजन कथानक का समर्थन किया है, तो उसका महत्व है। एकल पीठ ने पाया कि इस मामले में तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने अपनी गवाही में मुख्तार अंसारी द्वारा उन्हें धमकी देने व उनके सिर पर रिवॉल्वर लगाने की बात कही है। लेकिन वह मुल्जिम की ओर से की गई जिरह में इस बात से मुकर गए। एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा है कि इस गवाह की मुख्य परीक्षा के दस साल बाद उससे प्रति परीक्षा की गई, जब वह सेवानिवृत हो चुका था और तब उसके मुकरने की वजह मुख्तार अंसारी के आपराधिक इतिहास से

(शेष पेज 4)

रतन टाटा, थामस, मुंडा पीएम केयर्स फंड के न्यासी मंडल में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष यानी पीएम केयर्स फंड के नवगठित न्यासी मंडल के सदस्यों..उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस, लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष करिया मुंडा और टाटा सन्स के मानद अध्यक्ष रतन टाटा के साथ एक बैठक की और दिल खोलकर इस कोष में योगदान देने के लिए देशवासियों की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बैठक में भारत के पूर्व नियंत्रक व महालेखा परीक्षक राजीव महर्षि, इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति और इंडी कॉर्प और पीरामल फाउंडेशन के पूर्व कार्यकारी अधिकारी आनंद शाह को पीएम केयर्स फंड के सलाहकार बोर्ड में मनोनीत करने का फैसला लिया गया। पीएमओ के मुताबिक इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नवनियुक्त न्यासी न्यायमूर्ति

(शेष पेज 4)

राडिया के टेप में आपराधिक तत्व नहीं मिले : सीबीआई

- जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नीरा राडिया की फाइल फोटो

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उच्चतम न्यायालय को बुधवार को अवगत कराया कि कॉरपोरेट घरानों के लिए लॉबी करने वाली नीरा राडिया की कुछ नेताओं, कारोबारियों, मीडियाकर्मियों एवं अन्य लोगों से हुई बातचीत के टेप की जांच में कोई भी आपराधिक तत्व नहीं मिला है। न्यायालय ने सीबीआई की इन दलीलों का संज्ञान लेते हुए उसे इस मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भार्टी ने न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय पीठ से कहा कि निजता के अधिकार के संदर्भ में शीर्ष अदालत के फैसले के मद्देनजर उद्योगपति रतन टाटा की ओर से दाखिल याचिका का निपटारा कर दिया जाना चाहिए। इस पीठ में न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी शामिल हैं। रतन टाटा की याचिका में राडिया का टेप सामने आने के मद्देनजर निजता के अधिकार की रक्षा का अनुरोध किया गया था। भाटी ने कहा, मुझे आपको यह अवश्य सूचित करना चाहिए कि सीबीआई को टेप की सभी बातचीत की जांच करने का आदेश दिया गया था। चौदह प्रारम्भिक जांच (पीई) दाखिल किए गए और सीलबंद कवर में अदालत

(शेष पेज 4)

बाजार

सेंसेक्स	59,456	▼ 262	
निफ्टी	17,718	▼ 97	
सोना	49,871	▲ 152	/10g
चांदी	57,406	▲ 333	/kg

क्विक न्यूज

पुतिन ने की तीन लाख रिजर्व सैनिकों की आंशिक तैनाती

मास्को। यूक्रेन के साथ करीब सात माह से जारी युद्ध में मिले झटकों के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तीन लाख आरक्षित सैनिकों की आंशिक तैनाती की घोषणा की और इसे आवश्यक बताते हुए कहा कि रूस पूरी पश्चिमी सैन्य मशीनरी से लड़ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 3,00,000 रिजर्विस्ट (आरक्षित सैनिक) की आंशिक तैनाती की योजना बनाई गई है। वहीं रूसी रक्षा मंत्री ने कहा कि अब तक यूक्रेन के साथ सैन्य अभियान में रूस के 5,937 जवान मारे गए है और यूक्रेन के 61,207 सैनिक मारे गए है। मार्च के बाद पहली बार रूस ने सैन्य अभियान के दौरान अपने नुकसान को स्वीकार किया है। मार्च के अंत में हताहत रूसी जवानों की संख्या 1,351 थी।

हमेशा हंसाने वाले 'गजोधर भैया' सबको रुलाकर चले गए

- फिल्म उद्योग के साथियों और प्रशंसकों का दिल टूटा, शोक संवेदनाओं का तांता, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सबने दी श्रद्धांजलि

भाषा। नई दिल्ली

प्रख्यात हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव का बुधवार को दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह 58 वर्ष के थे। राजू श्रीवास्तव का 40 दिन से अधिक समय से अस्पताल में भर्ती थे। राजू कुछ समय तक समाजवादी पार्टी से जुड़े रहने के बाद 2014 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। दिल्ली के एक होटल में व्यायाम करते समय 10 अगस्त को उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

इसके बाद उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई थी। तभी से वह वेंटिलेटर पर थे और होश में नहीं आए थे। मुंबई में उनके भाई दीपू श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा को बताया, मुझे सुबह फोन करके उनके निधन की सूचना दी गई। यह काफी दुखद खबर है। वह 40 से अधिक दिन से अस्पताल में भर्ती थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्रीवास्तव के परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि उनका असामयिक निधन अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा, प्रख्यात हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव जी का असामयिक निधन बेहद दुखद है। अपनी हास्यपूर्ण प्रस्तुतियों से, दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की उनमें विलक्षण प्रतिभा थी। उनके प्रभाव से भारत में हास्य के मंचन को नई पहचान मिली। उनके परिवार एवं प्रशंसकों को मेरी शोक संवेदनाएं। प्रधानमंत्री ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, राजू श्रीवास्तव ने हंसी, हास्य और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को रोशन किया। वह बहुत जल्दी हमें छोड़कर चले गए लेकिन अपने समृद्ध काम के जरिए वह अनगिनत लोगों के दिलों में बसे रहेंगे। अस्पताल के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजू श्रीवास्तव को सुबह 10 बजकर करीब 20 मिनट पर मृत घोषित किया गया। राजू श्रीवास्तव के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। दीपू श्रीवास्तव ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजू श्रीवास्तव के निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार, राजू श्रीवास्तव जी के निधन से मुझे गहरा दु:ख हुआ है। वे एक मंझे हुए कलाकार होने के साथ-साथ एक बेहद ज़िंदादिल इंसान भी थे। सामाजिक क्षेत्र में भी वे काफ़ी सक्रिय रहते थे। उनके शोकाकुल परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, अपनी अभिनव कला दक्षता द्वारा जीवनपर्यंत सभी का मनोरंजन करने वाले राजू श्रीवास्तव का निधन अत्यंत दु:खद है। शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करता हूं। राजू श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा, राजू श्रीवास्तव ने हास्य कला की विधा को अपनी प्रतिभा एवं मेहनत से नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के माध्यम से प्रदेश की परंपरागत कला की विधाओं के उत्थान में उनका सराहनीय योगदान रहा। ओम शांति। पंजाब के मुख्यमंत्री और श्रीवास्तव के पूर्व सहयोगी भगवंत मान ने कहा कि उन्होंने लोकप्रिय कॉमेडियन के साथ काम किया है और उनसे बहुत कुछ सीखा है।

मान ने ट्वीट किया, राजू श्रीवास्तव जी ने अपने जीवन में हमें खूब हंसाया लेकिन आज ये खबर सुनकर बहुत दुख हो रहा है...उनके साथ काफी काम किया और बहुत कुछ सीखने को भी मिला... राजू जी भले ही शारीरिक तौर पर हमारे बीच नहीं हैं पर उनकी अदाकारी हमेशा दिलों में जीवित रहेगी। आप याद आएंगे गजोधर भइया। उत्तर प्रदेश विधानसभा ने भी उनकी याद में दो मिनट का मौन रखा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हास्य अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। फिल्म जगत की भी कई हस्तियों ने श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि दी।

फिल्मकार रोकश रोशन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर लिखा, भगवान आपकी आत्मा को शांति दे राजू श्रीवास्तव। अभिनेता अजय देवगन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, पर्दे पर और आम जीवन में हमेशा आपने हम सभी को हंसाया। भगवान आपके परिवार को इस मुश्किल घड़ी का सामना करने की हिम्मत दे। फिल्म मैं प्रेम की दीवानी हूं में राजू श्रीवास्तव के साथ काम कर चुके अभिनेता ऋतिक रोशन ने कहा,

(शेष पेज 4)

आजम खां पर मुकदमों के मामले पर सपा का हंगामा, नहीं चलने दिया प्रश्नकाल

सपा का आजम से मोह नहीं: केशव मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद की कार्यवाही

मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधान परिषद में सपा सदस्यों ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक मोहम्मद आजम खान को उत्पीड़ित किए जाने के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया और प्रश्नकाल नहीं चलने दिया। सदन शुरू होते ही प्रश्नकाल के पहले ही सपा के नरेश उत्तम पटेल और सदस्यों ने वेल में आकर आजम खान पर फर्जी मुकदमे लगाने और उनके परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के बार-बार आग्रह करने पर भी सपा के सदस्य शान्त नहीं हुए और अपने आसन पर नहीं गए।

सभापति ने सपा सदस्यों से कहा कि प्रश्नकाल के बाद ही इस मामले को उठाया जा सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रश्नकाल के बाद वह उनकी पूरी बात सुनेंगे। इसके बावजूद सपा सदस्य अपनी बात कहते रहे। सभापति ने उन्हें अपने-अपने स्थान पर बैठने को कहा लेकिन सदन को व्यवस्थित नहीं होते देख उन्होंने सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। नेता सदन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रश्नकाल को बाधित करना निश्चित रूप से गलत है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खां का मामला उठाकर सपा सदस्य अपने वास्तविक चरित्र पर आ गए हैं। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर सपा के सदस्य आजम खां के मुद्दे पर ही चर्चा कराने की मांग करते रहे। इस दौरान उन्होंने सरकार विरोधी नारेबाजी भी की। इस पर सभापति ने सदन की कार्यवाही अपराह्न 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इस प्रकार प्रश्नकाल नहीं हो सका। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। नियम 115 की सूचनाएं लिए जाने तक तो सपा सदस्य शांत रहे लेकिन जैसे ही सभापति ने नियम 105 के तहत कार्यस्थगन की सूचनाएं लेना शुरू किया उससे पहले ही एक बार फिर सपा सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए। सपा सदस्य नरेश उत्तम पटेल ने इस दौरान मोहम्मद आजम खां को शिक्षा के क्षेत्र में मसीहा बताते हुए उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को गिनाया। सपा सदस्य सभापति से मांग करते रहे कि वह मोहम्मद आजम खां के हो रहे उत्पीड़न को रोकने के लिए सरकार को निर्देशित करें। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि सपा सदस्यों ने जो मामला उठाया शायद वे यह चाहते हैं कि कोई अवैध कब्जा करे, अवैध निर्माण करे और अन्य अवैध कार्य करे उसके खिलाफ सिर्फ इस वजह से जांच की प्रक्रिया ठप रहे कि वह किसी दल का पदाधिकारी है। उन्होंने हमारी सरकार में निर्दोषों को फंसाया नहीं जाता लेकिन जांच में प्रमाण पाए गए तो सख्त कार्रवाई भी करती है। उन्होंने कहा कि यह सपा की तुष्टीकरण की राजनीति है न कि मोहम्मद आजम खान से उसे कोई मोह है। कुछ देर के शोर-शराबे के बाद सभापति के समझाने पर सपा सदस्य शांत होकर अपने स्थान पर बैठ गए। उल्लेखनीय है कि रामपुर सदर से सपा के विधायक और पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां पर भ्रष्टाचार तथा चोरी सहित विभिन्न आपराधिक मामलों में तकरीबन 90 मुकदमे दर्ज हैं। बीते मंगलवार को ही उनके मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जमीन में गड़ी नगर पालिका से चोरी हुई सफाई मशीन बरामद हुई थी। जिसके बाद उनके ऊपर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है

वृक्षारोपण में 1.37 करोड़ रुपए के भुगतान का फर्जीवाड़ा आया सामने

इस मामले में 14 कर्मचारियों के निलंबित के साथ 137 को दिया गया आरोप पत्र

लखनऊ। विधानसभा पटल पर रखी गई भारत के महालेखा नियंत्रक लेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वृक्षारोपण के लिए ठेकेदारों व अन्य व्यक्तियों को किए 1.37 करोड़ रुपए के भुगतान में फर्जीवाड़ा किया गया है। इस मामले में प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने दिसम्बर 2020 और मार्च 2021 में सूचना दी कि आडिट आपत्तियों को स्वीकार किया गया और दोषी कार्मिकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई। सरकार ने अपने उत्तर में बताया कि इस मामले में 14 कर्मचारियों को निलंबित किया गया। 137 को आरोप पत्र दिया गया और 44 कार्मिकों की सेवानिवृत्ति या मृत्यु हो चुकी है। बाकी दोषी कार्मिकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही जारी है। ऑडिट जांच में गलत ट्रैक्टरों/जेसीबी नम्बरों वाले 1058 वाउचरों का पता चला, जिन ट्रैक्टरों और जेसीबी के नम्बरों का वाउचरों के जरिये भुगतान किया गया, दरअसल कभी हुआ ही नहीं था। सीएजी की इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए 20 वन प्रभागों में विभिन्न कार्यों के भुगतान के मासिक वाउचरों की आडिट जांच हुई। इसमें पता चला कि वृक्षारोपण और संरक्षण उद्देश्यों के लिए प्रभागों ने गड्ढों और खाइयों आदि की खुदाई, मिट्टी का कार्य, पौधों, गाय के गोबर, ईंट के कार्य, पौधों को पानी देने आदि के ढुलाई का कार्य ठेके पर ट्रैक्टर और जेसीबी का इस्तेमाल करके करवाया गया। ट्रैक्टर/जेसीबी आदि के पंजीकरण संख्या, निष्पादित कार्य का विवरण, भुगतान की गई राशि जिन वाउचरों में अंकित की गई वह सभी फर्जी निकले हैं।

परिवहन निगम को 84 करोड़ रुपये की क्षति

लखनऊ। भारत के महालेखा नियंत्रक लेखा परीक्षक (कैग) की ओर से 31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए पेश की गई रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि निगम को महज दो मामलों में ही 84 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। परिवहन निगम ने अनुबंध की शर्तों से इतर एक निजी फर्म ट्राइमैक्स को 69.84 करोड़ रुपये अधिक भुगतान कर दिया तो टोल टैक्स के भुगतान पर कैशबैक न लेकर 14.18 करोड़ रुपये नुकसान उठाया। निगम ने फरवरी 2013 में पांच वर्षों की अवधि के लिए मेसर्स ट्राइमैक्स आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज लिमिटेड मुंबई के साथ एक अनुबंध किया था।

यह अनुबंध इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) की आपूर्ति स्थापना एवं संचालन के लिए किया गया था। इसके तहत एकीकृत टिकट प्रणाली, वाहन ट्रैकिंग प्रणाली और यात्रियों को सूचना प्रणाली प्रदान किया जाना था। ट्राइमैक्स को किए गए भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच के दौरान कैग को कई कमियां देखने को मिलीं।

सपा में सच सुनने की हिम्मत नहीं: बृजेश पाठक

● स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री की सपा सदस्यों के साथ तीखी नोंकझोंक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा मानसून सत्र के तीसरे दिन सदन में खासी गरमागरमी दिखाई दी। प्रश्नप्रहर के बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए जैसे ही खडे हुए। वैसे ही सपा सदस्यों द्वारा उनका विरोध शुरू कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का कहना था कि जब इस मामलें नेता सदन कल पूरा जवाब दे चुके है इसलिए इस विषय पर आज कोई वक्तव्य सुने जाने का औचित्य नहीं है। इस पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का कहना था कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जो मिथ्या आरोप लगाए गए है उनके बारे स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सपा के सदस्य उनकी बात सुनने को तैयार नहीं थे। इसी बीच सपा सदस्यों और उपमुख्यमंत्री के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के विधायकों पर भड़कते हुए जमकर फटकारा। बृजेश पाठक सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर कहा कि कल नेता प्रतिपक्ष ने मेरे विभाग को लेकर तमाम ऐसी बातें कहीं थी, जो लोगों को और देश को गुमराह करने वाली हैं। मैं इस विषय पर अपनी बात रखना चाहता हूं। बृजेश पाठक की इतनी बात पर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने हंगामा करने की कोशिश की, जिस पर वह बिफर पड़े। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि 'दिमाग ना खराब हो'। बृजेश पाठक द्वारा दिए गए इस बयान पर सपा विधायक माफी मांगने की बात करने लगे। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आपत्ति जताते हुए कहा कि आप भी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए किसी भी प्रकार की माफी नहीं मांगी जाएगी। उन्होंने सपा विधायकों से कहा कि अभी बात शुरू भी नहीं हुई, माफी मांगने की बात करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना लगातार सपा विधायकों को चुप कराने की कोशिश में लग रहे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल करने लगे। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर चुटकी लेते हुए कहा कि ऐसी क्या बात है, जो इन दोनों में तालमेल नहीं है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को लेकर सवाल किया जा रहा है क्योंकि डिप्टी सीएम के माध्यम से अस्पतालों में सबसे ज्यादा छापा लखनऊ में ही मारा गया था। बृजेश पाठक के जवाब देने से पहले ही नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव अपने विधायकों के साथ सदन से वाकआउट कर गए। इस पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भड़कते हुए कहा किए मुझे पता था कि आप लोग सदन छोड़कर चले जाएंगे क्योंकि आप में सच सुनने की हिम्मत ही नहीं है। इन लोगों में सच सुनने की क्षमता ही नहीं है। सपा सदस्यों के वाकआउट करने के बाद भी उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा जो भी आरोप लगाए वे मिथ्या है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने कल जिस भाषाशैली का इस्तेमाल किया वह उनके पद की मर्यादा के अनुरूप नहीं थी।

शिक्षण संस्थानों को यूपी में लूट की खुली छूट: भीमराव अंबेडकर

● सरकार सभी वर्गों के छात्रों की शिक्षा के लिए संवेदनशील: केशव मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा के भीमराव अम्बेडकर ने प्रदेश में अनुसूचित जाति व जनजाति के गरीब व कमजोर लोगों के बच्चों को विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जीरो बैलेन्स फीस पर प्रवेश की सुविधा दिलाए जाने का मामला कार्य स्थगन सूचना के जरिए उठाया। वहीं नेता सदन और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की शिक्षा के लिए संवेदनशील है।अम्बेडकर ने सदन को जानकारी दी कि अनुसूचित जाति-जनजति के बच्चों की शिक्षा की जीरो बैलेंस सुविधा भाजपा सरकार ने बंद कर दी है। जिससे इन वर्गों के लाखों बच्चों का जीवन अंधकारमय हो गया है। कई बच्चों ने तो दाखिला न होने के चलते आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि यूपी के निजी शिक्षण संस्थान फीस के नाम पर अभिभावकों से मोटी-मोटी फीस वसूल रहे हैं। शिक्षण संस्थानों को यूपी में लूट की खुली छूट मिली हुई है। इस मामले में सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार के शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने यूपी में पूरब से लेकर पश्चिम, मध्य और हर ओर स्थापित किए जा रहे विश्वविद्यालयों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तकनीकी संस्थनों में एससीएसटी वर्ग के छात्रों के प्रवेश में हो रही धांधली को देखते हुए निशुल्क प्रवेश पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि जबकि प्रदेश के शासकी और अशासकीय शिक्षण संस्थानों में गरीब छात्रों को 100 प्रतिश निशुल्क प्रवेश अनुमन्य कर दिया गया है। मुख्यमंत्री निशुल्क अन्त्योदय कोचिंग केंद्र शुरू किए गए हैं। जहां छात्रों को सिविल सर्विक की तैयारी की कोचिंग निशुल्क दी जाती है। उन्होंने बताया कि मंडल के कमिश्नर, जिलों के डीएम, एसपी तक कोचिंग में छात्रों के बीच जाते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं। इसी मामले में बोलते हुए सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जबसे प्रदेश में भाजपा सरकार आई है एससीएसटी छात्रों शुल्क प्रतिपूर्ति रोक दी गई है जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों को 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर किसी शिक्षण संस्थान ने घपला किया है तो एफआईआर दर्ज कर दोषियों को जेल भेजा जाए।

शिक्षामित्रों के मुद्दे पर सपा सदस्यों ने किया सदन से वाकआउट

● योगी सरकार शिक्षा मित्रों की हितैषी: संदीप सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने बुधवार को शिक्षामित्रों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने और आत्महत्या करने वाले शिक्षामित्रों के परिजन को मुआवजा देने के मुद्दे पर सदन से वाकआउट किया। शून्यकाल के दौरान सपा सदस्यों लाल बिहारी यादव, मान सिंह यादव और आशुतोष सिन्हा ने कार्य स्थगन की सूचना के जरिए यह मामला उठाते हुए सदन का बाकी काम रोककर इस पर चर्चा कराए जाने की मांग की।

सपा सदस्य मुकुल यादव ने सूचना पढ़ते हुए कहा कि जबसे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार बनी है, शिक्षामित्रों का उत्पीड़न जारी है। सरकार ने चुनाव के समय शिक्षामित्रों को स्थाई नौकरी देने का वादा किया था मगर उसने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित करने को न्यायिक प्रक्रिया के तहत उचित नहीं माना गया लेकिन उनके सेवा कार्य को देखते हुए सरकार को समान कार्य का समान वेतन देने की छूट है मगर सरकार उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपए मानदेय दे रही है जिससे उनका गुजर-बसर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इन दुश्वारियां की वजह से अब तक लगभग 4000 शिक्षामित्रों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके प्रति संवेदनशील नहीं है लिहाजा इस लोक महत्व के तात्कालिक मामले पर सदन का बाकी काम रोक कर चर्चा कराई जाए। सपा सदस्यों आशुतोष सिन्हा और मान सिंह यादव ने सूचना की ग्राह्यता पर बल दिया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने इस सूचना पर सरकार की तरफ से जवाब देना शुरू किया तो सपा सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि मंत्री शिक्षा मित्रों के विषय पर कुछ भी नहीं कह रहे हैं। इस पर नेता सदन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा सदस्यों पर आरोप लगाते हुए कहा कि मंत्री संदीप सिंह पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पौत्र हैं और पिछड़े समाज से आते हैं इसलिए समाजवादी पार्टी के सदस्य उनका विरोध कर रहे हैं। सपा सदस्यों ने नेता सदन के इस आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस पर सत्ता पक्ष और सपा के सदस्यों के बीच नोकझोंक होने लगी। इसी दौरान सपा के सदस्य सदन से बाहर चले गए। उसके बाद बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि 2014 में तत्कालीन समाजवादी पार्टी नीत सरकार ने एक लाख 37 हजार शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया था लेकिन एक शिक्षक के लिए जरूरी योग्यता पूरी नहीं करने की वजह से 2017 में अदालत के आदेश पर उसे निरस्त कर दिया गया। मगर शिक्षा विभाग ने उन 15240 शिक्षामित्रों को शिक्षक के रूप में विभाग ने समायोजित कर लिया जिन्होंने जरूरी अर्हताएं हासिल कर ली थीं।

महिला सशक्तीकरण पर परिचर्चा के लिए डॉ. सरोजनी अग्रवाल अधिष्ठाता मंडल में शामिल

लखनऊ। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने महिला सशक्तीकरण विषय पर निर्धारित परिचर्चा के लिए विधान परिषद सदस्य डॉ. सरोजनी अग्रवाल को अधिष्ठाता मंडल के अस्थायी सदस्य के रूप में नामित किया है। यह जानकारी विधान परिषद के प्रमुख सचिव डा. राजेश सिंह ने दी। उन्होंने इस संबंध में आदेश भी जारी कर

बसपा ने निघासन में दो दलित लड़कियों की हत्या का मामला उठाया

आरोपियों को गिरफ्तार कर त्वरित की गई कार्रवाई: संसदीय कार्यमंत्री

लखनऊ। विधानसभा में बहुजन समाज पार्टी के उमाशंकर सिंह ने हाल ही में लखीमपुर खीरी के निघासन में दो दलित लडकियों के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद उनके शवों का लटकाएं जाने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि यह जघन्य अपराध है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो चुकी है। अपराध का बोल-बाला है। इसी का परिणाम है कि दो दलित लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने के उपरान्त उनकी हत्या कर उनके शवों को लटका दिया जा रहा है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि इस मामलें मे त्वरित कार्रवाई की गयी। आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसी के साथ इस प्रकरण में सरकार ने आरोपियों को जल्द सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैककोर्ट में मुकदमा चलाए जाने का निर्णय लिया है।

बुनियाद महाविद्यालय
अल्पसंख्यक अध्यापक शिक्षण/प्रशिक्षण संस्थान
कनायतपुर, खैराबाद सीतापुर

D.El.Ed. 2022–24 में प्रबंधकीय कोटे में प्रवेश हेतु नियमानुसार ऑनलाईन आवेदन करें। अल्पसंख्यक समुदाय को वरीयता दी जायेगी। मानक एवं अर्हता एन0सी0ई0आर0टी0 के मानकानुसार। प्रवेश हेतु समयसारिणी निम्नवत है –

1	ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ होने की तिथि	26.09.2022
2	ऑनलाईन पंजीकरण की अंतिम तिथि	30.09.2022
3	आवेदन शुल्क जमा करने/पूर्ण आवेदन के प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि	01.10.2022

Website:-www.buniyadmahavidhyalaya.com
Mo. 9918970000, 7007572255

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं अनिल कुमार रावत पुत्र स्व0 चन्द्र पाल निवासी रस्तोगी नगर, बालागंज, चौक, लखनऊ मेरी पुत्री का नाम स्कूल के अभिलेखों में Enjel Rawat दर्ज है जबकि वास्तविक नाम Angel Rawat है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी का नाम मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में नजमी अंकित है, जो अपूर्ण और अशुद्ध है। मेरी पत्नी का नाम अन्य अभिलेखों में नजमी मुदस्सिर अंकित है ,जो पूर्ण और सत्य है। अतः मेरी पत्नी को नजमी मुदस्सिर के नाम से जाना ,पहचाना व समझा जाए। मुदस्सिर अहमद कर्मचारी संख्या –058180 निवासी – टाइप द्वितीय – 421 एनटीपीसी कालोनी ऊंचाहार – रायबरेली।

आवश्यकता है

माँ शीतला देवी त्रिजुगी नरायन महिला महाविद्यालय
अरौल मकनपुर रोड, कानपुर-209202

आवश्यकता है

प्राचार्य 1 पद, स्नातक तथा परास्नातक स्तर पर गणित, जन्तुविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान, सैन्यविज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति शास्त्र विषयों में, बी.कॉम. पाठ्यक्रम में, B.Ed पाठ्यक्रम में विभागाध्यक्ष एवं सहायक आचार्य की। मानक पद एवं शर्तें उ.प्र. शासन/एनसीटीई के मानकानुसार। एक सप्ताह के अन्दर सम्पर्क करें।
सिटी ऑफिसः 715'Q' ब्लॉक शारदा नगर, कानपुर
(प्रबंधक) मो. 7388611398, 8787051711
E-mail: prabandhak78@gmail.com

हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव के निधन पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने जताया दुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसिद्ध हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि राजू श्रीवास्तव का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। वे उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उनका प्रदेश की परंपरागत कला की विधाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा को शांति तथा उनके शोकाकुल परिजनों व प्रशंसकों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि राजू श्रीवास्तव ने हास्य कला की विधा को अपनी प्रतिभा एवं मेहनत से नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के माध्यम से प्रदेश की परम्परागत कला की विधाओं के उत्थान में उनका सराहनीय योगदान रहा। अपनी अभिनव कला दक्षता के द्वारा जीवनपर्यन्त समाज के हर तबके का मनोरंजन करने वाले राजू श्रीवास्तव का निधन उनके अनगिनत प्रशंसकों को दुःखी करने वाला है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए स्व. राजू श्रीवास्तव के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

उप मुख्यमंत्री ने राजू श्रीवास्तव के निधन पर जताया शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने फिल्म जगत में अपने सहज हास्य से एक अलग पहचान बनाने वाले प्रसिद्ध कॉमेडियन, उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राजू श्रीवास्तव के निधन से हास्य कला एवं फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति हुई है। मौर्य ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये ईश्वर से प्रार्थना की है कि ईश्वर शोक संतप्त परिजनों, उनके शुभचिंतकों और प्रशंसकों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कांग्रेस नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया

लखनऊ। मशहूर फिल्म जगत के अभिनेता एवं अति लोकप्रिय हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव के निधन पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी धीरज गुर्जर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी एवं प्रवक्ता अशोक सिंह ने पूरे कांग्रेस परिवार की तरफ से अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। अशोक सिंह ने कहा की राजू श्रीवास्तव का निधन फिल्म जगत एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है जिसकी भरपाई लंबे समय तक बहुत कठिन है।

भाजपा को कड़ी टक्कर देने में विफल साबित हुई सपा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा है कि भाजपा की घोर जातिवादी, साम्प्रदायिक व जनहित-विरोधी नीतियों आदि के विरुद्ध उत्तर प्रदेश की सेक्युलर शक्तियों ने सपा को वोट देकर यहां प्रमुख विपक्षी पार्टी तो बना दिया लेकिन यह पार्टी भाजपा को कड़ी टक्कर देने में विफल साबित होती हुई साफ दिख रही है। मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि यही कारण है कि भाजपा सरकार को यूपी की करोड़ों जनता के हित व कल्याण के विरुद्ध पूरी तरह से निरंकुश, जनविरोधी सोच व कार्यशैली के साथ काम करने की छूट मिली हुई है। विधान सभा में भी भारी संख्या बल होने के बावजूद सरकार के विरुद्ध सपा काफी लाचार व कमजोर दिखती है।

मुख्यमंत्री से मिले स्पेनिश कम्पनी डोर्ना के चेयरमैन कारमेलो एजपेलेटा

● मोटो जीपी के आयोजन का आमंत्रण विश्व में उत्तर प्रदेश की बढ़ती साख का प्रमाण है: नन्दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दुनिया के तीसरे सबसे मशहूर गेम, विश्व स्तरीय मोटरसाइकिल रेसिंग मोटो जीपी, का भव्य आयोजन देश में और वह भी उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जनपद नोएडा में होगा। जिसको लेकर आज दुनिया भर में मोटर साइकिल की रेस कराने वाली स्पेनिश कम्पनी डोर्ना के चेयरमैन कार्मेलो एजपेलेटा लखनऊ पहुंचे। जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी और फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर जाकर मुलाकात की, ताकि भारत में और विशेष कर उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय मोटर साइकिल रेसिंग प्रतियोगिता मोटो जीपी का आयोजन कराया जा सके। मोटो जीपी के आयोजन में केंद्र सरकार के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग को लेकर डोर्ना के चेयरमैन कार्मेलो एजपेलेटा ने औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के आवास पर आयोजन को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत असीम सम्भावनाओं का देश है, जहां अब सब कुछ सम्भव है। ऐसे में मोटो जीपी जैसे विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स गेम का नोएडा में भव्य आयोजन होने पर देश को एक नई पहचान मिलेगी। मंत्री नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी दुनिया में एक मिसाल बनी है। हमारी सरकार ने देश-दुनिया के निवेशकों का भरोसा और विश्वास जीता है। मोटोजीपी जैसी वैश्विक स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन से उत्तर प्रदेश की आर्थिक व पर्यटन सम्भावनाओं को विस्तार मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनवरी 2023 में उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इनवेस्टर सम्मिट का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें कई देशों के निवेशकों का आगमन होगा। विश्व स्तर पर देश और उत्तर प्रदेश को लेकर बन रहा सकारात्मक माहौल नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की सफलता की पहचान है।

विधानमंडल सत्र आज रहेगा महिलाओं के नाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधायी इतिहास में गुरुवार को एक नया अध्याय जुड़ेगा। मौजूदा विधानमंडल सत्र का एक दिन पूरी तरह दोनों सदनों की महिला सदस्यों के नाम रहेगा। देश में इसे अपनी तरह का पहला प्रयोग माना जा रहा है। इससे ठीक पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा और विधान परिषद की सभी महिला सदस्यों को एक पत्र और फोल्डर भेजकर अनूठी पहल की।

बुनियाद महाविद्यालय
कनायतपुर, खैराबाद सीतापुर उ0प्र0 (अल्पसंख्यक संस्थान)
(सम्बद्ध, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ)

बी0एड0 : सत्र 2022–24 द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रबन्धकीय कोटे के अन्तर्गत प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

शैक्षिक योग्यता : कला/विज्ञान वर्ग में स्नातक/परास्नातक उपाधि में 50% व तकनीकी शिक्षा में स्नातक/परास्नातक में 55% (सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग) एवं 40% (अनुसूचित जाति/जनजाति) वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु।

इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा फार्म महाविद्यालय के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। दिनांक 01.10.2022 तक सभी शैक्षिक अभिलेखों व आधार कार्ड छायाप्रति के साथ जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 13.10.2022

नोट : अपूर्ण एवं डाक/कोरियर से आवेदन फार्म स्वीकार नहीं किए जायेंगे। स्नातक/परास्नातक अन्तिम वर्ष के छात्र–छात्राएं महाविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। परन्तु उपरोक्त शैक्षणिक अर्हता पूर्ण होने पर ही प्रवेश लिया जाएगा।

Website:-www.buniyadmahavidhyalaya.com
Mo. 9918970000, 7007572255

कार्यालय नगर पंचायत रूरा
जनपद कानपुर देहात

पत्रांक–561/एन0पी0आर0/किराया दुकान आवंटन/2022–23 दिनांक : 20/09/2022

दुकान नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रूरा द्वारा वार्ड नं0–07 बाजार वार्ड रूरा में सब्जी बाजार कुँआ के पास नव निर्मित 01 दुकान को किरायेदारी पर नीलाम किया जाना है। उक्त दुकान नीलामी कार्यालय नगर पंचायत रूरा के सभा कक्ष में दिनांक 29/09/2022 को की जायेगी। उक्त नीलामी में प्रतिभाग करने हेतु रू0 5000.00 (पॉच हजार रूपये मात्र) जमानत धनराशि निर्धारित की गई है, जिसमें नीलामी से पूर्व 1/2 भाग रू0 2500.00 की धनराशि नीलामी से एक दिवस पूर्व इस कार्यालय में जमा करने के उपरान्त ही नीलामी में भाग ले सकेगा, जिसके पक्ष में बोली स्वीकृत होगी उसको अवशेष जमानत धनराशि बोली स्वीकृत के तुरन्त बाद जमा करनी अनिवार्य होगी, उसके पश्चात् ही दुकान निर्धारित किराये पर नीलाम की जायेगी, जिन व्यक्तियों को दुकान नीलामी में आवंटित नही होगी उनकी जमानत धनराशि वापस कर दी जायेगी। दुकान के सम्बन्ध में नियम व शर्ते इत्यादि निर्धारित हैं, जो किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत रूरा में देखी जा सकती हैं, जो सभी प्रतिभागियों पर लागू होगीं। विवाद की स्थिति में अध्यक्ष, नगर पंचायत रूरा का निर्णय अंतिम व मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत रूरा,
कानपुर देहात

अध्यक्ष
नगर पंचायत रूरा,
कानपुर देहात

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

पीजीआई में होगी सिर व गर्दन की भी सर्जरी

● मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई शासी निकाय की बैठक में दी गई मंजूरी

● बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी, संक्रामक रोग व वैक्सीन अनुसंधान के लिए भी खुलेंगे नए विभाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के एसजीपीजीआई में अब सिर और गर्दन की सर्जरी भी संभव हो सकेगी। इसके साथ ही बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी, संक्रामक रोग व वैक्सीन अनुसंधान के लिए भी खुलेंगे नए विभाग खुलेंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को हुई एसजीपीजीआई की 96वीं शासी निकाय की बैठक में इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक में निदेशक एसजीपीजीआई प्रोफेसर आरके धीमान ने विभिन्न प्रशासनिक मामलों के साथ-साथ नए विभागों की शुरुआत, रेजिडेंट डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से संबंधित विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत किए थे। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद किसी भी अस्पताल में एक समर्पित सिर और गर्दन की सर्जरी विभाग नहीं था। एसजीपीजीआईएमएस में सिर और गर्दन की सर्जरी विभाग की शुरूआत के बाद गर्दन के कैंसर के रोगियों का समुचित उपचार हो सकेगा। पूरे देश में उत्तर प्रदेश राज्य से कुल 21 प्रतिशत कैंसर के मामलों आते है। इस विभाग के बनने के बाद सिर और गर्दन के कैंसर का बेहतर और संगठित तरीके से इलाज किया जाएगा। बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी विभाग बच्चों में विकास और वृद्धि के क्षेत्र में विशेषज्ञ विभाग के तौर पर कार्य करेगा। संस्थान ने 2001 में बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी में पहला औपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया था। अब मधुमेह, मोटापा, थायराइड और बच्चों में प्रचलित अन्य विकारों के मामलों का विभाग के गठन के बाद पूर्ण समर्पण के साथ इलाज किया जा सकेगा। कोविड महामारी के बाद संक्रामक रोग और वैक्सीन विकास विभाग की अत्यधिक आवश्यकता के दृष्टिगत एसजीपीजीआई का यह नया विभाग विशेष रूप से स्वाइन फ्लू, जापानी इंसेफेलाइटिस, वायरल हेपेटाइटिस और कोरोना जैसे संक्रामक रोगों का उपचार करेगा। गले के कैंसर, बाल चिकित्सा जटिलताओं और हाल ही में हुई कोविड महामारी को देखते हुए ये नए विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन नए विभागों में विशेष उपचार की उपलब्धता से उत्तर प्रदेश राज्य को दीर्घकालीन लाभ होगा। बैठक में नर्सिंग कॉलेज में बीएससी और एमएससी सीटों में भी वृद्धि और विभिन्न विभागों में नए पाठ्यक्रमों के शुरूआत को मंजूरी प्रदान की गई। निदेशक ने मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि संस्थान सभी संसाधनों और सुविधाओं का बेहतर उपयोग और वृद्धि कर सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने समग्र कार्यक्षमता में सुधार और शैक्षिक मानकों में सुधार की दिशा में अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। बैठक में कार्यकारी रजिस्ट्रार एसजीपीजीआई कर्नल वरुण बाजपेयी वीएसएम तथा शासी निकाय के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

फर्जी दस्तावेज के सहारे चोरी के वाहन बेचने जालसाज गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की गाजीपुर पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज बनाकर गाड़ियों को बेचने वाले शातिर जालसाज को गिरफ्तार करने का दावा किया है। वहीं मड़ियांव पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के शातिर को गिरफ्तार किया है। उधर सरोजनीनगर पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है। उधर पीजीआई पुलिस ने नशा का कारोबार करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से गांजा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार दरामपुर मथुरा सीतापुर के रहने वाले मोहन विश्वकर्मा नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है मोहन पर आरोप है कि वह लोगो से उनकी गाड़ियां बेचने के लिए लेता था और उनकी मर्जी के बगैर कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से गाड़ियां बेच कर पैसे हड़प लिया करता था। गिरफ्तार किए गए मोहन विश्वकर्मा के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा मड़ियाव पुलिस ने एक दुकान से मोबाइल चोरी करने वाले चोर अजीज नगर मड़ियांव के रहने वाले शब्बे नूर खान को गिरफ्तार कर मुकेश कुमार की दुकान से चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया है ।

नए जोश और नई ऊर्जा के साथ कार्य करें नवनियुक्त अधिकारी: सीएस

● मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नवनियुक्त मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि उन्हें नई जगह जाकर नए जोश और नई ऊर्जा के साथ कार्य करना होगा। नई चुनौतियों का डटकर सामना करना होगा। मुख्य सचिव बुधवार को वीडियो कांफेंसिंग के जरिए राज्य के सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में उन्होंने पशुधन, नमामि गंगे, जलापूर्ति, कृषि, चिकित्साए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद के विकास, प्रोडक्शन बढ़ाने, आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर जमीनी स्तर पर काम करना होगा। लंपी रोग पर मुख्य सचिव ने समस्त जिलाधिकारियों को लक्ष्य के अनुसार टीम गठित कर माइक्रोप्लान के अनुसार टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संक्रमित पशुओं का उपचार डेडीकैटेड आईसोलेशन सेंटर में रखकर किया जाए। इस बीमारी के बारे में किसानों को जागरूक करें और वैक्सीन लगवाने में सहयोग करें। पिछले एक हफ्ते में लगभग 13 लाख पशुओं को वैक्सीनेशन करवाया गया है। प्रतिदिन 3 लाख वैक्सीनेशन किया जाना चाहिए। इसके अलावा वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव के लिए सघन विसंक्रमण तथा फागिंग का कार्य तेजी से कराया जाए। उन्होंने कहा कि 29 सितंबर को सभी जनपदों में कोविड टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन लगवाई जाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरे देश में नमामि गंगे तथा जल जीवन मिशन योजना चलाई जा रही है। हर घर जल योजना के तहत 17 सितंबर को एक ही दिन में पूरे देश में ढाई लाख परिवारों को कनेक्शन दिये गयेए जिनमें अकेले उत्तर प्रदेश में लगभग 1 लाख 20 हजार परिवारों को कनेक्शन देकर नवीन कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को बधाई दी।

आईईटी को मिला बेस्ट क्लीन एवं ग्रीन कैंपस का अवार्ड

लखनऊ। इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लखनऊ को इंडियन सोसाइटी फार टेक्निकल एजुकेशन की तरफ से बेस्ट क्लीन एवं ग्रीन कैम्पस का अवार्ड दिया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो विनीत कंसल ने बताया कि अवार्ड से संबंधित प्रमाणपत्र आज आईईटी लखनऊ को प्रदान किया गया है। बता दें कि इंडियन सोसाइटी फार टेक्निकल एजुकेशन की 51वें नेशनल एनुअल कन्वेंशन, गोवा में यह अवार्ड संस्थान को प्रदान किया गया है। इंडियन सोसाइटी फार टेक्निकल एजुकेशन एक जानी मानी संस्था है। देश के सभी आईआईटी, एनआईटी एवं अन्य सभी प्रमुख संस्थान इस सोसाइटी से सम्बद्ध हैं। संस्थान के निदेशक प्रो कंसल ने कहा है कि संस्थान के लिए इस अवार्ड का मिलना गौरव की बात है।

एलयू पीएचडी में इंटरव्यू को लेकर सूची वेबसाइट पर अपलोड

लखनऊ। पीएचडी में प्रवेश को लेकर प्रवेश परीक्षा सम्पन्न होने के बाद इंटरव्यू के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक इंटरव्यू की तिथि जल्द घोषित की जायेगी। विवि की वेबसाइट पर जिन पाठ्यक्रमों की सूची अपलोड की गयी है, उनमें एंथ्रोपोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, बॉटनी, केमिस्ट्री, इंग्लिश, जियोग्राफी, हिन्दी, लिन्ग्यूवेस्टिक, फिजिक्स, वेस्टर्न हिस्ट्री और जुलोजी शामिल है।

आरटीई के तहत 25 फीसद विद्यालयों की रैडम जांच के निर्देश

● आरटीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया में रुचि लेने वाले प्रथम 10 विद्यालयों को चयनित किया जाने के भी निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंडलायुक्त द्वारा विद्यालयों में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार के अध्यनरत गैर विद्यालयों में से 25 प्रतिशत विद्यालयों की रेण्डम जांच के निर्देश दिए गए हैं। मंडलायुक्त द्वारा सीडीओ कैम्प से प्रवेश प्रक्रिया पूरा करने के लिए कहा गया। साथ विद्यालयामें जांच प्रक्रिया में स्थानीय मजिस्ट्रेट का भी सहयोग लिया जाए। यह नहीं आरटीई योजना के तहत प्रवेश प्रक्रिया में अच्छी रुचि लेने वाले प्रथम 10 विद्यालयों को चयनित किया जाने के भी निर्देश दिए।

बुधवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब ने बताया कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा.12 (1)(ग) के तहत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2022-23 में नि:शुल्क प्रवेश के लिए अध्यनरत बच्चों की जांच के लिए योजना के तहत विद्यालयों में से 25 प्रतिशत विद्यालयों की रेण्डम स्तर पर जांच करायी जाये। जाँच प्रक्रिया में स्थानीय मजिस्ट्रेट का भी सहयोग लिया जाये। आरटीई योजना के तहत प्रवेश प्रक्रिया में अच्छी रुचि लेने वाले प्रथम 10 विद्यालयों को चयनित किया जाये और उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। डा रोशन जैकब ने बताया कि गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2022.23 में नि:शुल्क प्रवेश के लिए 19 सितम्बर 2022 को ऑनलाइन वेबसाइट पर आवेदित बच्चों का 3 चरणों में लॉटरी से किया गया था। जिसमें जिले के 1328 गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 15556 बच्चों का नि:शुल्क प्रवेश के लिए चयन हुआ है, जिसमें 7943 बच्चों का नि:शुल्क प्रवेश हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों द्वारा लॉटरी से ऑवटित बच्चों का नि:शुल्क प्रवेश अभी नहीं लिया गया है। उन विद्यालयों के साथ आवंटित बच्चों के अभिभावकों के साथ मुख्य विकास अधिकारी, लखनऊ के द्वारा बैठक की तिथियों का निर्धारण कर कैम्प लगाकर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करायी जाये। जिले के जिन 40 विद्यालयों द्वारा अद्यतन किसी भी आवंटित बच्चें का प्रवेश नहीं किया गया है, उनको मुख्य विकास अधिकारीए लखनऊ की तरफ से तत्काल नोटिस भेजा जाये। यदि विद्यालय द्वारा फिर भी प्रवेश नहीं लिया जाता है, तो उनके विरूद्ध आरटीई अधिनियम में निहित प्राविधानों के अनुसार मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई की जाएगी। आरटीई पोर्टल पर विद्यालयों द्वारा मैप्ड कराये गये विवरण का सत्यापन कार्यालयीय अभिलेखों से कराया जाये। लक्ष्य के तहत प्रवेशित बच्चों की संख्या पूर्ण न होने के कारण नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अन्तर्गत 25 प्रतिशत अलाभित समूह एवं गरीब वर्ग के लॉटरी से चयनित बच्चों का प्रवेश पूरे कराये जाने के निर्देश दिये गये।

होटल लेवाना के मालिक पवन अग्रवाल की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

जिला जज संजय शंकर पांडेय ने गैरइरादतन हत्या के एक मामले में वांछित होटल लेवाना के मालिक पवन अग्रवाल की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। उन्होंने प्रथम दृष्टया मुल्जिम के अपराध को गंभीर करार दिया है। बीते पांच सितंबर को होटल लेवाना में आग लग गई थी। इस आग लगी घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सात लोग बुरी तरह से घायल हुए थे। थाना हजरतगंज में इस मामले की एफआईआर एसआई दयाशंकर द्विवेदी ने दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पवन के पुत्र रोहित अग्रवाल व राहुल अग्रवाल तथा मैनेजर सागर श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। फौजदारी के जिला शासकीय अधिवक्ता मनोज त्रिपाठी ने अग्रिम जमानत अर्जी का जोरदार विरोध किया। उनका कहना था कि होटल के मालिक व मैनेजर तथा उनके सहयोगी द्वारा फायर सेफ्टी की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। आपात स्थिति में बाहर निकलने व प्रवेश करने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसी भी व्यवस्था नहीं थी, जिससे धुंआ बाहर निकल सके। होटल के मालिक व मैनेजर को मालूम था कि ऐसी आपात स्थिति में लोगों की जान जा सकती है। बावजूद इसके बचाव का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। अग्निशमन कर्मियों को खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश करने में काफी कठिनाई हुई।

गोमतीनगर सहित पारा, महानगर में 31 अवैध निर्माण सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

होटल लेवाना सुईट्स में अग्निकांड के बाद एलडीए अवैध निर्माण पर कार्रवाई तेज कर दी है। एलडीए की प्रवर्तन टीम द्वारा 31 निर्माण को सील कर दिया गया है। जोनल अधिकारियों के आदेश पर गोमतीनगर, पारा, जानकीपुरम में पूर्व में दी गयी नोटिस पर सीलिंग की कार्रवाई की गयी है। वहीं, हजरतगंज में सबसे अधिक 8 कार्रवाइयां की गयी।

बुधवार को एलडीए ने अवैध निर्माण पर ताबड़तोड़ कार्रवाईयां की। अवैध निर्माण पर कार्रवाई की समीक्षा बैठक में एलडीए वीसी डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी के आदेश पर प्रवर्तन अधिकारियों ने महानगर, गोमतीनगर, पारा, जानकीपुरम सहित दूसरे इलाकों में सीलिग कार्रवाई की। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि विहित प्राधिकारी के नोटिस के बाद भी निर्माण पर वाद दर्ज कर सीलिंग कार्रवाई की गयी। यहां गतिविधियां व्यवसायिक होने के कारण विशेष1 सील किया गया। एलडीए ने विभिन्न जोनों में कुल 31 कार्रवाइयां की गयी। प्रवर्तन जोन 1 में 8 कार्रवाई, जोन - 2 में 5, जोन 3 में 4, जोन 4 में 6, जोन 5 में 1, जोन 6 में 4, और जोन 7 में 3 अवैध निर्माण के विरुद्ध सीलिंग की कार्रवाई की गयी। गौरतलब है कि एलडीए वीसी डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने बीते सोमवार को प्रवर्तन अधिकारियों की बैठक कर अवैध निर्माण पर कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों को पूर्व में दी गयी नोटिस पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। मात्र दो दिन में सौ अवैध निर्माण को सील करने के लिए कहा था, जिसके बाद प्रवर्तन विभाग के अभियंताओं ने पुलिस के साथ ताबड़तोड़ कार्रवाईयां की है।

निरीक्षण के दौरान केजीएमयू वीसी ने की डेढ़ वर्षीय बच्चे की सर्जरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति ले. जनरल डॉ विपिनपुरी ने बुधवार को विवि के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभाग में एक डेढ़ वर्षीय बच्चे के हार्निया का आपरेशन भी किया। इस मौके पर कुलपति के साथ विभागाध्यक्ष प्रो जेडी रावत सहित विभाग के कई डॉक्टर मौजूद थे।

पीडियाट्रिक विभाग के आमंत्रण पर विभाग पहुँचे कुलपति ने वहां का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति आपरेशन थियेटर में लेप्रोस्कोपिक विधि के जरिए चल रही डेढ़ वर्षीय बच्चे की शल्य चिकित्सा में कुलपति ने अपना योगदान दिया। बच्चा हार्निया से ग्रसित था। इस दौरान कुलपति द्वारा हर्नियोटॉमी प्रोसीजर की तकनीक एवं जानकारियां प्रशिक्षु चिकित्सकों से साझा की गई। उन्होंने जूनियर डॉक्टर्स को लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी से चिकित्सा प्राप्त रोगी की उचित देखभाल हेतु परामर्श भी प्रदान किया। इसके बाद उन्होंने जनरल सर्जरी और पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग वाले पूरे ओटी कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां काम कर रहे सर्जिकल विभागों के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बता दें कि इससे पूर्व विवि के पूर्व कुलपति रहे प्रो रविकांत और प्रो सरोज चुणामणि गोपाल ने भी विवि में पद पर रहते हुए सर्जरी की थी।

अब केजीएमयू में काफी कम कीमत पर करा सकेंगे हेयर ट्रांसप्लांट

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में अब लोग काफी कम कीमत पर हेयर ट्रांसप्लांट करा सकेंगे। प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने इसको लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रक्रिया के शुरूआती चरण में अभी तक 35 लोगों ने हेयर ट्रांसप्लांट को लेकर रजिस्ट्रेशन कराया है। केजीएमयू में हेयर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया दूसरी बार शुरू होगी। विभाग प्रमुख डॉ विजय कुमार के अयोध्या मेडिकल कालेज के प्राचार्य बनने के बाद इसकी गति धीमी हो गयी थी। लेकिन वहां पर कार्यकाल खत्म होने के बाद विभाग प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह प्रक्रिया फिर से स्पीड पकड़ने लगी है। कोविड से पहले साल से गिने-चुने दिन ही हेयर ट्रांसप्लांट होते थे। कोविड के दौरान करीब तीन साल हेयर ट्रांसप्लांट पूरी तरह से ठप हो गया। नतीजतन लोगों को खासी असुविधा हुई। प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ विजय कुमार ने बताया कि अब सप्ताह में एक दिन इसके लिए तय किया जाएगा। इससे लोगों को बुलाया जाएगा। दो से चार बार में लोगों में हेयर ट्रांसप्लांट होंगे। एक बार की प्रक्रिया में लगभग डेढ़ से दो हजार बाल प्रत्यारोपण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 35 लोग अब तक हेयर ट्रांसप्लांट के लिए पंजीकरण करवा चुके हैं।

ट्रंक लाइन जाम, मोहल्ले के सीवर हुए ओवर फ्लो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरानगर के सुरेंद्रनगर में सीवर ओवर फ्लो से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सीवर का ट्रंक लाइन जाम होने से अजयनगर, मुलायम नगर, सुरेंद्रनगर, सरोज बिहार सहित बसंत बिहार के सीवर ओवर फ्लो हो रहे हैं। जल निगम और सुएज इंडिया से शिकायत की गयी, लेकिन मौके पर कोई नहीं आया। हालांकि सुएज इंडिया और जल कल के अधिकारी देर रात मौके पर पहुंच कर आश्वासन देखकर चले गये।

इस्माइलगंज द्वितीय के सुरेंद्रनगर में सीवर की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सुरेंदनगर में सीवर का ट्रांक लाइन जाम होने के कारण पूरे मोहल्ले के सीवर ओवर फ्लो हो रहे हैं। सीवर ओवर फ्लो होने से तीन से चार हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। आलम यह हैकि नगर विकास मंत्री से लेकर महापौर तक इस्माइलगंज द्वितीय का दौरा कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों की लापवरही से समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। जलभराव से क्षेत्रवासियों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन अ फसरों की निष्क्रियता से लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। इससे मुलायम नगर, अजय नगर, सुरेंद्र नगर, सरोज बिहार और बसंत बिहार में समस्या से बेहाल हैं। क्षेत्रीय पूर्व पार्षद रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि सुरेंद्रनगर में सीवर का ट्रंक लाइन जाम होने के कारण पूरे मोहल्ले के सीवर ओवरफ्लो हो रहे है, लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए अभी तक नगर निगम और न ही कंपनी द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया है। आलम यह है कि अभी तक मौके पर समाधान शुरू नहीं किया गया। सुएज इंडिया के अधिकारी सुबह से केवल आश्वासन शाम तक आश्वासन देते रहे। शिकायतों के बाद देर रात को जलकल के एक्सियन अनिरुद्ध भारती और क्षेत्रीय सुएज इंडिया के अधिकारी मौका मोयना कर चलते बने। वहीं, कार्यदायी संस्था सुइज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर का कहना है कि हमें सुरेन्द्र नगर क्षेत्र की शिकायतें प्राप्त हुई, जहां साइट पर जाने के बाद हमने पाया कि फैजाबाद रोड में नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा ड्रेन निर्माण कार्य प्रगति पर है जोकि (एनएचएआई) द्वारा करवाया जा रहा है और इस क्रम में नाले की खुदाई के दौरान 19 सितंबर को सीवर मुख्य ट्रंक लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी।

लविवि ने राज्यपाल को भेंट किया नैक ए डबल प्लस ग्रेड का सर्टिफिकेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

थारू जनजाति के बीच जाकर उनके बच्चों को विवि में पढ़ने के प्रति करें प्रेरित: राज्यपाल

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने नैक टीम के सदस्यों के साथ बुधवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुलपति ने राज्यपाल को नैक की तरफ से प्राप्त ए डबल प्लस ग्रेड का सर्टिफिकेट सौंपा। इस मौके पर राज्यपाल ने नैक टीम के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि की बधाई दी और विश्वविद्यालय के इस स्तर को बनाये रखने के लिए सतत प्रयत्नशील रहने को कहा। बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय को 26 जुलाई 2022 को नैक से ए डबल प्लस का ग्रेड प्राप्त हुआ था। विश्वविद्यालय ने जानकारी दी है कि कल इस मूल्यांकन का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। मुलाकात के दौरान कुलपति प्रो राय ने राज्यपाल को जानकारी दी कि गत 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72वें जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा इसे उद्यमिता विकास के अंतर्गत मनाते हुए लखीमपुर खीरी जनपद के थारू जनजाति के लोगों में 72 परिवारों को चिन्हित करके उनको मछली पकड़ने का जाल, जैविक खाद, बीज, मिठाई और बच्चों को बिस्कुट और टॉफी का वितरण किया गया। राज्यपाल ने कहा कि जनजातियों के विकास के लिए यह जरूरी है कि उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने उपस्थित शिक्षण से कहा वे थारू जनजाति के लोगों के बीच जाकर उनके बच्चों को विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों के अभिभावकों को लखनऊ विश्वविद्यालय बुलाकर भ्रमण कराया जाए, जिससे वे लोग यहां के वातावरण को समझें और बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित हों। प्रो राय ने राज्यपाल को आश्वस्त किया को शीघ्र ही वे इसका क्रियान्वयन करेंगे। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के साथ विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो प्रेम सुमन शर्मा, प्रो पूनम टंडन, प्रो राकेश द्विवेदी, प्रो राकेश चंद्रा, प्रो संगीता साहू, प्रो राजीव मनोहर, प्रो गीतांजलि मिश्रा, डा केया पाण्डेय,संजय मेधावी, उपस्थित थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

महाराष्ट्र, ज़ोनल ऑफिस, लखनऊ, फोनः 0522-60-2739259
ईमेलः cmcpc_luc@mahabank.co.in,
प्रधान कार्यालयः लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे-5

आधिपत्य नोटिस (स्थावर सपत्ति) नियम 8 (1)

अधोहस्ताक्षरकर्ता बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्राधिकृत अधिकारी होते हुये वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) सपठित नियम 8 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों एवं जमानतदारों को बकाया देय राशि सहित 60 दिनों की समयावधि में भुगतान करने हेतु नोटिस दिया गया था।

ऋणग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा, ऋण ग्रहिताओं और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ उपरोक्त वर्णित संपत्तियों को सांकेतिक अधिग्रहण कर लिया गया है। बैंक को बंधक की गई संपत्ति का विवरण, आधिपत्य आदि की जानकारी इस प्रकार है :-

क्र.	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1.	**ऋणी: मेसर्स माँ लक्ष्मी साड़ी हाउस द्वारा प्रो. श्री विष्णु सोनकर,** निवासी दूसरी मंजिल सीके-12/49, कुंजगली, कामेश्वर कटरा, चौक, वाराणसी यूपी 221001 **जमानतकर्ता: 1. श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री भोला सोनकर,** निवासी डी-33/80 खलीशपुरा, दशाश्वमेध, वाराणसी यूपी 221001 **2. श्री भोला सोनकर पुत्र दारिका,** निवासी डी-33/80 खलीशपुरा, दशाश्वमेध, वाराणसी यूपी 221001	रू. 11,72,323/- + अप्रयुक्त संबंधित ब्याज प्रति वर्ष, दिनांक 20.08.2021 से प्रभावी + पैनल ब्याज एवं अन्य शुल्क/खर्च	श्रीमती शीला देवी की गैर कृषि भूमि का साम्यिक बंधक स्थित अराज़ी सं. 155 ग्राम राल्हूपुर तहसील मुगलसराय जिला चंदौली यूपी, क्षेत्रफल 680 वर्ग फीट, **चौहद्दी: पूर्व:** मेही लाल एवं सोवा की भूमि, **पश्चिम:** कच्चा रास्ता 5 फीट चौड़ा, **उत्तर:** बुद्धू की भूमि, **दक्षिण:** अराज़ी का भाग	10.12.2021 / 16.09.2022
2.	**ऋणी: मेसर्स आर के विजन द्वारा प्रो. श्री नीरज कुमार सोनकर,** निवासी एस10/78 हुकुलगंज वाराणसी यूपी 221002	रू. 5,46,877/- + संबंधित ब्याज प्रति वर्ष, दिनांक 03.06.2022 से प्रभावी + पैनल ब्याज एवं अन्य शुल्क/खर्च	श्री नीरज कुमार सोनकर की संपत्ति का साम्यिक बंधक स्थित प्लॉट सं. एस10/78 एम-2-1 ए खजूरी सिकरौल वाराणसी यू.पी., क्षेत्रफल 680 वर्ग फीट, **चौहद्दी: पूर्व:** श्याम नारायण यादव की भूमि, **पश्चिम:** गोरखनाथ गुप्ता का मकान, **उत्तर:** लालता एवं अन्य की भूमि, **दक्षिण:** रास्ता	27.10.2021 / 16.09.2022

ऋणग्रहिताओं/बंधककर्ताओं को विशिष्टत: और सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा उपरोक्त संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त खातों की वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज के लिये बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रभार के अनुसार होगा। ऋण ग्रहिताओं का ध्यान सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 8(13) की ओर बंधक सम्पत्ति को वापस लेने हेतु आकर्षित किया जाता है।

स्थान- वाराणसी दिनांक: 22.09.2022 **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र**

आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों की मदद करेगी सरकार

● मुख्यमंत्री सहायता कोष से खिलाड़ी को मदद दी जायेगीः अपर मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव खेलकूल डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि हर व्यक्ति खिलाड़ी होता है। कमी न कभी सभी ने कोई न कोई गेम अवश्यय खेला होगा। सभी के अंदर खेल की भावना होगी। इस खेल भावना को जीवित रखने की आवश्यकता है क्योंकि अब सभी विभागीय अधिकरियों और कर्मचारियों को इसी भावना से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि जनपद में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी खिलाड़ी की आर्थिक स्थित खराब है, तो नियमानुसार उनकी पूरी तरह मदद की जाय। अपने स्तर से सहायता करने में असमर्थ है, तो शासन को अवगत करायें। मुख्यमंत्री सहायता कोष से खिलाड़ी को मदद दी जायेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेलों के आयोजन के दौरान खेल की गरिमा को बनाये रखने के साथ ही खिलाड़ियों के मान सम्मान का भी ध्यान रखा जाये।

डा. सहगल ने यह निर्देश बुधवार को बापू भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी क्रीडा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एकलव्य क्रीडा कोष से सम्बन्धित नियमावली का अध्ययन किया जाए तथा उसमें दी गयी व्यवस्था के अनुसार प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित खेलसंघ के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर उनके सहयोग से प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कराया जाए। जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय तथा आयोजित होने वाली प्रतियोगिता का पूर्ण विवरण सम्बन्धित जिलाधिकारी को भी उपलब्ध कराया जाय। अपर मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि विभागीय अधिकारी अपने जनपद में निर्मित खेल अवस्थापनाओं की सूची तैयार करें। ताकि जियोंटैगिंग की कार्यवाही की जा सकें।

साथ ही अपने जनपद में उपलब्ध प्रशिक्षकों का खेलवार सूची तैयार कर 15 दिन के अन्दर निदेशालय को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि खेल विभाग के अन्तर्गत चल रहे निर्माण कार्यो का अधिकारी प्रत्येक दिन पर्यवेक्षण करें। उन्होने यह भी निर्देश दिये कि स्टोर में अनावश्यक खेल उपकरण न रखा जायें। खिलाड़ियों को खेल का पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा जो भी सुविधा प्रदान की जार ही है वह उन्हें उपलब्ध करायें।

सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान बेचने हेतु कृषक का विभागीय पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

लखनऊ। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद हेतु सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान बेचने हेतु कृषक को विभागीय पोर्टल पर अथवा विभाग के मोबाइल एप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। नवीन पंजीयन या पूर्व पंजीयन का नवीनीकरण कृषक स्वयं जनसेवा केन्द्र, इण्टरनेट कैफे के माध्यम से करा सकते हैं। विभागीय पोर्टल पर 16 अगस्त, 2022 से पंजीकरण प्रारम्भ किया जा चुका है। इस वर्ष धान का समर्थन 2040 रूपये कॉमन धान तथा 2060 रु. प्रति कुंतल ग्रेड 'ए' धान निर्धारित किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों को उनकी उपज की कीमत मूल्य समर्थन योजना के अनुरूप या उससे अधिक दिलाने के उद्देश्य से आगामी 1 अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 1 नवम्बर, 2022 से पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में किसानों से सीधे धान की खरीद शुरू की जाएगी।

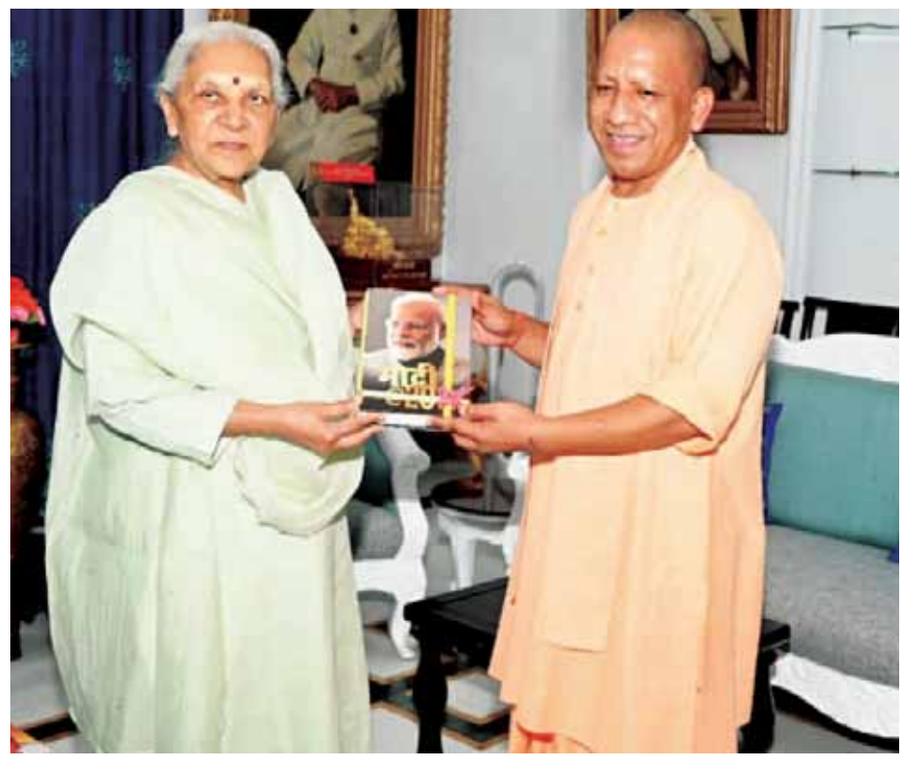

राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से सीएम योगी आदित्यनाथ ने की शिष्टाचार भेंट, इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को प्रधानमंत्री मोदी पर लिखी पुस्तक भेंट की

राजभर व भर समाज को जल्द मिलेगा अनुसूचित जनजाति का दर्जा: राजभर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि राजभर व भर समाज को जल्द ही अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज कल्याण विभाग को प्रस्ताव बनाकर केन्द्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए हैं। राजभर बुधवार को लखनऊ में अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा-बसपा ने 17 पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के नाम पर गुमराह करने का काम किया था। समाजवादी पार्टी ने सिर्फ सपना दिखाया था। अखिलेश यादव जब सत्ता में थे तो उन्होंने प्रस्ताव नहीं भेजा। पहले की सरकारें चाहे सपा रही हो या बसपा, उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की। सुभासपा अध्यक्ष ने बताया कि राजभर व भर समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग को लेकर हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले थे। मुख्यमंत्री ने हमसे विस्तार से बात की। हमारी बात से योगी आदित्यनाथ सहमत हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने के लिए कहा है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि मोदी और योगी पिछड़ों के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के लालबाग चौराहे का नाम सुहेलदेव रखा है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं। राजभर ने कहा कि मैं समाज की लड़ाई लड़ रहा हूं। सावधान यात्रा को लेकर मैं खुद जिलों में जाऊंगा। उल्लेखनीय है कि ओम प्रकाश राजभर ने बीते मंगलवार की रात सीएम योगी से मुलाकात की थी।

सेना में भर्ती के नाम पर ठगी करने वाले गैंग का खुलासा, सरगना सहित दो गिरफ्तार

● कैंटोनमेंट एरिया के डाक बंगले में बाकायदा लेते थे परीक्षा, रुपए ऐंठने के बाद थमा देते थे फर्जी नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सेना में भर्ती कराने के नाम पर बेरोजगार युवकों से ठगी करने वाले गिरोह का एसटीएफ ने खुलासा किया। एसटीएफ ने गिरोह के सरगना सहित दो अभियुक्तों को वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र से गिरफ़्तार किया है।

एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि बीते कुछ दिनों से वाराणसी और इसके आसपास के जिलों के साथ-साथ हैदराबाद, नई दिल्ली, कोलकाता, भुवनेश्वरए, लखनऊ आदि में सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजों के एक अन्तर्राज्यीय गिरोह द्वारा बेरोजगार युवकों को ठगने की सूचना मिलिट्री इंटेलीजेंस (एमआई) वाराणसी से प्राप्त हई थी। जिसके बाद एसटीएफ की एक टीम इस गिरोह की धरपकड़ के लिए लगाई गई। छानबीन में पता चला कि गैंग का सरगना अमित कुमार चौधरी अपने गैंग के कुछ साथियों के साथ कैंटोनमेंट एरिया के डाक बंगले में मुरादाबाद, मेरठ, मुजफ्फ रनगर, पंजाब व महाराष्ट्र के लड़को को मिलिट्री इंजिनियरिंग सर्विस फर्जी परीक्षा लेकर ठगी करने के लिए बुलाया है। इस सूचना पर टीम ने मौके पर पहुँचकर पता किया गया जो ज्ञात हुआ की यह लोग चेक आउट करके चले गये है। तत्पश्चात वहां मौजूद लड़कों की निशानदेही पर कुछ दूरी पर जा रही गाड़ी का पीछा करके उस पर सवार अमित कुमार चौधरी निवासी सुन्दर बिहार हनुमान मन्दिर के पास कोकर, रांची झारखंड, और सचिन कुमार पांडेय निवासी न्यू हैदर अली रोड बजरंगनगर, रांची झारखंड को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से रेलवे के पांच फर्जी नियुक्ति पत्र बरामद हुए। एसटीएफ के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं अभिसूचना संकलन से पाया गया गया कि इनका एक संगठित अन्तर्राज्यीय गिरोह है। अमित कुमार चौधरी गैंग का सरगना है। यह लोग कैंटानेमेंट एरिया में स्थित डाक बंगला के अन्दर कमरा बुक कराकर विभिन्न प्रांतो के लड़को को बुलाकर मिलिट्री इंजिनियरिंग सर्विस की फर्जी परीक्षा लेकर उनका फिंगर प्रिंट लेते थे। इसके उपरान्त कबीरचौरा मंडलीय चिकित्सालय से मेडिकल कराकर फर्जी ज्वानिंग लेटर देकर भर्ती के नाम पर लाखों की वसूली करते हैं। यह लोग ये काम सालों से कर रहे हैं। गैंग का एक सदस्य राकेश कुमार बिष्ट एमईएस की फर्जी आईडी दिखाकर लडकों को फंसाकर लाता है। डाक बंगला में पहचान के लोगों के माध्यम से आराम से कमरा बुक हो जाता है। डाक बंगला कैंटोनमेंट क्षेत्र में होने के कारण भर्ती होने आए लड़के उसे मिलिट्री का ऑफिस समझकर परीक्षा देते हैं और विश्वास कर लेते है कि सब सही काम हो रहा है।

प्रो कृष्ण कुमार सिंह कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि मेरठ के कुलपति नियुक्त

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, पूसा नई दिल्ली के पूर्व सदस्य प्रो कृष्ण कुमार सिंह को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो कृष्ण कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 वर्ष की अवधि के लिए होगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी ने दी है।

निदेशक सूचना ने राजू श्रीवास्तव के निधन पर व्यक्त किया शोक

लखनऊ। निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग शिशिर ने फिल्म जगत में अपने सहज हास्य से एक अलग पहचान बनाने वाले प्रसिद्ध कॉमेडियन एवं पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद राजू श्रीवास्तव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राजू श्रीवास्तव के निधन से हास्य कला एवं फिल्म जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। निदेशक सूचना ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये ईश्वर से प्रार्थना की है कि शोक संतप्त परिजनों व उनके शुभचिंतकों और प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आईटीआई रोजगार मेले में 305 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

लखनऊ। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंजए लखनऊ में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया है जिसमें 9 कम्पनियां, पीएनबी मेट लाईफ इन्श्योरेन्स, श्रीराम लाईफ इन्श्योरेन्स, स्वीगी, रैपिडो, पेटीएम, अंकुर ट्रेडर्स, लखनऊ, बीबीएन सोल्यूशन गुरूग्राम, डीसीएम टेक्सटाईल, हरियाणा एवं मोटोरोला इलेक्ट्रानिक,नोएडा ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले का उद्घाटन नोडल प्रधानाचार्य आर एन त्रिपाठी द्वारा किया गया। मेले में ट्रेनिंग काउन्सलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर ने बताया कि रोजगार दिवस में लगभग 1000 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया जिसका 9 कम्पनियों के पदाधिकारियों द्वारा साक्षात्कार लिया गया जिसमें कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के उपरान्त 305 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर किया गया। अधिकारी नें रोजगार से वंचित रह गये अभ्यर्थियों को 26 सितम्बर, 2022 एवं 30 सितम्बर, 2022 को राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ में आयोजित रोजगार /शिशिशु मेले में आ सकते है।

वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों का हो रहा है आधार प्रमाणीकरण

लखनऊ। जनपद लखनऊ के वृद्धावस्था पेंशन योजना के 93632 समस्त लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण का कार्य संपन्न कराया जा रहा है। लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण के लिए विकासखण्ड / निकाय/ वार्डवार/ मोहल्लावार-शिविर / जोनवार-शिविर / बैंकों से अभिलेख प्राप्त कर आधार प्रमाणीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। यह जानकारी निदेशक समाज कल्याण राकेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक आधार प्रमाणीकरण किये जाने के पश्चात 56892 लाभार्थियों के खाते में पेंशन की धनराशि भेजी जा चुकी है। वर्तमान में 31863 लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण किया जाना शेष है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7100 नवीन वृद्धजनों की पेंशन भी स्वीकृत की जा चुकी है। कुमार ने लाभार्थियों से निकटस्थ ग्रामपंचायत / विकासखण्ड/ नगरपालिका/ नगर पंचायत/जनसुविधा केन्द्र/जोनवार आयोजित हो रहे शिविरों में अपना आधारकार्ड, पासबुक व मोबाइल नम्बर उपलब्ध कराते हुए आधार प्रमाणीकरण कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए लाभार्थी जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, लखनऊ विकास भवन, तृतीय तल सर्वोदय नगर मीना मार्केट के पास, इंदिरानगर, लखनऊ में सम्पर्क कर सकते हैं। आधार प्रमाणीकरण की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2022 निर्धारित की गयी

इण्डियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक आज लखनऊ के दौरे पर

लखनऊ। इण्डियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एस. एल. जैन आज एक दिन के आधिकारिक दौरे पर लखनऊ पधार रहे हैं। वे प्रदेश के विकास से संबंधित विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में बैंक की भूमिका एवं अधिकाधिक भागीदारी के संबंध में प्रदेश के विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों से भेंट करेंगे व प्रदेश में स्थित इण्डियन बैंक की शाखाओं के कार्यनिष्पादन की समीक्षा भी करेंगे। जैन आज लखनऊ में ही बैंक द्वारा आयोजित ग्राहक-बैठक में विभिन्न जिलों के सम्मानित ग्राहकों के साथ व्यवसायिक भेंट भी करेंगे। अंत में शाम को वे टाउन हॉल सभा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालयों, अंचल कार्यालयों के उच्चाधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इण्डियन बैंक ने इस वर्ष 15 अगस्त को अपना 116वां स्थापना दिवस मनाया है। इण्डियन बैंक को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए फिनांसियल एक्सप्रेस का 'श्रेष्ठ बैंक' अवार्ड प्राप्त हुआ है।

फीस वृद्धि को लेकर आत्महत्या करने की घटना दुखद व चिंतनीयः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र आशुतोष तिवारी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेना दुखद एवं उत्तर प्रदेश वासियों के लिए चिन्तनीय घटना है। उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है मगर न ही मोदी सरकार और न ही योगी सरकार इस घटना पर गंभीर हैं। दोनों ही इस घटना पर मौन हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि लगभग 23 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 80 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं और गरीब हैं। बच्चों को महंगी शिक्षा दे पाना उनके बस की बात नहीं है। आशुतोष तिवारी के माता पिता भी इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 400 प्रतिशत फीस बढ़ जाने के बाद फीस देने में असक्षम थे। नतीजन आशुतोष तिवारी ने अपने मरते हुए सुनहरे भविष्य को देखते हुए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 400 प्रतिशत फीस वृद्धि कर भाजपा सरकार ने एक ऐतिहासिक नौजवान विरोधी कदम उठाया है। नौजवान छात्र इस केन्द्रीय विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोत्तरी को शायद कभी भूल पाएं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में जहां देश के तमाम राज्यों से छात्र पढ़ने आते हैं, वहीं उत्तर प्रदेश एवं बिहार के साधरण परिवारों के बच्चे सबसे ज्यादा पढ़ने आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार बढ़ी हुई फीस वापस नहीं लेती है तो कांग्रेस सड़कों पर आन्दोलन करेगी।

इण्डिया स्कूल रैंकिंग में सीएमएस प्रदेश में नंबर वन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) ने एजुकेशन वर्ल्ड इण्डिया स्कूल रैंकिंग-2021-22 में उत्तर प्रदेश का नम्बर 1 स्कूल होने का गौरव प्राप्त किया है। देश भर के दो हजार से अधिक 'को-एड डे स्कूलों' के आकलन में सीएमएस गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) को विभिन्न मानकों के आधार पर उत्तर प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ 'को-एड डे स्कूल' चुना गया है। देश भर के स्कूलों की यह रैंकिंग शैक्षिक पत्रिका एजूकेशन वर्ल्ड द्वारा जारी की गई है। यह जानकारी देते हुए सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इण्डिया स्कूल रैंकिंग के अन्तर्गत देश भर के टॉप स्कूलों को 14 मानकों पर आंका गया, जिनमें ऐकेडमिक रेप्यूटेशन, कम्पीटेन्स ऑफ फैकल्टी, करीकुलम एण्ड पेडागॉजी, लीडरशिप मैनेजमेन्ट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिटी सर्विस, ऑनलाइन एजूकेशन आदि प्रमुख हैं।

ब्लाक समाधान दिवस को मजाक बना रहे अफसर

संवाददाता। मोहनलालगंज

ब्लाक अधिकारियों ने बुधवार को मोहनलालगंज में ब्लाक समाधान दिवस का मजाक बनाकर रख दिया। जनसुनवाई ठप कर अधिकारी मातहतों की मीटिंग लेकर समीक्षा करने लग गए। लिहाजा सभागार में अधिकारियों की मीटिंग चलती देखकर समस्या लेकर आए कई फरियादी बाहर से ही वापस लौट गए।

मोहनलालगंज में जनशिकायतों की बेहतर सुनवाई को लेकर ब्लाक अधिकारी गंभीर नहीं हैं। शासन के निर्देशानुसार बुधवार को ब्लाक समाधान दिवस का आयोजन कर गांव के लोगों की शिकायतें सुनी जानी थीं। लेकिन सभागार में ब्लाक समाधान दिवस का बैनर कुर्सी पर नीचे पड़ा था। जबकि सभागार में ब्लाक अधिकारी जनसुनवाई करने के बजाए पंचायत सचिव और रोजगार सेवकों के साथ योजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते रहे। सभागार में मीटिंग होते देखकर पंचायतों से शिकायत लेकर आए फरियादी अधिकारियों को परेशानी बताए बिना ही वापस लौट गए। हालांकि बाद में कुछ जागरुक फरियादियों ने ब्लाक समाधान दिवस के बारे में पूछताछ शुरु की तब जाकर अधिकारियों को जनसुनवाई करने की सुध आई। हालांकि तब तक दोपहर के 1 बज चुके थे। ऐसे में इस दौरान तकरीबन आधा दर्जन लोगों की ही शिकायत दर्ज कर सचिव और एडीओ पंचायत को निराकरण के लिए भेजी गई। यही नहीं ब्लाक समाधान दिवस में जनसुनवाई के बजाए समीक्षा बैठक को लेकर सवाल पूछने पर अधिकारी शिकायतें बेहद कम आने और राजधानी के अन्य ब्लाक में भी इसी तरह मीटिंग चलने की सफाई देने लगे।

हदबरारी और वरासत के लिए किसानों को दौड़ा रहे राजस्वकर्मी

मोहनलालगंज। हदबरारी और वरासत के लिए किसानों को दौड़ा रहे राजस्व कर्मियों की कलई बुधवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने एसडीएम हनुमान प्रसाद के सामने खोल कर रख दी। भाकियू जिलाध्यक्ष राजेश रावत की अगुवाई में किसान नेताओं ने एसडीएम को बताया दर्जनों मामलों में तय अवधि बीतने के बाद भी राजस्वकर्मी किसानों की हदबरारी करने में टालमटोल कर रहे हैं। जिन मामलों में कोर्ट का फाइनल आर्डर हो चुका है उन मामलों में किसानों को मेड़बन्दी के लिए टरकाया जा रहा है। इसी तरह वरासत के लिए भी राजस्वकर्मी किसानों को बेवजह तहसील के चक्कर काटने पर विवश कर रहे हैं। गांव जाकर हकीकत का पता लगाने के बजाए राजस्वकर्मी किसानों के वारिसों से वरासत के लिए मनमानी शर्तें रख रहे हैं। इन सभी मामलों पर एसडीएम हनुमान प्रसाद ने भाकियू पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर समस्याएं दूर कराने का भरोसा दिया है।

पेज एक का शेष

आजम खां...

है। इस पर विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सारी याचिकाओं का निस्तारण संभव नहीं हो पाता इसलिए ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि एक दिन में पांच से ज्यादा याचिकाएं न लगाई जाए।

चैनलों पर...

अभद्र भाषा और अफवाह फैलाने वाली याचिकाओं में पक्षकार के रूप में शामिल करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, हमने टीवी समाचार चैनल का संदर्भ दिया है, क्योंकि अभद्र भाषा का इस्तेमाल दृश्य माध्यम के जरिए होता है। अगर कोई अखबारों में कुछ लिखता है, तो कोई भी उसे आजकल नहीं पढ़ता है। किसी के पास अखबार पढ़ने का समय नहीं है। एक याचिकाकर्ता वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मामले में भारतीय प्रेस परिषद और नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रॉडकास्टर्स को पक्षकार बनाने की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने अभद्र भाषा पर अंकुश लगाने के लिए एक नियामक तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े को न्याय मित्र नियुक्त किया और उन्हें याचिकाओं पर राज्य सरकारों की प्रतिक्रियाओं के आकलन को कहा है। शीर्ष अदालत ने मामलों की सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की है।

मुख्तार अंसारी...

समझा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 28 अप्रैल 2003 को इस मामले की एफआईआर लखनऊ के जेलर एसके अवस्थी ने थाना आलमबाग में दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। साथ ही उनके साथ गाली गलौज करते हुए मुख्तार ने उन पर पिस्तौल भी तान दी थी।

रतन टाटा...

थॉमस, मुंडा और टाटा शामिल हुए। बैठक के दौरान कोविड-19 के चलते अपने परिजनों को खो चुके 4,345 बच्चों की मदद करने वाले पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन सहित पीएम केयर्स की मदद से शुरु की गई विभिन्न पहलों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई। न्यासियों की ओर से कोविड काल में इस कोष द्वारा निभाई गई भूमिका का सराहना की गई जबकि प्रधानमंत्री ने पीएम केयर्स में दिल खोलकर योगदान देने के लिए देशवासियों की प्रशंसा की। पीएमओ के मुताबिक बैठक में यह चर्चा की गई कि ना सिर्फ राहत सहायता बल्कि शमन उपाय और क्षमता निर्माण के जरिए भी पीएम केयर्स के पास आपातकालीन और संकट की स्थितियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए एक बड़ा दृष्टिकोण है। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नए न्यासियों और सलाहकारों की भागीदारी से पीएम केयर्स फंड की कार्यप्रणाली को व्यापक दृष्टिकोण मिलेगा। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में उनका व्यापक अनुभव, इस कोष को विभिन्न सार्वजनिक आवश्यकताओं के प्रति अधिक उत्तरदाई बनाने में और अधिक उत्साह प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के फैलने के बाद सरकार ने इससे उत्पन्न किसी भी प्रकार की आपातकालीन या संकटपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए पीएम केयर्स फंड की स्थापना की थी। साल 2019-20 के दौरान इस फंड में 3976 करोड़ रुपया इकट्ठा हुआ था जो 2020-21 में बढ़कर 10,990 करोड़ रुपया हो गया। इस कोष से एक हजार करोड़ रुपए प्रवासी मजदूरों पर खर्च किए गए जबकि 1,392 करोड़ रुपए टीका बनाने के लिए दिया गया। पीएम केयर्स फंड से देश के सभी जिलों में ऑक्सीजन संयंत्र लगाने में भी बड़ी संख्या में पैसे खर्च किए गए हैं। पीएम केयर्स की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने, संस्थाओं ने और सरकारी निकायों ने भी इसमें योगदान दिया था।

राडिया के...

के समक्ष रिपोर्ट पेश की गई थी। उनमें कोई भी आपराधिक तत्व नहीं पाया गया है। इसके साथ ही, फोन-टैपिंग को लेकर दिशानिर्देश भी हैं। एएसजी ने कहा कि निजता के अधिकार से संबंधित फैसले के बाद अब इस मामले में कुछ नहीं बचा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अवकाश के बाद इस मामले की सुनवाई करेगी, क्योंकि अगले सप्ताह संविधान पीठ बैठ रही है। पीठ ने कहा, इस बीच, सीबीआई अद्यतन स्थिति रिपोर्ट पेश कर सकती है। इसके साथ ही उसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 अक्टूबर की तारीख मुकर्र कर दी। टाटा की ओर से पेश वकील ने सुनवाई शुरू होने के साथ ही स्थगन की मांग की। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने 2017 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के एस पुट्टास्वामी मामले में अपने आदेश में कहा था कि निजता संविधान संरक्षित अधिकार है। याचिकाकर्ता के वकील ने न्यायालय को सूचित किया कि गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) ने भी एक याचिका दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि इन टेप की बातचीत को व्यापक जनहित में सार्वजनिक किया जाए। सीपीआईएल की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि राडिया दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कंपनियों के लिए लॉबी करती थीं और इस दौरान सार्वजनिक जीवन वाले व्यक्तियों को प्रभावित करने की कोशिश की गई थी, जिसका खुलासा हुआ था। शीर्ष अदालत ने 2013 में कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया की टेप की गई बातचीत के विश्लेषण से उत्पन्न छह मुद्दों की सीबीआई जांच का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था, राडिया की बातचीत बाहरी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से निजी उद्यमों की गहरी चाल को दर्शाती है। सरकार ने राडिया की 180 दिनों की बातचीत को पहले 20 अगस्त 2008 से 60 दिनों के लिए और फिर 19 अक्टूबर से 60 दिनों के लिए रिकॉर्ड किया था। बाद में, 11 मई, 2009 को, एक नए आदेश के बाद, उसके फोन को फिर से 60 दिनों के लिए निगरानी में रखना पड़ा था।

हमेशा हंसाने...

हमेशा आप हमारे दिलों में रहेंगे। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे राजू श्रीवास्तव सर। मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। अभिनेता अक्षय कुमार ने लिखा, राजू भाई आपने जीवनभर हमें हंसाया। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के निर्णायक रहे अभिनेता शेखर सुमन ने कहा, राजू बेहद मजाकिया इंसान थे। हम सभी उनको बहुत याद करेंगे। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज सहित कई कार्यक्रम में उनकी कला देखने का मौका मिला...। लेखक एवं हास्य कलाकार वरुण ग्रोवर ने उन्हें हिंदी भाषा का पहला हास्य कलाकार बताया। उन्होंने कहा, राजू भाई लखनऊ दूरदर्शन के 1990 के दशक के सबसे बड़े कलाकार थे। रोजर्मा की मुश्किलों से जूझ रहे लोगों के जीवन में हास्य, उनसे बेहतर तरीके से कोई नहीं ढूंढ सकता था। निर्देशक सुधीर मिश्रा, अभिनेता एवं हास्य कलाकार जावेद जाफरी, अनिल कपूर, निमृत कौर और निर्देशक संजय गुप्ता, सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी, फिल्मकार मधुर भंडारकर, हास्य कलाकार नवीन प्रभाकर ने भी राजू श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त किया। मनोरंजन जगत में 1980 के दशक के अंत से सक्रिय राजू श्रीवास्तव को 2005 में स्टैंड-अप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के पहले सीजन में भाग लेने के बाद काफी लोकप्रियता मिली थी। उन्होंने मैंने प्यार किया, बाजीगर, बॉम्बे टू गोवा (रीमेक) और आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया जैसी फिल्मों में अभिनय किया। वह बिग बॉस सीजन तीन में नजर आए थे।

विद्युत समस्याओं के समाधान के लिए ऊर्जा विभाग उपभोक्ताओं तक बनायी पहुंच

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की उपभोक्ता देवो भव की नीति के तहत ऊर्जा विभाग विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के निवारण के लिए अब उनके और नजदीक जाकर, स्थानीय स्तर पर समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी समस्याओं के लिए ज्यादा न भटकना पड़े और न ही समय अधिक लगे। इसके लिए निर्देश दिए गए हैं कि 'सम्भव' पोर्टल की व्यवस्था में एक पायदान और नीचे जाते हुए अब प्रत्येक सोमवार को प्रातः 10 से 12 बजे के बीच 33/11 केवी के सभी उपकेंद्रों पर एसडीओ स्तर पर जनसुनवाई की जाएगी। पहले की व्यवस्था यथावत रहेगी, जिसमें प्रत्येक सोमवार को ही अपरान्ह 1:00 बजे से 3:00 बजे तक अधिशासी अभियंता तथा शाम 4:00 से 6:00 बजे के बीच अधीक्षण अभियंता स्तर पर जनसुनवाई कर शिकायतों का समाधान किया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक मंगलवार को उच्च स्तर पर प्रातः 10 से 12 बजे के बीच प्रत्येक डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक स्तर पर जनसुनवाई की जाएगी तथा प्रत्येक महीने के तीसरे बुधवार को दोपहर 12:00 बजे से स्वयं ऊर्जामंत्री के स्तर पर राज्य स्तरीय सुनवाई की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। ऊर्जा विभाग जनता की सुख सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्युत समाधान सप्ताह के ऐतिहासिक परिणाम आए हैं।

बॉब को मिला राजभाषा कीर्ति सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा को राष्ट्रीयकृत बैंकों की श्रेणी में वर्ष 2021-22 हेतु भारत सरकार की राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कािर से सम्मानित किया गया. इसके साथ ही बैंक के संयोजन में कार्यरत बैंक नगर राजभाषा कार्यान्व यन समिति (नराकास), बड़ौदा को नराकास की श्रेणी में 'ख' भाषिक क्षेत्र के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कािर प्रदान किया गया है.

उपर्युक्त दोनों पुरस्कार बैंक को दिनांक 14-15 सितंबर 2022 को सूरत में आयोजित हिंदी दिवस समारोह- 2022 एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान प्रदान किए गए। ये पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि गृह एवं सहकारिता मंत्री, अमित शाह, मुख्य मंत्री, गुजरात भूपेन्द्र भाई पटेल, अति ?थिगण केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय, अजय कुमार मिश्रा एवं निशिथ प्रामाणिक की उपस्थिति ? में बैंक के कार्यपालक निदेशक अजय के. खुराना एवं नाकास (बैंक), वडोदरा को प्राप्तश् पुरस्कार मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) एवं समिति के अध्यक्ष दिनेश पंत ने प्राप्त किए।गौरतलब है कि बैंक ने हिंदी को व्यंवसाय की भाषा के रूप में आगे बढ़ाते हुए ग्राहकों के लिए इंटरनेट बैंकिंग एवं व्हाेट्सऐप बैंकिंग की हिंदी सेवा आरंभ की है. बैंक अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप 'बॉब वर्ल्डट' के माध्याम से हिंदी सहित अन्ये क्षेत्रीय भाषाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है. इसके साथ ही बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए हिंदी सहित अलग-अलग भारतीय भाषाओं में ट्रांजक्शन संबंधी एसएमएस की सुविधा की उपलब्धदता भी सुनिश्चित की है।

मेडिकल स्टोरों पर एसआईबी टीम ने की छापेमारी, हड़कंप

- ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी के नेतृत्व में टीम ने किया कार्रवाई
- एसआईबी टीम की छापेमारी से दवा दुकानदारों में मची अफरा.तफरी

संवाददाता। मऊ

वाणिज्यकर विभाग की स्पेशल ब्रांच ;एसआईबीद्ध की टीम ने शहर के भीटी स्थित मेडिकल स्टोर की आधा दर्जन दुकानों पर छापेमारी किया। छापेमारी की कार्रवाई ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान मेडिकल स्टोर से आय.व्यय के जरुरी दस्तावेंजों की गहनता के साथ जांच.पड़ताल किया गया। छापेमारी की कार्रवाई से मेडिकल दुकानदारों में अफरा.तफरी मचा रहा। शहर क्षेत्र के अति व्यस्त भीटी चौराहे के पास आधा दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोरों का संचालन किया जाता है। ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी अशोक कुमार बनर्जी के नेतृत्व में वाणिज्यकर विभाग की स्पेशल ब्रांच ;एसआईबीद्ध की टीम धमक पड़ी। एसआईबी का रेड मेडिकल स्टोरों पर रेड पड़ते ही मेडिकल स्टोर संचालकों में अफरा.तफरी मच गया। छह सदस्यीय एसआईबी टीम के सदस्यों ने मेडिकल स्टोरों की गहनता के साथ जांच किया। टीम के सदस्यों ने मेडिकल स्टोर के संचालकों से आय.व्यय के बारे में विस्तार से पूछताछ किया। साथ ही साथ आय.व्यय से सम्बंधित दस्तावेजों को भी तलब किया। एसआईबी टीम के सदस्यों ने एक घंटे तक कागजातों के लेखाजोखा की जांच किया। वाणिज्यकर विभाग की स्पेशल ब्रांच ;एसआईबीद्ध की छापेमारी से शहर क्षेत्र के सभी मेडिकल स्टोर संचालकों में अफरा.तफरी मच गया। छापेमारी की सूचना मिलते ही शहर क्षेत्र स्थित कई मेडिकल स्टोर के संचालक अपनी.अपनी दुकान बंद करके गायब भी हो गए।

जांच.पड़ताल के बाद होगी कार्रवाईः ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी

मऊ। ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी अशोक कुमार बनर्जी ने बताया कि नियम के अनुसार जीएसटी पोर्टल पर प्रत्येक फर्म द्वारा अपनी आय.व्यय का ब्योरा दर्ज किया जाता है। आय.व्यय के दर्ज कराए गए ब्योरे के अनुसार मुख्यालय से सूचना मिला कि भीटी स्थित मेडिकल स्टोर पर अनियमितता है। जीएसटी पोर्टल पर दर्ज ब्योरो के अनुसार ही छापेमारी करके दस्तावेजों की जांच पड़ताल किया जा रहा है। जांच.पड़ताल के उपरांत फर्म संचालक द्वारा जवाब देने के बाद आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

भारतीय एकता सद्भावना मिशन ने कामेडियन राजू श्रीवास्तव को दी श्रद्धांजलि

वाराणसी। भारतीय एकता सद्भावना मिशन की एक आवश्यक बैठक परशुरामपुर स्थित सीआईएमएस के कार्यालय में आहूत की गई जिसमें गजोधर भैया के नाम से मशहूर कामेडियन राजू श्रीवास्तव के निधन ? पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। सबको हंसानें ? वाला जिंदादिल ? इंसान आज रुला कर सदा सदा के लिए परलोक चले गए ?। राष्ट्रीय महासचिव मनोज श्रीवास्तव नें कहा कि अपनें दमदार व्यक्तित्व और मिमिक्री तथा कामेडी से सबकी जिंदगी को हास्य से रौशन करते हुए सभी धर्म और हर वर्ग के लोगों को एकसूत्र में पिरोकर देश की एकता एवं सद्भावना को बनाए रखनें में अपनीं महती भूमिका अदा की है उनका निधन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समशुल आर्फिन, सुजाअत हुसैन रुस्तम एवं तिलकराज कपूर प्रयागराज निवासी मनोज पाण्डेय नें भी अपनीं भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि राजू श्रीवास्तव देश के श्रेष्ठ हास्य कलाकारों में से एक थे।

खेल संस्कृति को बढ़ावा एनसीएल की कार्य पद्धति का अहम अंगः डॉ अनिंद्य

संवाददाता। सोनभद्र

बुधवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अमलोरी क्षेत्र में कोल इंडिया अंतर-कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2022-23 का शुभारम्भ बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता 21 से 23 सितंबर 2022 तक चलेगी। उदघाटन समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित एनसीएल के निदेशक डॉ अनिंद्य सिन्हा ने सभी खिलाड़ियों का एनसीएल में स्वागत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और खेलभावना के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्पादन व प्रेषण के साथ ही एनसीएल प्रबंधन, कर्मियों के स्वास्थ्य, खुशहाली व समग्र विकास को भी प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार खेल-कूद संबंधी आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक कार्मिक एस एस हसन, महाप्रबंधक, अमलोरी सतीश झा, बोर्ड के सदस्य, क्षेत्रीय श्रमिक प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में कोल इंडिया सहित इसकी सभी अनुषंगी कंपनियों से पुरुष व महिला दोनों ही वर्गों में 95 खिलाड़ी बढ़-चढ़ कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। यह प्रतियोगिता टीटी के अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुरूप तथा राष्ट्रीय स्तर के रेफरी की देखरेख में सम्पन्न हो रही है। प्रतियोगिता के विधिवत संचालन के लिए अमलोरी कल्याण मंडप को बेहतरीन तरीके से तैयार किया गया है जहां पर दूधिया रोशनी की चकाचौध देखते ही बनती है। प्रतियोगिता के दौरान आयोजित लीग मैच के लिए पूल ए में एसईसीएल एनसीएल सीसीएल सीआईएल व एमसीएल तथा पूल बी में सीएमपीडीआईएल डबल्यूसीएल एससीसीएल ईसीएल तथा बीसीसीएल की टीमें खेल रही हैं।

राज्यपाल निक्षय मित्र को करेंगी सम्मानित

मीरजापुर। टीबी मुक्त अभियान के तहत गोद लेने वाले निक्षय मित्रों को अब राज्यपाल सम्मानित करेंगी। यह जानकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि यदि आप निक्षय मित्र है यानि आपने जिले के किसी भी टीबी मरीज को पौष्टिक भोजन देने का संकल्प लिया है तो आपके इस पुनीत कार्य के लिए प्रदेश की राज्यपाल आपको सम्मानित करेंगी।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर यू0एन0 सिंह ने बताया कि राज्य क्षय अधिकारी ने जिले के सर्वश्रेष्ठ निक्षय मित्रों की सूची मांगी है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति टीबी रोग के खिलाफशुरू किया गया राष्ट्रव्यापी जंग में अपना योगदान दे सकता है। ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन सम्मानित भी करेगी। संस्थाओं को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन सम्मानित भी करेगी। इस अभियान के तहत सीएमओ व डीटीओ भी निक्षय मित्र बन गये हैं। सीएमओ ने भी खुद निक्षय मित्र बनकर टीबी अभियान को मजबूती प्रदान बनाने की अपील की है।

क्या है निक्षय मित्र योजना

जिला कार्यक्रम समन्वयक सन्ध्या गुप्ता ने बताया कि निक्षय मित्र योजना टीबी से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। इस योजना के तहत कोई भी स्वयंसेवी संस्थाए संगठनए राजनैतिक दल या कोई भी व्यक्ति टीबी मरीज को गोद ले सकेगा। इस अभियान के तहत निक्षय मित्र बनने वाले व्यक्ति या संस्था को कम से कम एक वर्ष के लिए अधिक से अधिक किसी भी विकास खण्डए वार्ड या टीबी रोगी को गोद लेकर उन्हें भोजनए पोषण आदि जरूरी आवश्यकता की चाजों को उपलब्ध कराना होता है।

योजना का उद्देश्य

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के सतीश यादव ने बताया कि इस अभियान को जनआन्दोलन बनाकर आमजन को बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज आसान व जिले के सभी केन्द्रों पर निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है लोगों को यह भी बताना होगा कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। लेकिन जब व्यक्ति का रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। तो व्यक्ति में यह रोग दिखता है। इलाज से इस बीमारी से आसानी से छुटकारा मिल सकता है। ये सभी जिले के समस्त व्यक्तियों तक पहुंचने के बाद ही टीबी से प्रभावित लोग इलाज की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

यातायात के नियमों का पालन करने का एनसीसी छात्रों ने लिया संकल्प

संवाददाता। सकलडीहाचन्दौली

सकलडीहा इंटर कॉलेज में मंगलवार को एनसीसी कैडेट को यातायात नियम के प्रति संकल्प दिलाया गया। इस दौरान स्वंय के साथ दूसरों को प्रेरित करने के लिये बताया गया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट सत्यमूर्ति ओझा ने विस्तार से जानकारी दिया।एनसीसी छात्रों ने संकल्प दोहराते हुए कहा कि गाड़ी चलाते समय अनावश्यक रूप से हार्न नही बजाया जायेगा। इसके साथ ही बाइक चलाते समय हेलमेट पहने और ड्राइविंग लाइसेंस भी रखने का बात दोहराया। लेफ्टिनेंट सत्यमूर्ति ओझा ने छात्रों को ट्रिपल सवारी न बैठाने व यातायात के नियमो का पालन करते हुए साइड मिररर का प्रयोग करने की अपील किया। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है। स्वंय के साथ दूसरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अंत में एनसीसी छात्रों को स्वंय के साथ दूसरों को गांवों में यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का अपील किया। इस मौके पर पी आई अंगद सिंहए बालचंद्र राय सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रोफेसर राजीव प्रकाश बने आईआईटी भिलाई के निदेशक

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) स्थित स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर राजीव प्रकाश आईआईटी भिलाई के निदेशक पद पर नियुक्त हुए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर किये। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने प्रोफेसर राजीव प्रकाश को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान से पदार्थ प्रौद्योगिकी में एम टेक की डिग्री प्राप्त की और 1999 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बॉम्बे से पीएचडी का काम पूरा किया। वर्तमान में, वह पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रोफेसर हैं। इससे पूर्व वे संस्थान में दो बार अधिष्ठाता (रिसर्च एवं डेवलपमेंट) और दो बार स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस के समन्वयक और एक बार डीन एकेडमिक अफेयर्स भी रह चुके हैं। इसके अलावा वे संस्थान में एनआईआरएफ रैंकिंग कमेटी के सदस्य, प्रेस एंड पब्लिसिटी कमेटी के चेयरमैन, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट फैसल्टी के फाउंडर कोआर्डिनेटर समेत विभिन्न प्रशासनिक पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आईआईटी (बीएचयू) में शामिल होने से पहले उन्होंने सात साल तक वैज्ञानिक के रूप में सीएसआईआर (आईआईटीआर, लखनऊ) में सेवाएं दी। उनके अनुसंधान के क्षेत्रों में पॉलिमर और नैनोकम्पोजिट, कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसर डिवाइस व ऊर्जा भंडारण उपकरण शामिल हैं।

पोषण माहः आंगनबाड़ी केन्द्रों पर स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता आज

संवाददाता। मऊ

जिले में 30 सितम्बर तक चलने वाले राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत 22 सितंबर को स्वस्थ बालक.बालिका प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह प्रतियोगिता जिले के सभी 2335 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इसमें ग्राम प्रधानध्पंचायत सदस्यों की भी अहम भूमिका है। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य 5 वर्ष तक के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लानाए पोषण की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाना और एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना है।डीपीओ अजीत ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर साफसफाई रखी जायेगी। सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों पर ग्रोथ मॉनीटरिंग डिवाइस ;ग्रोथ चार्टद्ध तथा कम्यूनिटी ग्रोथ चार्ट की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। जिनको पूर्व निर्धारित सेवायें मिली हैं उनको पूरा किया जायेगा। शासन के निर्देशानुसार स्वस्थ बालक.बालिका प्रतियोगिता के आयोजन के पश्चात जो बच्चे स्वस्थ व सुपोषित होगें तथा जिनको पूर्व निर्धारित सेवायें मिली हैंए उन्हें पुरष्कृत भी किया जायेगा। तथा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाण्नरेश अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य बालक.बालिका स्पर्धा के आयोजन में स्थानीय संस्थाओं स्वयं सहायता समूहोंए शैक्षणिक संस्थाएए यूथ क्लबए लायन्स क्लबए रोटरी क्लबए आशाए एएनएमए आईएमए आदि के सहयोग के लिये निर्देशित किया गया है। सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों का वजन लेने के पश्चात् वजनए लम्बाई एवं ऊँचाई की फीडिंग पोषण ट्रैकर पर सभी आँगनवाड़ी द्वारा की जायेगी। केन्द्रों पर बच्चों के टीकाकरण व अनुपूरक पोषाहार प्राप्त करने सम्बन्धित अभिलेख रक्षित किये जायेंगे। सीएमओ डाण्अग्रवाल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सकों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। इस स्पर्धा को एक त्योहारध्उत्सव के रूप में मनाया जायेगा तथा समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक जागरूकता लायी जायेगी। इस स्वस्थ बालक.बालिका स्पर्धा के आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जायेगी।

महिलाओं को किया जागरूक

डाला/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला मलिन बस्ती में बुधवार की दोपहर महिला सिपाही द्वारा जन चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक किया गया। महिला सिपाही जोहरा बेगम ने बताया कि महिला सुरक्षा, महिलाओं के सम्मान,महिला स्वालंबन वं वर्तमान परिवेश में महिलाओं के विरुद्ध बढ़ रहे अपराध के रोकथाम के लिए महिलाओं की सुरक्षा के तहत गांव गांव में व मोहल्ले मोहल्ले में जाकर महिलाओं को जागरूक किया गया है, महिला एवं बच्चियों के सुरक्षा हेतु प्रत्येक थाने पर एंटी रोमियो स्क्वायड टीम का गठन किया गया है, मनबढो एवं मनचलों पर कार्यवाही की जा रही है। महिलाओं के अपराध को रोकने के लिए 112, 1090, 181 टोल फ्री नंबर के संबंध में भी जागरूक किया गया ।

कार्य में लापरवाही पर एसडीएम ने दो बीएलओ को जारी किया नोटिस

सकलडीहा चन्दौली । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से लिंक किया जाना है। पिछले कई दिनों से अभियान चलाकर बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। टोटल तीन लाख 33 हजार 379 के सापेक्ष एक लाख 25 हजार 547 लिंक किया जा चुका है। बुधवार को समीक्षा के दौरान दो बीएलओ द्वारा लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी गयी है। इस दौरान कई बीएलओ मौजूद रहे।आगामी दिनों होने वाले लोक सभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में सकलडीहा विधान सभा में कुल टोटल तीन लाख 33 हजार 379 के सापेक्ष एक लाख 25 हजार 547 लिंक किया जा चुका है। शेष लिंक किया जाना है। इस कार्य में बूथ संख्या 342 और 360 के बीएलओ;रोजगारद्ध द्वारा लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किया गया है। एसडीएम मनोज पाठक ने सभी बीएलओ को समय से लिंक कराने के साथ फर्म सात के साथ मृत्यु और बाहर रहने वाले व शादी शुदा लड़कीयों को मतदाता सूची से नाम बाहर करने का निर्देश दिया। इस मौके पर नायब तहसीलदार डाण् नीरज चतुर्वेदीए चुनाव कार्यालय प्रभारी चन्द्रभूषण सहित अन्य बीएलओ मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़े में अमृत सरोवर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया

मीरजापुर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जन सेवक लोक सेवक प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अन्तर्गत श्सेवा पखवाड़ाश् पर जिला के अमृत सरोवरों पर स्वच्छता एवं श्रमदान का कार्य किया गया। यशस्वी जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह के नेतृत्व में जिले के प्रत्येक 24 मण्डलों के 22 मण्डलों में अमृत सरोवरों पर सफाई एवं श्रमदान का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के सभी जिला व मण्डल पदाधिकारीगणए शक्ति केंद्र संयोजक व प्रभारी तथा बूथ अध्यक्षों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसी क्रम में सिटी ब्लॉक के ग्राम सभा अहमलपुर के बूथ नंण् दृ 470 में अमृत सरोवर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय जी ने स्वच्छता एं श्रमदान के कार्यक्रम में तथा गड़बड़ा मंडल के महुगढ़ी अमृत सरोवर पर जिला उपाध्यक्ष विपुल सिंह उपस्थित रहे। अभियान के जिला प्रमुख हरिशंकर सिंह पटेल जिला महामंत्री भाजपा एवं जिला सह प्रमुख विपुल सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभी मण्डलों के अतिथिगण व स्वच्छता कार्यक्रम के संयोजकगणए मण्डल अध्यक्षगणए शक्ति केंद्र संयोजक व प्रभारी तथा भाजपा कार्यकर्ता लगाये गये स्थानों पर उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे द्वारा दिया गया।

दो दिन में चार लोगों की हुई मौत पहुची चिकित्सा विभाग की टीम

डाला/सोनभद्र। कोटा ग्राम पंचायत के पतगडी व जवारीडाड़ टोला में दो दिन के भीतर चार लोगों की मौत हो गई चार लोगों की मौत के मामले में राजस्व व चिकित्सा विभाग की टीम ने दोनो टोला मे जाकर निरिक्षण करके मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौपने की बात कही। कोटा लेखपाल ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने बताया की कोटा ग्राम पंचायत के पथगडी मे 8 वर्षीय लल्लु सिंह पुत्र रमाशंकर सिंह पथगडी उत्तरी टोला को रविवार से बुखार आ रहा था जिसका अचानक सोमवार की देर सायंकाल मौत हो गई, 62 वर्षीय रामदेव पुत्र कलेन्दर निवासी पथगडी दक्षिण टोला व 70 वर्षीय रामनाथ पुत्र नन्दराम पथगडी टोला पश्चिम दोनो बृद्ध सोमवार की रात्रि दैनिक क्रिया के बाद सो गए जो सुबह नही उठे मंगलवार की सुबह परिवार के लोगो ने जगाने गए तो दोनो बृद्ध मृत पाये गये। जवारीडाड़ टोला की लगभग 85 वर्षीय बसमतीया की मौत भी सोमवार की दोपहर हो गई। लेकिन बसमतिया एक वर्ष से गंभीर बिमारी से ग्रसित थी जिसकी दवा चल रही थी। मौत का मामला प्रकाश में आते ही बुधवार को गुरमुरा अस्पताल की टीम ने जाकर गांव का निरिक्षण करके आसपास के लोगों की खून की जांच की जा रही है और गांवों में पानी की सैंम्पलिग करके जांच करने के लिए भेज दिया गया है। गुरमुरा अस्पताल के प्रभारी डा हरिकांन्त पटेल ने बताया की आठ वर्षीय बच्चे लल्लू का एक दिन की बुखार मे मौत होना स्वाभाविक मौत नही है जिसकी जांच की जा रही है और सभी तीन बृद्धों की मौत सामान्य प्रतीत हो रहा है। मौत के मामले में लगभग एक दर्जन लोगों के ब्लड सैंपल लेकर कारणों का पता लगाया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित की गई हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी के रिहंद स्टेशन के आवासीय परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय रिहंदनगर में मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े के दौरान बुधवार को हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस बात की जानकारी देते हुए विद्यालय के वरिष्ठ हिंदी शिक्षक डॉ0 गुलाब शंकर सिंह ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा 14 सितम्बर 2022 से 28 सितम्बर 2022 तक हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज पुस्तकालय में हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभात कुमार एवम् विद्यालय के वरिष्ठ एवम् हिन्दी शिक्षक डॉ0 गुलाब शंकर सिंह की देखरेख में किया गया। विद्यालय के प्राचार्य लालसा साह ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। अपने संबोधन में प्राचार्य श्री साह ने विद्यार्थियों को हिन्दी पुस्तकें पढने के लिए प्रोत्साहित किया। कक्षा नौवीं से बारहवीं के छात्रों को प्रदर्शनी देखने के लिए कतारबद्ध होकर पुस्तकालय में बुलाया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस प्रदर्शनी में बढ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यरूप से राजीव कुमार पटेल अमित कुमार श्रीवास्तव मुकेश कुमार विश्वकर्मा जया नमन हरेन्द्र कुमार सहित विद्यालय के अनेक शिक्षक मौजूद थे।

ममता का बयान

भ्रमित विपक्ष

विपक्ष भ्रमित स्थिति में है, ममता बनर्जी नरमी दिखा रही हैं, केजरीवाल अकेले चलने के पक्ष में हैं, जबकि केसीआर गैर-कांग्रेस गठबंधन बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति ममता बनर्जी के बयान में दिखी नरमी से सबको आश्चर्य हुआ है। यह उन लोगों के लिए झटका है जो केन्द्र में सरकार बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, उनका विश्वास नहीं है कि मोदी केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो व प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों को उनकी तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दे रहे हैं। लगता है कि ममता बनर्जी का तर्क भ्रामक है और वे तथ्यों को अपने तर्क की राह में आड़े नहीं आने देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों एजेंसियां प्रधानमंत्री कार्यालय-पीएमओ के अंतर्गत नहीं आती हैं, बल्कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आधीन हैं। मोदी समर्थक शायद इससे यह समझ सकते हैं कि प्रधानमंत्री का सीबीआई व ईडी पर नियंत्रण नहीं है और इस पर प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इसके अलावा सीबीआई कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अंतर्गत आती है जो सीधे पीएमओ को रिपोर्ट करता है। उन्होंने सीबीआई व ईडी की कार्रवाइयों के लिए 'केन्द्र सरकार तथा भाजपा नेतृत्व के एक हिस्से' पर आरोप लगाया। उनके लक्ष्यों की 'बाल की खाल निकालने' का कोई औचित्य नहीं है। यहां यह तथ्य पूर्णत: स्पष्ट है कि ममता बनर्जी ने अपना कट्टर मोदी-विरोधी दृष्टिकोण छोड़ दिया है जो अभी कुछ ही समय पहले तक बना हुआ था। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव की याद करें तो स्पष्ट होगा कि वे कितने तीखे ढंग से पूरी 'भगवा अवस्थापना' पर हमले बोलती थीं। इनकी तुलना में उनको मोदी पर हालिया बयान मित्रतापूर्ण कहा जा सकता है। लेकिन इसकी भाजपा की ओर से कोई मैत्रीपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं हुई है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उनके बयान की प्रतिक्रिया में कहा है कि भाजपा में किसी को और खासकर प्रधानमंत्री को ममता बनर्जी से कोई वैधता प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषक उनके नरम दृष्टिकोण को उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ जारी भ्रष्टाचार मामलों का नतीजा मान सकते हैं जिनमें उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं। इन मामलों ने निश्चित रूप से ममता बनर्जी पर दबाव डाला है और उनको राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को उनके सभी पदों से हटाना पड़ा है। लेकिन उनका नरम दृष्टिकोण निश्चित रूप से विपक्षी एकता के लिए शुभ संकेत नहीं है। सतही तौर से देखने पर विपक्षी एकता भारतीय जनता पार्टी-विरोधी नेताओं की स्वाभाविक पसंद लगती है। जैसा कि वे सभी दावा करते हैं कि अन्य चीजों के साथ उनको केन्द्रीय एजेंसियां परेशान कर रही हैं। जहां ममता बनर्जी पर भले ही भ्रष्टाचार मामलों के कारण दबाव हो, वहीं अन्य विपक्षी नेताओं के अपने एजेंडे हैं। आम आदमी पार्टी सुप्रीमो व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल संभवत: गठबंधन के प्रति ज्यादा उत्साही नहीं हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि 'गठबंधन बनाने या तोड़ने की राजनीति' उनकी ठीक से समझ में नहीं आती है। इसके उलट तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव केन्द्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के लिए गठबंधन के पक्ष में हैं। वे अपनी राष्ट्रीय पार्टी भी शुरू करना चाहते हैं। उनका विश्वास है कि 'वैकल्पिक राष्ट्रीय एजेंडे' पर सहमति है। लेकिन इसमें एक पेंच भी है। वे कांग्रेस को प्रस्तावित गैर-भाजपा गठबंधन से बाहर रखना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, विपक्ष का कोई नेता यह नहीं जानता है कि आगे कैसे बढ़ा जाए। विपक्ष में मोदी सरकार को सत्ता से हटाने की इच्छा तो है, लेकिन इसके लिए उसके पास कोई योजना नहीं है।

गैस मूल्यों पर पुनर्विचार आवश्यक

प्राकृतिक गैस या एनजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी से वृद्धि का कारण यूक्रेन युद्ध तथा वैश्विक सप्लाई में आई बाधा है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

प्राकृतिक गैस या एनजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी से वृद्धि का कारण यूक्रेन युद्ध तथा वैश्विक सप्लाई में आई बाधा है। इसका प्रभाव अनेक क्षेत्रों में ऊर्जा की लागत पर पड़ रहा है। इनमें खासकर ऊर्जा व बिजली, आदि क्षेत्र संवेदनशील हैं। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस-एमपीएनजी मंत्रालय ने डा. किरीट पारिख के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है जो देश में उत्पादित एनजी के वर्तमान मूल्य फार्मूले की समीक्षा करेगी। देश में खर्च होने वाली 54.6 बिलियन क्यूबिक मीटर या बीसीएम गैस का लगभग 50 प्रतिशत आयातित द्रव प्राकृतिक गैस या एलएनजी से पूरा होता है। कमेटी से इस महीने के अंत तक रिपोर्ट देने को कहा गया है। उसे फार्मूले का ढांचा पुन: इस प्रकार बनाने को कहा गया है ताकि 'अंतिम उपभोक्ता के लिए उचित मूल्य' सुनिश्चित हो सके। नवंबर, 2014 से प्रभावित मूल्य दिशानिर्देशों के अनुसार फील्ड से सभी घरेलू सप्लायरों को नई खोज व लाइसेंसिंग नीति-एनईएलपी के अंतर्गत लाया गया है। इसमें राज्य स्वामित्व वाली ओएनजीसी व आयल इंडिया लिमिटेड-ओआईएल को नामांकित ब्लाकों को भी एनईएलपी में लाना शामिल है। इस कीमत या सामान्य कीमत को चार अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर मूल्यों का औसत रखा गया है।

इनमें अमेरिका की हेनरी हब, कनाडा की एल्बर्टा गैस, ब्रिटेन की नेशनल बैलेसिंग प्वाइंट-एनबीपी तथा रूसी गैस शामिल हैं। एक वित्त वर्ष में हर 6 महीने पर कीमतों की समीक्षा होती है। इसके साथ ही मार्च, 2016 में गहरे व बहुत गहरे तथा उच्च दाब व उच्च तापमान वाले क्षेत्रों के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा की गई थी जिसके अंतर्गत 'प्रीमियम' मूल्य की अनुमति है। इसका निर्धारण प्रतियोगी बोली के आधार पर किया जाता है जिसमें पहले गैस उत्पादकों से जुड़े उद्यमों को भाग लेने की अनुमति नहीं थी। इस प्रकार निर्धारित नीति एक सीमा तक वैकल्पिक ईंधनों की कीमतों पर निर्भर करती है जिनमें फ्यूल आयल, नेफ्था व एलएनजी शामिल हैं। यदि बोली आधारित कीमत सीमा से ऊपर निकल जाती है तो खरीदार को सीमा निर्धारित कीमत ही देनी होती है।

अक्टूबर, 2020 से गैस उत्पादक फर्मों के सहयोगियों की नीलामी प्रक्रिया में सहभागिता पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया। इसका अर्थ था कि उत्पादक अपनी सहायक या सहयोगी कंपनी के माध्यम से अपनी ही गैस खरीद कर तीसरे पक्षों को अधिक दर पर बेच सकता था। इस प्रकार कीमत पर सीमाबंधन से मुक्ति मिल गई। उदाहरणार्थ, आंध्र प्रदेश तट पर स्थित कृष्णा गोदावरी बेसिन के केजी-डी6 क्षेत्र से गैस उत्पादन करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड-आरआईएल ने ठीक यही काम किया। 5 फरवरी, 2021 को उसने इस क्षेत्र से निकलने वाली नई गैस के लिए 7.5 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन-एमएमएससीएमडी का प्रस्ताव किया। उसकी सहायक रिलायंस ओ2सी लिमिटेड ने 4.8 एमएमएससीएमडी पर या 4.06 डालर प्रति मिलियन बीटीयू पर खरीदा जो उस समय मूल्य सीमा थी।

इसे उसने गेल इंडिया लिमिटेड, शेल व अन्य को 6-7 डालर प्रति मिलियन बीटीयू पर बेचा। देश में उत्पादित अधिकांश एनजी के अलावा उपरोक्त के दो अन्य बड़े स्रोत हैं। इनमें जुलाई, 2017 में शामिल ओपेन एकरेज लाइसेंसिंग नीति-ओएएलपी शामिल है जो बाजार-आधारित मूल्य की अनुमति देती है। इस पृष्ठभूमि में देखने पर भारतीय उपभोक्ताओं के समक्ष एनजी मूल्य परिदृश्य इस प्रकार है। स्पाट मार्केट में औसत अंतरराष्ट्रीय मूल्य 50 डालर प्रति एमबीटीयू है जो 1 अप्रैल, 2022 से लागू है। इसके अलावा पुराने व नियंत्रित क्षेत्रों से 6.1 डालर प्रति एमबीटीयू दर, डी-यूडी-एचपी-एचटी क्षेत्रों से 9.92 डालर प्रति एमबीटीयू प्रीमियम मूल्य है जो आमतौर से बोली मूल्य 15 डालर प्रति एमबीटीयू से अधिक है। उर्वरक क्षेत्र एनजी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है जो 33 प्रतिशत उपभोग करता है। इसके बाद शहरों में गैस वितरण या सीजीडी का हिस्सा 23 प्रतिशत तथा बिजली का 13 प्रतिशत है। ये क्षेत्र नियंत्रित कम मूल्य पर गैस आबंटन में प्राथमिकता प्राप्त हैं।

उर्वरकों में अधिकांश गैस का प्रयोग यूरिया उत्पादन में होता है जिसका अधिकतम खुदरा मूल्य-एमआरपी कम स्तर पर बनाए रखा जाता है ताकि किसानों को यह सस्ती कीमतों पर मिल सके। एमआरपी से अधिक लागत की निर्माताओं को सब्सिडी के माध्यम से भरपाई की जाती है। उर्वरकों के लिए एनजी की आवश्यकता का लगभग 67 प्रतिशत घरेलू स्रोतों तथा 33 प्रतिशत आयातित एलएनजी से होता है। घरेलू स्रोतों से उद्योग 50-50 प्रतिशत 'नियंत्रित' व 'प्रीमियम' गैस से प्राप्त करता है। इस प्रकार गैस का प्रभावी मूल्य 8 डालर प्रति एमबीटीयू होता है और इसके परिणामस्वरूप गैस की कुल कीमत 5.5 डालर प्रति एमबीटीयू हो जाती है।

जहां तक आयातित गैस का सवाल है, भारत इसका 80 प्रतिशत दीर्घकालीन अनुबंधों से प्राप्त करता है जिसका औसत मूल्य 12 डालर प्रति एमबीटीयू है, जबकि 20 प्रतिशत स्पाट बाजार से खरीदी जाती है जिसकी वर्तमान कीमत 50 डालर प्रति एमबीटीयू है। इस प्रकार प्रभावी मूल्य 19.6 डालर प्रति एमबीटीयू है। इस प्रकार कुल गैस की समग्र कीमत 6.5 डालर प्रति एमबीटीयू हो जाती है। कुल मिला कर यूरिया उत्पादन में एनजी की लागत 12 डालर प्रति एमबीटीयू आती है। इसमें हैंडलिंग, रि-गैसीफाइंग एलएनजी, परिवहन टैरिफ, बाजार का मुनाफा, टैक्स व ड्यूटी, आदि के खर्च अलग से जुड़ते हैं। इनको मिला कर लागत 15 डालर प्रति एमबीटीयू पहुंच जाती है। एक टन यूरिया के लिए 24 एमबीटीयू गैस प्रयोग करने से इसका खर्च 360 डालर प्रति टन या 28,800 रुपये प्रति टन हो जाता है। यह 5360 रुपये प्रति टन एमआरपी की तुलना में 5.5 गुना अधिक है। एनजी की अधिक कीमत उर्वरक सब्सिडी बढ़ने का प्रमुख कारण है जिसके 2022-23 में 2,50,000 करोड़ पहुंचने की आशा है। बिजली क्षेत्र में एनजी की अधिक कीमत से गैस-आधारित उत्पादन प्लांटों की उपयोगिता खतरे में पड़ जाती है क्योंकि खरीदार इसके परिणामस्वरूप पैदा महंगी बिजली नहीं खरीद सकते हैं। सीजीडी क्षेत्र भी मूल्यवृद्धि के कारण दबाव अनुभव कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्पाट बाजार में एनजी की कीमतें नियंत्रण से बाहर हैं। वास्तव में ईयू देशों द्वारा रूस से आने वाली दो-तिहाई गैस का विकल्प तलाशने, यानी इसे मध्य पूर्व व अमेरिका, आदि से खरीदने की योजना के कारण इसके दामों में तेज वृद्धि की आशंका है। इससे भारतीय खरीद के दीर्घकालीन अनुबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। इसके कारण दामों में तेज वृद्धि की आशंका है।

इसलिए भारत को घरेलू गैस की कीमतें कम करने पर ध्यान देना चाहिए। आगे बढ़ने का रास्ता क्या है? डी-यूडी-एचपी-एचटी क्षेत्रों को अधिक कीमत की अनुमति देने का कोई वैध कारण नहीं है। यदि जटिल क्षेत्रों से उत्पादन में अधिक निवेश होता है तो ये ज्यादा गैस भी देते हैं। सामान्य कीमतों पर भी उत्पादक ज्यादा राजस्व प्राप्त कर सकता है। इस तर्क को ध्यान में रखते हुए शुरुआत में मोदी सरकार का इरादा इन क्षेत्रों के लिए ज्यादा कीमतें देने का नहीं था। लेकिन मार्च, 2016 में वह दबाव के सामने झुक गई। आज पुराने व नियंत्रित क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों से सप्लाई बाजार आधारित मूल्यों पर होती है। मांग के सप्लाई से बहुत अधिक होने को देखते हुए इस कीमत को उचित नहीं कहा जा सकता है। यह सिद्धान्त छोड़ देना चाहिए। इसके बजाय सभी घरेलू सप्लाई 2014 में तय फार्मूले के आधार पर होनी चाहिए।

1 अप्रैल, 2022 से लागू वर्तमान 'सामान्य' कीमत 6.1 डालर प्रति एमबीटीयू है जो 1 अक्टूबर, 2021 से 31 मार्च, 2022 के बीच लागू कीमतों से 100 प्रतिशत अधिक है। चार वैश्विक स्थानों पर एनजी कीमतों की प्रवृत्ति को देखते हुए इसकी कीमतों में और वृद्धि की संभावना है। कीमतों की अगली समीक्षा 1 अक्टूबर, 2022 में होगी। सरकार को वर्तमान दर पर कीमतों को 'फ्रीज़' कर देना चाहिए और इसे वैश्विक स्थितियों में सामान्य स्थिति आने तक बनाए रखना चाहिए।

क्यों कहते हैं इंग्लैंड के राजा को चार्ल्स तृतीय?

सरदिंदु मुखर्जी
(लेखक आईसीएचआर के सदस्य हैं)

अंग्रेजी राजशाही का एक लंबा सुव्यवस्थित इतिहास रहा है। यहां प्रस्तुत हैं कुछ संकेतक जो यूनाइटेड किंगडम में इसके गुंझलदार अतीत से रूबरू कराते हैं। जाहिर है, इस प्रश्न का उत्तर यह होगा कि इंग्लैंड में पहले राजा होते थे, जिन्हें चार्ल्स प्रथम और चार्ल्स द्वितीय के नाम से जाना जाता था। हो सकता है, केवल वही लोग जिनकी इतिहास में रुचि है, विशेष रूप से अंग्रेजी इतिहास में रुचि रखने वाले लोग जानना चाहें। अंतत:, क्या किसी ने इतिहास को शयनगाह नहीं कहा था! वैसे भी 30 जनवरी को स्कॉटलैंड यार्ड, लंदन के पास से अगर कोई गुजरे तो एक अजीब नजारा देखने को मिल सकता है। कुछ लोग, शाही अंदाज अपनाते हुए, उस राजा की याद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिसका यहां सिर काट दिया गया था। यह आखिरी बार था जब किसी अंग्रेज राजा को फांसी दी गई थी। वह राजा चार्ल्स प्रथम थे, जिन्होंने 1625-1649 तक शासन किया था, जो अपने पिता, राजा जेम्स के निधन के बाद अंग्रेजी सिंहासन पर आसीन हुए थे! उससे पहले, स्कॉटलैंड के जेम्स छठा स्टुअर्ट राजवंश से संबंधित थे।

चार्ल्स प्रथम को एक अड़ियल अंग्रेजी संसद का सामना करना पड़ा जिसने राजत्व के दैवी अधिकार सिद्धांत को चुनौती देना शुरू कर दिया था। हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रमुख स्थान रखने वाले प्यूरिटंस के बढ़ते विरोध का कारण थे- कराधान से संबंधित शाही मांगें, उनके द्वारा कैथोलिक, फ्रांसीसी राजकुमारी हेनरीटा मारिया के साथ शादी करना और विदेश नीति के संचालन में उनका स्पेनिश-समर्थक पूर्वाग्रह। इंग्लैंड में सुधार के बाद की अवधि में, ट्यूडर किंग हेनरी अष्ठम् (1509-1547) द्वारा गति मिलने से, कैथोलिकों पर कैथोलिक पोप का समर्थक होने के नाते इंग्लैंड के प्रति अनिष्ठा का संदेह किया गया।

जैसे जैसे चार्ल्स प्रथम से समझौता के बिना किसी संकेत के मतभेद बढ़ते गए, मामला गंभीर होता गया। कॉमन्स ने अधिकारों की याचिका (1628) द्वारा अपने संवैधानिक अधिकारों का दावा किया, जिसे लॉर्ड्स द्वारा भी पारित किया गया था- जिसने शाही शक्ति - मसलन, मार्शल लॉ, सैनिकों की बिलेटिंग, कराधान और कारावास-के मनमाने प्रयोग पर प्रतिबंध लगाकर कुछ उल्लेखनीय लक्ष्यों को प्राप्त किया। इसके बाद, कोई भी अंग्रेज राजा कभी भी सैन्य तानाशाह नहीं बन सका, निजी घर में सैनिकों की बिलेटिंग पर और नागरिकों

के कोर्ट मार्शल पर प्रतिबंध लगा दिया गया। कोई आश्चर्य नहीं, बिल ऑफ राइट्स को 'यूरोप के सर्वाधिक नागरिक राष्ट्र का चार्टर' कहा जाता है।

जैसे-जैसे टकराव जारी रहे, जेम्स ने संसद को भंग कर दिया और अगले 11 वर्षों तक, इंग्लैंड पर बिना संसद के राजा का शासन जारी रहा। चार्ल्स प्रथम (1629-1640) द्वारा व्यक्तिगत शासन के इस दौर को 'ग्यारह वर्ष का अत्याचार' कहा जाने लगा। पूर्ण शासन के समकालीन यूरोपीय मानक को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि यह इतना अत्याचारी नहीं था। 1640 में जब दुबारा संसद बुलाई गई, तो यह अधिक समय तक नहीं चली। इसके बाद गृहयुद्ध (1642-49) हुआ, और सांसदों के हाथों शाही लोगों को पराजय मिली। उसी समय किंग चार्ल्स को मार डाला गया था और इंग्लैंड पर ग्यारह साल (1649-1660) तक बिना संसद के शासन चला। यह वो समय था जब ओलिवर क्रॉमवेल ने शासन किया था। यह वो समय था, जब दो शब्द उपयोग में आए- कैवलियर्स (रॉयलिस्ट) और राउंडहेड्स (संसद)।

जैसा कि रिचर्ड क्रॉमवेल एक विफलता (1658-1660) साबित हुआ, उस समय एक आम सहमति थी कि गणतंत्र विफल हो गया, और इंग्लैंड को बिना राजा के नहीं चलाया जा सकता। कन्वेंशन पार्लियामेंट -तथाकथित, क्योंकि इसे एक राजा द्वारा नहीं बुलाया गया था - ने राजा और दो सदनों - लॉर्ड्स और कॉमन्स की वापसी के लिए मतदान किया, और उस समय इंग्लैंड के पूर्व राजा के बेटे को पदभार संभालने के लिए कहा गया था। इतिहास में बहाली के रूप में विख्यात - चार्ल्स द्वितीय, लंदन आया, और उस तख्ते के करीब के बैंक्वेटिंग हॉल में प्रवेश किया जहां उसके पिता को मार डाला गया था।

एक फ्रांसीसी राजकुमारी (1660-1685) के बेटे चार्ल्स द्वितीय ने फैसला किया कि 'वह फिर से उस राह पर नहीं जाएंगे, जिसे उनके पूर्ववर्तियों स्टुअर्ट और ट्यूडर ने अपनाया था, उन्होंने संसद की मंजूरी लेकर शासन किया। चार्ल्स द्वितीय ने राउंडहेड्स को क्षमा कर दिया, लेकिन जो लोग उसके पिता को सजा देने में हिस्सेदार थे- उनमें से लगभग दस पर विधिवत मुकदमे चलाया गया और उन्हें सजा दी गयी। राजा के एक मित्र ने उसके चरित्र का सार प्रस्तुत किया था: यहां हमारा प्रभु राजा है, जिसके वचन पर कोई भी विश्वास नहीं करता है, जिसने न कभी कोई मूर्खतापूर्ण और न कभी कोई बुद्धिमानीपूर्ण बात कही। राज शाही में अपने परिष्कृत विश्वास के बावजूद, उन्होंने एक स्थायी सेना की अवधारणा को तुच्छ माना, और उसकी अनुमति नहीं दी। इस दौरान, दो पुराने राजनीतिक समूहों को टोरीज (बाद में कंजरवेटिव) और व्हिग्स (बाद में लिबरल्स) कहा जाने लगा, जो ब्रिटेन में द्वि-पक्षीय प्रणाली की शुरुआत का प्रतीक था।

मूलत:, टोरीज का मतलब था एक विद्रोही आयरिश पापिस्ट, और व्हिग्स का अर्थ था- एक विद्रोही स्कॉटिश प्रेस्बिटेरियन! एक और ऐतिहासिक निर्णय था 1679 में पारित बंदी प्रत्यक्षीकरण अधिनियम, जिसमें यह प्रावधान था कि किसी भी ब्रिटिश व्यक्ति को मुकदमा चलाए बिना गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए- जिसने कई देशों में इसी तरह के कानून के लिए मॉडल प्रदान किया। विचारों की दुनिया में 17वीं सदी में बहुत कुछ हुआ।

महान विचारक और निबंधकार फ्रांसिस बेकन का निधन हो गया, और बाइबल के 'सच्चाई के निर्विवाद स्रोत' के रूप में बने रहने के बावजूद, इस सदी में विलियम शेक्सपियर, बेन जॉनसन, जॉन डोने और मिल्टन जैसे लोग थे। यह नवीन विचारों और अमर रचनाओं वाले गिल्बर्ट, बॉयल और न्यूटन जैसों का ''विज्ञान का युग'' भी था।

आप की बात

बिखरा हुआ विपक्ष

विपक्षी नेताओं के बयान पर्याप्त संकेत है कि विपक्षी नेताओ को एकजुट कर पाना तराजू में मेडक तोलने के समान है। आम आदमी पार्टी संयोजक केजरीवाल ने कहा है कि हम भाजपा के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेंगे बल्कि 130 करोड़ जनता के साथ गठबंधन करेंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के सी आर स्वयं को मजबूत करने के लिए राष्ट्रव्यापी दौरे कर विपक्षी एकजुटता का दम भर रहे हैं. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उत्तर भारत के विपक्षी नेताओं को एकजुट करने का बीड़ा उठाया हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले आर एस एस और अब देश के प्रधानमंत्री पर विपक्षी आरोप ई डी एवम सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप को सिरे से खारिज किया है। विपक्षी एकता मुहिम में बड़े जनाधार वाली दलित नेता मायावती, कभी विपक्षी एकता के सूत्रधार रहे चंद्रबाबू नायडू और एक मजबूत विपक्षी नेता नवीन पटनायक को विपक्षी नेताओं ने विपक्षी मुहिम का हिस्सा नहीं बनाया है यह विपक्षी नेताओं की व्यापक सोच पर भी प्रश्न चिन्ह है। भारतीय जनता पार्टी के समक्ष विपक्ष अपनी डफली अपना राग की नीति पर चलता दिखाई देता है

- **वीरेंद्र कुमार जाटव**, दिल्ली

बच्चों पर विशेष ध्यान दें!

हमारे देश के सभी राज्यों में प्रारंभिक विद्यालय में मिड-डे- मील यानी मध्यान भोजन की व्यवस्था है. इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने को लेकर अक्सर अन्य-अन्य राज्यों से खबर आती रहती है. सरकार की ओर से बाकायदा हर दिन के हिसाब से मन्यू तय है. यह बच्चों के लिए जरूरी पोषक तत्वों के हिसाब से बनाया गया है. मिड-डे-मील को लेकर राज्य सरकार की ओर से अक्सर औचक निरीक्षण वरीय अधिकारियों द्वारा किया जाता है. कई बार जिला अधिकारी खुद बच्चों के साथ बैठकर भोजन करते हैं. इसके बावजूद गुणवत्ता पर अक्सर प्रश्न उठता है. इसको देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से इस बारे में राज्य मध्यान भोजन निदेशालय को दिशा निर्देश जारी किया गया है कि गुणवत्ता की परख अब उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र करेंगे. निर्देश में उचित शिक्षण संस्थानों के फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग में पढ़ाई करने वाले छात्रों को मिड-डे-मील की गुणवत्ता जांच की मुहिम से जुड़ने को कहा गया है. साल में कम से कम एक स्कूल में जाकर इन छात्रों द्वारा भोजन की गुणवत्ता की पड़ताल की जाएगी. साथ ही उन्हें खुद भी उसे चखकर उसकी रेटिंग करनी होगी. इस मुहिम में रसोईया को भी जोड़ा जाना चाहिए।

- **सदन जी,** पटना विश्वविद्यालय

विरोध का दमन

आजकल हमारे देश के इस लोकतंत्र में किसी भी मुद्दे पर विरोध / आंदोलन करने वालों की कोई भी सुनना ही नहीं चाहता है। केवल दमन (दबाव) के बल पर आंदोलन करने वालों क आंदोलन खत्म की कोशिश की जाती है। यह लोकतंत्र के विपरीत है। जबकि जिन मुद्दों पर विरोध आंदोलन किया जा रहा है उनको गंभीरता से सुनना जिम्मेदारों का काम है। प्रयागराज विविद्यालय में 400 गुना फीस बढ़ा दी गई है। छात्र आंदोलन कर रहे हैं की बढ़ाई गई फीस थी कम करें या वापस ले। लेकिन एकाएक तुगलकी फरमान जारी कर 400 गुना वृद्धि करना तो व्यवहारिक नहीं है। एक छात्र ने आत्महत्या का प्रयास किया। उसका कहना है कि आंदोलन खत्म करने हेतु पुलिस उसके परिवार को प्रताड़ित कर रही है। आरोप-प्रत्यारोप जारी है। मगर शासन प्रशासन को विरोध करने वालों की जायज़ बातों को सुनना चाहिए व जो भी तर्कसंगत हल है, उसका संतोषप्रद निदान करना चाहिए ताकि आम व कमजोर छात्रों पर आर्थिक भार ना बढ़े।

- **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

बहुत अधिक नशे के कारण पंजाब के मुख्यमंत्री को विमान से उतार देने की खबरें हैं। ये पंजाबियों के लिए शर्मनाक व परेशान करने वाली बात है।

- **सुखबीर सिंह बादल**
अकाली दल नेता

सोशल मीडिया की खबरें प्रचार हैं। विदेश यात्रा से मान द्वारा निवेश लाने के कारण विपक्ष आश्चर्यचकित है।

- **मलविंदर सिंह कांग**
आप प्रवक्ता

चुनाव लड़ने के इच्छुक हर व्यक्ति का स्वागत है। यह खुली, लोकतांत्रिक व पारदर्शी प्रक्रिया है। किसी को किसी से अनुमति की जरूरत नहीं है।

- **जयराम रमेश**
कांग्रेस नेता

रिपोर्ट न मिलने पर उखड़े डीएम

● जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाल कल्याण समिति की हुई बैठक

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री।

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में बाल कल्याण समिति के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सोशल वर्कस के द्वारा समय पर रिपोर्ट न प्रेषित किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चों को बेहतर व्यवस्था कहां उपलब्ध हो सकती है। इसके लिए पत्राचार किए जाने के निर्देश दिए हैं। हेमवन्ती देवी बाल संरक्षण गृह का मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में निरीक्षण कराये जाने के निर्देश दिए है तथा जिन बच्चियों को सुपुर्दगी किया जाता है।

कार्यों में लापरवाही बरतने पर धनूपुर के एडीओ सहकारिता से स्पष्टीकरण

प्रयागराज। डीएम संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर विकास खण्ड भगवतपुर चाका सोरांव करछना उरूवा धनूपुर में ऋण वितरण की वसूली में नाराजगी व्यक्त करते हुए सहायक विकास अधिकारी सहकारिता से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजस्व वसूली में कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत प्रतिशत राजस्व की वसूली सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सहकारिता विभाग को सम्बंधित धान क्रय केन्द्रों के निर्माण के लिए निर्देशित किया है एवं समस्त तैयारियां पहले से ही पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए हैं।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि जनपद की समितियों में उर्वरक की उपलब्धता एवं निरंतरता बनी रहे। इसमें किसी प्रकार की कमी न आने पाये। एआर कोआपरेटिव अशोक कुमार यादव पीसीएफ प्रबंधक सहित सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उसकी तीन साल तक मानीटरिंग किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निरीक्षण करके सहयोग एनजीओ में जो भी कमी रह गयी हो। उसे दूर करने के लिए कहा है। उन्होंने जनपद में चल रहे संरक्षण गृहों की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया है कि बच्चों एवं बच्चियों को पढ़ने खेलने तथा दवाओं की उपलब्धता सुचारू रूप से रहे तथा बच्चों एवं बच्चियों की काउंसलिंग भी निरंतर कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने प्रथम रिस्पांस टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की स्थिति की जानकारी ली तथा डीपीओ को निर्देशित किया है कि आशा ज्योति केन्द्र सहित इस तरह की जो भी संस्थाएं हैं उसका निरंतर निरीक्षण करें तथा कमियों को दूर करायें। बच्चों के जनजागरूकता के लिए भी एक अभियान चलाये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज मिश्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन 27 से, तैयारियां शुरू

प्रयागराज। अपने लोगों को कई विचारोत्तेजक शोज़ देने के बाद ज़ी टीवी एक और दिलचस्प शो मैं हूं अपराजिता लेकर आ रहे हैं। नोएडा उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह शो अपराजिता श्वेता तिवारी नाम की एक मां का सफर है। जिन्हें वो जिंदगी के उतार चढ़ाव भरे सफर के लिए तैयार कर रही हैं। जहां मानव गोहिल अपराजिता के पूर्व पति अक्षय का रोल निभाते नजर आएंगे। पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता गुलाटी उनकी दूसरी पत्नी मोहिनी सिंह के रोल में दिखाई देंगी। वो एक अनाथ है जिसका कभी कोई परिवार नहीं रहा है। उसने हमेशा खुद का एक परिवार चाहा है। मोहिनी का मकसद अपराजिता की छवि खराब करना है ताकि वो यह साबित कर सके कि वो हमेशा से अक्षय के लिए एक सही चुनाव थी। तीन बेटियों का ख्याल रख रही एक प्यारी मां की दिलचस्प कहानी का हिस्सा बनने के लिए देखिए मैं हूं अपराजिता सत्ताईस सितंबर से हर सोमवार से शनिवार शाम साढ़े सात बजे सिर्फज़ी टीवी पर आएगा।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने सांसद के पिता के निधन पर जताया दुःख

● सभी नेता पहुँचे प्रयागराज, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सांसद विनोद सोनकर के आवास पहुँचे बृजेश पाठक।

प्रयागराज। सूबे के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी एवं भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को भाजपा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री अनुसूचित मोर्चा विनोद सोनकर के आवास पहुंचकर उनके पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। भाजपा सांसद विनोद सोनकर के पिता अमरनाथ सोनकर का कुछ दिन पहले निधन हो गया था। जहाँ आज उनके दसवें संस्कार पर पहुंच कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना प्रकट की और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान उनके साथ भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी प्रांत महेश चंद्र श्रीवास्तव आदि भी रहे। सभी नेताओं ने सांसद विनोद सोनकर एवं उनके परिजनों से मिलकर इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। कहा कि पूरा भाजपा परिवार आपके साथ है। इसके अलावा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद गुप्ता भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती राजेश केसरवानी राजू पाठक विवेक अग्रवाल राजन शुक्ला दिलीप चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

पीपीएस बबिता साहू को मिला आईपीएस कैडर

● राष्ट्रपति पुरस्कार के अलावा कई पुरस्कारों से हो चुकी हैं सम्मानित

आईपीएस बबिता साहू।

प्रयागराज। उप्र लोकसेवा आयोग से पी पीएस पद पर चयनित वर्ष 1992 बैच की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बबिता साहू को मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा में प्रमोशन मिला। प्रमोट करते हुए आईपीएस कैडर प्रदान किया गया है। जौनपुर की रहने वाली बबिता साहू इससे पहले राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित हो चुकी हैं। बबिता की पहली नियुक्ति प्रयागराज में ही हुई थी। प्रदेश के अन्य जनपदों फ़तेहगढ़ बुलन्दशहर वाराणसी में भी अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठता की बदौलत समाज में बेहतर पहचान बनाई। वह आगरा में एसपी विजिलेन्स के पद पर सेवारत हैं। ड्यूटी के दौरान कुशलतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन करने के कारण प्रदेश सरकार ने उन्हें रजत पदक से भी नवाजा। पढ़ाई के समय भी लोगों की मदद करना इनकी प्राथमिकता रही है। 2020 में बबिता को सूबे की सरकार ने उत्कृष्ट सेवा पदक से विभूषित किया था। 2010 में पुलिस प्रशिक्षण हेतु न्यू मैक्सिको के लिए चुना गया था। शैक्षणिक अवधि में 1995 में आईएएस के लिए चयनित होने के पश्चात पुलिस सेवा का ख्वाब बरकरार रखा। खुद की लगन के कारण पीपीएस में चयनित होकर स्वप्न पूरा किया। आईपीएस में प्रमोशन होने पर शुभेक्षुओं ने उन्हें बधाई दी। बधाई देने वालों में उनके परिवार से उनकी माता साधना साहू सविता साहू संध्या साहू संगीता साहू राजेश साहू राकेश साहू सूर्य मणि जौनपुर से उनके गुरुजनों रमेश यादव एडवोकेट हाईकोर्ट आदि शामिल रहे।

भारी अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हुआ शिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण

● निपुण भारत मिशन के तहत शिक्षकों को कक्षा गतिविधियों से कराया जाना है दक्ष

मिल्कीपुर अयोध्या। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण मिल्कीपुर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में भारी अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हो गया है। प्रशिक्षण शुरू होने के दूसरे दिन तक प्रशिक्षण संसाधन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नहीं जुटाए जा सके हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक विजय किरण आनंद की ओर से बीते 30 जून को जारी आदेश में उल्लेखित किया गया था कि आगामी आगामी 24 जुलाई से 15 सितंबर तक ब्लॉक स्तर पर शिक्षा क्षेत्र के शिक्षकों का प्रशिक्षण हर हाल में पूरा कर लिया जाए किंतु बेसिक शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस आदेश की हवा निकाल दी तथा शिक्षकों का प्रशिक्षण निर्धारित समयावधि बीत जाने की सप्ताह बाद शुरू हुआ। आपाधापी के बीच मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र के शिक्षकों का भी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीते 20 सितंबर को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर इनायत नगर के दो छोटे.छोटे कमरों में शुरू करा दिया गया।

यह प्रशिक्षण ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर आयोजित किया जाना था यही नहीं मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र में ब्लॉक संसाधन केंद्र भी कुचेरा में काफी पूर्व से बना हुआ है। जिसमें शिक्षामित्रों से लेकर शिक्षकों के अनगिनत बार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे शिक्षकों के बैठने की उत्तम व्यवस्था के साथ.साथ हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा और शिक्षकों के खानपान के भी विशेष प्रबंध किए जाने के आदेश थे। किंतु प्रशिक्षण प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर पंकज मिश्रा ने महानिदेशक बेसिक शिक्षा के उस आदेश की हवा निकाल दी और आपाधापी के बीच बिना संसाधन जुटाए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करा दिया। प्रतिक्षण में सबसे मजे की बात तो यह है कि जिन दो छोटे.छोटे कमरों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों के बैठने की व्यवस्था की गई है उनमें एक कमरे में 60 शिक्षक और दूसरे कमरे में 40 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त किया जाना सुनिश्चित किया गया। सबसे मजे की बात तो यह है कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 60 शिक्षकों के सापेक्ष दो ए आर पी प्रशिक्षक और 40 शिक्षकों के सापेक्ष 3 एआरपी प्रशिक्षक लगाए गए हैं। प्रशिक्षण सत्र के दूसरे दिन भी शिक्षकों के बैठने के लिए बेंच और कुर्सियों की व्यवस्था होती रही। महिलाओं के लिए रनिंग वाटर शौचालय की भी कोई अतिरिक्त व्यवस्था नहीं की जा सकी है। ऑनलाइन मॉनिटरिंग पर्याप्त संसाधन भी नहीं उपलब्ध है कक्षा कक्ष में इतनी कम जगह है कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक अधिगम संबंधी गतिविधियों को प्रशिक्षण कक्ष में नहीं कर पा रहे हैं उनकी गतिविधियों को बाहर धूप एवं खुले आसमान के नीचे कराया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रति शिक्षक कलम और राइटिंग पैड के नाम पर 20 खर्च करते हुए वितरित किए जाने के निर्देश है किंतु अत्यंत घटिया क्वालिटी की कलम और राइटिंग पैड शिक्षकों को उपलब्ध कराया गया है।

क्विक न्यूज़

दीपोत्सव को यादगार बनाने के लिए स्वयंसेवक उत्साहित

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि प्रशासन ने उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशक्रम में जिला प्रशासन के सहयोग से आगामी 23 अक्टूबर को राम की पैड़ी अयोध्या में पांचवी बार गिनीज बुक ऑफरिकार्ड में नाम दर्ज कराने की तैयारियों में तेजी लाई। अविवि के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह के दिशा.निर्देशन में दीपोत्सव नोडल अधिकारी व विवि के सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने राम की पैड़ी पर दीए बिछाने व जलाने के संबंध में स्वयंसेवकों, शिक्षक समन्वयकों, हेड स्वयंसेवकों व ग्रुप लीडर्स के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घाटों पर शिक्षक समन्वयकए हेड समन्वयकों व ग्रुप लीडर्स की संयुक्त ट्रेनिंग 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक होनी है। वही राम की पैड़ी पर मार्किंग का कार्य 17 से प्रारम्भ होकर 19 अक्टूबर तक चलेगा। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. अजय प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों से स्वयंसेवकों की सूची प्राप्त हो रही है। शीघ्र ही इसे अंतिम रूप दिया जायेगा। इस बार के दीपोत्सव में स्वयंसेवकों में उत्साह देखते ही बन रहा है। छात्र दीपोत्सव में स्वयंसेवक के रूप में सहभागिता देने के तत्पर है। राम की पैड़ी पर चिन्हित स्थानों पर 16 लाख दीए बिछाएं जायेंगे। शासन द्वारा 14 लाख 50 हजार दी, जलाने का लक्ष्य दिया गया है। विवि के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों की मदद से 16 लाख दीए जलाने की योजना है। विश्वविद्यालय की समिति द्वारा घाटों का निरन्तर निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन से भी सम्पर्क रखा जा रहा है।

28 व 29 सितम्बर को मनाया जायेगा स्थापना दिवस

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जनपद अंबेडकरनगर स्थापना दिवस मनाए जाने के संबंध में गठित कमेटी के सदस्यों की बैठक आयोजित किया गया।बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों व अन्य से स्थापना दिवस मनाया जाने के संबंध में सुझाव मांगा गया। अंबेडकरनगर महोत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम 28 सितंबर तथा 29 सितंबर 2022 को किया जाना प्रस्तावित है। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी जगरोपन राम,जिला विकास अधिकारी विरेंद्र सिंह, डीसी एन आर एल एम आर बी यादव, डीपीआरओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

आयुष मेले का आयोजन

भीटी, अम्बेडकरनगर। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं वैलनेस सेंटर महरुआ गोला के तत्वधान में मुकुंदीपुर ग्राम सभा (केवटही सुखईपुर) में, आयुष आपके द्वार के अंतर्गत, आयुष मेला शिविर का आयोजन किया गया और योग प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। डॉ सुषमा प्रभारी चिकित्साधिकारी ग्राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं वैलनेस सेंटर महरुआ गोला के द्वारा मरीजों को जांच की गई तथा उनके रोगों के अनुसार दवाओं का वितरण किया गया, आयुष रक्षा किट, संशमनी वटी, अश्वगंधारिष्ट आयुष्य 64, द्राक्षासव इत्यादि दवाओं का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ 25 को

प्रयागराज। पच्चीस सितंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। वह भी एक ऐसी फिल्म जिसमें बेमिसाल सिनेमाई अनुभव का राइज़ उदय हुआ। जिसकी रोअर दहाड़ दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर गूंज उठी और जिसने दर्शकों को सिनेमाघरों में वापस लाने के लिए एक रिवॉल्ट बगावत छेड़ दिया। इस साल की शानदार फिल्म एवं भव्य शाहकार आर आर आर पच्चीस सितंबर को दोपहर बारह बजे ज़ी टीवी पर दिखाई जाएगी। फिल्मकार एसएस राजामौली के द्वारा रची गई एक हज़ार करोड़ वलब मूवी आर आर आर में भारतीय सिनेमा के दो पावर हाउस राम चरण और जूनियर एनटीआर के साथ साथ अजय देवगन और आलिया भट्ट जैसे बॉलीवुड सुपरस्टार्स भी हैं। एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने वाली इस मल्टीस्टारर फिल्म ने दुनिया भर की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया है। इसे लेकर तैयारियां भी शुरू हो गयीं हैं। इन आयोजन को लेकर विशेष रूप से तैयारी की जा रही है। इसका सभी को बेसब्री से इंतजार भी है।

महादेवी के काव्य में है सजल वेदनाः प्रो सरोज सिंह

प्रयागराज। महादेवी वर्मा करुणा और वेदना की कवियत्री हैं। उनका संपूर्ण साहित्य काव्य और गद्य में विभक्त है। मानवीयता तो उनके साहित्य में कूट.कूट कर भरी है। गद्य में वह सशक्त भारतीय स्त्री का प्रतिनिधित्व करती हैं तो वहीं उनके काव्य में सजल वेदना का दर्शन होता है। यह बातें सीएमपी पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो सरोज सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में कहीं। प्रो सिंह महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दे रही थीं। उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा छायावाद का प्रमुख स्तंभ रही हैं। उनका जीवन बौद्ध दर्शन से प्रभावित रहा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमृत सरोवर पर चलाया श्रमदान व स्वच्छता अभियान

अयोध्या। भाजपा द्वारा मण्डल स्तर पर अमृत सरोवर पर श्रमदान व स्वच्छता अभियान चलाया गया। बीकापुर की पहुंपी ग्राम सभा में आयोजित कार्यक्रम में सांसद लल्लू सिंह ने श्रमदान किया व स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। इसके साथ में सोहावल पश्चिमी मंडल में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पदचिन्हों पर चलते हुए केन्द्र व प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान के प्रति संकल्पित है। सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिला है। सरकार एक बेहतर विजन के साथ विकास के प्लान को धरातल पर उतार रही है। डबल इंजन की सरकार आम आदमी की अपेक्षाओं पर शत प्रतिशत खरी उतरी है। भ्रष्टाचार पर जीरो टारलेंस की नीति के तहत काम किया गया। जिससे विकास की परियोजनाओं में गुणवक्तापूर्ण कार्य हुए तथा सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंची। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि गरीबों को निःशुल्क आवासए शौचालयए गैस विद्युत कनेक्शन सरकार ने प्रदान किया है। गरीबों के चेहरे पर खुशी का भाव लाना सरकार की प्राथमिकताओं में रहा है। राष्ट्रहित सर्वोपरि के भाव को आत्मसात करते हुए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। हाजीपुर बरसैंडी में सहकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लूए कुचेरा मंडल में जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी, नंदीग्राम मंडल में जिला उपाध्यक्ष राघवेन्द्र पाण्डेय, रुदौली देहात में जिला महामंत्री अशोक कसौधन, सुजागंज में जिला उपाध्यक्ष शिवगोविन्द पाण्डेय, तारुन मंडल में जिला उपाध्यक्ष राममोहन भारती, चौरे मंडल में पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, रानी बाजार मंडल में अल्पसंख्यक प्रकोष्ट के अध्यक्ष निजामुद्दीन, मवई मंडल में किशोरी लाल भारती के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

सितंबर के महीने में मिलेगा स्वादिष्ट आम

मिल्कीपुर अयोध्या। फलों का राजा आम गर्मियों के अतिरिक्त सितंबर में भी खाने को मिलेगा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि कुमारगंज अयोध्या के फल वैज्ञानिक डॉ संजय पाठक ने आम की ऐसी प्रजाति का जनन द्रव्य प्राप्त किया है, जो सितंबर में पकती है आम का फल स्वादिष्ट एवं पर्याप्त रूप से बड़ा होता है, डॉ पाठक के अनुसार आम का फल 200 से ढाई सौ ग्राम तक वजन होता है, तथा इसे काट कर खाया जा सकता है जो खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इस वृक्ष के जनन द्रव्य को विकसित कर नई प्रजाति तैयार की जाएगी इसे बड़े स्तर पर वानिकी में रोपित किया जा सकेगा उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर संजय पाठक के इस उपलब्धि पर विवि के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए दिशा निर्देश दिया है, इस जन्म द्रव्य को जल्द ही नई प्रजाति में शोध किया जाए किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

पेट्रोल पम्प के मानक के तहत भौतिक सत्यापन कर दी जाए एनओसीः डीएम

अम्बेडकरनगर। डीएम सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनओसी जारी किए जाने के संबंध में बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए लंबित मामलों की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अविलंब संदर्भित मामलों को त्वरित गति से निष्पादित करने का निर्देश दिया। अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने में हो रहे विलंब के कारणों पर भी अफसरों से जानकारी ली व तकनीकी अड़चनों को दूर करने की दिशा में सार्थक पहल करने का आदेश दिया गया। डीएम द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आख्या समय से प्राप्त हो जाए जिससे एन ओ सी समय से जारी किया जा सके। संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पेट्रोल पंप के मानक के अनुसार भौतिक सत्यापन करके एनओसी दिया जाय। एडीएम अशोक कुमार कनौजिया, जिला विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थिति रहे।

अधिवक्ता संघ टाण्डा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह

संवाददाता। टाण्डा, अम्बेडकरनगर

अधिवक्ता संघ तहसील टाण्डा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह तहसील सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ मिथलेश त्रिपाठी ने कहा कि पहली सरकार है जिसने अधिवक्ता कल्याण निधि को डेढ़ लाख से बढ़ा कर पांच लाख रुपए कर दिया। व्यक्ति की गरिमा सम्मान से बढ़ा कुछ नहीं है। आप की गरिमा मान सम्मान की सुरक्षा के लिए सदैव आप के साथ खड़ा रहूंगा।

उन्होंने कहा कि गांव से लेकर न्यायालय तक अधिवक्ता कमजोर लोगों को न्याय दिलाने का कार्य विषम परस्थितियों में भी करते है। इसके पूर्व शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ मिथिलेश त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा उर्फ साधु वर्मा द्वारा किए जाने के साथ हुआ। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अजय प्रताप श्रीवास्तव कार्यकरिणी के सदस्यों द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

संघ के निवर्तमान अध्यक्ष जवाहर लाल यादव ने निर्वाचित अध्यक्ष को शपथ ग्रहण कराया इसके बाद अध्यक्ष ने महामंत्री सुखलाल को शपथ दिलाई। कार्यकरिणी के सभी पदाधिकारियों को एक साथ शपथ अध्यक्ष द्वारा दिलाया गया। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा उर्फ साधु वर्मा ने संघ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया कहा कि आप का जो आदेश होगा पूरा होगा। विशिष्ट अतिथि एस डी एम दीपक वर्मा ने कहा कि बार और बेंच दोनो का उद्देश्य है कि शीघ्र न्याय दिलाया जाए लेकिन दस पन्द्रह वर्षो तक न्याय नहीं मिल पाता हमें सोचना होगा। जिला बार के अध्यक्ष शेर बहादुर यादव ने जिला बार के सहयोग का भरोसा दिलाया।

विकास भवन सभागार में किसान दिवस की बैठक में हुई गहन चर्चा

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में किसान दिवस की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों की शिकायातों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाए। किसान दिवस में प्रतिभाग करने वाले किसान विभिन्न अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने किसान भाइयों से खेती करने के नए-नए तकनीक के बारे में चर्चा किए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा 10 किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल बीमा की पॉलिसी, 5 किसानों को तोरिया बीज का मिनी किट निःशुल्क दिया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय, संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी तथा किसान भाई मौके पर उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्र व रामलीला की जोरदार तैयारियां

अयोध्य। शारदीय नवरात्र और रामलीला का पर्व प्रारंभ होने में अब मात्र कुछ ही दिन शेष बचे हैं महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से चल रही है एक तरफ जहां दुर्गा पूजा और रामलीला आयोजित करने वाले समितियों के कार्यकर्ता अपने पंडाल बनाने के साथ.साथ सजावट कार्यों में व्यस्त हैं वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समिति के पदाधिकारी भी महोत्सव से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयासरत हैं नगर से लेकर गांव तक चारों तरफ माता के आगमन की प्रतीक्षा हो रही है केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि आगामी 26 सितंबर से दुर्गा पूजा और रामलीला का महापर्व प्रारंभ हो जाएगा नवरात्र के प्रथम दिन नगर में जनौरा, मकबरा, राम जानकी मंदिर, कौशलपुरी कॉलोनी, नवीन मंडी, बहारगंज, अमानीगंज गुरुद्वारा, लक्ष्मण पुरी, आईटीआई के सामने बेनीगंज, भैरव मंदिर बल्ला हाता, महाजनी टोला तिराहा, झारखंडी, कंधारी बाजार, निषाद का पुरवा जमथरा रोड, नया पुरवा, भीखापुर, भाई का पुरवा सहादतगंज, कोहारन टोला लालबागए राजा गली अंगूरी बाग साईं मंदिर जीजीआईसी के सामने और कालीबाड़ी मंदिर धारा रोड सहित लगभग 25 स्थानों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मां की पूजा अर्चना प्रारंभ हो जाएगी और इसी के साथ पूरे जनपद में लगभग 300 स्थानों पर रामलीला का मंचन भी प्रारंभ हो जाएगा।

जायसवाल ने बताया कि महोत्सव को सकुशल और भव्य तरीके से संपन्न कराने हेतु केंद्रीय समिति के पदाधिकारी लगातार आयोजन समिति के संपर्क में हैं और उनके समस्याओं का संबंधित विभागों द्वारा निराकरण करा रहे हैं। ज्ञात हो कि पूरे जनपद में लगभग 1800 स्थानों पर दुर्गा पूजा का आयोजन होना है। 1 अक्टूबर रात्रि होते होते सभी स्थानों पर मां की पूजा अर्चना विधि विधान से आरंभ हो जाएगी ज्ञात हो कि नगर की प्रतिमाओं का विसर्जन परंपरागत रूप से जीआईसी इंटर कॉलेज में एकत्र होकर सामूहिक रूप से शोभा यात्रा निकाल कर 5 अक्टूबर को दसवीं के दिन विसर्जन होगा वही भदरसाए सुहावल और बीकापुर की प्रतिमाओं का विसर्जन भी दशमी के दिन 5 अक्टूबर को ही संपन्न होगा। अयोध्या नगर मया बाजार, दिलासीगंज, महबूबगंज, एमी घाट, रुदौली मैं पांच और 6 अक्टूबर को 2 दिन विसर्जन होगा दर्शन नगर पूरा बाजार कुमारगंज मिल्कीपुर में 6 अक्टूबर को गोसाईगंज में 7 अक्टूबर को और चौरे बाजार हैदरगंज में 10 अक्टूबर को विसर्जन का कार्यक्रम संपन्न होगा।

अयोध्या नगर में भगवान राम की भव्य शोभायात्रा 6 अक्टूबर को रामलीला कमेटी टकसाल द्वारा 7 अक्टूबर को कोठा परचा फतेहगंज हैदरगंज वजीरगंज साहबगंज और अशोक पुरम जब्ती रामलीला कमेटियों के द्वारा निकाली जाएगी इसके पश्चात भव्य राज्याभिषेक कार्यक्रम 7 अक्टूबर को रामलीला कमेटी टकसाल 8 अक्टूबर को कोठापारचाए साहबगंज, अशोकपुरम जसी 9 अक्टूबर को हैदरगंज और 10 अक्टूबर को फ्तेहगंज का संपन्न होगा।

अलग-अलग बीआरसी पर सौंपे गए बीएसए को संबोधित मांगपत्र

प्राथमिक शिक्षक संघ ने रिक्त पदों पर पदोन्नति की उठाई मांग

● 23 सितंबर को जिला मुख्यालय पर ज्ञापन देने की तैयारी

● लंबित मांगों के समर्थन में अगले कदम की बनेगी रणनीति

संवाददाता। सीतापुर

रिक्त पदों पर पदोन्नति न होने से आक्रोशित परिषदीय शिक्षक आंदोलन के मूंड में है। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले परिषदीय शिक्षकों ने संबंधित विकास खंडों की बीआरसी पर बीएसए को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने 23 सितंबर को जनपद मुख्यालय पर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने का फैसला लिया है। संघ जिलाध्यक्ष रवीन्द्र दीक्षित का कहना है कि अधिकतर शिक्षक सहायक अध्यापक का वेतन लेकर प्रधानाध्यापक का दायित्व निभा रहे है, लेकिन इस दायित्व को निभाने में वह अपने को सक्षम नहीं पा रहे है। पदोन्नति लाभ न दिए जाने से परिषदीय शिक्षक आहत है। ऐसी ही और भी कई समस्याएं है। सकरन संवाददाता के अनुसार ब्लॉक संसाधन केंद्र सांडा में बीएसए को संबोधित ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी सकरन ओमकार सिंह को सौंपा गया। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नसीर अहमद, महामंत्री रविंद्र मिश्रा, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार, महामंत्री फरीद गौरी, प्रिय गौतम, बृजेश कुमार, राजेश वर्मा, शारदा प्रसाद, कृष्णकांत, सुधांशु श्रीवास्तव, अटल बिहारी वाजपेई, धीरेंद्र पटेल, मनीष वर्मा, अलीमुद्दीन, राकेश कुमार, विनोद कुमार, जितेंद्र सिंह, मोहम्मद उमर मौजूद रहे। परसेंडी संवाददाता के अनुसार खंड शिक्षाधिकारी परसेंडी ऋषिकेश को ज्ञापन शिक्षक संघ के अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर रोमेश यादव, श्रीपाल उपस्थित रहे। मिश्रिख संवाददाता के अनुसार ब्लॉक संसाधन मिश्रिख में खंड शिक्षा अधिकारी कपिल देव देवेडी को ज्ञापन प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाधक्ष रविंद्र दीक्षित के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर महेश पाल सिंह, उमेश शुक्ला, पुनीत शुक्ला, महीप सक्सेना, निर्मल मिश्रा, ओंकार शुक्ला, रमेश चंद्र यादव आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। गोंदलामऊ संवाददाता के अनुसार बीआरसी संदना पर बीएसए को संबोधित खंड शिक्षाधिकारी गोंदलामऊ को ज्ञापन सौंपा गया। नेतृत्व ईकाई अध्यक्ष अजय सिंह ने किया। इस मौके पर ब्लाक कोषाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, लवलेश प्रताप सिंह, आनंद प्रातप पांडेय, रामकिशोर, ब्रजेश सिंह, अजय कुमार पांडये, पंकज सिंह, श्रद्धा त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र, संजीव सिंह, अपूर्वा पांडेय सहित शिक्षक मौजूद रहे।

बोरे में बंद मिला नवजात बच्ची का शव

बरेली । रात के समय किसी ने नवजात बच्ची की हत्या कर शव को बोरे में बंद करके खाली पड़े प्लाट पर दे दिया सुबह होने पर पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।सुभाष नगर थाना क्षेत्र के मोहल्ला मढ़ीनाथ स्थित शिव मंदिर से कुछ ही दूरी पर खाली पड़े एक प्लाट पर स्थानीय लोगों ने आज सुबह एक बंद बोरे में नवजात बच्ची के शव को देखा जैसे ही घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर लग गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बोरे को कब्जे में लेकर उसे खोला तो उसमें से एक नवजात बच्ची का शव मिला रात के समय किसी ने बच्ची की हत्या करने के बाद शव को बोरे में बंद करके खाली प्लाट पर फेंका था पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज के आधार पर शव फेंकने वालों की तलाश शुरू कर दी

क्विक न्यूज

बैंक आए बुजुर्ग से 75 सौ रूपये ले उड़े टप्पेबाज

सीतापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के सिटी सेंटर स्थित बैंक ऑफइंडिया में उस समय हडकंप मच गया जब एक बुजुर्ग बैंक में पैसे जमा करने आया था, वह लाइन में लगा ही था कि दो टप्पेबाज आए और बुजुर्ग से बातचीत करते हुए उसके झोले से 20 हजार में से 75 सौ रूपये पार कर दिए। हालाकि यह सब कुछ बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पीड़ित बुजुर्ग रामकोट थाना के चकलापुर गांव का निवासी महेन्द्र कुमार है जो बैंक ऑफइंडिया में 20 हजार रूपये जमा करने आया था। लेकिन इसी बीच दो लुटेरे आए और लाइन में लगे बुजुर्ग से बातचीत करते-करते उनके झोले से रूपये गायब कर वहां से रफूचक्कर हो गए। आपको बता दें कि इससे पहले भी शहर के पॉश इलाके की आंख अस्पताल रोड पर कई ग्राहक टप्पेबाजी का शिकार हो चुके है। यह बैंक एसपी आफिस से करीब 100 मीटर की दूरी पर है। हालाकि पीड़ित ने अभी कोई लिखित तहरीर नहीं दी है, सिविल लाइन चौकी पर इसकी सूचना दी, सूचना पाकर मौके पर चौकी इंचार्ज झारिया सिंह ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगालकर जांच कर रहे है।

पुरानी रंजिश के चलते सगे भाइयों पर जानलेवा हमला

बरेली। पुरानी रंजिश के चलते सामान खरीदकर मोटरसाइकिल पर लौट रहे सगे भाइयों पर गांव के ही दबंगों ने घेरकर हमला कर दिया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।आंवला थाना क्षेत्र के गांव तुमरिया निवासी 45 वर्षीय श्याम पाल पुत्र कोमिल राम और उसके छोटे भाई हेमराज को बीती रात इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां श्याम पाल ने बताया किउसका कुछ दिन पहले गांव के ही रहने वाले पप्पू से मामूली विवाद हो गया है जिसे गांव के लोगों ने रफा-दफा करा दिया लेकिन पप्पू उससे रंजिश मानने लगा और कल दिन में वह अपने छोटे भाई हेमराज के साथ सामान खरीदने के लिए ओला की बाजार गया था शाम को दोनों भाई मोटरसाइकिल से अपने घर वापस लौट रहे थे इसी दौरान लगभग 2 किलोमीटर दूर चलते ही बाग के पास पप्पू ने अपने भाई टीकाराम और देव पाल के साथ मिलकरदोनों भाइयों को बाग के पास ले लिया और मोटरसाइकिल से गिरा कर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटकर घायल कर दियाशोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए तब तक हमलावर फरार हो चुके थे सूचना मिलने पर पहुंचे घर वालों ने घटना की शिकायत पुलिस से करने के बाद पुणे उन्हे पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया और फिर जिला अस्पताल ले आए

सब्जी पर पेशाब छिड़कने के आरोपी को भेजा जेल

बरेली। सब्जी पर पेशाब छिड़क कर बेचने के आरोप में गिरफ्तार किए गए सब्जी विक्रेता को पुलिस ने आज जेल भेज दिया ।इज्जत नगर थाना क्षेत्र के गांव परतापुर चौधरी निवासी शरीफ को पुलिस में आज जेल भेजा ।ज्ञात हो कि शुक्रवार को ठेले पर सब्जी बेचने वाले शरीफपर एक हिंदूवादी नेता ने सब्जी पर पेशाब फड़कने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी कर्मचारी नगर निवासी दुर्गेश ने पुलिस को बताया कि जब वह अपनी कार से जनकपुरी इलाके से गुजर रहा था तब उसने शरीफ को सब्जी पर पेशाब छडकते हुए देखा उसने इसका वीडियो भी बना लिया दुर्गेश ने जब शरीफसे शिकायत की तो वह झगड़ा करने लगा शोर शराबा सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई दुर्गेश ने जब यह बात लोगों को बताई तो उन्होंने शरीफको पकड़कर घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शरीर को हिरासत में ले लिया और वीडियो के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया और आज जेल भेज दिया।

सेना का फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

बरेली । सेना की वर्दी पहनकर कैंट क्षेत्र में घूम रहे सेना के एक फर्जी अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया उसके पास से सेना की वर्दी परिचय पत्र व अन्य सामान भी बरामद हुआ गिरफ्तार किए गए फर्जी अधिकारी से पूछताछ जारी है ।बिहार के रोहतास जिले के कोचस थाना क्षेत्र के शाहमत खेरा निवासी प्रवीण कुमार सिंह पुत्र सत्येंद्र सिंह को पुलिस ने आज कैंट थाना क्षेत्र में वीरांगना चौक के पास से गिरफ्तार किया थाने में तैनात दरोगा दीपचंद अपने साथी गौरव कुमार के साथ लाल फाटक की तरफसे आ रहे थे तभी उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली कि कैंट क्षेत्र में चल रही अग्नि वीरों की भर्ती में शामिल होने के लिए आने वाले युवकों से एक फर्जी अधिकारी रकम ऐंठने के लिए आया हुआ है और वह इस समय वीरांगना चौक की तरफआ रहा है तब दीपचंद अपने साथी गौरव के साथ वीरांगना चौक से पहले टोल प्लाजा के पास पहुंचे जहां मौजूद मुखबिर ने इशारा प्रवीण कुमार सिंह की तरफकिया तब तब दीपचंद और गौरव कुमार ने चीता मोबाइल पर तैनात दो सिपाहियों को भी मौके पर बुला लिया ।

सकरन की सांडा ग्राम पंचायत का मामला

मांगें न माने जाने पर दूसरे दिन भी जारी रहा धरना

● शान्त कराने पहुंचे ब्लाक के अधिकारी

संवाददाता। सांडा सीतापुर

सरकारें स्वच्छता को लेकर चाहे जो भी अभियान चला रही हो, चाहे जिस अधिकारियों को निर्देश दे रही हो, लेकिन गांव में सड़के न बनने से उन पर भरे कीचड़ स्वच्छता को मुंह चिढ़ाते नजर आते है। ऐसा ही एक मामला है सांडा ग्राम पंचायत का जहां के ग्रामीण कीचड़ में बैठकर दूसरे दिन भी धरना देने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। ब्लाक मुख्यालय सकरन की ग्राम पंचायत सांडा में सभी प्रमुख रास्तों पर बीते एक दशक से कीचड़ व गंदे पानी का जमाव है, जिस वजह से लोगो को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देने के बाद बीडीओ सकरन को ज्ञापन दिया वह मंगलवार को स्थाई समाधान न होने तक धरने पर बैठ गए थे, लेकिन बुधवार को भी किसी उच्च अधिकारी के द्वारा कोई संज्ञान न लिए जाने के बाद वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए है। इसकी जानकारी जब ब्लाक अधिकारियों को हुई तो

धरना स्थल पर पहुंचे खंड विकास अधिकारी राम लगन वर्मा, जेई शैलेश कुमार, आर,एस, एडीओ पंचायत श्रीकृष्ण सरोज, सेक्रेटरी शिवमंगल मिश्रा ने ग्रामीणों से वार्ता की और कहा की ग्राम पंचायत निधि में 28 लाख रुपए हैं जिससे नालियों का निर्माण करा दिया जाए फिर कोई निधि आती है तब सड़के भी ऊंची करा दी जाएंगी, लेकिन धरने पर बैठे लोग इस बात पर सहमत नहीं हुए और अधिकारी ब्लॉक से वापस चले गए। धरने पर बैठे पूर्व ब्लाक प्रमुख मोलहेराम, सरवन सेठ, उमेश जायसवाल, दिनेश मिश्रा, सोनू मिश्रा, दयाशंकर भार्गव, गुमानी लाल, अशोक मिश्रा, नीरज जायसवाल, रामखेलावन लोधी, विशाल गुप्ता, ऋषभ मिश्रा, अनीश, अनुज निषाद, मेराज, महानंद यादव, हसमत अली, विष्णु नारायण मिश्रा, शहजाद, राजाराम, कमलेश, बिरजू राधेश्याम, रामजीवन, फिरोज, राम प्रकाश मांगे पूरी ना हो जाने तक धरना जारी रहेगा।

भारतीय किसान यूनियन ने सौंपा अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन

● नहीं हुआ चोरी का खुलासा तो करेंगे धरना प्रदर्शन

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

भारतीय किसान यूनियन के द्वारा जिले की कई समस्याओं को लेकर व पूर्व में हुई सुशील शुक्ला की चोरी के चलते अतिरिक्त मजिस्टेट पंकज राठौर को चोरी का खुलासा करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा बताते चलें कि थाना मछरेहटा अंतर्गत सुशील शुक्ला निवासी राठौर के घर अज्ञात चोरों ने 3 अगस्त की रात्रि को चोरों ने घर से कीमती सामान चोरी कर ले गए थे वही दूसरे मकान अजय राठौर के घर में भी चोरों ने चोरी कर लिया था जिसकी रिपोर्ट थाना मछरेहटा में दर्ज कराई गई थी लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस द्वारा कोई भी खुलासा नहीं किया जा सका वहीं सुशील शुक्ला द्वारा आरोप लगाते हुए ज्ञापन में कहा गया कि मछरेहटा पुलिस द्वारा कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई फिर उन्हें छोड़ दिया गया संदिग्ध लोगों में से एक श्यामू पुत्र रामकुमार निवासी रामुवापुर थाना मछरेहटा का है खुलेआम चौराहे पर सुशील शुक्ला को उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और एक प्रार्थना पत्र थाने पर सुशील शुक्ला द्वारा दिया गया लेकिन अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं की जा सकी थाने के मात्र 20 कदम की दूरी पर लाखों की चोरी मछरेहटा पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रहा है भारतीय किसान यूनियन द्वारा 7 दिन का समय देते हुए ज्ञापन सौंपा और कहा कि 7 दिन में चोरी का खुलासा नहीं होता है तो धरना करने के लिए बाध्य होंगे इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष रामदास यादव विजय शुक्ल, राम लली पाल, शिवचरण ,प्रहलाद, मणिकांत त्रिपाठी इत्यादि काफी संख्या में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, एक झुलसा

ओयल-खीरी। कस्बे के स्थानीय मोहल्ला एकतानगर में शार्ट सर्किट के कारण लगी आग। कमरे में रखा हुआ मिट्टी का तेल जलने के कारण रामनरेश पुत्र खग्गा बुरी तरह से झुलसा। स्थानीय लोगो की सूचना पर नगर पंचायत ओयल की एम्बुलेंस पहुंची। मौके पर एम्बुलेंस ने एमसीएच अस्पताल में कराया भर्ती। भर्ती के पश्चात अस्पताल के चिकित्सक डा. ललित ने मरीज को लखनऊ केजीएमयू किया रेफर। मौके पर कस्बे के नगर पंचायत अध्यक्ष सोनू गुप्ता पहुंचे अस्पताल। पीड़ित के भाई को दी सहायता धनराशि। हर सम्भव मदद का दिया आश्वासन। उधर दूसरी तरफओयल कस्बे की पुलिस भी मौके पर थी पहुंची। आग में झुलसे व्यक्ति को नगर पंचायत की एम्बुलेंस के साथ भेजा अस्पताल। मौके पर जेबी सिंह चौकी प्रभारी, आरक्षी सचिनएराहुल, सुमित भी रहे मौजूद।

समाजसेवी व्यापारी और पूंजीपति अब टीबी मरीजों को घर बैठे ले सकेंगे गोद

लखीमपुर-खीरी। जिले के समाजसेवियों, व्यापारियों और पूंजीपतियों को स्वास्थ्य विभाग से जुड़कर समाज सेवा का अवसर प्रदान किया गया है। यह लोग टीबी रोग से ग्रसित मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण आहार प्रदान कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सिर्फ निश्चय पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और उसके बाद वह वहीं से अपने क्षेत्र के टीबी के मरीजों को गोद ले सकते हैं।

जिला क्षय रोग अधिकारी डा. अनिल कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक जिले के अधिकारी और माननीय द्वारा टीबी से ग्रसित मरीजों को गोद लिया गया है परंतु मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण शासन द्वारा प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निश्चय 2.0 पोर्टल को अपडेट कर कर यह व्यवस्था लागू की गई है। इस योजना को निश्चय मित्र नाम दिया गया है जिससे जुड़कर अब जिले के समाजसेवीए व्यापारी पूंजीपति और वह लोग जो स्वेच्छा से टीबी रोग से ग्रसित मरीजों को गोद लेना चाहते हैंए वह निश्चय 2.0 पोर्टल पर जाकर खुद का रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और इसी पोर्टल के माध्यम से वह अपने क्षेत्र के मरीजों को अपने अनुसार गोद ले सकते हैं। जिससे गरीब मरीजों को इलाज के दौरान पोषण युक्त भोजन उपलब्ध हो सकेगा। वहीं शासन द्वारा भी इन्हें 500 रुपए प्रतिमाह पोषण योजना के अंतर्गत दिया जाता है। इन सभी का इलाज निशुल्क किया जाता है और 2025 तक प्रधानमंत्री जी का भारत को टीबी मुक्त करने का जो उद्देश्य है। उसमें यह शासन की योजना बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ऐसे सभी लोगों से आगे आकर इस कार्यक्रम से जुड़ने का अनुरोध कर रहा है और अगर इस मामले में किसी भी तरह की समस्या आती है तो लोग शहर स्थित टीबी अस्पताल में पहुंचकर अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

विधायक पुत्र ने की शिष्टाचार भेंट

गोला गोकर्णनाथ-खीरी।

सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में प्रधानचार्य महेंद्र कुमार त्रिपाठी से शिष्टाचार भेंट करते हुए दिवंगत विधायक अरविंद गिरि पुत्र अमन गिरि ने कहा कि इस तरह की शिष्टाचार भेंट का मुख्य उद्देश्य एक दूसरे से परिचित होना व पिता अरविंद गिरि के संबंधों को जीवित रखना है। अमन गिरि ने कहा कि उनके परिवार में शिक्षा के प्रति उनके बाबा स्वर्गीय राजेन्द्र गिरि पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप मेंए ताऊ जनार्दन गिरि, पिता स्व. खेल अध्यापक के रूप में शिक्षा जगत में अपनी सेवाएं देते आए है।

अमन गिरि ने कहा कि अरविंद गिरि मात्र नाम ही नही बल्कि एक सोच है उस सोच को बनाए रखना है ताकि समाज के हर वर्गए जातिए धर्मए समुदाय के लोगो की बिना किसी भेदभाव के सेवा जारी रहे।

अमन ने कहा अपने पिताजी के पदचिन्हों पर चलना सीख रहे है ताकि समाज के हर वर्ग की सेवा निर्वाध रूप से जारी रहे। साथ में विधायक अनुज धर्मेंद्र गिरि मोंटी भईय्या, विश्वनाथ सिंहए विजय मिश्रए मिन्नी भसीन, अजीत पांडेय, सन्नी गुप्ता, अमन खान, इंद्रजीत सिंह लाडी, डॉक्टर वेद प्रकाश अग्निहोत्री, श्याम किशोर अवस्थीश्रीमती मधु त्रिपाठी सहित विद्यालय के अध्यापक व अध्यापिकाएं भी उपस्थित रहीं। तत्पश्चात अमन गिरि ने गोला शिव मंदिर में फ्ल वितरित किये व जड़ौरा में ग्राम प्रधान आशीष मिश्र एडवोकेट की उपस्तिथी में अपने प्रमुख साथियों के साथ सगरदास बाबा अमृत सरोवर किनारे वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

सगी बहनों की हत्या का मामला

एसआईटी कर रही घटना का रीक्रिएशन

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

जिले में एक सप्ताह पहले निघासन थाना क्षेत्र में दो सगी बहनों के साथ दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी गई थी। गांव की दो दलित बेटियों के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार को हिरासत में ले लिया था। जिसके बाद पुलिस कस्टडी रिमांड शुरू हो गई है। वहीं अब एसआईटी ने इस घटना के चारों आरोपियों के साथ घटनास्थल का मुआयना किया है। दरअसलए घटनास्थल पर घटना का रिक्रिएशन किया जा रहा है। बता दें कि दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या पर नाबालिगों को फंदे से लटका दिया गया था।

घटनास्थल पर रिक्रीएशन के दौरान एक.एक कर किशोरियों के पुतलों को उस पेड़ तक ले जाया जा रहा है। जहां पर उनको मारने के बाद लटकाया गया था। इस बात की जांच की जा रही है कि किस तरह से नाबालिगों को फंदे पर लटकाया गया। किस तरह से उनकी हत्या की गई। इन सभी घटनाओं को एसआईटी रिक्रीएट करके देख रही है। सीओ निघासन संजय नाथ तिवारी इस टीम की अगुवाई कर रहे हैं और उन्ही की देखरेख में इन घटनाओं का नाट्य रूपांतरण किया जा रहा है। वहीं बुधवार रात 9 बजे पुलिस कस्टडी रिमांड की अवधि पूरी हो जाएगी।

इस दिल दहला देने वाली घटना को 6 आरोपियों ने अंजाम दिया था। आरोपी नाबालिगों को बहला-फुलसा कर खेतों की ओर लेकर गए थे। जहां पर उनके साथ

दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी थी। वहीं नाबालिगों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि नाबालिगों की दुष्कर्म के बाद रस्सी से गला दबाकर हत्या की गई थी। वहीं मृतक बहनों के परिवार ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़ित परिवार ने सभी आरोपियों को फांसी देने और उनके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। इसके अलावा एससीएसटी आयोग की अध्यक्ष अंजू बाला ने पीड़ित परिवार से मिलकर मामले की विस्तृत जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने पुलिस और प्रशासन की ओर से मिली मदद पर भी बातचीत की थी।

गायत्री महायज्ञ व भंडारा आयोजित

निघासन-खीरी। ग्राम पंचायत बरोठा के देवी दीन पुरवा के तपोकुंज आरण्यक आश्रम मेंआज गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के जीवन दानी परिब्राजक स्व. भारत प्रसाद शुक्ल की दूसरी पूण्य तिथि पर पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय परिजनों के अतिरिक्त बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा आदि जनपदों के परिजनों ने भाग लिया। सभी परिजनों ने भारत प्रसाद शुक्ल के द्वारा गायत्री परिवार के विस्तार में किए गए योगदान को याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में क्षेत्र के तमाम लोग शामिल होकर याद करके श्रद्धांजलि अर्पित की यह कार्यक्रम अरूण शुक्ला के आयोजन में किया गया। इस दौरान जसवंत कुमार वर्मा, मोहन अग्रवाल, कौशल किशोर शुक्ला, राम कृपा पाण्डेय, अमर प्रकाश शुक्ला, रजनीकांत शुक्ला, आलोक वर्मा व घनश्याम चौधरी समेत सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि देकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

ग्रामीणों ने की स्ट्रीट लाइट घोटाले की लिखित शिकायत

● अभी तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

मोहम्मदी-खीरी। पसगवां विकास खंड सुर्खियों में नजर आ रही है जहां की ग्राम पंचायतों में इन दिनों जमकर घोटाले दिए जा रहे हैं। ऐसा ही मामला ग्राम सोहक बाचिगांवा किशुनपुर जमुनी व बरखेरिया जाट का चल रहा। जहां की ग्राम प्रधान पूनम देवी पत्नी सुरेश गुप्ता व सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में स्ट्रीट लाइट लगने के 196200 रुपए स्वीकृत किया जिसका भुगतान भी किया जा चुका है। फिर भी अभी तक स्ट्रीट लाइट नहीं लगवाई गई है। लगता है उक्त नवीत ट्रेडर्स नाम की फर्म के साथ सांठ-गांठ कर सारा पैसा डकार लिया है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, डीएम, मुख्य विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी पसगवां से की थी। करीब 16 दिन बीत जाने पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पसगवां बीडीओ प्रदीप चौधरी कि मिली भगत से कमीशन खोरी करके लाखों डकारे गरीब व्यक्ति को आवास योजना से वंचित रखते हैं, पक्के मकान वालों को आवास दे दिये जिसमें धन उगाई की। लगता है जिले के आलाधिकारी भी खूब मेहरबान है भ्रष्टाचार में सम्मिलित प्रधान व कर्मचारीयों पर मेहरबान जिले के आला अधिकारी ऐसा जनता बोल रही है जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार करनें वालों पर कार्यवाही करने के आदेश निर्देश देते पर लखीमपुर के अधिकारी ग्राम पंचायत में किया गया सरकारी रुपये का भ्रष्टाचार पर मौन धारण किया हुये हैं।

बिजुआ में चल रहा अवैध क्लीनिक हुआ सीज

लखीमपुर खीरी। अवैध क्लीनिक और अस्पतालों पर शिकंजा कसने के अभियान को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। सीएमओ डा. अरुणेंद्र कुमार त्रिपाठी द्वारा निघासन रोड महेवागंज में मंगलवार को चार अवैध अस्पतालों को सीज कर दिया गया था। वहीं उसके बाद उनके द्वारा बिजुआ सीएचसी के अंतर्गत न्यू लाइफ पॉलीक्लिनिक को बुधवार को औचक निरीक्षण कर सीज कर दिया गया है। यह भी बिना पंजीकरण चल रहा था। इस दौरान अधीक्षक डा. अमित सिंह व स्थानीय पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष गहलोत हों या थरूर, कांग्रेस की कमान राहुल गांधी के हाथों में ही रहेगी: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा ने अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर कांग्रेस में तेज होती सुगबुगाहटों के बीच विपक्षी दल पर तंज कसते हुए बुधवार को कहा कि भले ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत या फिर केरल के सांसद शशि थरूर कांग्रेस के अध्यक्ष बनें, लेकिन कमान पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के ही हाथों में होगी। भाजपा प्रवक्ता टॉम वडक्कन ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि वह चाहे गहलोत हों या थरूर, अध्यक्ष के रूप में वह कठपुतली ही होंगे। वडक्कन ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को भ्रष्टाचार जोड़ो यात्रा करार दिया और इसके लिए तर्क दिया कि इसकी शुरुआत द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के टू जी सहयोगियों के साथ हुई। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इस यात्रा का नाम भारत जोड़ो दिया है लेकिन इसका नाम होना चाहिए था भ्रष्टाचार जोड़ो यात्रा। इसकी शुरुआत कन्याकुमारी से हुई जो तमिलनाडु का हिस्सा है। आप लोगों को याद होगा कि टू जी घोटाले के साझेदार तमिलनाडु से ही थे। मुख्यमंत्री स्टालिन भी यात्रा में गए थे और उन्होंने इसे विशेष महत्व दिया था।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस की यात्रा अब केरल में प्रवेश कर गई है लेकिन पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दिल्ली की भ्रष्ट आबकारी नीति पर चुप्पी साधे हुए हैं क्योंकि यह केरल की कांग्रेस नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार की आबकारी नीति की कॉपी है। किसने किसको क्या सिखाया यह बड़ा प्रश्न है? इसीलिए कांग्रेस की यात्रा भ्रष्टाचार जोड़ो यात्रा है।

गांधी पर भ्रष्टाचार को संस्थागत स्वरूप देने का आरोप लगाते हुए वडक्कन ने कहा कि उन्हें आप सरकार की वापस ले ली गई आबकारी नीति पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए और अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव का उल्लेख करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस पार्टी कोई भी तंत्र अपनाए...गहलोत अध्यक्ष बनें या थरूर...वे सिर्फ कठपुतली होंगे। मुख्य कमान तो राहुल गांधी के ही हाथों में होगी, जो पीछे से पार्टी को चलाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके साथ ही देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाले व्यक्ति को चुनने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आरंभ हो जाएगी। अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 17 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

महाराष्ट्र में दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नागपुर। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक महिला सहित दो नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों पर कुल छह लाख रुपए का इनाम घोषित था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक अंकित गोयल ने एक बयान में बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की पहचान गढ़चिरौली निवासी 26-वर्षीय अनिल उर्फ रामसय कुजुर और छत्तीसगढ़ निवासी 30-वर्षीया रोशनी पल्लो के तौर पर की गई है। गोयल ने बताया कि कुजुर पर चार लाख रुपए और पल्लो पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित था। कुजुर मिलिशिया (लड़ाका) सदस्य के तौर पर संगठन में काम कर रहा था। वह वर्ष 2011 में खोब्रामेंधा और गयरापट्टी में हुए हमलों और उसी साल छोटा जेलिया में हुए मुठभेड़ मामले में वांछित था। अधिकारी ने बताया कि पल्लो आत्मसमर्पण करने से पहले नक्सली संगठन में उप कमांडर और मिलिशिया सदस्य के तौर पर कार्य कर रही थी।

पंजाब के राज्यपाल ने विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने का आदेश वापस लिया

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने विश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की योजना को बुधवार को विफल कर दिया। राज्यपाल ने बृहस्पतिवार को विशेष सत्र आहूत करने के पिछले आदेश को वापस लेते हुए कहा कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजभवन से संपर्क करने के बाद कानूनी राय मांगी गई थी और सदन के नियमों के अनुसार इसकी अनुमति नहीं है। राजभवन के ताजा आदेश में कहा गया है कि विधानसभा के नियम सिर्फ सरकार के पक्ष में विश्वास मत पारित करने के लिए सत्र बुलाने की अनुमति नहीं देते हैं।

राज्यपाल ने मंगलवार को, 22 सितंबर को विशेष सत्र आहूत करने की अनुमति दी थी। उनके ताजा आदेश के बाद वह अनुमति वापस ले ली गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस फैसले की आलोचना की। मान ने ट्वीट किया, राज्यपाल द्वारा विधानसभा ना चलने देना देश के लोकतंत्र पर बड़े सवाल पैदा करता है... अब लोकतंत्र को करोड़ों लोगों द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि चलाएंगे या केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक व्यक्ति... एक तरफ भीमराव जी का संविधान और दूसरी तरफ ऑपरेशन लोटस... जनता सब देख रही है...

केजरीवाल ने ट्वीट किया, राज्यपाल कैबिनेट द्वारा बुलाए सत्र को कैसे मना कर सकते हैं? फिर तो जनतंत्र खतम है। दो दिन पहले राज्यपाल ने सत्र की इजाज़त दी। जब ऑपरेशन लोटस फ़ेल होता दिखा और संख्या पूरी नहीं हुई तो ऊपर से फ़ोन आया कि इजाज़त वापस ले लो। आज देश में एक तरफ़ संविधान है और दूसरी तरफ़ ऑपरेशन लोटस।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, कांग्रेस के नेता सुखपाल सिंह खैरा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने राज्यपाल से संपर्क करके कहा था कि सिर्फ विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। पंजाब में आप सरकार ने विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए विशेष सत्र आहूत करने की मांग की थी। इससे कुछ दिन पहले ही आप ने भाजपा पर उसकी सरकार गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

पार्थ चटर्जी पांच अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसएससी भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में सीबीआई की विशेष अदालत ने बुधवार को प्रदेश के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए उन्हें और तीन अन्य को पांच अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। चटर्जी के साथ जिन तीन लोगों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है उनमें पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के पूर्व सचिव अशोक साहा और इसके पूर्व सलाहकार एस पी सिन्हा शामिल है। सीबीआई ने गांगुली को 15 सितंबर को गिरफ्तार किया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी के आग्रह पर यह यह आदेश सीबीआई अदालत ने पारित किया। विशेष अदालत ने जांच एजेंसी के आग्रह पर 16 सितंबर को चटर्जी को बुधवार तक सीबीआई रिमांड में भेज दिया था। एजेंसी ने अदालत से आग्रह किया था कि मामले में चटर्जी से पूछताछ करनी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सीबीआई मामले की जांच कर रहा है।

चटर्जी और उनकी कथित निकट सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। ईडी एसएससी भर्ती घोटाले में कथित वित्तीय हेराफेरी की जांच कर रहा है और इसने मुखर्जी के फ्लैट से 23 जुलाई को छापेमारी के दौरान 49.80 करोड़ रुपए नकद, सोना-चांदी तथा आभूषण, फ्लैट तथा अन्य संपत्तियों के कागजात जब्त किए थे। जांच एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम अदालत के समक्ष दायर आरोप पत्र में कहा है कि नकद समेत जब्ती की कुल कीमत 100 करोड़ रुपए से अधिक है। पूर्व मंत्री इस मामले में भी न्यायिक हिरासत में हैं।

तमिलनाडु मे मुस्लिम व्यक्ति ने तिरुपति मंदिर को दान मे दिए एक करोड़ रूपए

तिरुपति। चेन्नई में भगवान वेंकटेश को मानने वाले एक मुस्लिम व्यक्ति ने मंदिर को 1.02 करोड़ रूपए का नगद दान दिया है। मंदिर के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि भगवान वेंकटेश के इस मुस्लिम उपासक का नाम अब्दुल गनी है और पिछले तीन दशक में वह वाहन,फर्नीचर तथा नगदी मंदिर में दान देते रहे हैं। गनी मंगलवार को परिवार सहित मंदिर पहुंचे और उन्होंने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 87 लाख रुपए मूल्य का फर्नीचर तथा सामान दान में देने के साथ ही 15 लाख रुपए का चेक दिया। फर्नीचर तथा सामान का मंदिर के वीआईपी गेस्ट हाउस में इस्तेमाल किया जाएगा और नगदी को टीटीडी संचालित श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसाद न्यास उपयोग में लाएगा। यह न्यास आने वाले श्रद्धालुओं के भोजन आदि की व्यवस्था करता है। 1984 में हैदराबाद के एक मुस्लिम उपासक ने सोने के 108 कमल भेंट किए थे और टीटीडी को इन फूलों को गर्भ गृह में भगवान वेंकटेश के चरणों में समर्पित करने का आग्रह किया था।

बोम्मई की तस्वीर वाले पेसीएम पोस्टर लगे, जांच के आदेश

बेंगलुरु। बेंगलुरु के कई हिस्सों में बुधवार को मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की तस्वीर वाले ऐसे पोस्टर लगाए गए, जिन पर पेसीएम लिखा हुआ था। इसके बाद नाराज बोम्मई ने जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने इसे छद्म अभियान करार देते हुए कहा कि ए न केवल उनकी बल्कि कर्नाटक की छवि भी खराब करते हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह मुझे और कर्नाटक को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश है। मैंने संबंधित अधिकारियों को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। हम जांच करवाकर पता लगाएंगे कि इसके पीछे कौन लोग हैं। बोम्मई ने कहा, यह सोशल मीडिया पर बेबुनियाद अभियान है। सब जानते हैं कि इस तरह की चीजें कैसे की जाती हैं। लोग भी जानते हैं कि इस तरह का अभियान कैसे चलाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इसलिए आहत हैं क्योंकि इस तरह के अभियान के कारण उनसे ज्यादा कर्नाटक बदनाम हो रहा है। बोम्मई ने कहा, इसलिए, हमने इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने का फैसला किया है। शहर के

मध्य क्षेत्र में दिखाई दिए ए पोस्टर ऑनलाइन भुगतान ऐप पेटीएम के विज्ञापनों से मिलते-जुलते थे। पोस्टर में बने क्यूआर कोड के बीच में बोम्मई के चेहरे की तस्वीर लगाते हुए लिखा गया था, 40 फीसदी यहां लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार, इस क्यूआर कोड को स्कैन करने पर लोग कांग्रेस द्वारा रिश्वतखोरी की शिकायतों के लिए शुरू की गई 40 प्रतिशत सरकार वेबसाइट पर पहुंच जाते हैं। यह घटनाक्रम कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे आक्रामक अभियान के बीच हुआ है। पार्टी ने राज्य सरकार पर सार्वजनिक ठेके देने और सरकारी पदों पर भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

ठेकेदारों के एक संगठन ने हाल में आरोप लगाया था कि उन्हें लोक निर्माण से जुड़े ठेके हासिल करने के लिए 40 प्रतिशत कमीशन देना होता है। सरकार ने इस आरोप को पूरी तरह खारिज कर दिया। अधिकारियों को घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही शहर से संबंधित पोस्टर हटा दिए गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि यह कांग्रेस की करतूत है।

साक्ष्य गढ़ने के मामले में एसआईटी ने तीस्ता सीतलवाड़, दो अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

भाषा। अहमदाबाद

- पूर्व आईपीएस अधिकारी से वकील बने राहुल शर्मा को भी इस मामले में गवाह बनाया गया है

विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों के सिलसिले में कथित तौर पर साक्ष्य गढ़ने को लेकर अहमदाबाद की एक अदालत में तीस्ता सीतलवाड़, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक आर.बी. श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के खिलाफ बुधवार को आरोपपत्र दाखिल किया। जांच अधिकारी एवं सहायक पुलिस आयुक्त बी.वी. सोलंकी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यहां मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व आईपीएस अधिकारी से वकील बने राहुल शर्मा को भी इस मामले में गवाह बनाया गया है। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 194 (मौत की सजा दिलाने के लिए दोषसिद्धि के इरादे से झूठे सबूत देना या गढ़ना) और 218 (लोक सेवक द्वारा लोगों को सजा से बचाने के इरादे से गलत जानकारी दर्ज करना) समेत अन्य प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं। जून के अंतिम सप्ताह में गिरफ्तार सीतलवाड़ को उच्चतम न्यायालय के दो सितंबर के आदेश के बाद अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया था। वहीं, श्रीकुमार इस मामले में जेल में बंद हैं जबकि तीसरा आरोपी भट्ट पालनपुर की जेल में है, जहां वह हिरासत में मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

थाणे में महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर निकाली बाइक रैली।

द्रमुक नेता राजा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के आरोप में भाजपा पदाधिकारी गिरफ्तार

कोयंबटूर। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद ए राजा और पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित रूप से अपशब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में भाजपा के जिलाध्यक्ष उत्तमरामासामी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। ए राजा की हाल ही में हिंदुओं के खिलाफ की गई एक टिप्पणी से विवाद उठ गया था। पुलिस के अनुसार, हिंदू मुन्नानी द्वारा आयोजित एक बैठक में उत्तमरामासामी ने समाज सुधारक पेरियार ईवी रामासामी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की। साथ ही उन्होंने ए. राजा के लिए कथित तौर पर अपशब्दों का इस्तेमाल किया। पेरियार कार्यकर्ताओं की शिकायत के आधार पर पुलिस बुधवार को सुबह भाजपा नेता को मामले के संबंध में पूछताछ के लिए पीलामेडु थाने ले गई। उक्त घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। जिला अध्यक्ष की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे।

धार्मिक पहलुओं को नहीं छुआ, हिज़ाब प्रतिबंध केवल कक्षाओं में

- कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को कराया अवगत

भाषा। नई दिल्ली

कर्नाटक सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि राज्य सरकार ने हिजाब प्रतिबंध विवाद में किसी भी धार्मिक पहलू को नहीं छुआ है और यह प्रतिबंध केवल कक्षा तक सीमित है। राज्य सरकार ने कहा कि यहां तक कि कक्षा के बाहर स्कूल परिसरों में भी हिजाब पर प्रतिबंध नहीं है। राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने जोर देकर कहा कि राज्य ने केवल यह कहा है कि शैक्षणिक संस्थान छात्रों के लिए वर्दी निर्धारित कर सकते हैं, जिसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। कर्नाटक के महाधिवक्ता प्रभुलिंग के. नवदगी ने न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ को बताया कि फ्रांस जैसे देशों ने हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां की महिलाएं इससे कम इस्लामी नहीं हो गई हैं। नवदगी ने कहा कि जब तक यह नहीं दर्शाया जाता है कि हिजाब पहनना अनिवार्य और धार्मिक प्रथा का अनिवार्य हिस्सा है, तब तक संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण नहीं मिल सकता है। महाधिवक्ता ने पीठ से कहा, हम स्कूल के बाहर हिजाब पहनने पर प्रतिबंध नहीं लगाते... स्कूल परिसर में भी कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रतिबंध केवल कक्षा के अंदर है। शीर्ष अदालत राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटाने से इनकार करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। राज्य सरकार की ओर से ही पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) के. एम. नटराज ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का पूरा मामला एक अधिकार पर आधारित है और उनका दावा है कि यह एक पूर्ण अधिकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य ने किसी भी धार्मिक गतिविधि को न तो प्रतिबंधित किया है और न ही बढ़ावा दिया है। पीठ ने तब एएसजी से पूछा, यदि वे हिजाब पहनेंगे तो आप उन्हें अनुमति नहीं देंगे? एएसजी ने कहा कि राज्य सरकार का निर्णय किसी धर्म पर आधारित नहीं है और सरकार की केवल यह दलील है कि शैक्षणिक संस्थान वर्दी निर्धारित कर सकते हैं। पीठ ने एक बार फिर कहा, क्या आप स्कूल के अंदर हिजाब पहनने वाली लड़की को अनुमति देंगे? हां या नहीं? नटराज ने प्रत्युत्तर में कहा कि संबंधित स्कूल को उनके द्वारा निर्धारित वर्दी के आधार पर निर्णय लेना होगा। नवदगी ने शीर्ष अदालत के कुछ पुराने फैसलों का जिक्र करते हुए कहा, हम कुरान के विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन न्यायालय ने कम से कम तीन मामलों में कहा है कि कुरान का हर शब्द धार्मिक हो सकता है, लेकिन अनिवार्य रूप से धार्मिक नहीं है। उन्होंने याचिकाकर्ताओं के वकील की उन दलीलों का खंडन किया कि राज्य ने एक समुदाय के खिलाफ कार्वाई की है। मामले में सुनवाई बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगी।

याचिकाकर्ता अपनी दलील समाप्त करें, हमारा धैर्य जवाब दे रहा है : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक हिजाब प्रतिबंध विवाद में बुधवार को याचिकाकर्ताओं से कल एक घंटे के भीतर अपनी दलीलें खत्म करने की सलाह देते हुए कहा कि वह अपना धैर्य खो रहा है। नौवें दिन मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वह याचिकाकर्ताओं के वकीलों को बृहस्पतिवार को अपनी दलीलें समाप्त करने के लिए सिर्फ एक घंटे का समय देगी। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक के लिए पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी से कहा, हम आप सभी को एक घंटे का समय देंगे। आप इसे खत्म कर दें। अब, यह सुनवाई का ओवरडोज है।

सौगत रॉय ने पार्थ चटर्जी पर कुलपति की प्रतिष्ठा धूमिल करने का लगाया आरोप

कोलकाता। शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में सीबीआई द्वारा नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी (एनबीयू) के कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय ने बुधवार को अपने निलंबित पार्टी सहयोगी पार्थ चटर्जी पर कुलपति के पद की गरिमा को कम करने का आरोप लगाया। रॉय ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि भट्टाचार्य की किस विशेष योग्यता के चलते उच्च शिक्षा विभाग ने उन्हें कई पदों के लिए चुना जिनमें स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता से लेकर.. एनबीयू के कुलपति का वर्तमान पद भी शामिल है। तृणमूल के वरिष्ठ नेता ने कहा, भट्टाचार्य की हमारी पार्टी के प्रति कोई निष्ठा भी नहीं रही है। वह निश्चित ही किसी एक व्यक्ति के प्रति निष्ठावान रहे होंगे। मैं समझता हूं कि पार्थ चटर्जी की वजह से पार्टी बड़ी असहज स्थिति में है।

भट्टाचार्य कलकत्ता विवि सीनेट समिति के सदस्य तथा यहां श्यामाप्रसाद कॉलेज के प्राचार्य भी थे। इन पदों से उन्होंने इस्तीफा भी नहीं दिया। रॉय ने सवाल किया, उनकी ऐसी कौन सी महान योग्यता थी कि एक ही व्यक्ति कई पदों पर होना चाहिए? भट्टाचार्य की गिरफ्तारी पर अपनी पीड़ा प्रकट करते हुए रॉय ने कहा, कोई कुलपति जेल की सलाखों के पीछे है।

ऐसी घटनाएं कुलपति की प्रतिष्ठा को गिराती हैं। रॉय की प्रतिक्रिया पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, रॉय पूरा आरोप एक या दो व्यक्तियों पर डालने की चेष्टा कर रहे हैं। लेकिन उससे वे और पार्टी के अन्य दिग्गज अध्यापन की नौकरी के लिए उन हजारों हकदार प्रत्याशियों के साथ की गई नाइंसाफी (के दोष) से नहीं बच पाएंगे जो शहर में प्रदर्शन कर रहे हैं। माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, सीबीआई द्वारा कुलपति की गिरफ्तारी किए जाने के बाद पूरे देश में बंगाल की प्रतिष्ठा गिर गई है।

राजू श्रीवास्तव के पैतृक आवास पर प्रशंसकों और दोस्तों का उमड़ा हुजूम

- हास्य कलाकार का दिल्ली के एम्स मे हुआ निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

भाषा। कानपुर

दिल्ली में कामेडी किंग राजू श्रीवास्तव के निधन की खबर मिलते ही यहां उनके किदवई नगर स्थित पैतृक आवास पर उनके दोस्तों और रिश्तेदारों का हुजूम उमड़ पड़ा। श्रीवास्तव की मृत्यु की खबर आने के तुरंत बाद, उनके दोस्त, रिश्तेदार और प्रशंसक किदवई नगर स्थित उनके आवास पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। राजू के परिजन यहीं रहते हैं। श्रीवास्तव के करीबी दोस्त संजय बाजपेई ने बताया कि वह हाल ही में अपने दोस्त के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) गए थे और वहां तीन दिनों से अधिक समय तक रहें। बाजपेई ने कहा कि उन्हें परिवार द्वारा सूचित किया गया

है कि उनका अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को दिल्ली के निगम बोध घाट पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजू श्रीवास्तव की पत्नी शिखा, बेटा आयुष्मान और बेटी अंतरा एम्स में थे और उन्होंने फैसला किया है कि बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली में अंतिम संस्कार किया जाएगा। कानपुर में बचपन के दोस्तों में से एक श्याम शुक्ला ने राजू को याद करते हुए कहा कि 58 साल की उम्र में श्रीवास्तव के निधन से उन्हें बेहद दुख हुआ। शुक्ला ने कहा, हम बचपन से दोस्त रहे हैं। इतना मशहूर होने के बावजूद वह बहुत जमीन से जुड़े थे। जब भी वह कानपुर आते थे तो सभी से मिलते थे। शुक्ला ने कहा कि उन्हें परिवार से फोन पर सूचना दी गई कि राजू अब नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण खबर थी क्योंकि वह उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे थे। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव मूल रूप से कानपुर रहने वाले थे और 1982 में मुंबई गए थे। राजू श्रीवास्तव का स्वास्थ्य एक महीने से अधिक समय से खराब था और दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

अमिताभ बच्चन को भगवान मानते थे राजू श्रीवास्तव

- आज भी घर मे संजोकर रखा है उनका हस्ताक्षर

मुंबई। मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की जिंदगी में अगर कोई सबसे खास व्यक्ति था, तो वह शायद अमिताभ बच्चन थे। बच्चन की वजह से ही वह मुंबई आए, हास्य कला की दुनिया में खुद को स्थापित किया और उनका हस्ताक्षर आज भी श्रीवास्तव के घर में संजोकर रखा गया है। राजू श्रीवास्तव का बुधवार को दिल्ली के एक अस्पताल में 58 वर्ष की आयु में निधन हो गया। श्रीवास्तव के भाई दीपू ने कहा कि बच्चन उनके लिए भगवान थे। अपने गृहनगर कानपुर के एक सिनेमाघर में बच्चन की फिल्म देखते-देखते बड़े हुए श्रीवास्तव ने अभिनेता

के साथ अपनी समानता पर गौर किया और फिर उनकी नकल करने लगे। साल 1982 में जब कुली फिल्म की शूटिंग के दौरान बच्चन को भीषण चोट लगी तब महज 18 वर्ष की आयु में श्रीवास्तव मुंबई पहुंच गए। वह बच्चन की एक झलक पाना चाहते थे। श्रीवास्तव को बच्चन की झलक देखने को नहीं मिली तो वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में ताक लगाए बैठी भीड़ में शामिल हो गए, जहां बच्चन भर्ती थे। श्रीवास्तव के भाई दीपू ने कहा, राजू भाई रोजाना अस्पताल के बाहर खड़े हो जाते और बच्चन जी के लिए कामना करते। वह अमिताभ बच्चन जी को देखने आए थे क्योंकि वह उन्हें भगवान मानते थे। बच्चन ठीक होकर सेट पर लौट गए। और श्रीवास्तव ने यहीं रहकर मनोरंजन उद्योग में करियर बनाने का फैसला किया, जिसने उनका जीवन बदल दिया। बाद के वर्षों में भी श्रीवास्तव का बच्चन के प्रति यह लगाव बरकरार रहा। दीपू ने बताया कि श्रीवास्तव के घर में आज भी एक तय जगह पर बच्चन का हस्ताक्षर संजोकर रखा हुआ है। उन्होंने कहा, राजू भाई किसी भी शो के लिए जाने से पहले उनसे आशीर्वाद लेते थे।

भारत-अमेरिका के समान लक्ष्य व हितः जितेंद्र सिंह

भाषा। वाशिंगटन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के समान लक्ष्य और हित हैं, जो दोनों देशों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। सिंह ने अमेरिकी वैज्ञानिक समुदाय व उद्यमियों से स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा व अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपने भारतीय समकक्षों के साथ काम करने का आग्रह किया। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा मंगलवार को इंडिया हाउस में उनके सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में सिंह ने कहा, हमारे एक समान लक्ष्य हैं। इसलिए हम एक जैसी स्थिति में हैं, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती भी है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में पहले की तुलना में कहीं अधिक बेहतर माहौल प्रदान किया है। इस समारोह में कई सांसदों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक समुदाय के सदस्यों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। मंत्री ने कहा कि भारत में अब एक ऐसी सरकार है, जिसके प्रमुख के पास लीक से हटकर सोचने और वर्जनाओं को तोड़ने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष, भू-स्थानिक आदि दोनों देशों के साथ-साथ काम करने के लिए कुछ उचित क्षेत्र हैं। सिंह ने कहा, आप इस बात की सराहना करेंगे कि कई वर्षों बाद अंतरिक्ष विभाग को संयुक्त पहल, संयुक्त उद्यम और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। हम अंतरराष्ट्रीय निवेश की भी उम्मीद कर रहे हैं ..।

एक मजबूत भारत का मतलब एक मजबूत अमेरिका : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने कहा है कि एक मजबूत भारत का मतलब एक मजबूत अमेरिका है। उन्होंने ऐसे समय में विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई है, जब दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है। अमेरिकी सांसदों ने भारत के केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह के सम्मान में वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित एक भोज में यह टिप्पणी की। विज्ञान, अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी समिति की उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ सांसद हैली स्टीवन्स ने कहा, मेरा मानना है कि एक मजबूत भारत का मतलब एक मजबूत अमेरिका है। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन से लेकर महामारी तक जटिल वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे बड़े भौगोलिक क्षेत्र वाले दो लोकतांत्रिक देशों के रूप में हमारी दुर्दशाअ चुनौतियां जिन्हे हम अवसरों में बदल सकते है, चुनौतियां जो उद्यमशीलता के अवसर पैदा करती हैअ चुनौतियां जो हमे एक साथ आने के लिए बाध्य करती है। इसलिए मैं भारत-अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों में यकीन करती हूं। वही, सांसद जैरी मैक्वर्नी ने कहा कि जो व्यक्ति भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों की अहमियत को नही देख सकता, वह दृष्टिहीन है। सांसद डेबोरा रॉस ने भी भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधो की वकालत की। रॉस सदन की विज्ञान, अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी समिति के अलावा न्यायिक समिति की भी सदस्य है।

राजदूत संधू ने भी अपने भाषण में शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका संबंधों को रेखांकित किया। संधू ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वेस्ट बैंक में होने वाली झड़पों को रोकने के लिए फलस्तीन में संघर्ष विराम

नाबलुस (वेस्ट बैंक)। वेस्ट बैंक शहर में हिंसक झड़पों पर रोक लगाने के लिए फलस्तीनी सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच बुधवार को सहमति जताई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हिंसा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित फलस्तीनी नेतृत्व के प्रति गहरे मोहभंग को उजागर किया। फलस्तीनी सुरक्षा बलों ने स्थानीय आतंकवादियों की गिरफ्तारी के लिए उनके खिलाफ की गई कार्वाई की जिसके बाद यह झड़प शुरू हुई। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई और स्थानीय लोगों ने एक बख्तरबंद जीप पर विभिन्न वस्तुएं फेंकी और उसे खदेड़ दिया। इसमें एक व्यक्ति के मारे जाने की सूचना है। पुलिस ने कहा कि बुधवार को भी तेल अवीव में 84 वर्षीय इस्राइली महिला की हत्या के संदिग्ध एक फिलीस्तीनी व्यक्ति का शव लटका मिला। नाबलुस में व्याप्त अशांति से फलस्तीनी नेतृत्व के खिलाफ गहरी अलोकप्रियता सामने आई है।

रक्षा सहयोग पर एमओयू से भारत-मिस्र संबंध ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति व अपने समकक्ष से कीं महत्वपूर्ण चर्चाएं

भाषा। काहिरा

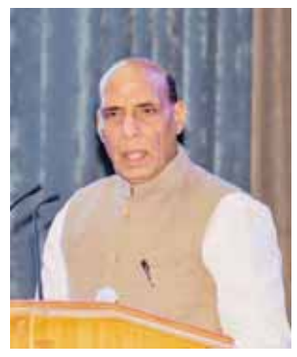

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मिस्र की अपनी यात्रा को अत्यंत लाभप्रद बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों पक्षों के बीच रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर से भारत-मिस्र की साझेदारी ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। सिंह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस अरब देश की तीन दिन की यात्रा पर यहां आए थे। उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया, मिस्र की अत्यंत लाभप्रद यात्रा हाल में समाप्त हुई। मैं राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल-सीसी और मेरे समकक्ष जनरल (मोहम्मद) जकी को गर्मजोशी से स्वागत करने और व्यापक चर्चा के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। मुझे विश्वास है कि रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने से हमारी साझेदारी ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

सिंह ने मेजबान देश के अधिकारियों से विदा लेते हुए अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और विस्तार देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा संयुक्त अभ्यास बढ़ाने पर आम-सहमति व्यक्त की। सिंह ने सोमवार को मिस्र के रक्षा मंत्री जनरल मोहम्मद जकी से व्यापक चर्चा की थी। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट किया था, मिस्र के रक्षा मंत्री जनरल मोहम्मद जकी के साथ काहिरा में शानदार मुलाकात हुई। द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और विस्तारित करने के लिए कई पहल पर हमने व्यापक चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के कदमों पर चर्चा की और संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण के लिए कर्मियों के आदान-प्रदान, विशेष रूप से आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के संबंध में आम सहमति पर पहुंचे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा था यह युद्ध का समय नहीं: मैक्रों

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक सत्र में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि यह युद्ध का वक्त नहीं है और उनकी यह बात एकदम सही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र में दुनियाभर के नेताओं ने हिस्सा लिया। मोदी ने हाल ही में उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन से मुलाकात की थी और कहा था कि आज युद्ध का युग नहीं है। इसके अलावा, मोदी कई बार पुतिन से फोन पर युद्ध के संबंध में बातचीत कर चुके हैं। इस दौरान वह लोकतंत्र, कूटनीति और बातचीत के महत्व के रेखांकित कर चुके हैं। मैक्रों ने अपने संबोधन में कहा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। यह पश्चिम से बदला लेने और उसे पूर्व के खिलाफ खड़ा करने का समय नहीं है। यह वक्त है कि हम सभी संप्रभु राष्ट्र हमारे समक्ष मौजूद चुनौतियों का एकजुट होकर मुकाबला करें। उन्होंने कहा, इसीलिए उत्तर और दक्षिण के बीच नए समझौतों की सख्त जरूरत है। एक ऐसा समझौता, जो खाद्यान्न, शिक्षा और जैव विविधता के क्षेत्र में हो। यह सोच को सीमित करने का नहीं, बल्कि साझा हितों के लिए खास कार्वाई करने के वास्ते गठबंधन बनाने का है। समरकंद में पुतिन ने मोदी से कहा था कि वह यूक्रेन में जारी संघर्ष को लेकर अपनी स्थिति और उन चिंतांओ के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हैं, जिनके संबंध में मोदी अक्सर बात करते हैं।

द वेटीकन में सेंट पीटर्स स्कवायर पर बुधवार को पोप फ्रांसिस जनता से मिलते हुए

चीन ने ताइवान के प्रति रुख नरम किया, शांतिपूर्ण विलय की बात की

भाषा। बीजिंग

चीन ने ताइवान के प्रति अपने रुख को नरम करते हुए बुधवार को कहा कि स्वशासित द्वीप का चीन के अधीन आना निश्चित है लेकिन वह इसे शांतिपूर्ण तरीके से करने का प्रयास करेगा। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल में बयान दिया था कि अगर चीन, ताइवान पर हमला करता है तो उनका देश स्वशासित द्वीप की रक्षा करेगा। एक दिन पहले ही अमेरिकी और कनाडड घप युद्धपोत ताइवान जलडमरु मध्य से गुजरे थे, जिसके बाद चीन की ओर से यह बयान आया है। चीन द्वारा ताइवान के खिलाफ ताकत के इस्तेमाल करने को लेकर बढ़ रही चिंता के बारे में पूछे जाने पर ताइवान मामले के सरकारी प्रवक्ता मा शिआओगुआंग ने कहा, मैं दोहराना चाहता हूं... हम पूरी गंभीरता और ईमानदारी से शांतिपूर्ण एकीकरण की कोशिश करने के इच्छुक हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 1949 के गृहयुद्ध में चीन और ताइवान अलग हो गए थे एवं मुख्य भूमि पर कम्युनिस्ट पार्टी का कब्जा हो गया था जबकि ताइवान पर प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादियों ने अपनी सरकार बनाई। ताइवान मुद्दे पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान मा ने अपने जवाब में ताकत शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जैसा कि पूर्व में वह कहते थे। उन्होंने कहा कि ताइवान या उसके अंतरराष्ट्रीय समर्थकों द्वारा किसी उकसावे की कार्वाई करने पर चीन ठोस कदम उठाएगा। मा ने कहा कि चीन ताइवान की मदद करने के लिए और नीतियों को लागू करेगा, चीन के साथ एकीकरण के लाभ को रेखांकित करेगा और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, मातृभूमि को एकीकृत होनी चाहिए और (यह)निश्चित तौर पर एकीकृत होगी। यह ऐतिहासिक परिपाटी है, जिसे कोई रोक नहीं सकता।

कारोबार के ऐसे किसी तरीके की इजाजत नहीं दे सकते जिसका सत्यापन न हो सके: सेबी प्रमुख

भाषा। मुंबई

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने बुधवार को कहा कि कारोबार करने का कोई भी ऐसा तरीका जो ब्लैक बॉक्स पर आधारित है और जिसका न तो लेखा परीक्षण किया जा सकता है और न ही सत्यापन किया जा सके, उसकी इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि डेटा सार्वजनिक अवसंरचना है और इसे अपने अधिकार में लेने का किसी भी निजी इकाई या व्यक्ति का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ब्लैक बॉक्स एक उपकरण या प्रणाली है, जो अपने आतंरिक कामकाज के बारे में कोई खुलासा किए बिना उपयोगी जानकारी देता है। इसके निष्कर्षों के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं रहता है।बुच ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा, हम एल्गो (एल्गोरिदम) ट्रेडिंग के समर्थन में या विरोध में नहीं हैं, बशर्ते पर्याप्त पारदर्शिता और खुलासे हों। कारोबारी मॉडल ब्लैक बॉक्स पर आधारित नहीं हो सकते हैं...इसलिए ऐसा कोई भी दावा जिसका लेखा परीक्षण या सत्यापन नहीं हो सके उसकी इजाजत नहीं दी जाएगी। ऐसी खबरें आई थीं कि बाजार नियामक एल्गो ट्रेडिंग के खिलाफ कार्वाई कर सकता है। वहीं, कुछ ब्रोकरों ने एनएसई के शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलीभगत में एल्गो ट्रेडिंग का दुरुपयोग भी किया था। इस महीने की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को एल्गो ट्रेडिंग से संबंधित सेवाएं देने वाले ब्रोकरों के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। दरअसल, सेबी ने पाया था कि कुछ शेयर ब्रोकर नियमन के दायरे से बाहर मंचों के जरिए एल्गोरिदम (एल्गो) आधारित कारोबार की सुविधा निवेशकों को दे रहे हैं। सेबी ने एक परिपत्र में कहा था कि ए मंच निवेशकों को कारोबार के स्वचालित निष्पादन के लिए एल्गोरिदम ट्रेडिंग सेवाएं या रणनीति उपलब्ध करा रहे हैं। ऐसी सेवाओं और रणनीतियों का निवेश पर उच्च रिटर्न के दावों के साथ विपणन किया जा रहा है।इसको देखते हुए सेबी ने ऐसे शेयर ब्रोकरों के लिए कुछ जिम्मेदारी तय की है।एल्गोरिदम ट्रेडिंग सेवाएं देने वाले ब्रोकरों को पूर्व के या भविष्य के रिटर्न को लेकर कोई भी संदर्भ देने से मना किया गया है। साथ ही ऐसे किसी भी मंच से संबद्ध होने से प्रतिबंधित कर दिया गया है जो एल्गोरिदम के पहले के या भविष्य के लाभ के बारे में कोई संदर्भ देता है। इसमें कहा गया है, जो शेयर ब्रोकर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से एल्गोरिदम के पिछले या भविष्य के रिटर्न या प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हैं या इस प्रकार की जानकारी देने वाले मंच से जुड़े हैं, वे सात दिन के भीतर उसे वेबसाइट से हटा देंगे और इस तरह के संदर्भ प्रदान करने वाले मंच से खुद को अलग कर लेंगे।

अडाणी समूह ने अंबुजा सीमेंट्स, एसीसी में 13 अरब डॉलर की हिस्सेदारी गिरवी रखी

- डॉयच बैंक एजी की हांगकांग शाखा को सौंपा

भाषा। नई दिल्ली

अडाणी समूह ने अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी में 13 अरब डॉलर मूल्य की अपनी पूरी हिस्सेदारी गिरवी रख दी है। समूह ने दोनों कंपनियों का 6.5 अरब डॉलर में कुछ दिन पहले ही अधिग्रहण पूरा किया था। शेयर बाजारों को मंगलवार को बताया गया कि उद्योगपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह ने अंबुजा सीमेंट्स में अपनी 63.15 प्रतिशत हिस्सेदारी और एसीसी में 56.7 प्रतिशत हिस्सेदारी (जिसमें से 50 प्रतिशत अंबुजा के पास है) को डॉयच बैंक एजी की हांगकांग शाखा को सौंप दिया है। कंपनी ने कहा कि यह कुछ उधारदाताओं और अन्य वित्त सहयोगियों के फायदे के लिए है। अडाणी समूह की अगले पांच वर्षों में सीमेंट विनिर्माण क्षमता को दोगुना कर 14 करोड़ टन करने की योजना है। अडाणी ने मॉरीशस स्थित विशेष उद्देश्य इकाई एंडेवर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (ईटीआईएल) के माध्यम से इन दो कंपनियों का अधिग्रहण किया है। अडाणी समूह ने पिछले हफ्ते 6.5 अरब डॉलर में अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की थी। इसमें दो कंपनियों में स्विस प्रमुख होल्सिम की हिस्सेदारी की खरीद और बाद में शेयरधारकों को खुली पेशकश शामिल है।गौतम अडाणी ने इस सप्ताह की शुरुआत में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा था कि उनके समूह की सीमेंट निर्माण क्षमता को दोगुना करने और देश में सबसे अधिक लाभदायक विनिर्माता बनने की योजना है। बीएसई पर अंबुजा सीमेंट्स का शेयर मंगलवार को 574.10 रुपए और एसीसी लिमिटेड का शेयर 2,725.70 रुपए पर बंद हुआ था।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से पहले सेंसेक्स 263 अंक टूटा

भाषा। मुंबई

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर निर्णय से पहले वैश्विक बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच बुधवार को स्थानीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 262.96 अंक या 0.44 प्रतिशत टूटकर 59,456.78 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 444.34 अंक या 0.74 प्रतिशत फिसलकर 59,275.40 अंक तक आ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.90 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,718.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक सबसे अधिक 3.19 प्रतिशत टूट गया। इसके अलावा पावरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डॉ. रेड्डीज, टीसीएस और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक लाभ में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा से पहले विश्वभर के बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है। वहीं यूक्रेन में रूस के बलों की तैनाती से भूराजनीतिक तनाव बढ़ा है और मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका भी बढ़ी है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 2.38 प्रतिशत चढ़कर 92.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को।,196.19 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

मंत्रिमंडल ने सौर पीवी मोड्यूल के लिए 19,500 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में उच्च दक्षता के सौर पीवी मॉड्यूल के विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के उच्च दक्षता के सौर पीवी मॉड्यूल्स पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए 19,500 करोड़ रुपए के व्यय के साथ पीएलआई योजना (दूसरा चरण) के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से करीब 94,000 करोड़ रुपए का निवेश आएगा। इस पहल का मकसद।,000 मेगावॉट क्षमता के उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल्स के विनिर्माण की क्षमता प्राप्त करना है। उच्च दक्षता के सौर पीवी मॉड्यूल पर राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के विनिर्माण के लिए एक परिवेश तैयार करना और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आयात निर्भरता को कम करना है। साथ ही यह आत्मनिर्भर भारत पहल को मजबूत करेगा और रोजगार पैदा करेगा बयान के अनुसार, पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से सोलर पीवी विनिर्माताओं चुना जाएगा। सौर फोटोवोल्टिक विनिर्माण संयंत्रों के चालू होने के बाद घरेलू बाजार से उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल की बिक्री पर प्रोत्साहन स्वरूप पांच साल के लिए पीएलआई का वितरण किया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि योजना से प्रत्यक्ष रूप से करीब 94,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। साथ ही ईवीए, सौर ग्लास आदि जैसी अन्य सामाग्रियों की विनिर्माण क्षमता सृजित होगी। इसके अलावा इससे प्रत्यक्ष रूप से।,95,000 तथा परोक्ष रूप से 7,80,000 रोजगार सृजित होंगे। इससे करीब 1.37 लाख करोड़ रुपए के आयात में कमी आने का अनुमान है। इसके अलावा सौर पीवी मॉड्यूल में दक्षता में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले विनिर्माण योजना में संशोधन को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की योजना में संशोधन को दी मंजूरी है। इसके तहत सेमीकंडक्टर फैब के लिए 50 प्रतिशत प्रोत्साहन की पेशकश की जाएगी। सूचना एवं प्रसारण व खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया कि भारत में सेमीकंडक्टर फैब की स्थापना की योजना के तहत सभी प्रौद्योगिकी नोड्स के लिए पूंजीगत व्यय के 50 प्रतिशत के बराबर वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसी तरह डिस्प्ले फैब परियोजना के लिए भी 50 प्रतिशत वित्तीय सहायता देने का फैसला किया गया है। भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की योजना ने कई वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों को आकर्षित किया है। संशोधित योजना से सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। संभावित निवेशकों से चर्चा के आधार पर उम्मीद है कि जल्द ही पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र को स्थापित करने का काम शुरू हो जाएगा।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह जानकारी दी। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का उद्देश्य परिवहन की लागत को कम करना और देश में वस्तुओं की आपूर्ति को बिना किसी रुकावट के बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति पेश की थी। उन्होंने इस नीति को पेश करते कहा था कि हमें कारोबार की मौजूदा लॉजिस्टिक लागत को 13-14 प्रतिशत से घटाकर जल्द से जल्द उसे एक अंक यानी 10 प्रतिशत से नीचे लाना चाहिए। इस नीति में लॉजिस्टिक क्षेत्र के लिए विस्तृत रूपरेखा तय करने के साथ बहु-साधन परिवहन जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा। नीति के तहत प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित, नियामकीय ढांचे, कौशल विकास और प्रौद्योगिकियों के जरिए लॉजिस्टिक सेवाओं और मानव संसाधन में दक्षता लाने का लक्ष्य रखा गया है।

जीसीसी देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 44 प्रतिशत बढ़ा: फियो

भाषा। दुबई

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत बढ़कर लगभग 43.9 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 27.8 अरब डॉलर था। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) ने यह जानकारी देते हुए कहा कि निर्यात में 68 प्रतिशत वृद्धि के साथ खाड़ी देशों में यूएई शीर्ष पर रहा। फियो ने बताया कि भारत के दूसरे सबसे बड़े व्यापार साझेदार और निर्यात के लिहाज से सबसे बड़े साझेदार यूएई को निर्यात बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 28 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2020-21 में 16.7 अरब डॉलर था। जीसीसी की स्थापना मई, 1981 में हुई थी। इसके सदस्य सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और यूएई हैं। फियो ने बयान में कहा कि जीसीसी को कागज और संबद्ध उत्पादों का निर्यात 2021 में 63.8 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। इसमें यूएई की हिस्सेदारी 38.6 करोड़ डॉलर रही। फियो के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय सहाय ने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 में जीसीसी को हमारा निर्यात प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। यूएई के अलावा, हमारा निर्यात सऊदी अरब में 49 प्रतिशत, ओमान में 33 प्रतिशत, कतर में 43 प्रतिशत, कुवैत में 17 प्रतिशत और बहरीन में 70 प्रतिशत बढ़ा। कागज उद्योग के मामले में भारत की जीसीसी में 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है और इसे 2027 तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। भारत और यूएई ने इस साल फरवरी में सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) पर हस्ताक्षर किए थे, जो एक मई, 2022 को लागू हुआ।

अमेरिका, यूरो क्षेत्र मंदी की ओर अग्रसर, पर भारत इससे अछूता रहेगा : एसएंडपी

मुंबई। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और यूरो क्षेत्र भले ही मंदी की ओर बढ़ रहे हों लेकिन भारत पर इसका असर पड़ने की आशंका नहीं है। उसने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था से बहुत ज्यादा जुड़ी हुई नहीं है। एसएंडपी ग्लोबल में मुख्य अर्थशास्त्री एवं प्रबंध निदेशक पॉल एफ ग्रुएनवाल्ड ने यहां संवाददाताओं से कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी व्यापक घरेलू मांग की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था से बहुत ज्यादा जुदा है, हालांकि भारत ऊर्जा का शुद्ध आयात करता है। एक ओर आपके पास विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार है वहीं आपकी कंपनियां भी अच्छा बहीखाता कायम रखने में सफल रही हैं। ग्रुएनवाल्ड ने कहा कि देखा जाए तो भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था से कभी भी पूरी तरह से जुड़ा नहीं था और इसलिए यह वैश्विक बाजारों से तुलनात्मक रूप से स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप में मंदी आती है तो बहुत कुछ वैश्विक कोष के प्रवाह पर भी निर्भर करेगा।

काशी में गंगा फिर उफान पर, डूबे घाट

दाह संस्कार में आ रही है भारी दिक्कत

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी में गंगा एक बार फिर ऊफान पर है। पानी में बढ़ाव का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक बुधवार सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 66.27 सेंटीमीटर तक पहुंच गया था। सुबह के वक्त जलस्तर एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। अनुमान है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश और गंगोत्री नदी में हुए जल वृद्धि के कारण काशी में भी देर रात पानी बढ़ा। इधर, गंगा और वरुणा में तीसरी बार बाढ़ आने के कारण तटवर्ती इलाकों में रहने वालों की धुकधुकी बढ़ गई है। मंगलवार देर शाम तक दशाश्वमेध घाट की तीन सीढ़ियां और पानी में डूब गई थीं। इधर, खिड़किया घाट (नमो घाट) के फर्श के नीचे तक पानी पहुंच चुका था। इसके अलावा शहर के कई प्रमुख गंगा घाटों को डूबोने के बाद पानी का रुख ऊपर की ओर चढ़ रहा है।गाय घाट निवासी अखिलेश पाण्डेय, शोभित भारद्वाज, बाबू यादव, प्रह्लाद घाट के विजय कुमार, शंकर पाण्डेय ने बताया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर को देख कर वह अपने मकान के निचले तल को खाली करने में जुट गए हैं। मकान घाट से सटा होने के कारण उनके घर में पहले पानी भरने लगता है। इसके अलावा शहर के बीच से होकर गुजरी वरुणा नदी के किनारे रहने वाले भी बाढ़ के प्रकोप को लेकर फिर से सहम गए है। नक्खी घाट के मीरा घाट और तालीम नगर में अभी तक बाढ़ का मलबा और खिचड़ लगा हुआ है। लोग अपने घरों की सफाई में लगे हुए थे कि फिर से वरुणा का पानी बढ़ने लगा। इससे लोगों की मुसिबत और बढ़ गई है।

मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शव दाह करने में बढ़ी दिक्कत: गंगा के बढ़ते जल स्तर के कारण शव दाह करने आए लोगों को भी परेशान होना पड़ रहा है। रविवार से गंगा में शुरु हुए बढ़ाओ ने मंगलवार शाम तक महा शमशान और हरिश्चंद्र घाट की आधी सीढ़ियों को जलमंग्न कर दिया था। इसके कारण शव दाह करने में गोलों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं शाम के वक्त हुई बारिश ने लोगों की दुश्वारियां और बढ़ा दी।

अवधेश राय हत्याकांड में चश्मदीद गवाह से जिरह पूरी

कड़ी सुरक्षा में गवाह संग पूर्व विधायक अजय राय पहुंचे कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा ।वाराणसी

अवधेश राय की लगभग 31 साल पूर्व हुए चर्चित हत्याकांड में चश्मदीद गवाह विजय कुमार पांडेय से बचाव पक्ष द्वारा की जा रही जिरह की कार्यवाही पूर्ण हो गई। अब इस मामले में अगले गवाह को कोर्ट तलब कर उसका बयान व जिरह की कार्यवाही की जाएगी।

विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) सियाराम चौरसिया की अदालत में चल रही इस मुकदमे की सुनवाई में आरोपित बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी का बांदा जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। इस दौरान मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी द्वारा अदालत में उपस्थित चश्मदीद गवाह से पूर्व में किए गए जिरह की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए जिरह की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई। साथ ही अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि 26 सितंबर नियत कर दी। इसके पूर्व अदालत में मुकदमे कि सुनवाई के लिए कड़ी सुरक्षा में पूर्व विधायक अजय राय, गवाह विजय कुमार पांडेय को साथ लेकर अपने अधिवक्ता अनुज यादव व अधिवक्ता विकास सिंह के साथ कोर्ट में उपस्थित हुए। बता दें कि तीन अगस्त 1991 को लहुराबीर क्षेत्र में स्थित आवास के गेट पर ही अवधेश राय के ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी गई थी। अजय राय ने मुख्तार अंसारी, पूर्व विधायक अब्दुल कलाम, भीम सिंह, कमलेश सिंह व राकेश न्यायिक समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

भाजपाइयों ने की ऐतिहासिक कुंड-तालाबों की सफाई

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर सेवा पखवारा के अंतर्गत पांचवें दिन बुधवार को महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय राय के नेतृत्व में काशी के ऐतिहासिक कुंडों एवं तालाबों की साफसफाई किया गया साथ ही इसे स्वच्छ रखने की शपथ भी ली।बुधवार को सुबह भाजपा के कार्यकर्ताओं ने झाड़ू , डलिया, बोरी, फावड़ा लेकर काशी के ऐतिहासिक अलईपुरा नक्खीघाट स्थित वक्र कुंड, सुल्तानपुर रामनगर के दुर्गा मंदिर,सारनाथ के पहड़िया तालाब,कर्णघंटा कुंड, ईश्वरगंगी कुंड, कबीर मठ अमृत सरोवर, सिगरा के शास्त्री नगर स्थित चकरा तालाब, मंदाकिनी कुंड, लक्ष्मी कुंड आदि कुंडों व तालाबों पर स्वच्छता अभियान चलाया तथा उसे स्वच्छ रखने की शपथ ली। कार्यक्रम की सफलता पर महानगर प्रभारी, महामंत्री राहुल सिंह तथा सह संयोजक मंत्री किशन कन्नौजिया ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।मीडिया प्रभारी किशोर कुमार सेठ के अनुसार महानगर के सभी 13मंडलों में मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्रियों की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खेत में मृत पाई गई मादा तेंदुआ आपसी संघर्ष में मौत की आशंका

बहराइच। बहराइच जिले में कतर्नियाघाट वन्यजीव विहार के ककरहा वन रेंज में एक खेत में लगभग डेढ़ वर्ष की मादा तेंदुआ मृत पाई गई। वन विभाग की तरफ से यह जानकारी दी गई। वन विभाग के अधिकारी के अनुसार, तेंदुए की मौत की संभावित वजह नर तेंदुए द्वारा यौन- संसर्ग के प्रयास को मादा द्वारा अस्वीकार करने पर हुई लड़ाई अथवा वन क्षेत्र पर आधिपत्य को लेकर संघर्ष हो सकता है। दुधवा नेशनल पार्क के मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक संजय पाठक ने बुधवार को पीटीआई- भाषा को बताया, मंगलवार सुबह वन कर्मियों को सूचना मिली कि कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा रेंज में महबूबनगर जंगल के पास एक खेत में एक मादा तेंदुए का शव मिला है। वन विभाग के कर्मियों ने मृत तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर उच्चाधिकारियों की अनुमति से विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उसका पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार मृतक तेंदुए के शव को जला दिया गया है। पाठक ने बताया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट व स्थलीय निरीक्षण के निष्कर्ष से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मंगलवार तड़के एक ही प्रजाति के दो तेंदुओं के बीच संघर्ष के परिणाम स्वरूप मादा तेंदुए की मौत हुई है। मृत मादा तेंदुए की उम्र करीब डेढ़ वर्ष आंकी जा रही है जबकि हमलावर तेंदुए के बड़ी उम्र का होने की संभावना है। पाठक ने बताया, किन्हीं परिस्थितियों में जब मादा तेंदुआ नर तेंदुए के साथ यौन-संसर्ग के लिए तैयार नहीं होती तब नर तेंदुआ चिढ़कर और उत्तेजित होकर आक्रामक व हमलावर हो जाता है। मृत तेंदुए के चेहरे व गर्दन पर मिली चोटों और घटनास्थल पर मौजूद पद चिन्हों को देखते हुए इस मामले में अधिक संभावना यौन संसर्ग के लिए तैयार ना होने पर संघर्ष की ही जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि दूसरी संभावना एक तेंदुए के प्राकृतिक वास में दूसरे तेंदुए के प्रवेश होने की स्थिति में क्षेत्र पर आधिपत्य को लेकर हुए संघर्ष की भी है। उन्होंने स्पष्ट किया, दोनों ही स्थितियों में मृत्यु का कारण दो तेंदुओं के बीच संघर्ष ही माना जा रहा है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी आकाशदीप बधावन ने बताया, "घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। अधिकारी एवं वन कर्मी घटनास्थल के निकट कैम्प कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं तथा वन विभाग की टीम क्षेत्र की निगरानी कर रही है।

स्कूल में घुसा मगरमच्छ वन विभाग के दस्ते ने पकड़ा

अलीगढ। अलीगढ़ जिले के अतरौली क्षेत्र स्थित कासिमपुर गांव के एक स्कूल में बुधवार को मगरमच्छ घुस आने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने उसे बहुत मुश्किल से एक कक्षा में बंद कर अधिकारियों को सूचना दी। स्कूल के स्टाफ कर्मियों ने बताया कि कासिमपुर गांव स्थित उनके स्कूल में आज सुबह एक मगरमच्छ घुस आया। उसे देख कर बच्चे तथा स्कूल कर्मी घबरा गए। उनका शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण लाठी लेकर आए और बड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को एक कमरे के अंदर बंद कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने मगरमच्छ को पकड़ लिया। स्टाफ कर्मियों के मुताबिक अतरौली क्षेत्र के कासिमपुर गांव के नजदीक कई तालाब हैं जिनमें अक्सर घड़ियाल देखे जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अनेक बार स्थानीय प्रशासन का ध्यान इस तरफ दिलाया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने बताया कि गंगा नदी भी पास में ही बहती है। संभावना है कि पिछले दिनों आई बाढ़ की वजह से यह मगरमच्छ गांव के ही किसी तालाब में आ गया होगा, जहां से आज वह स्कूल में घुस गया।

सामूहिक बलात्कार की शिकार महिला का गर्भपात, तीन आरोपी गिरफ्तार: बरेली। बरेली के बिशारतगंज थाना क्षेत्र में तीन लोगों ने एक गर्भवती महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया, जिससे उसका गर्भपात हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पीड़िता के पति द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, 13 सितंबर को वह खेत में काम कर रही थी, तभी तीन युवकों ने वहां पहुंचकर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया, जिसके परिणामस्वरूप उसका गर्भपात हो गया। तीन माह की गर्भवती पीड़िता की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर तीन आरोपियों को मंगलवार शाम गिरफ्तार कर लिया।

प्रो. रामयत्न शुक्ल के निधन से शोक की लहर

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री सहित पूरी काशी ने व्यक्त किया गहरा दुख सबने कहा-अपूर्णनीय क्षति

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

काशी विद्वत्परिषद् के अध्यक्ष महामहोपाध्याय पद्मश्री प्रोफेसर रामयत्न शुक्ल को सोमवार की शाम को आईसीयू में भर्ती कराया गया था। विगत कई दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। काशी विद्वत्परिसषद् के महामंत्री प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि सोमवार शाम करीब छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी आयु 92 वर्ष थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रोफेसर एवं उद्भट विद्वान प्रो0 रामयत्न शुक्ल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि व्याकरण शास्त्र के अति विशिष्ट विद्वान,काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. रामयत्न शुक्ल के आकस्मिक निधन की सूचना से हम सभी स्तब्ध और मर्माहत हैं यह सूचना अत्यंत दुखद है। काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष और संस्कृत के प्रकांड विद्वान प्रोफेसर रामयत्न शुक्ल को पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया। वह शक्ति पीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती समेत कई संतों को विद्या दान कर चुके हैं।

नौ साल की आयु से कर रहे थे संस्कृत का प्रचार-प्रसार

प्रोफेसर रामयत्न शुक्ल नौ वर्ष की आयु से संस्कृत के प्रचार-प्रसार से जुड़े थे।. वह संस्कृत की निशुल्क शिक्षा देते थे।. छात्रों की हर समस्या का वह समाधान करते थे। उनका जन्म सन् 1932 में हुआ था। बचपन से ही उनकी संस्कृत विषय में अधिक रुचि थी। उनके पिता राम निरंजन शुक्ल भी संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी व स्वामी चौतन्य भारती से वेदांत शास्त्र, हरिराम शुक्ल से मीमांसा और पंडित रामचन्द्र शास्त्री से दर्शन व योग शास्त्र की शिक्षा प्राप्त की थी। कुलपति एवं शंकराचार्य जैसे पदों को सुशोभित कर रहे शिष्य प्रो. शुक्ल बीएचयू संस्कृत विद्या धर्मविद्या संकाय में आचार्य रह चुके हैं । वह सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में भी व्याकरण विभाग के आचार्य व अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं। मुख्य रूप से भदोही जनपद के कोनिया क्षेत्र के कलातुलसी गांव निवासी प्रो शुक्ल के पढ़ाए हुए कई छात्र कुलपति पद पर आसीन हैं। यही नहीं उन्होंने शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के साथ स्वामी गुरु शरणानंद, रामानंदाचार्य, स्वामी रामभद्राचार्य को भी विद्या का दान दिया है। व्याकरण शास्त्र के उद्भट विद्वान पद्मश्री प्रो. रामयत्न शुक्ल शुक्ल ने 1961 में सन्यासी संस्कृत महाविद्यालय में बतौर प्राचार्य छात्रों को शिक्षा दी। वर्ष 1974 में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्राध्यापक नियुक्त हुए। सन् 1976 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में अपनी सेवा दी। सन् 1982 में वह सेवानिवृत्त हो गए। अब वह काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष हैं। वह सनातन संस्कृति परिषद के संस्थापक भी हैं। उन्हें वर्ष 2015 में संस्कृत के शीर्ष सम्मान 'विश्वभारती' से भी सम्मानित किया जा चुका है। भारतीय संस्कृति तथा पारम्परिक शास्त्रों के संरक्षण में सम्पूर्ण जीवन लगाने वाले प्रो राम यत्न शुक्ल के निधन से काशी के विद्वत समाज में शोक की लहर है। भारत के अनेक धर्माचार्यो के शिक्षा गुरु तथा भारत ही नहीं विश्व में संस्कृत भाषा तथा पारम्परिक शास्त्रों के संरक्षण संवर्धन में योगदान देने वाले आचार्य के न रहने पर अपूर्णीय क्षति हुई। काशी विद्वतपरिषद् के महामंत्री प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत परम्परा की कड़ी टूट गई। शहर दक्षिणी के विधायक व पूर्व मंत्री डा नीलकंठ तिवारी ने कहा कि यह व्याकरण व काशी की क्षति है।

संस्कृत जगत के मेरुदण्ड थे प्रो. शुक्ल : प्रो. रामयत्न शुक्ल के निधन से संस्कृत जगत की अपूर्णनीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई कठिन है। वह देश ही नहीं अपितु विश्व स्तर के मूर्धन्य विद्वान थे जिस कारण बाहर के मनीषी भी इनसे शिक्षा ग्रहण करने आते रहे। उक्त बातें दशाश्वमेध स्थित शास्त्रार्थ महाविद्यालय में आयोजित एक शोक सभा में श्री काशी विद्वत परिषद के मंत्री व संस्कृत समाज नेता डा.गणेश दत्त शास्त्री ने कही। सभा में इन्होंने बताया की शास्त्रार्थ महाविद्यालय से प्रो शुक्ल का अभिन्न सम्बंध रहा है। इसलिए सदैव हम सबको इनका स्नेह व आशीर्वाद मिलता रहा। इसके निधन से संस्कृत जगत मर्माहत है। प्राचार्य पंडित पवन शुक्ला ने कहा कि श्री काशी विद्वत परिषद पूरे विश्व में सर्वमान्य संस्था है जो विपरीत परिस्थितियों में देश को शास्त्र सम्मत उचित सलाह भी देती है, का अध्यक्ष होना काफी गर्व की बात है और प्रो शुक्ल ने इसका बखूबी निर्वहन भी किया है। इनकी विद्वता का परचम संस्कृत जगत में सदैव लहराता रहेगा।

जंगल में फांसी पर झूलते मिले लापता प्रेमी युगल के शव

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में तीन सितंबर से लापता एक प्रेमी युगल के शव बिहारीगढ़ के जंगल मे फांसी के फंदे से लटकते पाए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन टाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर शाम वीरेंद्र (40) और 17 वर्षीय एक किशोरी के शव बिहारीगढ़ के जंगल मे फांसी के फंदे से लटकते मिले। ए दोनों तीन सितंबर से लापता थे। टाडा के मुताबिक, दोनों शव सड़ी-गली हालत में पाए गए हैं। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टाडा के अनुसार, नागल थाना क्षेत्र के रसूलपुर का रहने वाला वीरेंद्र पेशे से शिक्षक था और बताया जाता है कि उसका अपने ही विद्यालय की कक्षा नौ की छात्रा से प्रेम प्रसंग था। टाडा के मुताबिक, छात्रा के परिजनों ने अपनी बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी, लेकिन बार-बार लोकेशन बदलने के कारण उनका पता नहीं चल पा रहा था।

डीआईओएस ने की प्रधानाचार्यों संग मंत्रणा

गोंडा। डीआईओएस राकेश सिंह की अध्यक्षता में माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की तहसील स्तरीय बैठक कन्हैया लाल इंटर कॉलेज करनैलगंज में संपन्न हुई।बैठक में डीआईओएस ने कहा कि सभी प्रधानाचार्य यूपीएमएसपी की वेबसाइट साइट पर विद्यालय की समस्त सूचनाओं को अद्यतन कराएं। छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय आय योग्यता छात्रवृत्ति, कन्या सुमंगला योजना, शुल्क माफी, इंस्पायर अवार्ड सहित सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ छात्र छात्राओं को दिलाएं। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालय का क्रियान्वयन सुचारू ढंग से कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर से हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। बैठक में कन्हैया लाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डीपी मौर्य, भारतीय इंटर कॉलेज कटरा के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र वर्मा, शिक्षक बंधु इंटर कॉलेज बालपुर के प्रधानाचार्य अजय कुमार श्रीवास्तव, राजकीय हाई स्कूल टेपरा के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार श्रीवास्तव, राजकीय हाई स्कूल पहाड़ापुर से अंजलि वर्मा, बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कर्नलगंज से अमिता पाण्डेय, कन्हैया लाल कॉलेज से शिक्षक आरडी सिंह, मेजर राजाराम, अमित कुमार श्रीवास्तव, शिव कुमार पाठक आदि उपस्थित रहे।

ऑपरेशन शिकंजा के तहत दुष्कर्मी को दस साल की सजा

गोंडा। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर के निर्देशन व पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति' व 'ऑपरेशन शिकंजा' में पुलिस अधीक्षक तोमर द्वारा पुलिस की प्रभावी पैरवी कराते दुष्कर्म के आरोपी अभियुक्तो को 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास व रु0 5,000-5,000 के अर्थदण्ड की सजा कराने में सफलता प्राप्त हुई। यह जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक तोमर ने बताया कि थाना कटराबाजार क्षेत्र के अन्तर्गत अभियुक्तगण सलीम पुत्र अमजद अली निवासी सिटकिहवा मौजा बनगांव थाना कटरा बाजार गोंडा, जानू उर्फ जान मोहम्मद पुत्र रहमत अली निवासी सिटकिहवा मौजा बनगांव थाना कटराबाजार गोंडा ने एक लड़की के साथ छेड़छाड़ व दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध किया था। जिसमे पुलिस द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत कर उक्त अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। मॉनिटरिंग सेल व थाना कटराबाजार के पैरोकार मुख्य आरक्षी रुदल शर्मा द्वारा निरंतर की गई सशक्त व प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप उक्त अभियुक्तगण को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्विशेष न्यायाधीश गोंडा ने 10-10 वर्ष सश्रम कारावास रु0 5,000-5,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

धौरहरा पहुंची सर्वशिक्षा अभियान व मिशन प्रेरणा की टीम

करनैलगंज (गोंडा)। सर्वशिक्षा अभियान, मिशन प्रेरणा और यूनिसेफके अधिकारियों की टीम बुधवार को प्राथमिक विद्यालय धौरहरा पहुंची। इस दौरान अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से रूबरू होते हुए उनकी प्रतिभा को परखा तथा प्रतिभाशाली बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए सराहना की। बुधवार की सुबह संयुक्त निदेशक एसएसए व कॉलेज ऑफटीचर एजूकेशन के प्राचार्य अजय कुमार सिंह प्राथमिक विद्यालय धौरहरा में सबसे पहले कक्षा 1 के छात्रों से तीन अंक के जोड़ के प्रश्न दिए, जिसे बच्चों ने तुरंत हल कर दिया। उन्होंने पहले प्रश्न हल करने वाले बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत किया। उसके बाद संयुक्त निदेशक की टीम कक्षा 2 में पहुंची, जहां छात्र मोहम्मद अजहर और निधी से कहानी सुना। कक्षा 4 व 5 के छात्रों से गणित के प्रश्न हल करवाकर उन्हें पुरस्कृत किया। इस दौरान अधिकारियों ने छात्रों के साथ हूप भी खेला। इस मौके पर संयुक्त निदेशक अमित राय, मिशन प्रेरणा के समन्वयक शुधांशू, खण्ड शिक्षा अधिकारी सीमा पाण्डेय, जिला समन्वयक प्रशिक्षण हरगोविंद, एआरपी अनुराग कुमार, प्रधानाध्यापक रवि प्रताप सिंह, बाबूलाल यादव, ग्राम प्रधान मायाराम, भालेन्दु कुमार सिंह, उत्तम प्रसाद, राजकुमार, राम कुमार सिंह, सीमा सिंह आदि मौजूद रहे।

एलबीएस ने किया ट्रेनिंग व प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

गोंडा। एल.बी.एस. कॉलेज व एनआईआईटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ट्रेनिंग एवं कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन कालेज के ललिता शास्त्री सभागार में किया गया। दो चक्रों में चले कैरियर गाइडेंस सेमिनार एवं प्लेसमेंट ड्राइव में 600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। एक्सिस बैंक, एचडीएफसी एवं एडलवेइस में असिस्टेंट मैनेजर, वेल्थ मैनेजर सहित 6 दर्जन से अधिक पदों के लिए विद्यार्थियों का कई चक्रों में इंटरव्यू लेकर प्रवेश परीक्षा हेतु चयनित किया गया। एनआईआईटी, उत्तर भारत के महाप्रबंधक सैयद हसन अख्तर और सीनियर काउंसलर रोहित मोहन ने विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रबंधतंत्र की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में आगे भी विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगार हेतु तैयार किया जाएगा। विद्यार्थियों में जहाँ भी अपूर्णता दिखेगी, उन अंशों की पूर्ति के लिए अलग से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रबंध समिति के सचिव उमेश शाह ने कहा कि यह प्रसन्नता का क्षण है कि विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र के अलग-अलग पदों पर कैम्पस प्लेसमेंट द्वारा नौकरियाँ संभव हो रही हैं, यह क्रम आगे भी चलता रहेगा। ट्रेनिंग एवं कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का संचालन भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष व पूर्व मुख्य नियंता प्रो. जितेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र, प्रो. जे.बी. पाल, डॉ. रंजन शर्मा, प्रो. जयशंकर तिवारी, डॉ. अरुण प्रताप सिंह, डॉ. चमन कौर, मनीष शर्मा, डॉ. मनोज मिश्र, सुधीर तिवारी, डॉ. स्मृति शिशिर, शैलजा सिंह व शरद पाठक आदि उपस्थित रहे।

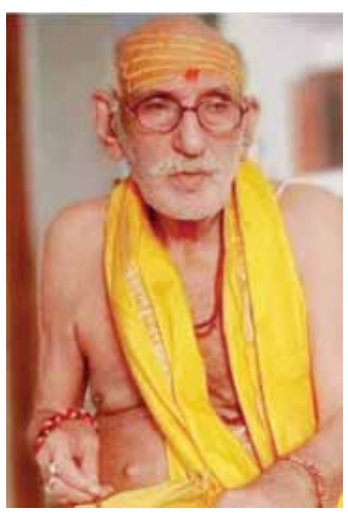

वी नेउपलब्ध कराए नौकरियों के हजारों अवसर

वाराणसी। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने अपना के साथ साझेदारी में उत्तर प्रदेश में तीस हजार से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराए हैं। पिछले तीन महीनों में उपलब्ध कराई गई इन नौकरियों ने वी ऐप के ज़रिए रोज़गार के अवसर प्रदान कर भारत के स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाया है। वी ऐप में वी जॉब्स पर भारत का सबसे बड़ा जॉब सर्च प्लेटफॉर्म 'अपना' मौजूद है, जो वी के उपभोक्ताओं को निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर सुनिश्चित करता है कि उनका रेज़्यु मे शीर्ष पायदान के नियोक्ताओं तक पहुंचें।

उत्तर मध्य रेलवे में 102 कर्मचारी हुए पुरस्कृत

प्रयागराज। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पुरस्कार समारोह 2021 22 का आयोजन बुधवार को अरावली सभागार उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मुख्यालय में किया गया। इस अवसर पर शशि कांत सिंह प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा मुख्यालय एवं मंडलों के चयनित उत्कृष्ट कार्य करने वाले 102 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए वित्त वर्ष 2020 21 की तुलना में 2021 22 में अधिक आय अर्जन और यात्री सेवा की दिशा में निरंतर किए गये अथक प्रयासो की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्यालय सभागार में अनु त्रिपाठी मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एफएम जितेन्द्र कुमार उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एफएम हिमांशु शुक्ला उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक दावा विपिन कुमार सिंह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रयागराज नवीन दीक्षित वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक झाँसी एवं वीरेंद्र सिंह सहायक वाणिज्य प्रबंधक आगरा उपस्थित रहे। समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीकृष्ण शुक्ला मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ने किया।

विश्वकर्मा पूजा समारोह में 123 वरिष्ठ संविदाकार सम्मानित

कानपुर। सीमेंट निर्माताओं में से एक डालमिया भारत लिमिटेड ;डीबीएलद्ध ने आप हैं सच्चे विश्वकर्मा सम्मान पहल के साथ पूर्वी क्षेत्र के 123 वरिष्ठ संविदाकारों के मूल्यवान योगदान को सराहा। अपनी विशेषज्ञता और शिल्पकला में दक्षता के चलते अनगिनत लोगों के घर बनाने का सपना पूरा करने वाले वरिष्ठ संविदाकारों को सलाम करते हुए यह कार्यक्रम कंपनी की उत्तर प्रदेश में सालाना विश्वकर्मा पूजा के दौरान संपन्न हुआ। डालमिया भारत लिमिटेड ने ृआप हैं सच्चे विश्वकर्माष् पहल की शुरुआत 2020 में सभी क्षेत्रों में संविदाकारों के साथ अपनत्व दर्शानों के लिए की थी। अपने उद्घाटन वर्ष में 14 संविदाकारों को सम्मानित किया गया जिसके उपरांत 2021 में 74 को यह सम्मान दिया गया। इस वर्ष सीमेंट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सभी क्षेत्रों के रिकार्ड 123 संविदाकारों के साथ यह सम्मान उत्सव मनाया जिसमें उत्तर प्रदेश से छह शामिल थे।

संगीतज्ञों के गांव में ताबड़तोड़ गोली चलाकर युवक की हत्या

आजमगढ। पूरी दुनिया मे संगीतज्ञो के गांव के रूप मे मशहूर उत्तर प्रदेश का हरिहरपुर गांव मंगलवार रात गोलियो की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। बदमाशो ने संगीतकारो के एक परिवार से जुड़े युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कंधरापुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव के रहने वाले आदर्श मिश्रा मंगलवार को अपने दोस्त विपिन मिश्रा के साथ गांव में स्थित शीतला माता मंदिर के पास पहुंचे ही थे कि पहले से ही घात लगाकर बैठे हमलावर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने लगे। सूत्रों के मुताबिक, इस हमले मे आदर्श और विपिन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों को आनन-फानन में लक्षिरामपुर स्थित एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरो ने आदर्श को मृत घोषित कर दिया। वही, विपिन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वारदात से आक्रोशित हरिहरपुर के ग्रामीणो ने लक्षिरामपुर स्थित अस्पताल के सामने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ रहाणे अय्यर का नहीं चला बल्ला

दलीप ट्रॉफी फाइनल

भाषा। कोयंबटूर

अजिंक्य रहाणे

हेत पटेल (नाबाद 96) और जयदेव उनादकट (नाबाद 39) की नौवें विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी के दम पर पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल के पहले दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ आठ विकेट पर 250 रन बनाए। पटेल 178 गेंद की अब तक की पारी में छह चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। उत्तर क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे (आठ) और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर (37) जैसे बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इन दोनों के अलावा सरफराज खान (34), यशस्वी जायसवाल (एक) और भारत ए के मौजूदा कप्तान प्रियांक पंचाल (सात) बल्ले से योगदान देने में नाकाम रहे।

दक्षिण क्षेत्र के लिए तेज गेंदबाज बासिल थंपी (42 रन पर दो), सीवी स्टीफन (39 रन पर दो) ने शुरुआती आधे घंटे के खेल में ही पश्चिम क्षेत्र के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान हनुमा विहारी ने टॉस जीत कर गेंदबाजों के लिए मददगार परिस्थितियों में पश्चिम क्षेत्र को बल्लेबाजी का न्योता दिया। आंध्र के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टीफन ने पारी के दूसरे ओवर में ही विकेटकीपर रिकी भुई के हाथों जायसवाल को कैच कराकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। रहाणे ने चौका लगाकर खाता खोला लेकिन ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद को छेड़ने की पुरानी आदत ने उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। थंपी की गेंद पर रवि तेजा ने स्लीप में उनका कैच लपका। पंचाल को स्टीफन ने पगबाधा किया।

छठे ओवर में 16 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद अय्यर और सरफराज ने मैच में पश्चिम क्षेत्र की वापसी कराने की कोशिश की लेकिन उनकी 48 रन की साझेदारी को शानदार लय में चल रहे बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर (80 रन पर तीन विकेट) ने तोड़ा। उन्होंने अय्यर के बाद सरफराज और शम्स मुलानी (शून्य) के विकेट चटकाए। पटेल ने इसके बाद अतीत सेठ (25) के साथ सातवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की। थंपी ने सेठ को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कृष्णप्पा गौतम (73 रन पर एक विकेट) ने तनुष कोटियान का विकेट चटकार दक्षिण क्षेत्र को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद पटेल और उनादकट ने 21 ओवर तक संभल कर बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों को विकेट से दूर रखा। उनादकट ने 64 गेंद की अबतक की पारी में तीन चौके लगाए।

बाबर को पछाड़कर टी20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे सूर्यकुमार

भाषा। दुबई,

भारत के सूर्यकुमार यादव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। सूर्यकुमार ने मंगलवार को मोहाली में आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में चार विकेट की हार के दौरान 46 रन की पारी खेलकर प्रभावित किया। इस पारी की बदौलत उन्होंने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अपने बीच के अंकों के अंतर को भी कम किया। सूर्यकुमार अब रिजवान से सिर्फ 45 रेटिंग अंक पीछे हैं। रिजवान ने मंगलवार को कराची में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की हार के दौरान अर्धशतक जड़ा और करियर के सर्वश्रेष्ठ 825 अंक के साथ बल्लेबाजी सूची में अपनी बढ़त बरकरार रखी है। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम (792 अंक) सूर्यकुमार (780 अंक) से आगे दूसरे स्थान पर हैं।

एशिया कप में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करने और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में सिर्फ 31 रन बनाने के बाद बाबर चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान (725) पांचवें जबकि आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच (715) छठे स्थान पर हैं। सूर्यकुमार के अलावा स्टार भारतीय आलराउंडर हार्दिक पंड्या 22 स्थान की छलांग के साथ 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 में नाबाद 65 रन बनाए। मंगलवार को तीन विकेट चटकाने के बाद बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल गेंदबाजों की सूची में 24 स्थान आगे बढ़कर 33वें पायदान पर हैं। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पहले टी20 में रोहित शर्मा और लोकेश राहुल के अहम विकेट चटकाने के बाद गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं जबकि पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट चटकाने वाले लेग स्पिनर आदिल राशिद तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर हैं। टीम के उनके साथी मोहम्मद नवाज भी तीन स्थान आगे बढ़कर 31वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

द ओवल 2023 और लार्ड्स 2025 में डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करेंगे: आईसीसी

भाषा। दुबई

क्रिकेट की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को कहा कि द ओवल और लार्ड्स के मैदान क्रमश: 2023 और 2025 में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की मेजबानी करेंगे। इंग्लैंड को जुलाई में बर्मिंघम में हुई आईसीसी सालाना आम बैठक के दौरान अगले दो डब्ल्यूटीसी फाइनल्स का मेजबान चुना गया था।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ अलार्डिस ने एक बयान में कहा, हम खुश हैं कि अगले साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल का मेजबान द ओवल होगा और इसके बाद हम 2025 का फाइनल लार्ड्स में कराएंगे। इसमें उन्होंने कहा, पिछले साल न्यूजीलैंड और भारत के बीच साउथम्पटन में हुआ फाइनल काफी मनोरंजक था और मुझे पूरा भरोसा है कि दुनिया भर के प्रशंसक द ओवल में अगले डब्ल्यूटीसी फाइनल का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे। 2023 और 2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप दोनों के स्थलों की घोषणा हो गई है लेकिन अभी तक इनकी तारीख की पुष्टि नहीं हुई है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के मुख्य कार्यकारी और सचिव गे लेवेंडर ने कहा, हम काफी प्रसन्न हैं कि लार्ड्स 2025 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का दूसरा चरण चार अगस्त को शुरू हुआ और यह अगले साल 31 मार्च तक चलेगा। आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका इस समय डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर चल रहे हैं।

भुवनेश्वर की डेथ ओवरों में गेंदबाजी चिंता का विषय: गावस्कर

भाषा। नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अगले महीने शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का डेथ ओवरों में खराब प्रदर्शन भारत के लिए वास्तविक चिंता है। भुवनेश्वर ने पिछले कुछ मैच में डेथ ओवरों में काफी रन लुटाए हैं। मंगलवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्होंने 19वें ओवर में 16 रन दिए जिससे आस्ट्रेलिया 209 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहा। गावस्कर ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा, मुझे नहीं लगता कि बहुत अधिक ओस थी। हमने क्षेत्ररक्षकों या गेंदबाजों को अपनी उंगलियों को सुखाने के लिए तौलिए का उपयोग करते नहीं देखा। यह कोई बहाना नहीं है। हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। उदाहरण के लिए, वहां 19वां ओवर, वह वास्तविक चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज को जब भी गेंद सौंपी जा रही है तो वह हर बार रन लुटा रहा है। उसने पाकिस्तान, श्रीलंका और अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच में 18 गेंद में (19वें ओवर में गेंदबाजी करते हुए) 49 रन दिए हैं। गावस्कर ने कहा, यह लगभग तीन रन प्रति गेंद हैं। उसके जैसे अनुभव और क्षमता के गेंदबाज के साथ आप उम्मीद करते हैं कि वह उन 18 गेंद में 35 से 36 रन देगा। यह वास्तव में चिंता का विषय है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत अच्छे स्कोर का बचाव करने में भी सफल नहीं हो पा रहा लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि जसप्रीत बुमराह की वापसी से गेंदबाजी विभाग को मजबूती मिलेगी। बुमराह इस साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के बाद से ही बाहर हैं क्योंकि वह पीठ की पुरानी चोट से उबर रहे थे। गावस्कर ने कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि यह उन क्षेत्रों में से एक रहा है जहां भारत को नुकसान उठाना पड़ा है।

क्विक न्यूज

एआईएफएफ लीग के चेयरमैन बने मिजोरम के लालंघिंग्लोवा हमार

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति के सदस्य और मिजोरम राज्य इकाई के सचिव लालंघिग्लोवा हमार को लीग समिति का चेयरमैन नियुक्त किया गया। हमार (44 वर्ष) ने 2012 मे मिजोरम प्रीमियर लीग शुरू करने में अहम भूमिका निभाई थी। इतिहास के पूर्व शिक्षक से पत्रकार बनने वाले हमार 2019 लोकसभा चुनाव में मिजोरम में एकमात्र सीट के लिए लड़े थे लेकिन हार गए थे। एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरण ने ट्वीट किया, भरोसा रखिए हमार काफी अच्छा काम करेंगे। मिजोरम में फुटबॉल का चेहरा बदलने वाले व्यक्ति को मेरी शुभकामनाएं।

उत्तर प्रदेश के अगले सत्र में कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे अजय रात्रा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय विकेटकीपर अजय रात्रा अगले सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश की पुरूष क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। रात्रा (40 वर्ष) ने भारत के लिए छह टेस्ट और 12 वनडे खेले है। एनसीए के तीसरे स्तर के कोच रात्रा ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश के संभावित खिलाड़ियों को तराशना चाहते है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए शानदार मौका है कि मुझे उत्तर प्रदेश जैसी टीम की कोचिंग का मौका मिल रहा है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है।

महिला आयरिश ओपन में चुनौती पेश करेंगी दीक्षा, त्वेसा और वाणी

ड्रोमोलैंड कासल। लाकोस्टे लेडीज ओपन डि फ्रांस मे तीसरे स्थान पर रही भारत की दीक्षा डागर गुरुवार से यहां शुरू हो रहे केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने के इरादे से उतरेंगी। झज्जर की 21 साल की दीक्षा के अलावा तीन अन्य भारतीय त्वेसा मलिक, अमनदीप द्राल और वाणी कपूर भी इस प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगी। सत्र की निराशाजनक शुरुआत के बाद त्वेसा ने कुछ हद तक लय हासिल कर ली है जबकि अमनदीप ने भी हाल मे स्विस लेडीज टूर्नामेंट मे लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया था। वाणी भी मौजूदा सत्र मे शीर्ष तीन मे शामिल रह चुकी है। एक अन्य भारतीय रिद्धिमा दिलावरी को प्रतीक्षा सूची में दूसरे स्थान पर रखा गया है। ड्रोमोलैंड कासल मे होने वाली इस प्रतियोगिता के साथ आयरलैंड मे 10 साल बाद एलईटी की वापसी होगी।

युवराज घर के एक्सक्लूसिव स्टे की कर रहे मेज़बानी

नई दिल्ली। युवराज सिंह एयरबीएनबी होस्ट बनने जा रहे हैं और इसके तहत वह गोवा में स्थित अपने घर में 6 लोगों के लिए एक्सक्लूसिव वन.टाइम स्टे की पेशकश कर रहे हैं। पहाड़ी पर स्थित और दूर तक समुद्र का शानदार नज़ारा दिखाने वाला युवराज का यह घर गोव की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का एक नमूना है। अब वह एयरबीएनबी पर होस्ट करने वाले भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनकर एक और उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। 6 मेहमानों को युवराज के इस तीन बेडरूम वाले घर में रहने का मौका मिलेगा जिसमें युवराज सिंह की कई खास यादें हैं और पिच पर बिताए गए उनके समय की कुछ यादगार वस्तुएं भी रखी हुई हैं। सिंह के इस घर को वेबसाइट पर बुक किया जा सकता है।

पहली मोटरसाइकलिंग ग्रैंड प्रिक्स की घोषणा

लखनऊ। भारत के मोटर साइकिल रेसिंग के दीवानों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल नोएडा की स्पोर्टिंग कम्पनी फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड ने एफआईएम वर्ल्ड चैंपियनशिप ग्रैंड प्रिक्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कराने वाले स्पेन के मैड्रिड स्थित डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल के सहयोग से आज भारत मे पहले ग्रैंड प्रिक्स की घोषणा की। यह रेसिंग टूर्नामेंट भारत में 2023 में बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट पर आयोजित किया जायेगा। वर्ल्ड चैंपियनशिप के भारत के पहले एडिशन को ग्रैंड प्रिक्स ऑफ भारत् नाम दिया गया है।

खन्ना ने आईओए कार्यकारी अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

भाषा। नई दिल्ली

अनुभवी खेल प्रशासक अनिल खन्ना ने बुधवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यवाहक अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। खन्ना ने यह कदम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के दो सप्ताह पहले लिए गए उस फैसले पर उठाया जिसमें खेल के अंतरराष्ट्रीय निकाय ने किसी भी कार्यवाहक । अंतरिम अध्यक्ष पद को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। आईओसी ने आठ सितंबर को आईओए को निलंबन की धमकी देते हुए कहा था कि आईओए को इस साल दिसंबर तक चुनाव करा लेना चाहिए। आईओए के पूर्व अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के शासन को समाप्त करने के अदालत के फैसले के बाद खन्ना ने आईओए का कार्यभार संभाला था।

आईओए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रह चुके खन्ना ने कहा कि वह आईओसी के दृष्टिकोण का सम्मान करते है। उन्होंने इसके साथ ही आईओसी से सवाल किया कि खेलों को लेकर देश का कानून और एनओसी (राष्ट्रीय ओलंपिक समिति) के संविधान के मामले में निर्णय और व्याख्या करने का अंतिम अधिकार किसके पास होगा। खन्ना ने अपने बयान में कहा, आईओए के संविधान और 2011 में अध्यक्ष पद के रिक्त होने के बाद ऐसी ही मामले के आधार पर आम सभा की सर्वसम्मति से मैंने एक संक्षिप्त अवधि के लिए अध्यक्ष के कर्तव्यों की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने तत्कालीन वरिष्ठ उपाध्यक्ष वी. के. मल्होत्रा का उदाहरण दिया था। 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद तत्कालीन अध्यक्ष सुरेश कलमाड़ी की 2011 में गिरफ्तारी के बाद मल्होत्रा ने आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष का पद संभाला था। खन्ना ने आईओए महासचिव और इसके सदस्यों को जारी पत्र में लिखा, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 24 जून 2022 को इसकी पुष्टि की गई है। उन्होंने कहा, मैं पिछले कई वर्षों से आईओए खेल बिरादरी का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, जहां भारत ने उल्लेखनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार आईओए के संचालन को सामान्य करने का पूरा प्रयास कर रही है और सर्वोच्च न्यायालय भारतीय खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए आईओसी के विचारों के प्रति संवेदनशील है।

हरमनप्रीत का नाबाद शतक, पांच विकेट पर 333 रन

भाषा। कैंटरबरी

● भारतीय महिला टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया विशाल स्कोर

भारतीय महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 143 रन) के शतक और हरलीन देओल (58 रन) के अर्धशतक की मदद से बुधवार को यहां खेले गए दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट पर 333 रन का विशाल स्कोर बनाया।

हरमनप्रीत ने 111 गेंद का सामना करते हुए अपनी नाबाद पारी में 18 चौके और चार छक्के जड़े। हरलीन ने 72 गेंद खेलीं जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 113 रन की भागीदारी निभाई। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत को पहला झटका दूसरे ही ओवर में लगा जब शेफाली वर्मा (08 रन) केट क्रास की गेंद पर बोल्ड हो गईं। फिर स्मृति मंधाना और यास्तिका भाटिया ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय (54 रन) साझेदारी निभाई। पर भाटिया 12वें ओवर में आउट होने वाली टीम की दूसरी खिलाड़ी रहीं जिन्होंने 26 रन बनाए। मंधाना ने फिर 51 गेंद में चार चौके और एक छक्के से 40 रन का योगदान दिया। पूजा वस्त्राकर ने 18 रन बनाए और दीप्ति शर्मा 15 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की पांचों गेंदबाजों लॉरेन बेल, क्रास, फ्रेया केंप, चार्ली डीन और सोफी एक्लेस्टोन को एक एक विकेट मिला।

स्कोर बोर्ड

भारतीय टीम : शेफाली वर्मा बो क्रास 08, स्मृति मंधाना पगबाधा बो एक्लेस्टोन 40, यास्तिका भाटिया का एवं बो डीन 26, हरमनप्रीत कौर नाबाद 143 , हरलीन देओल का वाट बो बेल 58, पूजा वस्त्राकर का लैंब बो केंप 18, दीप्ति शर्मा नाबाद 15

अतिरिक्त : 25

कुल : 50 ओवर में पांच विकेट पर 333 रन

विकेट पतन :1-12, 2-66, 3-99, 4-212, 5-262

गेंदबाजी : लॉरेन बेल 10-0-79-1, केट क्रास 10-0-68-1, फ्रेया केंप 10-0-82-1, चार्ली डीन 10-0-39-1, सोफी एक्लेस्टोन 10-0-64-1

एसीसी चैम्पियनशिप के लिए भारतीय महिला टी20 टीम में कोई बदलाव नहीं: बीसीसीआई

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक से 15 अक्टूबर तक खेली जाने वाली एसीसी टी20 चैम्पियनशिप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए उसी 15 सदस्ईय टीम पर भरोसा जताया है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टी20 श्रृंखला में भाग लिया था। टीम में तानिया भाटिया और सिमरन बहादुर को स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे पर गई 17 सदस्ईय भारतीय टीम का हिस्सा थी लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला था।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में छह बार की चैम्पियन भारतीय टीम टूर्नामेंट के शुरुआती दिन श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। टीम चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ सात अक्टूबर को मैदान में उतरेगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने एक से 15 अक्टूबर तक बांग्लादेश के सिलहट में खेली जाने वाली आगामी एसीसी महिला टी20 चैंपियनशिप 2022 के लिए भारतीय टीम का चयन किया है।

फेडरर का विदाई मैच होगा युगल मुकाबला, नडाल हो सकते है जोड़ीदार

एपी। लंदन

स्विस टेनिस स्टार रोजर फेडरर अपने करियर के अंतिम प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट लीवर कप से पहले जब बुधवार को मीडिया से मुखातिक हुए तो उनके चेहरे पर कोई उदासी नहीं थी, वह मुस्कुरा रहे थे और खुद के चुटकुलों पर हंस रहे थे। अपने 20 ग्रैंडस्लैम खिताबों के दौरान यह 41 साल का खिलाड़ी मैच में मिली हार या जीत के बाद भावनाएं भी व्यक्त कर चुका है जिसमें कभी कभार उनकी आंखे भी डबडबा चुकी हैं। लेकिन अपने संन्यास से जुड़े सवालों के जवाब देने के लिए जब वे मीडिया के सामने आए तो वह बिलकुल सहज दिख रहे थे।

फेडरर लीवर कप में शुक्रवार को एक युगल मुकाबले से अपने करियर का अंत करेंगे जिसमें उनके साथी उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल हो सकते हैं। फेडरर ने कहा कि वह संन्यास के फैसले के बाद शांति महसूस कर रहे हैं और वह चाहते हैं कि टेनिस से उनकी विदाई एक जश्न की तरह हो। उन्होंने कहा, मैं इसे दुखद सचमुच नहीं बनाना चाहता। मैं वास्तव में खुश होना चाहता हूं और चाहता हूं कि पार्टी के माहौल रहे। वह नीले रंग का ब्लेजर (कोट) पहने थे और उन्होंने बाजुओं को कोहनी तक मोड़ा हुआ था। ब्लेजर के अंदर सफेद पोलो शर्ट थी। फेडरर ने करीब आधे घंटे तक सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा, मैं खेलने को लेकर थोड़ा नर्वस हूं क्योंकि मैं इतने लंबे समय से खेला नहीं हूं। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि मैं थोड़ा प्रतिस्पर्धी हो सकूं। घुटने की कई सर्जरी कराने के बाद फेडरर ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह लीवर कप के बाद संन्यास ले लेंगे। लीवर कप उनकी प्रबंधन टीम द्वारा आयोजित किया जाता है जो शुक्रवार से शुरू होगा। यह पांचवां चरण होगा जिसमें टीम यूरोप का सामना टीम विश्व से होगा। फेडरर के करियर में मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहे नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी में भी इसमें हिस्सा लेंगे। 1990 से शुरू हुए करियर में इस खिलाड़ी ने 2020 तक 20 ग्रैंडस्लैम चैम्पियनशिप और अन्य टूर्नामेंट में 83 खिताब अपने नाम किए।

संन्यास पर चर्चा के लिए मीडिया से मुखातिब होंगे रोजर

लंदन (एपी)। स्विस टेनिस स्टार रोजर फेडरर अपने करियर के अंतिम प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट लीवर कप से पहले मीडिया के साथ प्रेस कार्फ्रेंस में अपने संन्यास से जुड़े सवालों के जवाब देंगे।

फेडरर इस समय लंदन में हैं और लीवर कप से पहले अभ्यास कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट उनकी प्रबंधन टीम द्वारा आयोजित किया जाता है जो शुक्रवार से शुरू होगा। इसके पांचवें चरण में टीम यूरोप का सामना टीम विश्व से होगा। फेडरर के करियर में मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहे राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी में भी इसमें हिस्सा लेंगे। फेडरर लीवर कप शुरू होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होंगे और 1990 से शुरू हुए करियर के समापन के संबंध में सवालों के जवाब देंगे। 41 साल के इस खिलाड़ी ने 2020 तक 20 ग्रैंडस्लैम चैम्पियनशिप और अन्य टूर्नामेंट में 83 खिताब अपने नाम कर लिए थे।

पेरिस ओलंपिक में, हमारा लक्ष्य टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने का होगा: शरत कमल

भाषा। सूरत

भारत के सबसे बड़े टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल हमेशा निर्धारित किए लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत रहते हैं और अब वह राष्ट्रीय टीम को 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में मदद करना चाहते हैं।

शरत व्यक्तिगत स्पर्धा में खेल चुके हैं और वह देश को 2024 ओलंपिक में टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करते हुए देखना चाहते हैं। शरत यहां राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने के लिए आए हुए हैं। उन्होंने कहा, 2024 में हम क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे क्योंकि पुरूष टीम के पास पदक जीतने का अच्छा मौका है। हम पिछली बार क्वालीफाइंग में चूक गए थे लेकिन अब मुझे लगता है कि हम अच्छी लय में हैं। अगर हम इसे जारी रखते हैं तो हम ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लेंगे और हमें पदक जीतने की भी उम्मीद है।

राजकीय महिला महाविद्यालय की 210 छात्राओं को बांटे स्मार्ट फोन

संवाददाता। फतेहपुर

तकनीकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत बुद्धवार को शहर के डा भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला महाविद्यालय स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें महाविद्यालय की बीए व बीएस-सी तृतीय वर्ष की 210 छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। तत्पश्चात संगीत विभाग की छात्राओं ने असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ चंद्र भूषण के नेतृत्व में सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष आशीष मिश्र ने बीए व बीएससी तृतीय वर्ष की छात्राओ को स्मार्ट फोन वितरित किए। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत छात्र छात्राओं को प्रदेश भर में स्मार्ट फोन वितरण का सराहनीय कार्य हो रहा है। स्मार्टफोन विविध ज्ञान का श्रोत व उपयोगी ज्ञानार्जन का साधन है आज मोबाइल फोन समय की आवश्यकता है। वर्तमान परिवेश में स्मार्टफोन जीवन का एक उपयोगी और अभिन्न अंग बन गया है। विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि आधुनिक शिक्षा पद्धति के लिए स्मार्ट फोन आवश्यक है। स्मार्टफोन के माध्यम से नई नकनीकी शिक्षा का ज्ञान होता है और विद्यार्थी देश विदेश की जानकारी को घर बैठे ही प्राप्त कर सकते है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अपर्णा मिश्रा ने कहा कि स्मार्ट फोन से ग्रामीण आंचल की छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई में आ रही परेशानी अब दूर हो जाएगी। उन्होंने छात्राओं को स्मार्टफोन का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया कहा कि छात्राएं स्मार्टफोन का प्रयोग सकारात्मक करें। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत द्विवेदी ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक सरिता गुप्ता, गुलशन सक्सेना, मीरा पाल, शकुंतला, लक्ष्मीना भारती, श्रीमती विदेह वर्मा, शरद चंद्र राय, डॉ. उत्तम कुमार शुक्ल, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. अजय, डॉ. चारू मिश्रा, बसंत कुमार मौर्य, रमेश सिंह, डॉ. चंद्र भूषण सिंह जिया तब्सीम, राजकुमार, अनुष्का छौंकर सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफमौजूद रहा।

रोजगार मेले में 37 को मिली नौकरी, चेहरे खिले

फतेहपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा शहर के राधानगर स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल मे रोजगार मेले का आयोजन हुआ। जिसमें 37 अभ्यर्थियों को सेवायोजित कर रोजगार दिया रोजगार दिया गया। नौकरी मिलने पर युवाओं के चेहरों पर खुशी की मुस्कान दिखाई पड़ी मेले में 150 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विभिन्न कंपनियों ने 37 योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया। कम्पनियों द्वारा 8000 से 15000 तक प्रतिमाह वेतन पर चयन सम्बन्धी कार्यवाही की गयी। कार्यक्रम का आयोजन जिला सेवा योजन अधिकारी उज्जवल सिंह के दिशा-निर्देशन मे किया गया। इस मौके पर राकेश कौशल, रोजगार मेला के प्रभारी शशांक पान्डेय, राम मिलन सिंह, कु. मानशी पटेल कु. अर्चना यादव कु. स्वाति मिश्रा, राधाकृष्ण तिवारी, आशुतोष वर्मा चन्द्र किशोर, मो. जमीर संदीप आदि मौजूद रहे।

प्रसव के दौरान प्रसूता की मौत परिजनों ने खूब काटा हंगामा

● लापरवाही का आरोप आश्वासन मिलने पर ही माने ग्रामीण

● तहसीलदार और क्षेत्राधिकारी बिंदकी सहित पुलिस बल रहा मौजूद

फतेहपुर। पीएचसी गोपालगंज में प्रसव के दौरान एक प्रसूता की मौत हो गई। नाराज परिजनों ने स्टाप नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुये जमकर हंगामा काटा। हंगामें की जानकारी पर पुलिस उपाधीक्षक बिन्दकी तहसीलदार सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को प्रसूता ममता देवी अपने पति सर्वेश व सुदामा के साथ मोटर साइकिल से गोपालगंज अस्पताल दिखाने आई थी। जहां पेट में दर्द बढ़ने के कारण प्रसूता ममता को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान बच्चा सुरक्षित डिलीवरी कराई गई। आरोप है कि डिलीवरी के दौरान मौजूद स्टाफ नर्स द्वारा लापरवाही बरती गई जिससे खून का रिसाव होने लगा पहले तो पैसे की मांग की गई ना देने पर टालमटोल किया गया। गंभीर स्थिति में महिला को जिला अस्पताल फतेहपुर भेजा गया जहां डॉक्टरों ने महिला को हालात को देखते हुए कानपुर हैलट रेफर कर दिया कानपुर ले जाते समय रास्ते में प्रसूता ने दम तोड़ दिया। नाराज परिजनों ने बुधवार की सुबह शव को प्रसव केंद्र गोपालगंज रखकर विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसूता की मौत को लेकर जमकर हंगामा काटा। सूचना मिलते ही तहसीलदार बिंदकी सर्वेश सिंह, क्षेत्राधिकारी बिंदकी परशुराम त्रिपाठी कल्यानपुर, औंग, बकेवर प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचकर नाराज ग्रामीणों से बातचीत की नाराज ग्रामीण मुआवजें की मांग व स्टाप नर्स के खिलाफ विभागीय कार्यवाही किये जाने की मांग पर अड़े रहे। जिस पर अधिकारियों ने मदद का आस्वासन दिया। आस्वासन के बाद ग्रामीण शान्त हुये।

नायब तहसीलदार ने नवीन बस स्टॉप का किया निरीक्षण

खागा/फतेहपुर। नवीन रोडवेज बस स्टॉप पर सरकारी बसों के खड़े होने को लेकर कवायद अभी तक चल रही है।एसडीएम मनीष कुमार के निर्देश पर नायब तहसीलदार सिद्धांत कुमार ने नवीन बस स्टॉप का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रोडवेज बस स्टॉप पर तीन सरकारी बसें खड़ी मिलीं।नौबस्ता तिराहे पर भी निरीक्षण के दौरान एक भी बस खड़ी नहीं मिली।इस दौरान कस्बा इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार को निर्देशित किया गया कि वे चेकिंग कर सुनिश्चित करें कि रोडवेज बसें नवीन बस स्टॉप पर खड़ी हो रही हैं या नौबस्ता तिराहे पर।नायब तहसीलदार ने बताया कि सरकारी बसों को नवीन बस स्टॉप पर ही खड़ी करने के निर्देश दिए गए हैं। मालूम हो कि जिले की सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विधायक कृष्णा पासवान, चेयरमैन श्रीमती गीता सिंह आदि के प्रयास से नवीन बस स्टॉप की स्थापना की गई है जहां रोडवेज बसों के खड़े होने,सवारी लाने ले जाने की सुविधा दी गई है लेकिन रोडवेज चालक वाहन खड़ा नहीं करते हैं। इस स्थिति को खत्म करने के लिए कई प्रयास किए गए।इसी प्रयास में एडीएम भी ए आर एम के साथ नवीन बस स्टॉप का निरीक्षण कर चुके हैं।बुधवार को एसडीएम ने नायब तहसीलदार को भेजकर बसों के आवागमन स्थल की जांच कराई जिसमें नवीन बस स्टॉप पर ही बसें खड़ी पाई गईं।

तुम हो बहुत बलवीर लाली मोरी छोटी सी

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जानकी विवाह में विद्वानों ने कहा कि श्रीराम रूपी विष्णु को धरती माता ने स्वयं शिव धनुष उठाकर दे दिया और राम ने धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर धनुष को तोड़ दिया क्योंकि श्रीराम के साथ धरती का भार उठाने वाले लक्ष्मण रूपी शेषनाग उनके साथ थे ।

मानस की मुख्य अतिथि नगर विधायक की पत्नी श्रीमती अनिता दिवेडी ने कहा कि विधान सभा सत्र चलने के कारण विधायक मेजर साहब नही आ सके ।उन्होंने एक भजन प्रस्तुत किया , अभ्युतम केशवम,कृष्ण दामोदर ,रामनारायण ,जानकी बालभम,कौन कहता है कि राम आते नही क्योंकि मीरा की तरह तुम बुलाते नही , ।पंडा बाग के सत्संग भवन में डा रामबाबू पाठक के संयोजन में चल रहे मानस सम्मेलन के चौथे दिन उरई जालौन से पधारी मानस कोकिला श्रीमती मिथलेश दीक्षित ने जानकी विवाह पर अपने प्रवचन में कहा कि राजा जनक ने अपने सभी दूतो से यह सूचना देने को कहा कि जो शिव धनुष को तोड़ देगा उसी से बेटी जानकी का विवाह होगा ।

जानकी के स्वयंवर में देव, दानव और सभी देशों के राजाओ ने भाग लिया । स्वयंवर में आए सभी राजाओं सहित लंकापति रावण ने शिव धनुष उठाने का प्रयास किया पर कोई भी राजा शिव धनुष को हिला भी तक नही पाए । अंत में गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम जी उठे। सभी राजाओं,राजा जनक व रानी सुनैना ने श्रीराम की दुबली पतली काया को देखकर सभी निराश हो गए । इस पर लक्ष्मनजी राजा जनक से कहते है कि आपको वर चाहिए या रणभूमि का वीर । जानकीजी ने मन ही मन श्रीराम को वर के रूप में देने के लिए गौरा माता का ध्यान लगाया,इस पर गौरा माता ने कहा कि मैं पहले ही तुम्हे पुष्प वाटिका में श्रीराम को वर के रूप में देने का आशीर्वाद दे चुकी हू । राहु की दशा समाप्त हुई तब धरती माता ने श्रीराम को स्वयं शिव धनुष दे दिया शिव धनुष की प्रत्यंचा को श्रीराम ने चढ़ाया, चढ़ाते ही धनुष टूट गया। सीताजी ने श्रीरामजी के गले में अपनी सखियों के साथ जयमाला डालने की तैयारी करने लगी। तब माता सुनैना श्रीराम से कहती है कि झुक जइयो तनिक रघुवीर लली मोरी छोटी है,सीता मोरी छोटी लाली मोरी छोटी, तुम हो बड़े बलवान, । इसके बाद जानकीजी ने श्रीराम के गले में जयमाला डाल दी। राजा जनक ने राजा दशरथ को अपने अन्य दो पुत्रों भरत, शत्रुघन के साथ पूरी बारात लाने का निमंत्रण भेजा । जनकपुर में श्रीराम का जानकी,लक्ष्मण का उर्मिला, भरत का मांडवी, शत्रुघन का सुकीर्ति के साथ धूमधाम के साथ विवाह संपन्न हुआ । काशी से पधारे मानस विद्वान अखिलेश उपाध्याय ने जानकी की विदाई पर चर्चा करते हुए कहा कि राजा जनक ने बेटी जानकी को सीख देते हुए कहा कि मांग में सिंदूर सधवा होने का सूचक है,मंगल सूत्र जीवन में मंगल होने का सूचक है,और चूड़ी बेटी को चोरी न करने की सीख देती है और ससुराल में तुम्हे सभी से सामंजस्य बनाकर चलना होगा ।जब जानकी बिदाई के समय माता सुनैना रोने लगी तब जानकी नेअपनी माता को समझाया।

पेट्रोल पंप संचालकों व कबाड़ व्यवसाइयों के साथ एएसपी ने की मंत्रणा

फतेहपुर। बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक अनिरूद्ध कुमार ने पुलिस लाइन में कबाड़ व्यवसाईयों एवं पेट्रोल पम्प संचालकों के साथ एक बैठक की। जिसमें कबाड़ियों सहित पेट्रोल पम्प संचालकों ने अपनी समस्याएं रखी। एएसपी ने समस्याओं के निस्तारण का आस्वासन देते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अनिरूद्ध कुमार सिंह ने कबाड़ व्यवसाइयों से कहा कि प्रत्येक कबाड़ व्यवसायी रजिस्टर व्यवथित रखेंगे व कबाड़ का माल खरीदते समय व्यक्ति का मोबाइल नंबर भी रजिस्टर में अंकित करेगें। यदि व्यक्ति सदिग्ध है तो ऐसे व्यक्ति की आईडी भी प्राप्त करेंगे। उन्होनें कहा कि दुकान के अन्दर व बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवायें। उन्होंने यह भी कहा कि गाड़ी को निष्प्रयोज्य करते समय वाहन स्वामी का शपथ पत्र वाहन के रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र एवं आईडी वेरिफिकेशन के साथ ही सम्बन्धित उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर नियमानुसार प्रकिया का पालन कर गाड़ी को निष्प्रयोज्य करें। उन्होंने कहा कि कबाड़ व्यवसायी फेरीवालों की आईडी व विवरण लेकर सम्बन्धित थानों को दे जिससे कि उनका वेरिफिकेशन कराया जा सके। उन्होंने कहा कि कबाड़ व्यवसाइ अग्नि सुरक्षा के उपकरण अपनी-अपनी दुकानों में लगवाये। अपर पुलिस अधीक्षक ने पेट्रोल पम्प संचालकों से भी सीसीटीवी कैमरा रोड़ की तरफलगवायें जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी सिक्योरिटी गार्ड और सभी सेल्समैन के वेरिफिकेशन हेतु आईडी व विवरण कलेक्ट कर संबंधित थाने को उपलब्ध कराएं। जिससे कि उनका वेरिफिकेशन कराया जा सके। सभी सिक्योरिटी गाड्र्स की वेपन हैंडलिंग ट्रेनिंग के लिए निश्चित दिन रविवार को पुलिस लाइन भेजें। बैंक में कैश जमा करते समय पेट्रोल पम्प संचालक सम्बन्धित थाने या पुलिस चौकी को इसकी जानकारी दें। जिससे सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने पेट्रोल पम्प संचालकों को निरीक्षण पुस्तिका रखने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

महिलाओं को मोमबत्ती-अगरबत्ती बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

● आत्मनिर्भर बनने के प्रति किया प्रेरित

फतेहपुर। बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, रामपुर थरियांव, द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोमबत्ती व अगरबत्ती बनाने का दस दिवस आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं को मोमबत्ती व अगरबत्ती बनाने के गुर सिखाये गये। बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान के निदेशक प्रतीक शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं को भी आगे आकर घर के पुरुषों का सहयोग करना होगा। तभी परिवार में खुशहाली और समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नही हैं। महिलाओं को अपने अंदर की शक्ति को पहचानने की जरूरत हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने हर सम्भव मदद का आस्वासन भी दिया। इस मौके पर प्रशिक्षक काशी प्रसाद, संकाय सदस्य, सत्येन्द्र कुमार, विष्णु दुबे सहित कार्यालय का समस्त स्टाप मौजूद रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से दो झुलसे

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव में बारिस के बीच आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में आ जाने से दो लोग गम्भीर रूप से झुलस गये जबकि एक मवेशी की मौत हो गई। चाँदपुर गांव निवासी सियाराम निषाद उम्र 50 वर्ष व भोजा निषाद उम्र 45 वर्ष आकाशीय बिजली की चपेट में आ गये जिससे दोनो गम्भीर रूप से झुलस गये। जिन्हें इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जबकि आकाशीय बिजली की चपेट में आ जाने से मुकेश सविता की भैंस की मौत हो गई। मुकेश ने बताया कि उसके भैंस की कीमत 80000 रू0 दी।

दूर-दूर तक मशहूर है प्रेम नगर का मेला व दंगल

● ब्लाक प्रमुख कुंवर अनुज प्रताप सिंह ने किया शुभारंभ

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के प्रेम नगर कस्बा में दो दिवसीय मेला मैं दंगल का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मेला के दूसरे दिन बुधवार को 72 कुश्तियां हुई जिसमें चार कुश्तियां बराबरी पर छूट गईं। प्रेमनगर के ऐतिहासिक दंगल पहली कुश्ती इरफान के घाटमपुर और उन्नाव के अशोक कुमार के बीच हुई ।बराबरी पर छूटी ।दूसरी कुश्ती में रूरा के मनोज पहलवान एवं श्रीराम घाटमपुर के बीच हुई जिसमें घाटमपुर के दारा सिंह ने श्री राम को पटखनी दी ।तीसरी कुश्ती बन पुरवा गांव रिजवान एवं अंकित पहलवान के बीच हुई जिसमें अंकित पहलवान ने रिजवान को हराया।

चौथी कुश्ती राजा सिंह बांदा और राजस्थान के साथ हुई जिसमें राजा सिंह ने संजय को पराजित किया ।नीरज मरका अनिल प्रेमनगर के बीच बड़ी रोचक कुश्ती हुई जिसमें अनिल ने नीरज को हराया ।दंगल में महेंद्र भसरौल वाह टाइगर गोरखपुर की कुश्ती में महेंद्र राहुल ने टाइगर गोरखपुर को पटकनी दी ।कमेटी के द्वारा महेंद्र को 21000 नगद पुरस्कार देकर सम्मान किया गया ।दर्शक दंगल में कुश्ती देख मंत्रमुग्ध हुए ।इसके बाद भगवान शिव मेरठ एवं अनीस पहलवान पंजाब के बीच कुश्ती काफी जबरदस्त रही ।दांव पेंच दिखाकर पहलवानों ने दंगल को काफी रोचक बना दिया हालांकि दोनों कुश्ती बराबरी पर छूटी ।कानपुर पनकी के छेदी पहलवान और गजनेर के रोशन पहलवान के बीच हुई कुश्ती में रोशन ने छेदी पहलवान को हराया ।अकबरपुर के अजय विश्नोई हैदराबाद के बीच कुश्ती हुई विश्नोई ने अकबर को हराया।

दंगल में इसके अलावा जनपद सहित अंतर्जनपदीय पहलवानों ने जाओ देखा कर दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पूर्व दंगल का शुभारंभ मुख्य अतिथि ऐरायां ब्लाक प्रमुख अनुज सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं पहलवानों क हाथ मिलवा कर कुश्ती का शुभारंभ किया ।उन्होंने कमेटी को 21000 नगर पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी खेल हो उसे खेल की भावना से खेलना चाहिए न कि उसे बदले की भावना से खेला जाए। इस मौके पर दंगल में आए समस्त महानुभाव का दंगल प्रभारी डॉ सुधीर अध्यक्ष, अजय सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर युसूफभाई, भुट्टो भाई, सोहेल अहमद, महेंद्र कुमार राहुल साहू, मोहम्मद उमर प्रधान, मोहम्मद शफी, श्यामलाल पोस्टमैन, अमीन भाई सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। दंगल में आए लोगों ने मेला का भी भरपूर आनंद उठाया। बढ़ती महंगाई को देखते भी मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की। वहीं महिलाओं ने जहां अनेक प्रकार की घरेलू सामग्रियां की जमकर खरीद की वही आसमानी झूला का भी आनंद लिया।

विदाई बेला के पहले किसानों का निवाला छीन ले गया मानसून

● बारिश से ज्वार-बाजरा और तिली की फसल को हुआ भारी नुकसान

संवाददाता। घाटमपुर

बुधवार को घाटमपुर क्षेत्र में जमकार पानी बरसा, किसानों की माने तो तेज हवा के साथ पानी बरसने से खेतों में खड़ी ज्वार-बाजरा के अलावा तिली और उर्द की फसल को भरी नुकसान हुआ है उनका कहना है कि तेज हवा से ज्वार-बाजरा की फसल गिर गयी है जिससें उत्पादन में असर पड़ेगा वही उर्द और तिली की फसल इस समय फूल रही है जो पानी बरसने से खराब हो जायेगी।

बीते कई सालों की तरह साल भी क्षेत्र में मानसूनी बारिश के दगा देने से खरीफकी फसल में मुख्य फसलें मानी जाने वाली ज्वार, बाजरा, तिली, उर्द, अगहनी अरहर मक्का, और कुमड़ा की फसल समय से नही बोयी जा सकी थी, तहसील के बर्षा रिकार्ड की माने तो माह जून सुखे-सूखे गुजर गया था, माह जुलाई में 1, 17, 22 और 23 तारीखों में मात्र 17 मिमी पानी बरसा था जो गर्म तवे के समान तपती धरती में कहीं नजर नही आया, मानसूनी बारिश के दगा देने के चलते किसान समय से ज्वार, मक्का, तिली और अगहनी अरहर की फसल नही बो पाये थे, माह अगस्त में 1, 2, 3, 4 और 5 यानी पॉच दिनों में मात्र 4 मिमी पानी बरसा, इसके बाद 20 जुलाई को 13 मिमी और 22, 25 जुलाई यानी दो दिन में 7 मिमी बरसात था हुई जिसमें अधिकाँश किसान बाजरा और उर्द की फसलें बोयी थी इसके बाद आसमान में बादल तो मड़राते रहे पर बिना बरसे निकल गये। किसानों ने बताया कि निजी साधनों या जुलाई में हुई बरसात से अधिकाश किसानों ने बाजरा, तिली, और उर्द की फसल बोयी थी। बिकास खण्ड घाटमपुर गांव जुरैयाँ निवासी पूर्व प्रथान सतेन्द्र तिवारी ने बताया कि उनके इलाके में 80 प्रतिशत किसानों ने बाजरा और तिली की फसल बोयी थी फसल भी अच्छी थी लेकिन बीते कई दिनों से तेज हवा के साथ हो रही बरसात से बाजरा और तिली की फसल खेतों में लुढ़क जाने से बरबाद हो गयी है, गांव बीरबल का अकबरपुर के किसान राम किशन निषाद ने बताया कि तिली की फसल पानी न बरसने से पहले ही खराब हो गयी थी अब बारिश ने किसानों के मुख से रोटी छीन लेने जैसे हालत पर खड़ा कर दिया है। वही भाजपा नेता डा दिलीप पटेल का कहना है कि सूखे के हालत के बावजूद क्षेत्र में कम पानी की फसल तिली व बाजरा बोया था और फसल भी अच्छी थी लेकिन बारिश के साथ हवा चलने से बाजरे की फसल गिर जाने से खराब हो गयी है। डा दिलीप ने घाटमपुर क्षेत्र को सूखा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की माँग की है।

चोरों ने घर में घुसकर पच्चीस हजार नकदी उड़ाए

धाता/फतेहपुर। पिछले दो-तीन महीनों में क्षेत्र में दर्जनभर से अधिक चोरियां हो चुकी हैं लेकिन आज धाता में नवागंतुक थानाध्यक्ष के पद संभालते ही चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर नए थानाध्यक्ष को भी चुनौती दे दी।धाता थाना क्षेत्र के अंतर्गत खरसेड़वा गांव निवासी नत्थू सिंह के घर से बीती रात चोर पैसा चोरी कर भागने में सफल रहे। मामले की जानकारी लिखित रूप से धाता पुलिस को दी जा चुकी है।

बीती रात खरसेड़वा गांव में नत्थू सिंह पुत्र अयोध्या प्रसाद के घर में लगभग 12 बजे घर में चोरों द्वारा चोरी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। भुक्तभोगी ने बताया कि मेरे घर में दूध की डेरी का काम होता है इसलिए नगद पैसे लोगों को देने के लिए रखा था। उन्होंने बताया कि चोर घर के पीछे बनी बाउंड्री से छत में चढ़कर जीना के दरवाजे से अंदर कमरे तक पहुंचे और कमरे में रखे 25 हजार रूपया उठा ले गए। पीड़ित ने बताया कि परिवार के लोग बरामदे में सो रहे थे।

क्विक न्यूज

पांच भवन स्वामियों को ध्वस्तीकरण का नोटिस

फर्रुखाबाद। नगर मजिस्ट्रेट ने पांच भवन स्वामियों को ध्वस्तीकरण का नोटिस दिया है। जिससे लोगों में खलबली मची है। नियत प्राधिकारीनगर मजिस्ट्रेट दीपाली भार्गव ने शहर ने मोहल्ला नवाब न्यामत खां निवासी मनोज यादव जिन्होंने किरन व दीपक सिनेमा के अंतर्गत आवासीय भवन निर्माण, योगेन्द्र भल्ला निवासी नवाब न्यामत खां ने मोहल्ले में ही ले-आउट मानचित्र निरस्त कर प्लाटिंगकर्ता के खिलाफमुकदमा दर्ज करने का आदेश , धीरज मल्होत्रा पुत्र नबल नारायण निवासी नेहरु रोड ने मानचित्र के विपरीत अनधिकृत निर्माण, शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल निवासी तलैया लेन फतेहगढ़ को आवासीय मानचित्र के विपरीत सैटबैक पर किये गये अनधिकृत निर्माण व बेसमेंट निर्माण, हाजी अकरम निवासी नखासा गली को भी नोटिस दिया गया है। अकरम ने मानचित्र के विपरीत होटल का निर्माण कराया है। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया की उन्होंने न्यायालय के द्वारा आदेश पारित के खिलाफध्वस्तीकरण के किये है।

एफएसडीए की छापेमारी, लिया नमूना

फर्रुखाबाद। एफएसडीए द्वारा आज छापेमारी अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेन्द्र रावत ने एक प्रतिष्ठान पर छापेमारी जांच हेतु नमूना लिया। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेन्द्र रावत ने मनीगंज स्थित महेश चन्द्र पुत्र श्याम सुन्दर गुप्ता के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। इसके अंतर्गत उड़द की दाल का नमूना जांच हेतु लिया।

पूर्व राज्यमंत्री ने सपा पर जमकर हमला बोला

फतेहपुर। जिला मुख्यालय आये पूर्व राज्यमंत्री व पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री ने बुधवार को विपक्ष पर जमकर हमला बोलते हुए सपा को उत्पातियों की पार्टी करार दिया। 2024 लोकसभा चुनाव में पुनः सुपर पावर से मोदी सरकार बनेगी। उक्त बातें पूर्व राज्यमंत्री ने प्रेसवार्ता के दौरान कहीं। शहर के आबूनगर स्थित डाक बंगला में बुधवार दोपहर करीब एक बजे प्रेस के पूर्व राज्यमंत्री नानकदीन भुर्जी ने प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि बीते दिनों हथगाम थाना के एक गांव में भुर्जी समाज की तीन वर्षीय मासूम के साथ एक युवक ने मानवता को शर्मशार करने वाली वारदात को अंजाम दिया था। जिससे मासूम जिंदगी और मौत की सांसें गईं रही थी।उन्होंने बताया कि इसी मामले में वह पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि मामले में आरोपियों पर मुकदमा दर्ज हो गया है। जिसके बाद से आरोपी पीड़ित परिवार पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे है। उन्होंने मामले में पुलिस की कार्रवाई पर संतुष्टि जताते हुए जिला प्रशासन की जमकर तारीफकी। उन्होंनें कहा कि सपा गुंडों और आतंक मचाने वालों की पार्टी है। आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा देश की सभी 80 सीटों में चुनाव जीतकर केन्द्र में फिर से सुपर पावर के साथ मोदी सरकार बनेगी।

किसान दिवस में कृषकों ने रखीं समस्याएं

फतेहपुर। विकास भवन सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमे किसानो ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी। साथ ही उन्हे योजनाओ की जानकारी देकर जागरूक किया गया। बैठक का संचालन करते हुए उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु टोकन जनरेट करने एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अर्न्तगत ईकेवाईसी जन सेवा केन्द्र के माध्यम से तत्काल कराये जाने हेतु किसानों को जानकारी देकर जागरूक किया। साथ ही किसानो से योजनाओ का लाभ उठाने की अपील की। किसान प्रणवमणि त्रिपाठी, अंगद सिंह, मेवालाल सिंह, शिव कुमार सिंह भानू प्रताप, अजय प्रजापति, विवेक सिंह ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी। एडीएम विनय कुमार पाठक ने कहा कि किसानो की समस्याओ प्राथमिकता के साथ निस्तारित की जाए। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी बृजेश सिंह, अधिशाषी अभियंता विद्युत, अधिशाषी अभियंता सिंचाई प्रखण्ड एवं निचली गंगा नहर, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी सहित किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राज कुमार सिंह मौजूद रहे।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन की बैठक संपन्न

फतेहपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वाराएक सभा का आयोजन किया गया जिसमें आगामी 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक एवं समारोह की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर फतेहपुर यूनिट के सचिव एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ सौरभ सिंह चौहान ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए दंत चिकित्सा क्षेत्र में देश में हो रही प्रगति एवं विकास की जानकारी दी एवं बताया कि आधुनिक तकनीकों द्वारा जटिल से जटिल बीमारियों से सरलता से निजात पाया जा सकता है। इसी कार्यक्रम में जिले के विभिन्न समाचार पत्रों एवं न्यूज चौनलों के प्रतिनिधियों को उनके समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदाधिकारियों द्वारा प्रतीक चिन्ह मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फतेहपुर के अध्यक्ष डॉक्टर नीरज श्रीवास्तव डॉक्टर विवेक श्रीवास्तव डॉक्टर अंकित सिंह चौहान डॉक्टर करुणानिधि डॉक्टर भारतेंदु एवं जिले के इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सभी सदस्य मौजूद रहे।

बिजली बिल के बकायेदारों के काटे कनेक्शन

शाह/फतेहपुर। बुधवार को विद्युत विभाग ने डोर टू डोर चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काटे गए। चेकिंग अभियान से खासा हड़कंप मचा रहा। बुधवार को पावर हाउस के अवर अभियंता अविनाश सिंह यादव ने चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान विद्युत कनेक्शन चेक किए गए। अभियान के दौरान 10000 से अधिक विद्युत बिल बकाया होने पर बिजली कनेक्शन काटे गए। जेई ने बताया कि चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें 10,000 से अधिक विद्युत बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काटे गए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता समय से विद्युत बिल जमा कर दें विद्युत बिल बकाया होने पर कनेक्शन विच्छेदित कर दिए जाएंगे। टीम में एसएसओ विजय शक्ति सिंह, सूर्यभान अनिल श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार ,चंद्रपाल, पंकज पाल आदि शामिल रहे।

विस्तार के लिए किया क़रार

लखनऊ। अकाई ने अपने पोर्टफोलियो के विस्तार तथा देश भर में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए रिलायन्स रीटेल के साथ साझेदारी की है। देश भर के 540 स्टोर्स में अपने प्रोडक्ट उपलब्ध कराते हुए यह साझेदारी अकाई के होम एंटरटेनमेन्ट प्रोडक्ट्स की आधुनिक रेंज को बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी। अकाई का 32 इंच स्मार्ट टीवी रेंज को सिर्फ रिलायन्स रीटेल मार्केट चैनल्स पर रु 9999 की इंटरोडक्टरी कीमत पर पेश किया जा रहा हैए जो निश्चित रूप से उपभोक्ताओं को खूब लुभाएगी। अनुराग शर्मा डायरेक्टर. अकाई इंडिया ने कहा, रिलायन्स रीटेल के साथ यह साझेदारी न सिर्फप्रतिष्ठित है बल्कि दोनों पक्षों के लिए बेहद फायदेमंद भी है। इस साझेदारी के साथ अकाई अपने होम एंटरटेनमेन्ट प्रोडक्ट्स को देश के तेज़ी से विकसित होते बाज़ार में उपलब्ध कराएगा।

पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

बिंदकी/फतेहपुर। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पुलिस द्वारा छात्राओं को मिशन के अंतर्गत जागरूक किया गया और टोल फ्री नंबर की जानकारी दी गई और कहा गया की स्कूल जाते समय या वापस आते समय किसी प्रकार का भय भीत होने की जरूरत नहीं है यदि प्रकार की कोई आशंका है तो पुलिस को सूचित करें पुलिस तुरंत सहायता में पहुंचेगी। बुधवार को नगर के तहसील रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पुलिस द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं को जागरूक किया गया इस मौके पर कस्बा इंचार्ज उप निरीक्षक सुमित नारायण तिवारी ने छात्राओं से कहा कि टोल फ्री नंबर 1090 1076 1098 112 तथा 108 में आपातकालीन अवस्था में तुरंत जानकारी देने का काम करें पुलिस मौके पर पहुंचेगी उन्होंने कहा स्कूल या कॉलेज आते समय या जाते समय किसी भी प्रकार की रास्ते में कोई परेशानी महसूस होती हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें पुलिस मौके पर पहुंचेगी कहा गया कि छात्राओं का नंबर को अपनी रखा जाएगा और आरोपी के खिलाफकड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर सिपाही नितेश कुमार के अलावा महिला सिपाही डाली महिला सिपाही संगीता महिला सिपाही विभाग और महिला सिपाही अरुणा महिला सिपाही उन्नति सिंह के अलावा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य रति वर्मा शिक्षिका कल्पना शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने की साफ-सफाई

शाह/फतेहपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत गुरूवार को ग्राम प्रधान सहित भाजपाईयों ने साफसफाई कर स्वच्छता का संदेश दियइां सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत ग्राम प्रधान व भाजपा प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष सुशील सिंह चन्देल ने भाजपाईयों के साथ गोपालपुर मजरे शाह में स्थित अमृत सरोवर व नन्दी गौशाला में साफसफाई की। ग्राम प्रधान ने हाथों में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ज्ञानू सचान, बहुआ मंडल उपाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह आदि मौजूद रहे।

मेडिकल रिपोर्ट बदलवाने की आशंका पर एसपी से लगाई गुहार

फतेहपुर। बीते दिनों पारिवारिक विवाद के चलते हुई मारपीट में बाप बेटे वा बहन सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले की शिकायत पीड़ितों ने मलवा थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया था। वही आरोपियों द्वारा मेडिकल रिपोर्ट बदलवाने की शंका पर एसपी से दोबारा मेडिकल कराए जाने की मांग की है। मलवां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी हिमांशु विश्वकर्मा ने बुधवार को एसपी को एक शिकायती पत्र देते हुए बताया कि आए दिन घर के सामने गंदगी फेंकते हैं। बीते 17 सितंबर को रात करीब 7:30 बजे परिवार के राजू विश्वकर्मा,आनंद विश्वकर्मा, सोनू विश्वकर्मा, बिट्टन व आरती सहित पांच लोगों ने हिमांशु विश्वकर्मा राजू विश्वकर्मा बहन रिचा उर्फबेटा वाह पिता को लात घुसा और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना में हिमांशु के सिर में गंभीर चोटें आई थी। मारपीट की तहरीर मरवा थाने में दी थी।

पुलिस अभिरक्षा में पत्नी व बच्चों की चिता को दी मुखाग्नि

संवाददाता। तिलोई,अमेठी

शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के कुकहा रामपुर में मंगलवार को हुई हृदय विदारक घटना में पोस्टमार्टम के बाद तीनो शवों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर कर दिया गया।थानाध्यक्ष शिवरतनगंज मय पुलिस बल के साथ दाह संस्कार में मौजूद रहे।मृतका शीतला देई के पति धर्मराज ने चिता को मुखाग्नि दी जिन्हे पुलिस अपनी अभिरक्षा में दाह संस्कार के लिए लाई थी और दाह संस्कार के बाद धर्मराज को पुलिस पुन: अपने साथ ले गई।गौर तलब है कि मृतका के पिता अयोध्या प्रसाद ने अपने दामाद के विरुद्ध शीतला देई को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने की तहरीर देते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया है। आखिर सभी के मन एक ही सवाल उठ रहा है कि卐कु卐 माता क्यों हो गई शीतला देई। कुकहारामपुर के ग्रामीणों ने कभी सपनों में भी नहीं सोचा रहा होगा कि मंगलवार की सुबह इतना विभत्स और हृदय विदारक दृश्य देखना पड़ेगा। एक दर्दनाक मस्तिष्क को झकझोर देने वाली घटना में दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद मां ने स्वयं अपनी जीवन लीला समाप्त कर

● एक ही चिता पर जले माँ व बच्चे

ली थी।इस बड़ी वारदात में आत्महत्या के लिए प्रेरित करने को लेकर बच्चों के पिता के विरुद्ध मृतका शीतलादेई के पिता अयोध्या प्रसाद द्वारा मुकदमा भी दर्ज करा दिया गया है।अर्थात एक दिन में ही पूरा परिवार बिखर गया।एक कहावत है कि 卐पूत कपूत हो सकता है लेकिन माता कुमाता नहीं होती卐 हर व्यक्ति के दिमाग में एक ही सवाल कौंध रहा है कि क्या कारण था कि एक मां ने अपने दो मासूम जिगर के टुकड़ों को बेरहमी से पहले मौत के घाट उतारा और फिर फांसी के फंदे में झूलकर अपनी भी जीवनलीला समाप्त कर ली।

इस बड़ी घटना में जो कयास लगाए जा रहे हैं उनमें अधिकांश लोगों का मानना है कि पारिवारिक कलह के चलते ही यह दुर्घटना घटी।रविवार सुबह धर्मराज लखनऊ ड्यूटी पर गया था उसके पहले चार पांच दिन वह गांव में ही रहा।ग्रामीणों और पड़ोसियों की माने तो धर्मराज अपनी पत्नी को अपनी गरीबी के अनुसार हर प्रकार से खुश रखने का

पत्नी व बच्चों को मुखाग्नि देने के बाद बैठा पति धरमू

प्रयास करता था कभी किसी के यहां न मजदूरी कार्य करने भी नहीं भेजता था साथ ही खेती के कार्यों में भी खेत नहीं ले जाता था।पड़ोसियों के मुताबिक पति पत्नी के बीच कोई खास विवाद की जानकारी भी नहीं है। लेकिन इतनी जानकारी आ रही है कि सास और बहू के बीच विवाद हुआ था। उन दोनो के विवाद में धर्मराज कुछ नहीं बोला था जिसे लेकर शीतला देई पति से खिन्न थी और गुस्से में पति धर्मराज को बुरा भला कहा भी लेकिन धरमू ने जवाब में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी और उसने घर से चले जाना मुनासिब समझा।पड़ोसियों की माने तो पूरे मोहल्ले में किसी से भी शीतला देई की नहीं बनती थी।जबकि दर्जनों घर उसके घर के आसपास जुड़े हुए थे।पति पत्नी के बीच के विवादों में अक्सर देखा गया है कि बच्चे दुर्घटना का शिकार नहीं होते लेकिन इस घटना के बाद आम जनमानस में यह सवाल कौंध रहा है कि महिला के दिमाग में ऐसा क्या आया कि दो अबोध बच्चों को ही मौत के घाट उतार दिया। शीतला देई के पिता अयोध्या प्रसाद के बारे में ग्रामीणों का कहना है कि पांच वर्ष पहले जब से धर्मराज उनकी लड़की को ले आए थे वह इस रिश्ते से खुश नहीं थे लेकिन पुत्री के प्रेम विवाह के चलते वह मजबूर थे और पांच वर्ष में कभी भी अपनी बेटी के यहां नहीं आए मंगलवार को इतनी बड़ी घटना के बाद भी बेटी के दरवाजे नहीं आए।जब तीनों शवों को पुलिस गांव से लेकर थाने पहुंचे तो अयोध्या प्रसाद सीधे मुकदमा दर्ज कराने पहुंचे।और आत्महत्या को मजबूर करने का मुकदमा दर्ज करा दिया।अयोध्या के द्वारा मुकदमा दर्ज कराने से यह साफ झलकता है कि पांच साल पूर्व बेटी को भगाकर ले जाने वाले दामाद के प्रति ईर्ष्या भरी हुई थी।

पुलिस अभिरक्षा में पत्नी पुत्री और पुत्र की अंत्येष्टि करने आए धर्मराज चिता को आग देने के बाद निशब्द गुमसुम चिता को देख रहे थे और बिलख रहे थे।

धर्मराज के विरुद्ध दर्ज मुकदमे के बाबत बात की गई तो उन्होंने बताया कि धारा 306 के तहत मामला दर्ज है लेकिन फिर भी मामला अत्यंत गंभीर है इसलिए हर स्तर से जांच की जा रही है।धर्मराज कहां काम करता था,वहां कब पहुंचा,हत्या वाली रात कहां था इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

पैसा मांगने गये युवक को दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया

ऊंचाहार। कोतवाली क्षेत्र के मरियानी गांव में मजदूरी का पैसा मांगने गये युवक को दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया, परिजनों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस द्वारा घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया गया है,पुलिस को मामले की सूचना नहीं दी गई है।

छतौना गाँव निवासी अनिल कुमार 24 वर्ष पड़ोसी गांव मरियानी के एक व्यक्ति की पिकअप चलाता है, जिसका कहना है कि बुधवार की दोपहर बाद वो अपनी 17 हजार 500 रुपये पिकअप चलाने के एवज में मिलने वाली मजदूरी को मांगने उनके गांव गया था आरोप है कि तीन लोगों ने उसे डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया है।सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि मारपीट में घायल युवक सीएचसी आया था, जिसका इलाज किया गया है।कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

क्विक न्यूज

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सरोवर की सफाई

शुकुल बाजार ,अमेठी । प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है ।भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर सफाई के साथ-साथ वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है विकास खंड बाजार शुकुल स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में स्थितसगरा तालाब पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर आज पांचवे दिन सगरा तालाब पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ला के अगुवाई में कार्यकर्ताओं द्वारा सफाई अभियान चलाया गया साथ साथ मंदिर परिसर में वृक्षारोपण का भी किया गया इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरीश चंद शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष जसकरण सिंह व मंडल अध्यक्ष शंकर बक्स सिंह तथा किसान मोर्चा के अध्यक्ष अरुण शुक्ला आज तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

आयुष्मान पखवाड़े के अंतर्गत छठे दिन बनाए गए 5821 गोल्डन कार्ड

अमेठी । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विमलेंदु शेखर ने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड विहीन परिवारों को गोल्डन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान पखवाड़ा जनपद में 15 से 30 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 20 सितंबर, 2022 को जनपद में 5821 गोल्डन कार्ड बनाए गए तथा पखवाड़े के अंतर्गत अब तक कुल 27055 गोल्डन कार्ड बनाए गए हैं इसी के साथ आयुष्मान योजनांतर्गत जनपद में अब तक 276132 गोल्डन कार्ड बनाकर लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र के निर्देशन में आयुष्मान कार्ड विहीन परिवारों को गोल्डेन कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद के समस्त पंचायत सहायकों द्वारा गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि गोल्डेन कार्ड बनाने में जनपद प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।

मवेशी से टकराकर बाइक सवार युवक घायल

ऊंचाहार। कोतवाली क्षेत्र के सवैया हसन गांव के पास मवेशी से टकराकर बाइक सवार युवक घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मनीपुर भटेहरी गांव निवासी अशोक कुमार 23 वर्ष बुधवार की दोपहर बाद बाइक से सवैया तिराहे की तरफआ रहा था, तभी सवैया हसन गांव के पास मवेशी से टकराकर घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि घायल अवस्था में युवक सीएचसी आया था, जिसका उपचार किया जा रहा है।.

ईएमटी व पायलट सम्मानित

मुसाफिरखाना ,अमेठी। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करने के दौरान जीवीकेएमआरआई के आपरेशन हेड अजय सिंह ने पायलट व ईएमटी को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया ।शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत संचालित एंबुलेंस सेवाओं की हकीकत जानने पहुंचे आपरेशन हेड अजय सिंह व रीजनल मैनेजर अजय सिंह ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाए देने के लिए एंबुलेस के पायलट संजीव व ईएमटी शैलेश को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।इस दौरान उन्होंने एंबुलेंस कर्मियों से मुलाकात कर उनसे फीडबैक हासिल किया ।

फरियादियों के अभाव में ब्लॉक सभागार में पसरा सन्नाटा

सलोन। ब्लॉक सभागार में वी डी ओ शशि कुमार तिवारी की अध्यक्षता में ब्लॉक दिवस संपन्न हुआ इस मौके पर कुल 2 मामले आए दोनों मामले राशन कार्ड संबंधित पाए गए। ब्लॉक सभागार में बुधवार को आयोजित ब्लॉक दिवस पर सुबह से दोपहर 12.00 बजे तक पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा फरियादियों का टोटा बना रहा अधिकारी फरियादियों के आने का इंतजार कर रहे थे 12.00 बजे के बाद राशन कार्ड से जुड़े दो मामले आए जिस का निपटारा मौके पर कर दिया गया। ब्लॉक दिवस का प्रचार प्रसार ना होने से फरियादी इस दिवस पर नहीं पहुंच पा रहे हैं फरियादियों के ना आने से इस दिवस पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा सभागार में लगाई गई कुर्सियां खाली पड़ी रही। ब्लॉक के कर्मचारी बैठकर बढ़ाई ब्लॉक दिवस की शोभा। इस मौके पर ब्लॉक के पंचायत सचिव एडीओ पंचायत एडीओ समाज कल्याण समेत ब्लॉक के अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रदर्शनी देखने पहुंचे छात्र

अमेठी। मनीषी बालिका इंटर कॉलेज गौरीगंज के परिसर में आज पांचवें दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित लगायी गयी ''कहानी भारत माँ के सच्चे सपूत की'' चित्र प्रदर्शनी तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णय, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन राजर्षि रणंजय सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एन्ड टेक्नोलॉजी के बीटेक और एमबीए के छात्रों ने प्रदर्शनी देखी और प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कार्यों की छात्रों ने सराहना किया। छात्र माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर काफी उत्साहित दिखे और उन्होने बहुत सारे प्रश्न भी किये जिसका समुचित उत्तर अध्यापकों द्वारा दिया गया। इसके अतिरिक्त युवाओं एवं जनसामान्य द्वारा प्रदर्शनी देखकर काफी प्रशंसा की गयी एवं प्रधानमंत्री जी के जीवन संघर्षो तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी उन्हें प्राप्त हुई। प्रदर्शनी में मा. प्रधानमंत्री जी के उत्कृष्ट वैश्विक ख्याति, देश की संस्कृति, किताबों के समंदर के गोताखोर, हिमालय की गोद में, निर्धारित हो रहा पथ स्वतंत्र भारत के 100 वर्ष, सदैव जनता के साथ, हर गरीब के सिर पर हो अपनी छत, नारी शक्ति से देश की तरक्की, वीआईपी कल्चर को गुडबाय, साफ नियत सही विकास, स्कूल चले हम, ड्रीम बिग सोलर पावर, भारतीय दर्शन एवं विरासत का संरक्षण, बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि, जितना ऊँचा कद उतनी विशाल प्रतिमा, गुमनाम नायकों को उचित सम्मान, मेरे देश के जवान तुझको शत् शत् प्रणाम, देश की संस्कृति का गर्व से प्रदर्शन, जब दुनिया देती है प्रधानमंत्री को सम्मान ब? जाती है भारत की शान, काशी का कायाकल्प एवं दुनिया को योग पथ पर लाने में प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा आदि से सम्बन्धित तथ्यों पर आधारित चित्रों को दर्शाया गया है। यह प्रदर्शनी 17 सितम्बर से 23 सितम्बर तक मनीषी बालिका इंटर कॉलेज गौरीगंज में पूर्वान्ह 10 बजे से सायंकाल 5 बजे तक जनसामान्य के लिये उपलब्ध रहेगी। इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश एवं भारत सरकार की योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य जनसामान्य हेतु उपलब्ध है। जनसामान्य, युवा, बच्चे इस प्रदर्शनी का अधिक से अधिक अवलोकन कर प्रधानमंत्री जी के जीवन संघर्षो से प्रेरणा ले सकते है। सूचना विभाग द्वारा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं/उपलब्धियों से सम्बन्धित प्रचार साहित्य का वितरण प्रदर्शनी में आये हुये छात्रों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं जनसामान्य को किया जा रहा है।

स्मृति 30 को अमेठी आएंगी, करेंगी करोड़ों की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

संवाददाता। अमेठी

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति इरानी आगामी 30 सितंबर को एक दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र आ रही है। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल होगी और करोड़ों की लागत से स्थापित होने वाली परियोजनाओं को लोकार्पण व शिलान्यास करेंगी।

केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी स्मृति 30 सितंबर को विमान से लखनऊ पहुंचेगी और वहां से सड़क मार्ग से मुसाफिरखाना स्थित भाले सुल्तान शहीद स्थल आएंगी। यहां प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल होगी और पौधरोपण करेंगी। गौरीगंज में क्षय रोगियों के इलाज के लिए लगने वाले स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री करेंगी। दीदी विकास भवन के करीब निर्मित जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर के साथ ही सड़क व दूसरे विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगी। गौरीगंज से निकलकर दीदी अमेठी शहर के करीब स्थित मां शारदा गिर गौशाला पहुंचेगी। भादर क्षेत्र पंचायत से होने वाले विकास कार्यों को लोकार्पण व शिलान्यास त्रिसुंडी त्रिभुवन सिंह इंटर कालेज परिसर में होगा। कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो गई है।

कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण करते हुए सांसद प्रतिनिधि

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अमेठी । जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि आज विकास खंड सभागार, गौरीगंज में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें बाल विकास परियोजना गौरीगंज की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिका एवं सैम बच्चों के माता-पिता ने प्रतिभाग किया। संगोष्ठी में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कुपोषण एवं स्वास्थ्य पर विस्तृत रूप से जानकारी बच्चों के माता-पिता एवं उनके अभिभावकों को देने के साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा परियोजना में सैम बच्चों के चिन्हंकान एवं पोषण पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में माननीय सांसद एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी की प्रेरणा से सैम बच्चों के पोषण में सुधार हेतु उपलब्ध कराए गए पोषण किट का वितरण सेवा संस्थान के प्रतिनिधि तूफान सिंह एवं कमल भान की उपस्थिति में 31 बच्चों को किया गया तथा विकास खंड सभागार से पोषण रैली निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी गौरीगंज हरिओम मिश्रा, बाल विकास परियोजना अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता, बीपीएम अनिल तिवारी एवं मुख्य सेविकायें सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डीडीओ

किसान फसल समस्या के लिए सहभागी फसल निगरानी और निदान प्रणाली पर कराएं पंजीकरण

संवाददाता। अमेठी

जिला कृषि रक्षा अधिकारी अमेठी ने बताया कि धान की फसल में साउदर्न राइस ब्लैक स्ट्रीक्ड छ्र2डुह्द्ध वायरस के प्रकोप के दृष्टिगत पहचान एवं उनके प्रबंधन, परीक्षण एवं शोध के उपरांत उक्त वायरस के प्रकोप की आशंका के दृष्टिगत सघन निगरानी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस रोग की पहचान के लक्षण परिलक्षित होने पर तत्काल पौधों की प्रारंभिक अवस्था में अत्यधिक प्रकोप की संभावना होती है, प्रकोपित पौधे बौने हो जाते हैं, पौधों की पत्तियां गहरे हरे रंग की होती हैं, कल्ले मुरझाने लगते हैं, जड़ों का विकास रुक जाता है व धीरे-धीरे भूरे रंग में बदल जाती है जिससे प्रभावित कल्ले खींचने पर आसानी से उखड़ जाते हैं, पौधे की शीथ पर काली धारियां बनती हैं, बालियों में दाने कम बनते हैं अथवा नहीं बनते हैं, इसका प्रकोप एकल अथवा 4 से 8 पौधों के समूह में होता है, इस वायरस का वाहक कीट सफेद पीठ वाला फुदका होता है। इस वायरस का प्रकोप धान की 12 विभिन्न प्रजातियां में पीवी 1962, 1718, 1121, 1509, 1847, पीआर 114, 136, 130,131 एवं पायनिय 'हाइब्रिड स्विफ्ट गोल्ड और सीएसआर 30 में देखा गया है। उन्होंने बताया कि इसके उपचार हेतु नर्सरी के प्रकोपित पौधे रोपित नहीं करना चाहिए, पौधे को उखाड़कर दूर मिट्टी में गहरा दबा दें, खेत के चारों ओर मेड़ों के खरपतवारों को निकालकर सफाई करें, जमीन के पास सफेद पीठवाला फुदका के प्रकोप दिखाई देने वाले खेतों की सप्ताहिक रूप से गहन निगरानी करें, खेतों में 3-20त्न प्रकोपित पौध दिखाई देने पर उसे उखाड़ कर उसके स्थान पर स्वस्थ पौधों का रोपड़ करें, प्रकोप से बचाव हेतु सफेद पीठ वाला फुदका के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजीन् 25त्न, एसपी की 800 मिलीलीटर मात्रा अथवा एसिटामिप्रिड 20 प्रतिशत एस.पी. की 100 ग्राम मात्रा अथवा डिनोटेफ्यूरान् 20 प्रतिशत मात्रा, एसजी 150 से 200 ग्राम मात्रा अथवा फ्लोनिकामिड 50त्न, डब्लू जी की 150 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने कहा कि किसान अपनी फसल की समस्या के निदान हेतु सहभागी फसल निगरानी एवं निदान प्रणाली के मोबाइल नंबर 9452247111 एवं 9452257111 पर अपना पंजीकरण अथवा अपना नाम, ग्राम का नाम, विकासखंड का नाम, जनपद का नाम लिखते हुए एसएमएस अथवा व्हाट्सएप पर भेजें। किसान घर पर रहते हुए संबंधित समस्या के निदान की सूचना 48 घंटे के अंदर मोबाइल पर होगी।

छात्र के अपहरण के मामले का पुलिस ने किया खुलासा,खुद निकला मास्टरमाइंड

बछरावां रायबरेली। बीते शनिवार को गायब हुए डीफार्मा के छात्र के अपहरण के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है । छात्र खुद पूरी कहानी का किरदार निकला । फिरौती की रकम ट्रेन में रखने की बात भी गलत साबित हो गई है । बछरावां के पानी टंकी मोहल्ला निवासी रामदेव के बेटे विवेक ने शनिवार शाम बांदा बहराइच हाईवे पर बने ओवरब्रिज से अपने अगवा होने की साजिश रच डाली । अपने पिता से दो लाख की फिरौती मांगी । कुछ यूं ही साजिश की कहानी रू साजिश का मास्टरमाइंड विवेक ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल खेलता था । ऑनलाइन बेटिंग के लिए उसे पैसे की जरूरत थी । पिता से पैसे मिल नहीं पा रहे थे । तो उसके दिमाग में खुद को अगवा बताकर फिरौती मांगने की बात सूझ गई । अपने भाई व दोस्तों के साथ इवनिंग वॉक पर निकले विवेक ने कस्बे के बांदा बहराइच मार्ग हाईवे ओवर ब्रिज पर टहलते समय अपने दोस्तों का भाई को घर जाने के लिए कह दिया । पुलिस ने उसको गौरीगंज से गिरफ्तार कर लिया । उसने बताया कि घटना के दिन शनिवार बस स्टेशन पहुंचा । काशी विश्वनाथ ट्रेन से वह रायबरेली के लिए निकल गया । रायबरेली रेलवे स्टेशन से ही उसने अपने पिता को अपने ही अगवा होने की सूचना दी । साथ ही दो लाख की फिरौती भी मांगी । रायबरेली से बनारस तक का सफर तय किया । बनारस से वापसी की प्रतापगढ़ पहुंचा । प्रतापगढ़ से अमेठी फिर गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर उतर गया । जहां से उसने अपने पिता को फिरौती की रकम काशी विश्वनाथ ट्रेन के पीछे से पांचवी बोगी में रखने की बात कही । रविवार रात पुलिस ने आरोपित छात्र को गौरीगंज स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया । आरोपी छात्र के पास एक मोबाइल में दो सिम बरामद हुए हैं । एक सिम के बारे में परिजनों को जानकारी नहीं थी । जिससे उसने साजिश रच डाली । थानाध्यक्ष जगदीश यादव ने बताया कि आरोपी छात्र को संबंधित धाराओं के तहत जेल भेजा जा रहा है । पूरी कहानी का किरदार वह खुद रहा है ।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपाइयों ने अमृत सरोवरों पर किया श्रमदान व स्वच्छता अभियान

गौरीगंज,अमेठी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी सेवा पखवाड़ा दिवस के रूप में मना रही है जो कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर बापू की जयंती तक चलाया जाएगा। इसी कड़ी में सेवा पखवाड़ा के पाँचवें दिन अमेठी जनपद में अमृत सरोवरों पर श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया ।जिला अध्यक्ष अमेठी दुर्गेश त्रिपाठी ने बताया कि सेवा पखवाडा के तहत जनपद में विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं देश के प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु की कामना को लेकर सशक्त राष्ट्र निर्माण में आम जनमानस भी अपनी सहभागिता निभाते हुए देश के प्रधानमंत्री के इरादों को और उनके हौसलों को मजबूत करने के उद्देश्य से तथा एक भारत अखंड भारत के सपने को बल प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्र नव निर्माण के उद्देश्य से सेवा पखवाड़े के तहत अमेठी जनपद में विभिन्न आयोजन लगातार किए जा रहे हैं जो 2 अक्टूबर तक अनवरत चलते रहेंगे।

प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी मुसाफिरखाना के गुन्नौर में स्थित अमृत सरोवर में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गुन्नौर में प्रभात शुक्ला जिला मंत्री अतुल सिंह जिला मंत्री महेंद्र मिश्रा मंडल अध्यक्ष सुजल सिंह सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे इसी प्रकार गौरीगंज के सिम हुई ग्राम के अमृत सरोवर पर जिला महामंत्री केशव सिंह जिला कोषाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा मंडल अध्यक्ष संतोष द्विवेदी सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे मंडल विश्वकर्मा नगर के द्वारा ग्राम में जिला प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह एवं मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह सहित सभी प्रमुख कार्यकर्ता अमृत सरोवर पर श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान में भाग लिया जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा तौसीफ खान गप्पू मंडल अध्यक्ष जगदीशपुर राम उजागर तिवारी बिल्लू पांडेय आदि ने जगदीशपुर के अमृत सरोवर में प्रतिभाग किया इसी प्रकार पूरे जनपद में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अमृत सरोवर में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान किया ।

सरोवर के किनारे सफाई करते हुए भाजपा कार्यकर्ता

शिवगढ़ थाने से पेट्रोलिंग की शुरुआत

शिवगढ़,रायबरेली। कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने एवं अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने को लेकर अब शिवगढ़ पुलिस पहले से ज्यादा अलर्ट हो गई जो अब मोटरसाइकिलों से गांव और कस्बों में पेट्रोलिंग करके जनता को सुरक्षित माहौल प्रदान करेगी। जिसकी शुरुआत बुधवार को शिवगढ़ थाना प्रभारी राकेश चंद्र आनन्द ने थाना परिसर से मोटर साइकिलों से पुलिस कर्मियों को रवाना कर के कर दी है। गौरतलब हो कि जनता को सुरक्षित माहौल प्रदान करने एवं कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने टीमें गठित कर मोटरसाइकिलों से थाना क्षेत्रों की पेट्रोलिंग करने के सख्त निर्देश दिए हैं। जिसके अनुपालन में बुधवार को शिवगढ़ थाना प्रभारी राकेश चंद्र आनंद ने शिवगढ़ थाना क्षेत्र की 3 - 3 मोटरसाइकिलों से पेट्रोलिंग करने के लिए दो टीमें गठित कर दी हैं। दोपहर 2 बजे शिवगढ़ थाना परिसर से पेट्रोलिंग के लिए पुलिस टीम को मोटरसाइकिलों से रवाना करके इसकी शुरुआत थाना प्रभारी ने कर दी है। पेट्रोलिंग के लिए निकली पुलिस टीम ने भवानीगढ़ चौराहा,शिवगढ़, बैंती,कुम्भी,देहली,बहुदा खुर्द,बेड़ारु,गूढ़ा सहित दर्जनों गांवों में पेट्रोलिंग की। थाना प्रभारी राकेश चंद्र आनंद ने बताया कि क्षेत्र में पेट्रोलिंग करने के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। पहली टीम तीन मोटरसाइकिलों से सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक पेट्रोलिंग करेगी और दूसरी टीम तीन मोटरसाइकिलों से शाम 6 बजे से रात्रि 2 बजे तक क्षेत्र में पेट्रोलिंग करेगी।

आजाद शक्ति सेवा संगठन ने शुरू किया पुस्तकदान अभियान :गोविंद

रायबरेली। आजाद शक्ति सेवा संगठन के द्वारा पुस्तक दान अभियान की शुरुआत आज से की जा रही है इस अवसर पर आजाद शक्ति सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद चौहान ने बताया कि पुस्तक दान अभियान के द्वारा उन जरूरतमंद बच्चों तक किताबों को पहुंचाया जा सकेगा जिनमें प्रतिभाएं तो होती हैं लेकिन वह या उनके परिजन तमाम सारी परेशानियों से जूझने के कारण पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं होते हैं।आजाद शक्ति सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद चौहान ने आम जनमानस से यह अपील की है कि संगठन के द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में है बढ़-चढ़कर सहभागिता सुनिश्चित करें। इस पुस्तक दान महादान अभियान से जुड़कर आप सीधे तौर पर एक जरूरतमंद बालक की शिक्षा में सहायता कर सकेंगे अभियान की शुरुआत कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक की पुस्तकों के दान की अपील के साथ प्रारंभ की गई है आशा की जाती है कि जिस तरह संगठन के अभियानों को जनमानस का समर्थन मिला वैसा समर्थन पुस्तक दान अभियान को भी मिलेगा। कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक की पुस्तकें यदि आपके यहां या आपके पड़ोस में है किसी परिवार में या किसी बालक के पास बिना प्रयोग के रखी हुई हैं तो आप उनसे गुजारिश कर सकते हैं कि यदि पुस्तकें उनके प्रयोग की ना हो तो वह आजाद शक्ति सेवा संगठन के माध्यम से उनको दान करें जिससे आजाद शक्ति सेवा संगठन उन पुस्तकों को जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचा सके।आजाद शक्ति सेवा संगठन के द्वारा चलाए जा रहे पुस्तक दान महादान अभियान में अपना अंशदान करने के लिए आप दिए गए व्हाट्सएप नंबर 8081161617 पर संदेश भेज कर कर सकते हैं आपके द्वारा दिए गए पते पर संगठन की ओर से जल्द संपर्क स्थापित किया जाएगा।पुस्तक दान अभियान में पुस्तके दान करने वाले व्यक्ति को आजाद शक्ति सेवा संगठन के द्वारा पुस्तक दानी का सम्मान पत्र दिया जाएगा।

सूखे की फर्जी रिपोर्ट को लेकर उग्र हुए किसान

● जिला कृषि अधिकारी को बैठक से बाहर निकाला, जिंदाबाद और मुर्दा के लगाए नारे

● 18 किमी. बाघापार से बेलसुही के डिवाई नहर में गड़बड़ी का मामला

● किसानों की नाराजगी, जिस नहर विभाग पर लगा आरोप उसी से करवा दी जांच

संवाददाता। बस्ती

काफी दिनों बाद किसान और उनके नेताओं के तेवर को मिला। सूखा और नहर की सफाई और खुदाई के मामले में फर्जी रिपोर्ट लगाने पर किसान दिवस में ही उग्र हो गए किसान। झड़प होने और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बंधक बनाने तक की नौबत आ गई थी। सूखे के फर्जी रिपोर्ट के मामले में किसानों ने कहा कि जबतक जिला कृषि अधिकारी बाहर नहीं जाएगें तब तक बैठक नहीं होगी। अधिकारी के खिलाफनारेबाजी षुरु हो गई। आधे घंटा तक जिंदाबाद और मुर्दाबाद का नारा गूंजता रहा। मामले की गंभीरता की जानकारी होने पर मौके पर एसडीएम सदर षैलेष और डीआरडीए के पीडी कमलेष सोनी पहुंचे। काफी समझाने और जिला कृषि अधिकारी के बाहर जाने के बाद किसान और उनके नेता षांत हुए। दोनों अधिकारियों की ओर से किसानों की समस्याओं को सुना गया और 18 किमी. लंबी बाघापार से बेलसुही तक डिवाई नहर की साफ-सफाई और खुदाई के नाम पर सरजू नहर खंड-चार के एक्सईएन, एई और चार पांच ठेकेदारों के द्वारा मिलकर दो करोड़ का बंदरबांट करने के मामले में दूसरी जांच कमेटी बनाने के आष्वासन पर किसान माने और इसके बाद किसान दिवस संपन्न हुआ। पहली बार किसान दिवस में किसानों की संख्या अधिक देखी गई।

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेष सचिव दीवानचंद्र पटेल ने बताया कि जिला कृषि अधिकारी नहीं चाहते कि जिले के किसानों को सूखा राहत कर लाभ मिले। बताया कि एक माह पहले किसान दिवस के दिन किसानों की षिकायत पर डीएम प्रियंका निरंजन ने बाघापार से बेलसुही तक 18 किमी. लंबी सरजू नहर खंड-चार की डिवाई नहर की सफाई और खुदाई के नाम पर दो करोड़ से अधिक अधिकारियों और ठेकेदारों ने बिना कोई कार्य कराए धन का बंदरबांट कर लिया। इस पर डीएम ने एसडीएम सदर, बीडीओ बनकटी और नलकूप विभाग के एक्सईएन की तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया। बताया कि इस टीम में मुझे में रखने की बात डीएम ने कही थी। बताया कि जब यह पूछा गया कि जब जांच डीएम ने जांच कमेटी से जांच कराने के निर्देष दिए थे तो भी क्यों उसी विभाग के अधिकारी से जांच करवाई गई, जिसके उपर फर्जीवाड़ा करने का आरोप है, और क्यों नहीं हम्हे जांच में षामिल किया गया। जांच में विभाग के एक्सईएन ने फर्जी फेटोग्राफलगाकर दिखा दिया कि कोई गबन नहीं हुआ। बताया कि जब गबन नहीं हुआ तो पानी क्यों नहीं नहर में आया। बताया कि नहर की साफ-सफाई में एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया और न टेंडर ही निकाला गया, बस कुछ ठेकेदार और एक्सईएन ने मिलकर इतनी बड़ी धनराषि का बंदरबांट कर लिया। 80 फीसद अधिकारी और 20 फीसद ठेकेदार के हिस्से में गया। बताया कि पहले तो 20 अगस्त 22 को इनके द्वारा 50 फीसद सूखा होने की रिपोर्ट षासन को की गई, मगर बाद में इनके द्वारा 33 फीसद सूखे की रिपोर्ट भेज दी गई। इसी बात को लेकर जब कृषि अधिकारी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कहीं भी सूखा नहीं और न ही फसल की क्षति ही हुई। कहा कि किसान उस समय नाराज हो गए जब इन्होंने यह कहा कि चलिए दिखाईए कहां फसल बर्बाद हुआ। बस इसी बात को लेकर किसान इनके खिलाफ मुर्दाबाद का नारा लगाना षुरु कर दिया। किसानों ने कहा कि जबतक कृषि अधिकारी बैठक से बाहर नहीं जाएगें, तब तक बैठक नहीं होगी। इसी बात बहस होनी षुरु हो गई, किसान मेज पर एकत्रित होने लगे इसी बीच उप कृषि निदेषक किसानों को समझाते देखे गए। बताया कि ऐसे किसान दिवस का क्या औचित्य जहां पर किसानों की समस्याओं को तो सुन लिया जाता है, मगर उसका निस्तारण नहीं किया। बताया कि अब तभी बैठक होगी जब पिछली समस्याओं का निस्तारण नहीं हो जाता और संबधित विभाग के अधिकारी नहीं उपस्थित रहते। किसान दिवस में डा. आरपी चौधरी, बंधू चौधरी, रामप्रताप, षिवषंकर पांडेय, हृदयराम, कन्हैया प्रसाद, चंद्रप्रकाष, रामनयन, रामनरेष और फूलचंद्र सहित अन्य मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

सरजू नदी का जलस्तर घटने से हो रहा कटान

विक्रमजोत/बस्ती। सरयू नदी का जलस्तर बीती रात से तेजी से घटने लगा है। जलस्तर घटने से जहां एक ओर बाढ़ की त्रासदी से लोगों को राहत मिली है, वहीं आपदा प्रभावित गांव के लोगों को नदी से कटान का डर सताने लगा है, क्योंकि नदी का जलस्तर जब घटता है, तो तीव्र गति से कटान करता है। केंद्रीय जल आयोग अयोध्या के अनुसार गुरुवार की सायं नदी का जलस्तर 93.03 मीटर रिकार्ड किया गया जो कि बुधवार से जलस्तर से करीब 50 सेमी कम है। जल आयोग ने अपस्ट्रीम में नदी के जलस्तर में हो रही कमी से जलस्तर में और कमी होने का अनुमान लगाया है। विक्रमजोत विकास क्षेत्र के आपदा प्रभावित गांव कल्यानपुर, भरथापुर, पड़ाव, संदलपुर सहित गांव के किनारों व रास्तों से पानी हटने लगा है।गांव में बीते दिनों भरे बाढ़ के पानी के चलते दलदल हुयी जमीन के कटने का डर बढ़ गया है। गांव के जितेंद्र सिंह, फागू, राम आशीष, हेमंत पाण्डेय सहित ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ खण्ड द्वारा समय रहते कटान रोकने की कोई ठोस व्यवस्था की गयी होती तो नदी गांव में कटान न करती। बताया कि गांवों की सुरक्षा के लिए बनाये जा रहे डैमपनर अभी अंधूरे हैं, वहीं गांव के किनारे बनाया जा रहा रिंगबांध मात्र खानापूर्ति बनकर रह गया है।

पाउं के 'प्रधान' और 'सेक्रेटरी' पर लगा मनरेगा में लूटपाट का आरोप

बस्ती। कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के ग्रामसभा पाऊं निवासी राघवेन्द्र कुमार ने डीएम, सीडीओ और मनरेगा लोकपाल के साथ ही अनेक सम्बधित अधिकारियों को शपथ पत्र सहित शिकायती पत्र देकर ग्राम पंचायत पाऊं में ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा कराये गये विकास कार्यों की जांच की मांग की है। पत्र में राघवेन्द्र कुमार ने कहा है कि ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर मनरेगा के पक्के कार्यो में धन का व्यापक बंदरबांट कर लिया है। यही नहीं विकास कार्यो के प्रदर्शन हेतु पांच-पांच हजार रूपये सीआईबी बोर्ड तक का भुगतान ले लिया गया है, किन्तु साइनबोर्ड कहीं दिखायी नहीं पड़ता। पत्र में कहा गया है कि बिना सड़क, खण्डजा आदि का निर्माण कराये बडे पैमाने पर भुगतान निकाल लिया गया किन्तु जमीनी धरातल पर कोई कार्य दिखायी नहीं पड़ रहा है। यही नहीं मनरेगा मजदूरों की जगह जो कुछ कार्य कराये भी गये हैं वे ठेके पर कराये गये। मांग किया है कि कमेटी गठित कर विकास कार्यों की सघन जांच के साथ ही कड़ी कार्रवाई और सरकारी धन की रिकबरी कराया जाय।

स्वास्थ्य संगोष्ठी में सीएमओ ने दी जानकारी

कैंसर रोग नियन्त्रण के लिए संस्थान ने किया जागरूक

संतकबीरनगर। विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर सीएमओ कार्यालय सभागार एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अनिरुद्ध कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय डिमेंशिया जागरूकता सप्ताह अंतर्गत वृद्धों में अल्जाइमर बीमारी के लक्षण बचाव रोकथाम के उपाय के विषय में चर्चा की गई। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसीएमओ डॉ0 मोहन झा, संकुस मेडिसिटी कैंसर अस्पताल के अधिकारी, डिप्टी सीएमओ डॉ0 बी0के0 सोनी, डीपीएम, एनसीडी क्लीनिक के समस्त अधिकारी व कर्मचारी गण के साथ हॉस्पिटल मैनेजर ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में भी हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 ओ0 पी0 चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

दो शातिर जालसाजों को पुलिस ने पकड़ा
70 हजार नगद व इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार के कुशल निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी धनघटा रामप्रकाश के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक धनघटा कृष्णदेव सिंह के नेतृत्व में अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को मु0अ0सं0 543/2022 धारा 406/419/420/467/468 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त अनूप सोनी पुत्र हरिनन्दन वर्मा, रोहित प्रजापति पुत्र रामधनी साकिनान भण्डा थाना धनघटा को मुखबीर खास की सूचना पर ग्राम शनिचरा बाजार थाना धनघटा से 70 हजार रूपये नगद, 8 अदद एटीएम कार्ड, एक अदद लेपटाप, एक अदद प्रिन्टर, एक अदद मोहर बनाने वाली मशीन, एक अदद की बोर्ड, 2 अदद मोबाईल, दो अदद आधार कार्ड, पेन कार्ड एक अदद, निर्वाचन कार्ड एक अदद, एक डिब्बा पोलिमर, बटर पेपर, पन्नी टेप चिमटी दो अदद, कैची एक अदद के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी का विवरण 70 हजार रूपये नगद, 8 अदद एटीएम कार्ड, एक अदद लेपटाप, एक अदद प्रिन्टर, एक अदद मोहर बनाने वाली मशीन, एक अदद की बोर्ड, 2 अदद मोबाईल, दो अदद आधार कार्ड, पेन कार्ड एक अदद, निर्वाचन कार्ड एक अदद, एक डिब्बा पोलिमर, बटर पेपर, पन्नी टेप चिमटी दो अदद, कैची एक अदद एक अदद मो0सा0 एचएफडीलक्स बरामद किया। पूछताछ में अभियुक्तगण ने बताया गया कि फेसबुक व यू ट्यूब के माध्यम से सर्च किया जाता है निशानी अंगूठा तथा आधार कार्ड सर्च किया जाता तथा आम आदमी को सरकारी योजनाओ का लाभ दिलाने हेतु उनका आधार कार्ड व निशानी अंगूठा लेकर उससे भी फिंगर प्रिन्ट को लैपटाप से स्कैन कर प्रिन्टर से उसकी कापी बटर पेपर पर स्कैन कराकर तथा मोहर बनाने वाली मशीन पर टेप व पोलिमर लगाकर फिंगर प्रिन्ट तैयार करते है व उसका प्रिन्ट अपने अंगुठे पर लगाकर ग्राहक सेवा केन्द्र से वही आधार न0 बताकर फिंगर प्रिन्ट लगाकर खाते से पैसा निकाल लेते है।

जनता दर्शनः नवागत डीएम ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

संतकबीरनगर। नवागत जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह बुधवार को जनता दर्शन में जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में फरियादियों की जनसमस्याओं को सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण किये जाने का निर्देश दिए। उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि समय से कार्यालय में उपस्थित रहे। शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्रों का पारदर्शिता के साथ निस्तारण करते हुए उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करें। नवागत जिलाधिकारी के आगमन पर जनप्रतिनिधियों आमजनमानस ने कार्यालय में पहुँचकर उनका स्वागत किया। भारतीय किसान यूनियन ने ज्ञापन दिया। कई फरियादियों ने अपनी समस्या को लिखित के रूप में बताया। नवागत जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने कहा कि आम जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय व पारदर्शिता के साथ किया जाय। फरियादी दूरदराज से बड़े ही आशा व विश्वास के साथ आते है उनके विश्वास को ठेस न पहुँचे यह सभी अधिकारियों को ध्यान रखना होगा।

1.83 लाख वसूली के लिए अचल सम्पति की होगी नीलामी

संतकबीरनगर। नायब तहसीलदार/नीलामी अधिकारी विजय गुप्ता ने बताया है कि कोर्ट क्लेम मद के बाकीदार अब्दुर्रहीम पुत्र शाह अली साकिन सोनौरा गौसी जिझारपुर तहसील खलीलाबाद का मु0 1 लाख 83 हजार/- बकाया जमा न किये जाने के कारण अनुसार अचल सम्पत्ति की नीलामी आगामी 26 सितम्बर 2022 को नियत की गयी है। उन्होंने राजस्व निरीक्षक/क्षेत्रीय लेखापाल को निर्देशित किया है कि व्यापक प्रचार-प्रसार, डुग्गी मुनादी कराना सुनिश्चित करें, जिससे आगामी 26 सितम्बर 2022 को नीलामी की कार्यवाही सम्पन्न कराया जा सकें। अधिकारी जानकारी हेतु संग्रह कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

महिला समूह की सदस्यों का हौसला बढ़ा गईं नोडल अधिकारी

● सल्टौआ के ग्राम षिवपुर के पुष्टाहार इकाई का निरीक्षण

निरीक्षण करती जिले की नोडल

बस्ती। जिले की आईएएस नोडल अधिकारी एवं निदेशक प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी नीना शर्मा ने सल्टौआ गोपालपुर के शिवपुर में शांति प्रेरणा लघु उद्योग, पुष्टाहार निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूह की लगभग 20 सदस्यों से भेंट किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। पुष्टाहार निर्माण इकाई में लगभग 300 महिला समूह का लगभग 90 लाख रुपए का अंशदान है। इस औद्योगिक इकाई द्वारा तीन से छह वर्ष आयु के छोटे बच्चों, गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा किशोरियों के लिए अलग-अलग प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इसे विभिन्न ब्लॉकों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति किया जाएगा।

महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सुमन देवी ने निदेशक को बताया कि औद्योगिक इकाई द्वारा आटा, बेसन, बर्फी, दलिया, मूंगदाल, खिचड़ी, आदि सामग्री तैयार की जा रही है। निदेशक ने स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया, जहां सभी प्रकार के उत्पाद विधिवत पैक करके रखे गए हैं। अध्यक्ष ने बताया कि इस इकाई की क्षमता पांच मीट्रिक टन की है परंतु वर्तमान में दो मीट्रिक टन उत्पाद तैयार किया जा रहा है। उक्त सामानों का आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति किए जाने के बाद महिला एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग से इसका भुगतान प्राप्त होगा। निरीक्षण के दौरान प्रियंका निरंजन, सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, उप जिलाधिकारी जी. के. झा, उपायुक्त एनआरएलएम रामदुलार, भाजपा नेता दुष्यंत विक्रम सिंह, बीडीओ सुशील पांडे, महिला स्वयं सहायता समूह की सचिव संगम, कोषाध्यक्ष गीता देवी, एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी इसके बाद कनेथू बुजुर्ग में निर्मित्त 80 हेक्टेअर झील का निरीक्षण किया। जिला पंचायत की ओर से किए जा रहे बंधें का भी निरीक्षण किया।

पूर्व प्रधान को नहीं मिली जमानत

● विकास खंड बहादुरपुर के ग्राम पकड़ी छब्बर के 2005 में गबन का मामला

बस्ती।... कौन कहता है, कि गबन करके कोई बच सकता है, विकास खंड बहादुरपुर के ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर के प्रधान श्रीराम इस बात के गवाह है, कि सरकारी धन का गबन करके बच जाना आना नहीं होता, जेल तो जाना ही पड़ेगा। भले ही चाहे जेल जाने में समय लग जाए मगर जेल अवष्य जाना पड़ेगा। वित्तीय वर्ष 2005 में मनरेगा के धन के गबन के आरोपी को बस्ती की एक अदालत ने दस वर्ष पुराने प्रकरण में जिला कारागार में निरुद्ध पूर्व प्रधान को जमानत देने से मना कर दिया।

धन गबन के दस वर्ष पुराने प्रकरण में एक सितंबर को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम अमित मिश्रा की अदालत ने विकास खण्ड बहादुरपुर के ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर के पूर्व ग्राम प्रधान श्रीराम को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया था। जमानत प्रार्थना पत्र में अभियुक्त की ओर से कहा गया कि वह पूरी तरह निर्दोष है और मामला गढ़ा गया है। प्रार्थी प्रधानी वर्ष 2005 के दौरान कभी भी सरकारी धन का दुरुपयोग नहीं किया और न ही गबन किया। प्रार्थी/आवेदक दाएं हाथ से विकलांग है। थाने की पुलिस ने नौ सितंबर 22 को सुबह घर से पकड़कर थाने ले आई और दिन भर टॉर्चर करने के बाद शाम को चालान कर दिया। पूर्व ग्राम प्रधान श्रीराम की ओर से 19 सितंबर 22 को न्यायालय में दिए जमानत प्रार्थना पत्र को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, बस्ती मीनू शर्मा ने यह कह कर निरस्त कर दिया कि अपराध की प्रकृति तथा मामले की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मामले के गुण- दोष पर विचार किए बिना अपराध की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त को जमानत पर रिहा किए जाने के पर्याप्त आधार नहीं हैं।

साल 2012 में बस्ती जिले में बहादुरपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर के पूर्व ग्राम प्रधान श्रीराम व सचिव सुमन देवी ने मिलकर जल निकासी के लिए ह्यूम पाइप लगाने का कार्य कराया जिसमें एक लाख 39 हजार की अनियमितता की गई। ग्राम वासियों ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की तब शासन से प्रकरण की जांच कराई गई और शिकायत सही पाई गई थी। शासन के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी बस्ती ने गबन के संपूर्ण धनराशि 1,39,000 का एक तिहाई भाग ग्राम प्रधान, एक तिहाई भाग सचिव व एक तिहाई भाग मनरेगा टेक्नीशियन बेचन प्रसाद को जमा करने का आदेश जारी किया। जिसमें तीनों आरोपियों ने अपने-अपने अपने हिस्से का धन राजकोष में जमा कर दिया था। आपत्तिकर्ता व मुकदमे की पैरवी कर रहे जनहित संस्था के प्रबंधक कुंवर ब्रह्म देव उपाध्याय का कहना है कि न्यायालय ने पूर्व ग्राम प्रधान श्रीराम की जमानत अर्जी को खारिज कर भ्रष्टाचारियों के मनोबल को तोड़ने का काम किया है। यह सामाजिक रूप से बड़ा संदेश है।

किसान दिवस की बैठक में सीडीओ ने सुनीं किसानों की समस्याएं

संवाददाता। संतकबीरनगर

बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी एवं किसान

मुख्य विकास अधिकारी अतुल मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित प्रगतिशील कृषक, किसान यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम गत किसान दिवस में सिंचाई, नलकूप, विद्युत, गन्ना, बीज अनुदान आदि की शिकायतों के निस्तारण के संबंध संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश समस्याओं का समाधान कर दिया गया है स किसान दिवस में बताया गया कि हरिहर पुर की नहर 9 किलोमीटर निर्धारित है, जिसमें 1.5 किलोमीटर के आगे नहर नहीं चल रही है, साथ ही किसानों ने अवगत कराया गया कि किसानों के द्वारा नहर निर्माण की अपनी जमीन दी गई परंतु उनको मुआवजा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है स उपस्थित किसानों के द्वारा गन्ना केंद्र पर घटतौली रोकने एवं गन्ना की सुगमता से खरीद होने मांग की गई स साथ ही धान केंद्र पर आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की गयी। इसके साथ ही उपस्थित किसानों ने मांग की कि जिला चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं दवाइयों एवं अन्य चीजों कि जो भी निर्धारित सरकारी मूल्य है उसको प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी प्रकार की समस्या से बच सकें स मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण तत्काल समाधान किया जाए स साथ ही जनपद में उर्वरक की व्यवस्था बनाए रखने हेतु सहकारिता एवं कृषि विभाग पर प्रभावी कार्रवाई करें ताकि किसानों को निर्धारित मूल्य पर समस्त प्रकार की उर्वरक उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि लोकेंद्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा संबंधित सहित अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं भारी संख्या में सम्मानित किसान भाई उपस्थित रहे।

दरोगा द्वारा महिला को थप्पड़ मारने के मामले की एसपी ने सीओ को सौंपी जांच

कोंच(जालौन)। दरोगा द्वारा गर्भवती महिला और उसकी बुजुर्ग सास को मारी गई थप्पड़ों की गूंज एसपी के कानों में भी पहुंची है और उन्होंने खबरों पर संज्ञान लेकर जांच बिठा दी है। खाकी को शर्मसार करने वाले थप्पड़बाज दरोगा की करतूतों की जांच अब सीओ करेंगे और दूध का दूध पानी का पानी करके अपनी रिपोर्ट एसपी को देंगे। कोतवाली पुलिस के एक दरोगा ने खाकी की ठसक में सोमवार की देर रात नगर के मोहल्ला मालवीय नगर में जमकर तांडव किया। इलाकाई चौकी के दरोगा ने एक घर में जमकर बबाल काटा और एक गर्भवती महिला तथा उसकी बुगुर्ज सास को बिना किसी जुर्म के तड़ातड़ थप्पड़ जड़े थे जिससे पूरा इलाका इस पुलिसिया तांडव से सहम कर रह गया था। मीडिया ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया जिसका नतीजा यह निकला कि खबरों पर एसपी रवि कुमार ने गंभीरता से संज्ञान में लेकर दरोगा के इस कारनामे पर जांच बिठा दी।

बारिश से कच्चा घर ढहा, बच्चे की मलबे में दबकर हुई मौत

● मृतक की बहिन की हालत गंभीर, मौके पर पहुंचे एसडीएम

स्कूल की दीवाल का सड़क पर डला मलवा

कोंच(जालौन)। लगातार हो रही तेज बारिश अब अपना कहर बरपा रही है। ग्राम लोहई में बारिश के बीच एक कच्चा घर ढह जाने से मलबे में दबकर 9 बर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसकी 11 वर्षीय बहिन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम लोहई निवासी बृजेन्द्र सिंह का कच्चा घर है जिसमें वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता है।बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे तेज बारिश के बीच उसके कच्चे घर का एक हिस्सा ढह गया जिसके चलते कमरे के अंदर मौजूद बृजेन्द्र के 9 बर्षीय पुत्र शुभ व 11 वर्षीय पुत्री नव्या मलबे के नीचे बुरी तरह दब गये।आनन फानन में दोनों को बमुश्किल मलबे से बाहर निकालकर सीएचसी नदीगांव ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने शुभ को मृत घोषित कर दिया जबकि नव्या की गंभीर हालत देख उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल उरई रिफर कर दिया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह पटेल ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।उधर,घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम कृष्णकुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया। एसडीएम ने कहा कि शासन द्वारा दैवीय आपदा के तहत मिलने वाली मदद जल्द ही पीड़ित परिजनों को दी जायेगी।वहीं उक्त घटना में अपने दो बच्चों में से बेटे को खो देने और बेटी की हालत गंभीर होने पर मां, बाप समेत अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और हर कोई उन्हें ढांढस बंधाता हुआ नजर आ रहा है।

बीएसए ने शिक्षिका को किया निलम्बित बीईओ करेंगे जांच

संतकबीरनगर। बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी ने खण्ड शिक्षा क्षेत्र नाथनगर के कम्पोजिट विद्यालय अगहिया बन्धुपुर में तैनात ई.प्र.अ. श्रीमती सरोज मधुकर को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर खण्ड शिक्षा अधिकारी बघौली को जॉच के लिए नामित किया है। 15 दिनों के अन्दर जॉच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी ने बताया कि शिक्षिका श्रीमती सरोज मधुकर कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत पाया गया। वीडियो क्लीप में सरोज मधुकर अपने विद्यालय की कुर्सी पर बैठकर गाना सुन रही थी तथा एक बच्चा हाथ वाला पंखा चला रहा था उक्त वीडिया वायरल होने के शंका के आधार पर सरोज मधुकर के पति रामनयन व छोटा भाई नंदलाल कुशवाहा द्वारा मतलूब आलम सहायक अध्यापक को मारा पीटा गया।

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज का हुआ आयोजन

● एडीएम ने कलाकारों के प्रतिभा को सराहा

संवाददाता। संतकबीरनगर

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

संस्कृति विभाग उ.प्र. द्वारा विभिन्न प्रदर्शनकारी कलाओं के संवर्धन एवं संरक्षण के अन्तर्गत ऐसी प्रदर्शनकारी सांस्कृति विधाओं जैसे-लोक गायन, लोक नृत्य, लोक वादन, आदिवासी नृत्य, आल्हा गायन, लोक नाट्य, भजन, ललित कला आदि के प्रतिभावान कलाकारों के खोज हेतु जनपद में सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में सूचना विभाग, द्वारा विकास खण्ड खलीलाबाद के सभागार में कराया गया। सांस्कृति प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में कुल 05 सांस्कृतिक दलों श्रीमंत मोहित भोजपुरी लोकगीत एवं बिरहा दल, श्रीमंत महेश मोर्य एण्ड पार्टी, अनीता यादव बिरहा पार्टी, दयाराम एण्ड पार्टी एवं जोखू लाल यादव एण्ड पार्टी द्वारा निर्णायक मण्डल (जज) एवं भारी संख्या में उपस्थित अन्य दर्शकों के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृति प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह (अध्यक्ष), संगीत शिक्षक पी.बी. गर्ल्स इण्टर कॉलेज सुमिता सिन्हा, संगीत शिक्षक जवाहर नवोदय विद्यालय देश दीपक मिश्र, संगीत शिक्षक दुर्गा प्रसाद शुक्ल एवं सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज (सदस्य/सचिव) निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए। सांस्कृतिक दलों द्वारा उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक मण्डल के सदस्यों द्वारा अंक प्रदान किया गया। कलाकारों के प्रस्तुति के आधार पर उन्हें ए बी एवं सी श्रेणी में पंजीकृत किया जायेगा। इस अवसर पर समाज सेवी एवं पत्रकार शिव कुमार गुप्ता, समाज सेवी परमवीर पासवान, सहित विकास खण्ड के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, ग्राम प्रधानगण सहित भारी संख्या दर्शकगण आदि उपस्थित रहें।

हमीरपुर में आफत की बारिश से बाढ़ जैसे हालात

● सुमेरपुर में हजारों घरो में घुसा पानी, छतों में रात काट रहे लोग चारों तरफ पानी ही पानी, स्थानीय निकाय में हर साल करोड़ों रुपये के बजट का होता है दुरुपयोग, कोई नहीं है पीड़ा सुनने वाला

संवाददाता। हमीरपुर

कुरारा में ब्लाक कार्यालय में भरा पानी

सुमेरपुर में बस्ती के अन्दर भरा पानी

स्कूल परिसर में भरा पानी

हाईवे में भरापानी

जाम लगाये लोग

आज दिन भर हुई भारी बारिश के चलते जिले भर में जल भराव हो गया सुमेरपुर कस्बे में हाईवे में एक पुलिया जाम होने से कस्बे के एक हजार घरों में पानी भर गया लोगों ने घरो की छत में बैठकर रात काटने को मजबूर हो गये वही हाईवे के ऊपर से पानी बहने से दिन भर छोटे वाहन बंद रहे लोगो ने जाम लगा कर विरोध किया,सभी नगर पालिकाओं में हर साल करोडो रुपये का बजट आने के बाद किसी ने आज तक जल भराव का प्रबंध नही किया गया है।

जानकारी के मुताबिक कल रात से हो रही भारी बारिश के चलते हमीरपुर शहर में कांशीराम कालोनी, चौराहा देवी मोहाल,सिटीफारेस्ट,सिविल सर्जन कालोनी समेत कई मोहल्लो में पानी भर जाने के कारण लोग दिन भर परेशान रहे। वही सुमेरपुर कस्बे में वार्ड नं 14 से 18 में भारी जल भराव के कारण करीब एक हजार घरो में पानी भर गया लोग सुबह से ही छत में सामान रखकर रात गुजार रहे है वही कुंडौरा गांव के पास भारी बंधी टूट जाने के कारण कुंडौरा गांव में करीब दो सौ घरो के अन्दर पानी भर गया इसी प्रकार सुमेरपुर सुबह से लेकर शाम तक लोग घरों में दुबके रहे, जो बच्चे स्कूल पहुंच गए थे वह बारिश थमने के बाद ही वहां से निकल सकें, वही रात दिन हुई बारिश का पानी कस्बे के अंदर आकर इतना ही गया कि बस्ती में प्रवेश कर गया तो कई बस्तियां जलमग्न हो गई, न जाने कितनी गृहस्थी की सामग्री नष्ट हो गई, दर्जनों मकान ढह गए,चलते पशु बाजार से सड़क पार कर करोरन नाले में जानें वाला पानी पूरी क्षमता से नहीं निकल पाया तो पशु बाजार में बाढ़ जैसे हालात बन गए सैकड़ों घरों में पानी भर गया, लोगों की गृहस्थी का सामान नष्ट हो गया कुछ सामान बह भी गया, लोग सामान सुरक्षित स्थानों में रखने में लगे नजर आए, यहां के निवासी आचार्य रामनरायण ने बताया कि पानी से आधा दर्जन से अधिक मकान ढह गए हैं, पूरा मुहल्ला जलमग्न है, गृहस्थी का सामान पानी से भीग कर खराब हो गया है, इसी तरह से गुटखा फैक्ट्री के पास बरसात का पानी कई घरों में भर गया, मखलू गुप्ता की दूकान पानी से भर गई तो लाखो की सामग्री बर्बाद हो गई,रेलवे क्रॉसिंग के पास, जीत नर्सिंग होम के पास, गायत्री तपोभूमि के सामने सड़क के उपर से पानी बह रहा था, नरही मार्ग, अमिलिया थोक, सहित नई बस्तियों में जगह जगह जल भराव हो गया तो लोग परेशान नजर आ रहे थे, पानी से डूबे घरों में जाकर लोग राहत और बचाव कार्य में जुट गए थे, नगर पंचायत, पुलिस, जिले के अधिकारी राहत एवं बचाव कार्यों में जुट गए थे, कुंडौरा में कई गावों का पानी आ जाने से सैकड़ो मकानो में पानी भर गय, लोग गृहस्थी का सामान बचाने में जुटे हुए थे, वहां सड़क के किनारे इतना अधिक पानी आ गया था कि राष्ट्रीय राज मार्ग के उपर से पानी बहने लगा था तो जिला प्रशासन ने चार पहिया वाहनों का आवागमन रोक दिया था भारी वाहन ही गुजर रहे थे, बड़ी आबादी वाले गांव इगोहटा में बुधवार को बारिश से आधा गाँव तबाह हो गया। छुटकू कछवाह के घर में पानी जाने से 60 वोरी सीमेंट, मटर ,गेहू कपड़े आदि भीग गये ,घर भी गिर गया है। घर में एक मीटर पानी भरा है। लल्लू बसोर, विंदा बसोर के घर ढह गए हैं है, धूरिया मुहाल में पानी भरा है, दिलीप त्रिपाठी, शैलेश तिवारी ,विष्णु कान्त तिवारी, लल्लू भुर्जी, भोला सोनकर, कालका सोनकर, कल्लू भुर्जी, रज्जन भुर्जी, सुखलाल कोरी, गोपाल कुशवाहा, बसंत कुशवाहा, सहित 300 घरो में पानी घुस गया है।बारिश से बिदोखर में श्रीराम श्रीवास का घर गिर गया है ।कुरारा,विकास खंड क्षेत्र के झलोखर गांव में भुइँया रानी तालाब के ओवर फ्लो भर जाने से लोगो के घरों में तालाब का पानी भर गया है। जिससे गृहस्थी का सामान भीग गया है।बीती रात से शुरू हुई बरसात से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिक बरसात होने से कच्चे मकान गिरने लगे हैं वही पानी निकास न हो पाने से घरों में पानी घुस रहा है। झलोखर गांव में भुइँया रानी तालाब में अधिक पानी भर जाने से घरों में पानी भर गया है। वार्ड 15 में कुम्हरगढा तालाब के उफान से लोगो के घरों में पानी भर गया है।जिससे लोगो के गेंहू चना आदि गृहस्थी का सामान भीग गया है। अधिक बरसात होने से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

कुरारा विकास खंड परिसर में भर गया बरसात का पानी, जलमग्न हो गया ब्लाक कार्यालय: बीती रात से शुरू हुई बरसात से कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ का नजारा बन गया। खेतो व रास्ते में पानी ही पानी दिखाई दिया । वही ब्लाक के पास हाइवे में पानी बहने लगा। जिससे वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के पानी से बाढ़ का नजारा बन गया। चारों तरफ पानी ही दिखाई दे रहा है। बाढ़ के पानी से ब्लाक के पास राजकीय इंटर कॉलेज के सामने से मनकी तिराहा तक हाइवे पर पानी निकलने से वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। वही बाढ़ के नजारा देखने के लिए लोगो की भारी भीड़ जमा रही। कस्बा के ब्लाक परिसर, राजकीय इंटर कॉलेज, मॉडल स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, कुरारा से मनकी वाले सड़क पर दो स्थान पर सड़क पर पानी निकल रहा है। वही भौलीं रोड पर बने पुल से पानी न निकल पाने से सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है। चारो तरफजल दिखा ई देरहा है। स्टेट बैंक झलोखर के अंदर तक पानी भर जाने से कर्मचारियों ने जल भराव की स्थित में कार्य किया।में बाजार, बेरी रोड , आदि जगह पानी भर गया है।लोगो के कच्चे मकान गिरने लगे हैं। इस मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वही खेतो में खड़ी खरीफ की फसल भी खराब हो गई है। धान की फसल जो लेट बोई गई थी। उसका फायदा होगा। लेकिन जलभराव से तिल , उर्द आदि फसल व सब्जी की फसल खराब हो गई है। वही मवेशियों को चारा भी खराब हो जाने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पहले बेतवा व यमुना नदी में बाढ़ का पानी आया था। अब गांवो में बरसात का पानी तबाही मचा रहा है।

अर्जुनसहाय परियोजना नहर की पुलिया बनी लोगो की परेशानी सबब

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र में अर्जुनसहाय परियोजना में मौदहा कपसा मार्ग ,टिकरी सिसोलर मार्ग व कपसा मटौध मार्ग पर सड़क काटकर पुलिया तो बना दी गई पर ठेकेदारों द्वारा उन पुलियो पर काम के बाद न तो डामरीकरण किया गया न ही वहां की कच्ची मिट्टी हटाई जिससे बरसात होने पर राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है ।पिछले सप्ताह लगातार पांच दिनों हुई बारिश से पुलियो व अंडरपास पुलों में पानी भरा हुआ है जिससे ग्रामीण परेशान है ।कपसा के ग्रामीणों पुत्तू चंद्रभान राजू आदि लोगों का कहना है का कहना है इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ मौदहा और बांदा का मुख्य सड़क मार्ग है। बरसात में आए दिन जलभराव इतना अधिक हो जाता है कि यातायात पूर्णतया बाधित हो जाता है ग्रामीणों को आवागमन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है पिछले सप्ताह बारिस होने पर वहाँ आवागमन बाधित हो गया । कल एक बालू भरा ट्रक वही धंस गया जो ग्रामीणों व जेसीबी की मदद से निकाला गया ।इस सम्बंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया लेकिन कोई कारवाई नही हुई है। अंडरपास में पानी भरा होने के कारण आधादर्जन गाँवों के लोग प्रभावित है ।ग्रामीणों में खासा आक्रोश है यदि समस्या का समाधान नहीं होता अनशन करने की चेतावनी दी।

क्विक न्यूज

पुलिस ने आरोपी सभासद को जेल भेजा

मौदहा (हमीरपुर)। बलात्कार के मामले में एक माह से पुलिस के साथ आंख मिचौली खेल रहे आरोपी सभासद को कोतवाली पुलिस ने नगर से गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया। अवगत हो कि कोतवाली क्षेत्र मौदहा की एक महिला ने एक माह पूर्व नगर के वार्ड नंबर 18 के सभासद दीप चंद्र साहू उर्फदीपू के खिलाफबलात्कार समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था तब से कोतवाली पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। बुधवार की दोपहर कोतवाली पुलिस को उसके मोहल्ले में मौजूद होने की भनक लगते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच आरोपी सभासद को घेर कर पकड़ लिया और उसके साथ विधिक कार्यवाही कर उसे जेल भेज दिया।

नगर गंदगी से पटा, वर्षा से दो भैसें मरीं

मौदहा (हमीरपुर)। मौदहा नगर समेत क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से घरों में पानी भरने व सड़कों के तालाब में तब्दील हो जाने आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। बरसात की चपेट में आकर दर्जनों मकान ढह गए तो वही मलबे में दबने से दो भैसों की मौत हो गई। दोपहर बाद बारिश कम होने से गलियों में व सड़कों में भरे पानी की निकासी होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। फिलहाल इस जोरदार बारिश ने नगर पालिका द्वारा कराई गई नालों की सफाई की पोल खोल कर रख दी है। नगर में हुई जोरदार बारिश से रेलवे ट्रैक में पानी भर जाने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे ट्रैक पर भरा पानी निकालने के लिए रेलवे कर्मचारी बरसते पानी में ट्रैक में भरे पानी को निकालने के लिए प्रयासरत रहे। प्लेटफार्म नंबर एक के रेलवे ट्रैक में अधिक पानी होने के चलते दोपहर चित्रकूट को जाने वाली इंटरसिटी को प्लेटफार्म नंबर 2 से रवाना किया गया जिसके चलते सवारियों को अपना सामान व बच्चों को लादकर रेलवे पुल पार करना पड़ा। वही रेलवे विभाग द्वारा अरतरा मार्ग, सिसोलर मार्ग व बांदा मार्ग पर पड़ने वाली रेलवे क्रॉसिंग में बनवाए गए अंडर ब्रिजों में मूसलाधार बारिश का पानी भर जाने से इन मार्गों पर बुधवार को आवागमन बाधित रहा। कुछ लोग अपनी जान जोखिम में डाल रेलवे ट्रैक से अपनी बाइकें व साइकिलें निकाल आते जाते रहे फिलहाल रेलवे कर्मचारी इन अंडर ब्रिजों में भरा पानी निकालने के लिए पंपिंग सेट लगाकर पानी फेंकते रहे लेकिन लगातार बारिश होने के चलते उनका यह प्रयास खबर लिखे जाने तक सफल नहीं हो सका। इन मार्गों पर यात्रा करने वाले लोगों को कई किलोमीटर का चक्कर लगा अपने गंतव्य स्थान में पहुंचना मजबूरी रही। नगर के चौधराना मोहल्ला निवासी इमरान पुत्र हबीब का मकान बारिश से गिर गया है।

आज से लगेंगे दिव्यांग बच्चों के कैम्प: बीएसए

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी लव प्रकाश यादव ने बताया कि विशिष्ट आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को मेडिकल एसेसमेन्ट कैम्प लगाये जायेंगे। बुधवार को उन्होंने बताया कि 22 सितम्बर को बीआरसी रामनगर मानिकपुर के संकुल रैपुरा एंव अगरहुण्डा में 23 सितम्बर, बीआरसी पहाडी में संकुल नादिनकुर्मियान एवं छीबों संकुल के दिव्यांग बच्चों का कैम्प लगेगा। चित्रकूट के संकुल परसौंजा के दिव्यांग बच्चों का कैम्प 24 सितम्बर को यूईआरसी ट्राफिक चौराहा व नयाबाजार कर्वी में लगेगा। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र कर्वी के दिव्यांग बच्चे एवं विकासखण्ड मानिकपुर के संकुल रैपुरा अगरहुण्डा के अतिरिक्त सभी संकुल के दिव्यांग बच्चों का दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को मेडिकल कैम्प लगाया जाना है। शत-प्रतिशत दिव्यांग बच्चों के पास पूर्व से दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध न होने पर दिव्यांग प्रमाण पत्र व यूडीआईडी कार्ड पाने को कैम्प में बच्चे हिस्सा लें।

सोनी की नई लांचिंग

लखनऊ। सोनी इंडियाने आज डब्ल्यूएच.1000एक्सएम5 को लॉन्च करने की घोषणा की जिसका सोनी के अवार्ड.विनिंग 1000 एक्सएम परिवार में आने का काफी समय से इंतजार हो रहा है।यह जो काफी मशहूर सोनी की विशसत डब्ल्यूएच 1000 एक्सएम 4 से ऑडियो क्वालिटी देता है। सोनी इंडियाने एक खास प्री.बुकिंग ऑफर की घोषणा की है। ग्राहक अब 26990 रुपये की विशेष शुरुआती कीमत पर डब्ल्यूएच.1000एक्सएम5 की प्री.बुकिंग कर सकते हैं। यह ऑफर 21 सितम्बर से 7 अक्टूबर 2022 तक मान्य है।

तीसरे बैच के प्रशिक्षण में एबीएसए ने बांटे प्रमाणपत्र

चित्रकूट। ब्लाक संसाधन केन्द्र चित्रकूट में संचालित सेल्फ स्ट्रीम एवं बॉडी कान्फिडेंस प्रशिक्षण के दूसरे तीन दिवसीय बैच का समापन खण्ड शिक्षाधिकारी एनपी सिंह ने कर प्रतिभागी शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र बांटे। बुधवार को खण्ड शिक्षाधिकारी एनपी सिंह ने विद्यालय में नामांकित छात्र-छात्राओं के जीवन, कौशल, विकास और उनको जीवन के हर क्षेत्र में अवसर के समानता उपलब्ध कराने को प्रतिभागी शिक्षक-शिक्षिकाओं को अभिभावकों ने जागरूकता पैदा करने और बालिका शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा बालिकाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बिना भेदभाव के समान अवसर देने के बारे में बताया। पहले बैच का प्रशिक्षण 14 से 16 सितम्बर के बीच हुआ। तीसरे बैच का प्रशिक्षण 22 से 24 सितम्बर और चौथे बैच का प्रशिक्षण 26 से 28 सितम्बर को होगा। प्रत्येक बैच में 45 शिक्षक-शिक्षिकायें हिस्सा लेंगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम गूगल लिंक से राज परियोजना कार्यालय लखनऊ तथा सीमैट प्रयागराज की टीम आनलाइन देखरेख कर रही है।

बालिका से दुष्कर्म में दुकानदार को दस साल की सजा

चित्रकूट। दुकान में किताब खरीदने आई कक्षा तीन की छात्रा के साथ दुकान के अन्दर दुष्कर्म करने के आरोपी दुकानदार को न्यायालय ने दस वर्ष कारावास व बीस हजार के जुर्माना से दंडित किया है। बुधवार को लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि पांच अगस्त 2019 को एक महिला ने कर्वी कोतवाली में रामस्वरुप पटेल पुत्र रामऔतार निवासी घुरेटनपुर कोतवाली कर्वी के खिलाफदुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि उसकी छह वर्षीय पुत्री कक्षा तीन की छात्रा थी। दोपहर में अपरान्ह दो बजे रामस्वरुप पटेल की दुकान में किताब लेने गई थी। इस बीच दुकानदार उसे अन्दर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घर आकर बालिका ने पूरी जानकारी दी। पीड़िता की मां ने कर्वी कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रामस्वरुप के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश लैंगिक अपराधों से बालकों के संरक्षण अधिनियम/अपर सत्र न्यायाधीश संजय के लाल ने दुष्कर्म एवं पाक्सो एक्ट के तहत दोषसिद्ध होने पर रामस्वरुप को दस वर्ष का कारावास व बीस हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया।

अब अकोढ़ी दुबे में गौवंशों में दिखा लंपी वायरस के लक्षण

जालौन (उरई)। गधेला व पजूना के बाद अब अकोढ़ी दुबे में भी गोवंश में लंपी स्किन डिसीज के लक्षण मिले हैं। सूचना पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने बीमारी से ग्रसित जानवरों को अलग कर उनका उपचार शुरू किया। ब्लॉक क्षेत्र में गोवंशीय पशुओं में लंपी स्किन डिजीज के मामले बढ़ना शुरू हो गए हैं। पशुओं में पाई जाने वाली उक्त बीमारी के लक्षण लगभग 10 दिन पूर्व ग्राम गधेला व पजूना में पशुओं में मिले थे। जिसके

बाद से पशु चिकित्सा विभाग की टीम पशुओं में टीकाकरण कर रही है। बुधवार को विकास खंड के ग्राम अकोढ़ी दुबे में अन्ना गोवंश में लंपी स्किन डिजीज के लक्षण दिखे। लक्षण दिखने के बाद ग्रामीण रामकुमार बाथम, पुनीत दुबे ने इसकी जानकारी पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह राजपूत को दी। इसके बाद चिकित्सक की सलाह पर ग्रामीणों ने अन्ना गोवंश को खाली पड़े मकान में बंद कर दिया। जिससे यह संक्रमण अन्य पालतू पशुओं में न फैलने पाए। इसके साथ ही पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर बीमार गोवंश का उपचार शुरू कर दिया है। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि लंपी स्किन डिजीज एक वायरल बीमारी होती है। यह बीमारी पशुओं से इंसानों में नहीं फैलती है। इस रोग से ग्रसित पशुओं को बुखार आ जाता है। लार अधिक आती है। शरीर पर दाने हो जाते हैं और पशुओं को भूख कम लगती है। यदि किसी पशु में ऐसे लक्षण दिखते हैं तो लंपी रोग से प्रभावित पशुओं को अन्य पशुओं से अलग रखें। उनके शरीर के मक्खी, मच्छर, जूं आदि को मार दें। इसके अलावा बीमारी अन्य जानवरों में न फैलने पाए इसके लिए नियमित पशुओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है।

अब किफायती दामों पर मंगा सकेंगे दवाइयां

लखनऊ। घरेलू ई.कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस के सौजन्य से अपने एप पर दवाएं लॉन्च करने का एलान किया है इससे लाखों ग्राहकों के लिए किफायती दाम पर दवाओं वेलनेस प्रोडक्ट्स और अन्य हेल्थकेयर उत्पादों तक पहुंचना आसान होगा देशभर के ग्राहक अब मिनटों में किफायती एवं असली दवाएं तथा हेल्थकेयर उत्पाद की विस्तृत रेंज से ऑर्डर कर सकेंगे। फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस के सीईओ प्रशांत झावेरी ने कहा फ्लिपकार्ट एप के माध्यम से फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस तक पहुंच से एक अरब से ज्यादा भारतीयों के लिए किफायती एवं भरोसेमंद हेल्थकेयर प्रोडक्ट पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में हमने एक और कदम बढ़ाया है।

कुश्ती कला के संवर्धन के लिए कार्य कर रही मोदी-योगी सरकार: आरके सिंह पटेल

चित्रकूट। जिले के मानिकपुर ब्लाक क्षेत्र के ऐंचवारा गांव में दो दिवसीय दंगल का समापन मंगलवार को हुआ। जिसमें सांसद आरके सिंह पटेल, जिपं अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, प्रधान संघ जिलाध्यक्ष सुनील शुक्ला ने पहलवानों का परिचय लेते हुए हाथ मिलाकर कुश्ती शुरू कराई। जिसमें पहलवान विकास रामनगर व मुकेश लोधौरा के बीच कुश्ती हुई। इसी तरह सोनू लोधौरा व अंकित रामनगर, महेन्द्र सरैंया व शिवम चर, जितेन्द्र सरैंया व शिवचरण चर, गिरजेश प्रयागराज व ललित खरौंध, राज कौबरा व अभिषेक रामनगर, अनिल गौरिया व देवा इटवां, राकेश हमीरपुरा व चीता टीकमगढ़, रामनारायण रामनगर व जगदीश पैकौरा, राधेकृष्ण कौबरा व मलखान राठ, कुजंबिहारी टिटिहरा व महेन्द्र सरैंया, वीरेन्द्र हमीरपुर व सुदामा टिटिहरा के बीच रोमांचक दांवपेंच पेश किए गए। इन कुश्तियों में विजयी हुए पहलवानों में कुंजबिहारी टिटिहरा, ललित खरौंध, रामलाल फतेहपुर, स्वयंबर बबेरू

पहलवानों का उत्साह बढाते सांसद

सिंह, गुलाब सिंह आदि मौजूद रहे। इसके बाद विजयी पहलवानों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख पहाडी सुशील द्विवेदी, पंकज अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख अरविंद मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर, पूर्व प्रधान नंदकिशोर तिवारी, गुलजारीलाल गर्ग, वेद प्रकाश शुक्ला, रामकिंकर गौतम, सुनील तिवारी, आदित्य उपाध्याय अखाड़े, रामाशंकर गर्ग, लोटन सिंह, गुलाब सिंह आदि मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के रूप में भाजपाई मना रहे पीएम मोदी का जन्मदिन

चित्रकूट। भाजपा के सेवा पखवाडे के तहत सभी 11 मंडलों में अमृत महोत्सव के तहत चयनित तालाबों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

बुधवार को शिवरामपुर में भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे, बरगढ में पूर्व सांसद रमेशचन्द्र द्विवेदी, गनीवा मंडल में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, ऐंचवारा में सांसद आर के सिंह पटेल, मानिकपुर में पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, पहाडी में पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, सरधुआ में शिवशंकर सिंह, मऊ में पूर्व विधायक आनन्द शुक्ला, रामनगर में अर्जुन शुक्ला, भरतकूप में चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता, कर्वी नगर में अश्वनी अवस्थी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाडा के रुप में मनाया जा रहा है। जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे ने कहा कि जल ही जीवन है। हमे तालाबों को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को पार्टी ने सेवा पखवाडा के रुप में मनाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर भाजपा नेता मोनू मिश्रा, अर्पित जायसवाल, ओमप्रकाश मिश्रा, श्याम गुप्ता, विनोद पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

सफाई करते चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले को दस वर्ष कारावास की सजा

संवाददाता। चित्रकूट

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का आरोप सिद्ध होने पर न्यायालय ने आरोपी को दस वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि कर्वी कोतवाली में एक युवती ने वर्ष 2017 में धारा 376,504,506 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता का कहना था कि मिर्जापुर जिले के इमरती चौराहा निवासी अंशुमान पुत्र प्रवीण मोबाइल

लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित

● बची-खुची खरीफ फसलें हुईं नष्ट, कच्चे घरों को पहुंचा नुकसान,कई स्थानों पर सम्पर्क मार्गों पर गिरे पेड़, आवागमन ठप

संवाददाता। कोंच (जालौन)

संपर्क मार्ग पर पेड़ से गिरा पेड़

गत सप्ताह हुई तेज मूसलाधार बारिश के बाद मौसम में कुछ सुधार होने के बाद एक बार फिर से लगातार कई घंटे लगातार तेज बारिश होने से नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में एकाएक मौसम में काफी ठंडक हो गई।मंगलवार और बुधवार को बारिश से हुई ठंडक के कारण घरों में चलने वाले कूलर एसी भी बंद हो गये। लगातार तेज बारिश के बीच बच्चों के तमाम पब्लिक स्कूल बंद रहे और इंटर कॉलिजों समेत अन्य जो स्कूल कॉलिज खुले हुए थे उनमें विद्यार्थियों की संख्या नगण्य रही।बारिश से क्षेत्र में तमाम कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा है और सम्पर्क मार्गों पर भी आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना करते हुए देखा गया।रास्तों में पेड़ भी धराशायी होकर आम रास्तों में गिरे हुए देखे गए।कोंच से तीतरा मार्ग पर ग्राम लौना के समीप मुख्य सड़क पर भारी भरकम पेड़ टूटकर गिरने से आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया है। उधर, खंड विकास कार्यालय और वन विभाग कार्यालय में घुटनों तक पानी भर गया।पानी को वाटर पम्प के सहारे निकाला जा रहा है। वहीं लगातार तेज बारिश होने से खरीफ फसलों के तहत तिली, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली जैसी फसलों को खेतों में पानी अधिक भर जाने से काफी नुकसान पहुंचा है और उक्त सारी फसलें करीब करीब नष्ट हो गई हैं जिसको देखते हुए किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर देखी जा सकती हैं।बारिश के बीच नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में बिजली संकट ग्रामीणों की समस्या परेशानी को और बढ़ा रहा है। उधर, एकाएक ठंडक हो जाने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार चल रहे लोगों में खांसी, जुखाम, उल्टी, दस्त का भी खतरा बारिश में बढ़ गया है।

सेवा सप्ताह में करतलापुर के अमृत सरोवर में रोपित किये पौधे

सेवा सप्ताह में वृक्षारोपण करते अधिकारी

कुठौंद (जालौन)। मंगलवार को ग्राम पंचायत करतलापुर में सेवा सप्ताह पखवाड़ा के पांचवें दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कुठौंद मंडल अध्यक्ष अमित नीखरा, प्रधान प्रतिनिधि अतुल कुमार वर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी विनय कुमार स्वर्णकार, तकनीकी सहायक सोहनलाल वर्मा, रोजगार सेवक विनय कुमार त्रिपाठी के द्वारा अमृत सरोवर तालाब के पास वृक्षारोपण किया।

प्रात: से ही झमाझम बारिश के बाद भी ब्लाक अधिकारी गांव में पहुंचे जहां पर उन्होंने अमृत सरोबर के चारों ओर छायादार वृक्षों को रोपित करते हुये ग्रामीणों को रोपित किये गये पौधों को संरक्षित करने की शपथ भी दिलायी। ग्राम पंचायत अधिकारी विनय कुमार स्वर्णकार का कहना था कि जलवायु पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए वृक्षों रोपित किया गया क्योंकि इन्हीं वृक्षों के द्वारा जलवायु सभी मनुष्यों के जनजीवन में बहुमूल्य योगदान सदियों से रहा है। उन्होंने को भी अपनी खाली जमीन पर ऐसे ही छायादार पौधों को रोपित करने के लिये भी प्रेरित किया।

● त्वरित न्यायालय ने सुनाया फैसला

के जरिए उसके संपर्क में आया था। कुछ दिन तक बातचीत के बाद उसने शादी का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद बीती एक फरवरी 2017 में लखनऊ में एक शादी समारोह में मुलाकात के दौरान उसने जबरन सिंदूर से उसकी मांग भर दी और इच्छा के विरुद्ध एकांत में दुष्कर्म किया। इसके बाद कर्वी आकर मध्य प्रदेश के चित्रकूट क्षेत्र में बने एक होटल में अलग-अलग तिथियों में शादी का झांसा देकर दुराचार करता रहा। शादी को लेकर उसकी बहानेबाजी को देखकर कोर्ट मैरिज करने के लिए समय निर्धारित करने की बात कही, जिस पर अंशुमान ने उसके साथ अभद्रता करते हुए गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एफ्टीसी विनीत नारायण पांडेय ने इस मामले में बुधवार को निर्णय सुनाया, जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी अंशुमान को दस वर्ष कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड की धनराशि में से एक तिहाई धनराशि बतौर प्रतिकर पीड़िता को अदा करने के भी आदेश दिए गए हैं।